THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 151 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) भाद्रपद शु.3 2082 मंगलवार, 26 अगस्त-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

ऑपरेशन चक्र-IV के तहत सीबीआई की बड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने ऑपरेशन चक्र-IV के तहत एक बड़ी साइबर ठगी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। यह गिरोह 2023 से अमेरिकी नागरिकों को निशाना बना रहा था और वर्चुअल करेंसी (जैसे बिटकॉइन) के जरिए धोखाधड़ी करता था। इस कार्रवाई में सीबीआई ने अमेरिका की जांच एजेंसी एफबीआई के साथ मिलकर काम किया। 2023 से 2025 के बीच आरोपियों ने एक साजिश के तहत अमेरिकी नागरिकों को निशाना बनाया। वे बिना इजाजत उनके कंप्यूटर और बैंक खातों तक पहुंच बना लेते थे। टेक्निकल सपोर्ट देने के बहाने वे पीड़ितों को झूठी जानकारी देते थे कि उनके बैंक खातों को हैक कर लिया गया है। >14

'भारत और फिजी की आकांक्षाएं एक ही नाव पर सवार'

> दोनों देशों के बीच बातचीत के बाद बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फिजी के प्रधानमंत्री सिटिवेनी लिगामामादा राबुका, हैदराबाद हाउस में भारत और फिजी के बीच हुए समझौतों के आदान-प्रदान के साक्षी बने। प्रधानमंत्री मोदी और उनके फिजी समकक्ष राबुका के बीच वार्ता के बाद भारत और फिजी ने सात समझौतों पर हस्ताक्षर किए।

फिजी के प्रधानमंत्री सिटिवेनी लिगामामादा राबुका प्रधानमंत्री मोदी की बुधवार को एक संयुक्त प्रेस वार्ता हुई। इस दौरान पीएम मोदी ने जलवायु परिवर्तन को फिजी के लिए खतरा बताते हुए कहा कि हम आपदा प्रतिक्रिया से निपटने में उसकी मदद करेंगे। पीएम मोदी ने कहा कि भारत और फिजी भले ही महासागरों से बंटे हुए हों, लेकिन हमारी आकांक्षाएं एक ही नाव पर सवार हैं। इस दौरान फिजी के नेता भी उनके साथ थे। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा, 33 वर्षों के बाद, 2014 में, किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने फिजी का दौरा किया। मुझे बहुत खुशी और गर्व है कि यह मेरा सौभाग्य था। उस समय, हमने फॉरेन फॉर इंडिया पैसिफिक आइलैंड कोऑपरेशन-एफआईपीआईसी का गठन किया था। इस पहल ने न केवल भारत-फिजी संबंधों को बल्कि पूरे प्रशांत क्षेत्र के साथ हमारे संबंधों को भी मजबूत किया। प्रधानमंत्री राबुका की इस यात्रा के साथ, हम अपने संबंधों में एक नया अध्याय जोड़ रहे हैं।

भारत और फिजी ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फिजी के समकक्ष सितवेनी लिगामामादा राबुका के साथ व्यापक वार्ता के बाद अपने रक्षा संबंधों को विस्तार देने के लिए एक व्यापक कार्य योजना तैयार की। पीएम मोदी ने कहा कि भारत और फिजी भले ही महासागरों की दूरी पर हों, लेकिन हमारी आकांक्षाएं एक ही नाव पर सवार हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा कि भारत और फिजी एक स्वतंत्र, समावेशी, खुले, सुरक्षित और समृद्ध भारत-प्रशांत का समर्थन करते हैं।

पीएम मोदी की डिग्री सार्वजनिक नहीं होगी

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस सचिन दत्ता ने सोमवार को डीयू की याचिका पर फैसला सुनाआ। इसमें कहा कि विश्वविद्यालय डिग्री दिखाने के लिए बाध्य नहीं है।

दरअसल, सीआईसी ने 2016 में एक आरटीआई एक्टिविस्ट की याचिका पर दिल्ली यूनिवर्सिटी को 1978 में बीए की परीक्षा पास करने वाले सभी छात्रों के रिकॉर्ड सार्वजनिक करने का आदेश दिया था। पीएम मोदी ने भी इसी साल परीक्षा पास की थी। आरटीआई एक्टिविस्ट की ओर से पेश सीनियर एडवोकेट संजय हेगड़े ने दलील दी- जो जानकारी मांगी गई है, वह हर विश्वविद्यालय सार्वजनिक करता है।

पीएम नरेंद्र मोदी का रोड शो : 5400 करोड़ की विकास योजनाओं का किया लोकार्पण-शिलान्यास

अहमदाबाद, 25 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को दो दिवसीय दौरे पर अपने गृह राज्य गुजरात के दौर पर पहुंचे। उन्होंने अहमदाबाद में रोड शो किया। वे अहमदाबाद के खोडलधाम मैदान में 5,400 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और लोकार्पण किया। इसके बाद जनसभा को भी संबोधित किया।

इससे पहले प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से जारी बयान में कहा गया कि 26 अगस्त को सुबह लगभग 10.30 बजे प्रधानमंत्री अहमदाबाद के हंसलपुर में हाइब्रिड बैटरी इलेक्ट्रोड के स्थानीय उत्पादन का उद्घाटन करेंगे और 100 देशों को बैटरी इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्यात को हरी झंडी दिखाएंगे। विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप प्रधानमंत्री मोदी 1,400 करोड़ रुपये से अधिक की कई रेलवे परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इसमें 530 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली 65 किलोमीटर महेसाणा-पालनपुर रेल लाइन का दोहरीकरण, 860 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली 37 किलोमीटर कलोल-कडी-कटोसन रोड रेल लाइन और 40 किलोमीटर बेचराजी-रानुज रेल लाइन का गेज परिवर्तन शामिल है। >14

सुप्रीम कोर्ट आएंगे पटना और बॉम्बे हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश

> कॉलेजियम ने केंद्र से की सिफारिश

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। पटना और बॉम्बे हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश अब सुप्रीम कोर्ट आएंगे। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने केंद्र से बॉम्बे हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश आलोक अराधे और पटना हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश विपुल मनुभाई पंचोली के नाम की शीर्ष अदालत में पदोन्नति के लिए सिफारिश की। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय कॉलेजियम ने सोमवार दोपहर को विचार-विमर्श के लिए बैठक की।

सर्वोच्च न्यायालय कॉलेजियम के अन्य सदस्यों में न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी और न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना शामिल हैं। अगर केंद्र की ओर से दोनों नामों को मंजूरी दे दी जाती है, तो न्यायमूर्ति विपुल मनुभाई पंचोली अक्टूबर 2031 में न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की सेवानिवृत्ति के बाद मुख्य न्यायाधीश बनने की कतार में होंगे। 28 मई 1968 को अहमदाबाद में जन्मे जस्टिस विपुल मनु भाई पंचोली मौजूदा समय में पटना हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश हैं। पटना हाईकोर्ट की वेबसाइट पर दी गई जानकारी के अनुसार उन्होंने सेंट जेवियर्स कॉलेज अहमदाबाद से विज्ञान स्नातक (इलेक्ट्रॉनिक्स) और सर एलए शाह लॉ कॉलेज अहमदाबाद, गुजरात विश्वविद्यालय से वाणिज्यिक समूह में कानून में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की। उन्होंने सितंबर 1991 में बार में प्रवेश किया। इसके बाद उन्होंने गुजरात हाईकोर्ट में वकील के रूप में अभ्यास शुरू किया।

विपक्ष जेल को सीएम-पीएम हाउस बनाना चाहता है : शाह

> राहुल ने संसद में लालू को बचाने वाला अध्यादेश फाड़ा था, सरकार गई तो सुर बदले

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। गृहमंत्री अमित शाह ने सोमवार को संविधान (130वां संशोधन) विधेयक पर विपक्ष के विरोध को गलत बताया। उन्होंने कहा, क्या कोई मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री या मंत्री जेल से सरकार चला सकता है। वे चाहते हैं कि उन्हें जेल से सरकार चलाने का विकल्प मिले।

उन्होंने कहा, कभी देश का प्रधानमंत्री जेल जाए तो क्या जेल से प्रधानमंत्री सरकार चलाए, वो क्या ठीक है? कोई मुख्यमंत्री जेल से शासन चलाए, ये क्या ठीक है? जिस भी दल का बहुमत है, उसका कोई अन्य व्यक्ति आकर शासन चलाएगा। आपकी बेल हो जाए तो आप फिर पद संभाल लीजिए। दरअसल, केंद्र ने 20 अगस्त को संविधान (130वां संशोधन) विधेयक लोकसभा में पेश किया। इसमें प्रावधान है कि कोई प्रधानमंत्री-मुख्यमंत्री या किसी भी मंत्री को गिरफ्तारी या 30 दिन तक हिरासत में रहने पर पद छोड़ना होगा। शर्त यह है कि जिस अपराध के लिए हिरासत या गिरफ्तारी हुई है, उसमें 5 साल या ज्यादा की सजा का प्रावधान हो। विपक्ष इसका विरोध कर रहा है। आज देश में एनडीए गठबंधन के मुख्यमंत्री ज्यादा हैं। प्रधानमंत्री भी एनडीए से हैं। ऐसे में संविधान (130वां संशोधन) विधेयक से सिर्फ विपक्ष पर ही सवाल खड़े नहीं होते बल्कि हमारे मुख्यमंत्रियों पर भी सवाल उठेंगे। अगर फर्जी मामला है तो देश के उच्च न्यायालय और सुप्रीम कोर्ट आंखें बंद करके नहीं बैठे हुए हैं, वे जमानत दे सकते हैं। कांग्रेस सरकार में भी ऐसा प्रावधान था कि अगर सत्र अदालत ने किसी को दो साल जेल की सजा सुनाई है तो उस सदस्य की सदस्यता अपने आप चली जाती थी।

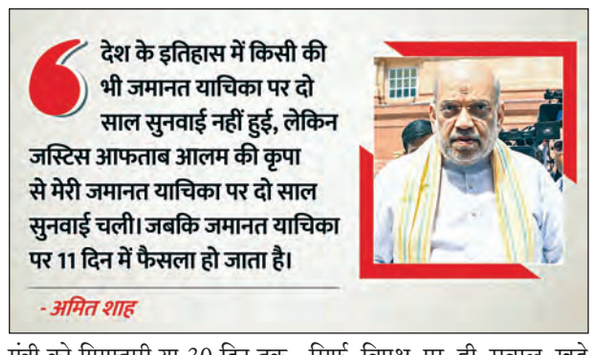

जेल जाने के बाद भी दिल्ली के सीएम ने भी इस्तीफा नहीं दिया

आजकल नई परंपरा आ गई है। दो साल पहले ऐसा कोई मामला नहीं था। आरोप लगने के बाद नेता इस्तीफा देते थे। रिहाई के बाद ही राजनीति में शामिल होते थे। लेकिन तमिलनाडु के कुछ मंत्रियों ने जेल में रहने के बावजूद मंत्रीपद से इस्तीफा नहीं दिया था। दिल्ली के सीएम और गृहमंत्री ने भी इस्तीफा नहीं दिया था। राजनीति को बदनाम करने और सामाजिक नैतिकता को इस स्तर तक गिराने के लिए हम इससे सहमत नहीं हैं। लालू यादव को बचाने के लिए मनमोहन सिंह सरकार अध्यादेश लाई थी। उसे राहुल गांधी ने क्यों फाड़ा, क्या औचित्य था? अगर उस दिन नैतिकता थी तो क्या आज नहीं है, क्योंकि आप लगातार तीन चुनाव हार चुके हैं।

अजय भल्ला को नगालैंड की भी मिली जिम्मेदारी

कोहिमा, 25 अगस्त (एजेंसियां)। मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने सोमवार को नगालैंड के 22वें राज्यपाल के रूप में शपथ ली। उन्हें यह अतिरिक्त प्रभार राज्यपाल ला गणेशन के निधन के बाद दिया गया। शपथ ग्रहण समारोह कोहिमा स्थित राजभवन में आयोजित हुआ, जहां गुवाहाटी हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश अशुतोष कुमार ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।

शपथ ग्रहण समारोह में नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो, उपमुख्यमंत्री टी.आर. जेलियांग और वाई. पैटन, राज्य के मंत्री, विधायक, वरिष्ठ नौकरशाह और अन्य गणमान्य लोग शामिल हुए। शपथ लेने के बाद भल्ला ने मुख्यमंत्री रियो और राज्य मंत्रिमंडल से मुलाकात की। उन्होंने समारोह के हिस्से के रूप में गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण भी किया। शपथ ग्रहण कार्यक्रम नगालैंड के मुख्य सचिव सेंतियेंगर इमचेन की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।

बिहार भाजपा के इंस्टाग्राम पोस्ट पर कांग्रेस हमलावर

विपक्ष पर जातिसूचक-अपमानजनक टिप्पणी की गई

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार भाजपा के इंस्टाग्राम पर विपक्ष को लेकर की गई पोस्ट पर कांग्रेस ने आपत्ति जताई है। कांग्रेस ने कहा कि भाजपा ने विपक्ष पर जातिसूचक और अपमानजनक टिप्पणी की है। इसे लेकर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही कांग्रेस ने संविधान संशोधन विधेयक को लेकर भी केंद्र को घेरा है।

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि बिहार भाजपा के इंस्टाग्राम पर विपक्षी नेताओं के लिए जातिसूचक और अपमानजनक टिप्पणी की गई है। हम इसे लेकर कानूनी कार्रवाई करने जा रहे हैं। भाजपा दलितों के विरोध में रही है। भाजपा ने साबित कर दिया है उसकी मानसिकता दलित विरोधी है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि बिहार बीजेपी ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल से एक पोस्ट किया है। जिसमें विपक्षी दलों के नेताओं के लिए जातिसूचक अपशब्द का इस्तेमाल किया गया है। इस पोस्ट में इस्तेमाल गाने में विपक्षी नेताओं को अपमानित किया गया है। भाजपा ने जातिवादी अपशब्द को विपक्ष पर एक अपमानजनक टिप्पणी के रूप में इस्तेमाल किया है। दरअसल यही भाजपा और आरएसएस की विचारधारा है। दलितों के प्रति घृणा उसके डीएनए में बसी हुई है, जो वक्त-बेवक्त बाहर आ ही जाती है। बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर द्वारा बनाया गया संविधान, भाजपा और आरएसएस की विचारधारा के खिलाफ एक मजबूत ढाल बनकर खड़ा है। दलित समाज की गरिमा और सम्मान पर कोई भी हमला बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, हम इस शर्मनाक कृत्य के खिलाफ उचित धाराओं में केस दर्ज कराएंगे।

विपक्ष को खत्म करने के लिए ला रहे कानून :

संविधान संशोधन विधेयक को लेकर कांग्रेस नेता ने कहा कि नया कानून ऐसा है वो यह कहता है कि न खाता न बही, जो भाजपा कहे वो सही। ईडी, सीबीआई उनकी पालतू एजेंसियां हैं। इनके जरिए वे विपक्षी नेताओं को गिरफ्तार करवाएंगे। 30 दिन तक जमानत नहीं होने देंगे, 31वें दिन उन्हें इस्तीफा देना होगा, और वे कहते हैं कि यह प्रधानमंत्री पर भी लागू होता है। मुझे 11 साल में एक भी मंत्री बताइए जिसके खिलाफ ईडी, सीबीआई ने कोई कार्रवाई की हो।

यूं हासिल की 20 करोड़ की जमीन

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), जम्मू उप-क्षेत्रीय कार्यालय ने 22.08.2025 को जम्मू और उधमपुर के विभिन्न स्थानों पर कस्टोडियन भूमि हड़पने के मामले में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत तलाशी अभियान चलाया। यह तलाशी अभियान जेएंडके सरकार में विभिन्न पटवारियों, तहसीलदारों, बिचौलियों और भूमि हड़पने वालों के खिलाफ चलाया गया। आरोप है कि ये लोग कस्टोडियन भूमि (निष्कासित लोगों द्वारा छोड़ी गई भूमि, जो पहले पाकिस्तान चले गए थे) से संबंधित धोखाधड़ी और भ्रष्टाचार के मामले में लिप्त थे। वह भूमि लगभग 502.5 कनाल थी। उस पर अवैध कब्जा करा दिया गया। ईडी ने एसीबी, जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा दर्ज विभिन्न एफआईआर के आधार पर उक्त मामले की जांच शुरू की थी।

चुनाव विशेषज्ञ संजय कुमार को 'सुप्रीम' राहत

मतदाता सूची से जुड़ी गलत सूचना फैलाने के आरोप में हुई थी एफआईआर

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को चुनाव विशेषज्ञ संजय कुमार को सोशल मीडिया पर पोस्ट के जरिए महाराष्ट्र की मतदाता सूची से जुड़ी गलत जानकारी फैलाने के आरोप में चुनाव आयोग की ओर से दर्ज कराई गई दो एफआईआर के सिलसिले में गिरफ्तारी से सुरक्षा प्रदान की।

मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक तन्खा और वकील सुमीर सोढ़ी की इस दलील पर गौर किया कि चुनाव विशेषज्ञ की ओर से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने के बावजूद एफआईआर दर्ज की गई हैं। मुख्य न्यायाधीश ने कहा, नोटिस जारी करें। इस बीच कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी।

शीर्ष अदालत का दरवाजा क्यों खटखटाया :

सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ डेवलपिंग सोसाइटीज (सीएसडीएस) में लोकनीति के सह-निदेशक संजय कुमार ने महाराष्ट्र में अपने खिलाफ दर्ज दो एफआईआर को रद्द करने की मांग करते हुए शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया है।

एफआईआर में क्या हैं :

एफआईआर में उन पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट के जरिए महाराष्ट्र की मतदाता सूची से जुड़ी गलत जानकारी फैलाने का आरोप लगाया गया है।

याचिका में क्या आरोप :

याचिका में आरोप लगाया गया है कि ये एफआईआर कानून का दुरूपयोग हैं। यह एक शिक्षाविद को कम से कम एक वास्तविक गलती के लिए परेशान करने का प्रयास हैं।

सैयदा हमीद पर भड़के असम सीएम

इन जैसे लोगों की वजह से असमिया पहचान विलुप्ति के कगार पर

गुवाहाटी, 25 अगस्त (एजेंसियां)। सामाजिक कार्यकर्ता और पूर्व में योजना आयोग की सदस्य रहीं सैयदा हमीद के बयान से असम में राजनीतिक भूचाल खड़ा हो गया है। दरअसल हालिया असम दौरे पर सैयदा हमीद ने अपने एक बयान में यह कहकर विवाद खड़ा कर दिया कि बांग्लादेशी, हम लाचित बरफुकन के बेटे और बेटियां हैं, हम अपने राज्य और अपनी पहचान को बचाने के लिए अपने खून की आखिरी बूंद तक लड़ेंगे। मैं ये साफ कर दूं कि बांग्लादेशियों का असम में स्वागत नहीं है, यह उनकी भूमि नहीं है। उनसे सहानुभूति रखने वाला कोई भी व्यक्ति उन्हें अपने घर में जगह दे सकता है। असम अवैध घुसपैठियों के लिए नहीं है, न अभी, न आगे कभी। दरअसल सैयदा हमीद ने एक प्रतिनिधिमंडल के साथ असम का दौरा किया। इस प्रतिनिधिमंडल में सैयदा हमीद के अलावा हर्ष मंदर, वजाहत हबीबुल्ला, फयाज शाहीन, प्रशांत भूषण, जवाहर सरकार शामिल रहे। इन लोगों ने सरकार द्वारा खाली कराए गए इलाकों का दौरा किया। इस दौरान मीडिया से बात करते हुए सैयदा हमीद ने कहा कि बांग्लादेशी होने में क्या बुराई है? बांग्लादेशी भी इंसान हैं, धरती बहुत बड़ी है, बांग्लादेशी भी यहां रह सकते हैं। अल्लाह ने यह धरती इंसानों के लिए बनाई है, शैतान के लिए नहीं। किसी इंसान को इतनी बेरहमी से क्यों निकाला जाए?

असम सीएम ने सोशल मीडिया पर किया पोस्ट :

असम सीएम ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि, गांधी परिवार की करीबी विश्वासपात्र सैयदा हमीद जैसे लोग अवैध घुसपैठियों को वैध ठहराते हैं, क्योंकि वे असम को पाकिस्तान का हिस्सा बनाने के जिन्ना के सपने को साकार करना चाहते हैं। आज इनके जैसे लोगों के मौन समर्थन के कारण असमिया पहचान विलुप्त होने के कगार पर है। लेकिन

विधानसभा में डीके शिवकुमार के आरएसएस गीत गाने पर बवाल

कांग्रेस एमएलसी ने पूछा किसे खुश करना चाहते हैं?

बेंगलूरू, 25 अगस्त (एजेंसियां)। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार द्वारा विधानसभा में आरएसएस का गीत गाने पर विवाद खड़ा हो गया है। कांग्रेस के वरिष्ठ एमएलसी बीके हरिप्रसाद ने इस कदम पर कड़ा एतराज जताते हुए शिवकुमार से माफी मांगने की मांग की है। इसके साथ ही उन्होंने सवाल किया कि आखिर शिवकुमार किसे खुश करना चाहते हैं। एमएलसी हरिप्रसाद ने कहा कि एक जनप्रतिनिधि अगर किसी संगठन का गीत गाता है तो आपत्ति नहीं, लेकिन कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष होते हुए शिवकुमार को ऐसा नहीं करना चाहिए था। उन्होंने याद दिलाया कि आरएसएस को स्वतंत्र भारत में तीन बार प्रतिबंधित किया जा चुका है। उन्होंने आरोप लगाया कि शिवकुमार का यह कदम गांधीजी की हत्या से जुड़े संगठन की विचारधारा को बढ़ावा देने जैसा है।

एशिया कप में पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेलना राष्ट्रीय हित के खिलाफ

> कांग्रेस ने बीसीसीआई को लिखा पत्र

गुवाहाटी, 25 अगस्त (एजेंसियां)। एशिया कप में होने वाले भारत-पाकिस्तान मैच को लेकर कांग्रेस ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को पत्र लिखा है। कांग्रेस ने कहा है कि एशिया कप में पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेलना राष्ट्रीय हित के खिलाफ है। पत्र में लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई ने कहा कि द्विपक्षीय रिश्तों के मद्देनजर बीसीसीआई यह तय करे कि भारत की टीम पाकिस्तान के साथ मैच न खेले।

भारत को 14 सितंबर को दुबई में एशिया कप के ग्रुप चरण के मैच में पाकिस्तान के साथ क्रिकेट मैच खेलना है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया को लिखे पत्र में गौरव गोगोई ने कहा कि क्रिकेट हमेशा से ऐसा खेल रहा है जो लोगों के बीच खुशी लाता है, लेकिन वर्तमान भारत और पाकिस्तान संबंधों के संदर्भ में इस तरह के आयोजनों को राष्ट्रीय हित से ऊपर प्राथमिकता नहीं दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि सीमा पार तनाव अभी भी कायम है और हम सभी अपने सशस्त्र बलों के बलिदान से अवगत हैं। ऐसी परिस्थितियों में पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय क्रिकेट खेलना राष्ट्रीय हित के खिलाफ है।

असम कांग्रेस के अध्यक्ष गौरव गोगोई ने कहा कि भारत ने दुनिया को यह बताने के लिए विभिन्न देशों में प्रतिनिधिमंडल भेजे थे कि पहलगाम हमले के पीछे पाकिस्तान का हाथ था। यहां तक कि हमारे माननीय प्रधानमंत्री ने भी कहा था कि पानी और खून एक साथ नहीं बह सकते। उनका इशारा अप्रैल में जम्मू-कश्मीर में हुए हमले के तुरंत बाद भारत द्वारा सिंधु जल संधि से बाहर निकलने की ओर था।

उन्होंने कहा कि इस समय पाकिस्तान के साथ बातचीत करने से ऐसा संदेश जाएगा जो भारत के लोगों की भावनाओं को कमजोर करेगा, जो राष्ट्रीय सुरक्षा पर किसी भी समझौते के खिलाफ दृढ़ता से खड़े हैं। गोगोई ने कहा कि पाकिस्तान ने भारत में हॉकी खेलने से इनकार कर दिया है। मौजूदा हालात में क्रिकेट संबंधों को पुनः शुरू करने से सुरक्षा और कूटनीति से संबंधित राष्ट्रीय चिंताओं की गंभीरता कम हो सकती है। वैश्विक मंचों और द्विपक्षीय संबंधों में भारत का रुख एकता, शक्ति और हमारी संप्रभुता और सुरक्षा के प्रति सर्वोच्च सम्मान को प्रतिबिंबित करना चाहिए।

अपने ही कानून के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची महाराष्ट्र सरकार

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र सरकार जुडपी जंगल की करीब 86,409 हेक्टेयर भूमि को वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 के दायरे से बाहर करने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंची है। सरकार ने इस इलाके में हुए अतिक्रमण को भी बिना किसी दंड और क्षतिपूर्ति के नियमित करने की भी मांग की है। सरकारी दस्तावेजों के अनुसार, महाराष्ट्र सरकार की यह मांग उसके ही अपने कानूनी ढांचे के विपरीत हैं। साथ ही ये मांग सर्वोच्च न्यायालय द्वारा नियुक्ति केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति (सीईसी) की सिफारिशों के भी खिलाफ है।

जुडपी जंगल, महाराष्ट्र के पूर्वी विदर्भ के नागपुर, वर्धा, भंडारा, गोंदिया, चंद्रपुर और गढ़चिरौली जिलों में सरकारी राजस्व अभिलेखों में जंगल के रूप में दर्ज झाड़ीदार भूमि है। ऐतिहासिक रूप से, इस भूमि को निम्न भूभाग के रूप में वर्गीकृत किया गया था, जहां की मिट्टी खराब थी और जहां घने वृक्ष नहीं हो सकते। >14

हिमाचल में पंजाब के 3 युवाओं की मौत

भरमौर, 25 अगस्त (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के मणिमहेश में बीती रात में दो और आज सुबह एक श्रद्धालु की मौत हो गई। तीनों श्रद्धालुओं की जान मणिमहेश यात्रा के दौरान ऑक्सीजन की कमी से गई है। इनके शव पोस्टमॉर्टम के लिए भरमौर लाया जा रहा है।

पुलिस ने मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। मृतकों की पहचान पंजाब के पठानकोट के अमन (18), रोहित (18) और गुरुदासपुर के अनमोल (26) के तौर पर हुई है। अमन और रोहित के परिजनों को सूचित कर दिया गया है। परिजनों के पहुंचने के बाद भरमौर में पोस्टमॉर्टम करवाया जाएगा। इसके बाद शव परिजनों को सौंपे जाएंगे। स्थानीय प्रशासन के अनुसार, अमन को बीती रात को कमल कुंड से रेस्क्यू किया गया और गौरीकुंड में मौत हो गई, जबकि रोहित की मौत कुगती ट्रैक पर ऑक्सीजन की कमी से हुई है। वहीं अनमोल की मौत धंचो में आज सुबह 10 बजे हुई।

पूर्व जजों ने सुदर्शन रेड्डी पर टिप्पणी के लिए शाह को घेरा

> पूर्वाग्रहपूर्ण गलत व्याख्या करार दिया

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। सेवानिवृत्त न्यायाधीशों के एक समूह ने सलवा जुडूम फैसले को लेकर विपक्ष के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी पर गृह मंत्री अमित शाह के बयान को दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया है। उन्होंने कहा कि इससे बचना ही समझदारी होगी।

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश कुरियन जोसेफ, मदन बी. लोकुर और जे. चेलमेश्वर सहित 18 सेवानिवृत्त न्यायाधीशों के समूह ने यह भी कहा कि एक उच्च राजनीतिक पदाधिकारी की ओर से शीर्ष अदालत के फैसले की पूर्वाग्रहपूर्ण गलत व्याख्या से न्यायाधीशों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

दरअसल, शाह ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश रेड्डी पर नक्सलवाद का समर्थन करने का आरोप लगाया था। उन्होंने दावा किया था कि सलवा जुडूम फैसले के बिना वामपंथी उग्रवाद 2020 तक समाप्त हो गया होता।

18 पूर्व न्यायाधीशों द्वारा हस्ताक्षरित बयान में कहा गया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का सलवा जुडूम मामले में सर्वोच्च न्यायालय के फैसले की सार्वजनिक रूप से गलत व्याख्या करना दुर्भाग्यपूर्ण है। यह फैसला कहीं भी, न तो स्पष्ट रूप से और न ही इसके पाठ के किसी भी निहितार्थ के माध्यम से, नक्सलवाद या उसकी विचारधारा का समर्थन करता है।' इस बयान पर हस्ताक्षर करने वाले सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश एके पटनायक, अभय ओका, गोपाल गौड़ा, विक्रमजीत सेन, कुरियन जोसेफ, मदन बी. लोकुर और जे. चेलमेश्वर हैं।

सेवानिवृत्त न्यायाधीशों ने कहा, 'भारत के उपराष्ट्रपति पद के लिए प्रचार अभियान वैचारिक हो सकता है, लेकिन इसे शालीनता और गरिमा के साथ चलाया जा सकता है। किसी भी उम्मीदवार की तथाकथित विचारधारा की आलोचना से बचना चाहिए। किसी उच्च राजनीतिक पदाधिकारी की ओर से सर्वोच्च न्यायालय के फैसले की पूर्वाग्रही गलत व्याख्या का सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है और न्यायपालिका की स्वतंत्रता को हिला सकता है।'

सेवानिवृत्त न्यायाधीशों ने कहा कि भारत के उपराष्ट्रपति के पद के सम्मान में नाम-निंदा से बचना ही समझदारी होगी। सुप्रीम कोर्ट के सात सेवानिवृत्त न्यायाधीशों के अलावा उच्च न्यायालयों के तीन पूर्व मुख्य न्यायाधीशों गोविंद माथुर, एस. मुरलीधर और संजीव बनर्जी ने भी बयान पर हस्ताक्षर किए। पत्र पर हस्ताक्षर करने वालों में उच्च न्यायालयों के पूर्व न्यायाधीश अंजना प्रकाश, सी. प्रवीण कुमार, ए. गोपाल रेड्डी, जी. रघुराम, के. कन्नन, के. चंद्रू, बी. चंद्रकुमार और कैलाश गंभीर शामिल हैं। प्रोफेसर मोहन गोपाल और वरिष्ठ अधिवक्ता संजय हेगड़े ने भी बयान पर हस्ताक्षर किए हैं।

'भाजपा की तानाशाही और गुंडागर्दी देखिए'

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली के रामलीला मैदान में एसएससी छात्र परीक्षाओं में अनियमितताओं, तकनीकी गड़बड़ियों, गलत केंद्रों और प्रशासनिक विफलताओं के खिलाफ अभ्यर्थी प्रदर्शन कर रहे हैं। जहां अभ्यर्थियों पर लाठियां बरसाई गईं। जिसके बाद आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भाजपा पर निशाना साधा है। आप के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने एक्स पर पोस्ट साझा कर लिखा कि भाजपा की तानाशाही और गुंडागर्दी देखिए। एसएससी की परीक्षा की गड़बड़ियों को लेकर ये छात्र महीनों से इंसाफ की लड़ाई लड़ रहे थे। उनकी आवाज सुनने की बजाय रात के अंधेरे में उन पर लाठियां बरसा दी गईं। आगे लिखा कि सोचिए... जिन हाथों में कल किताबें होनी चाहिए थीं, आज उन पर चोटों के निशान हैं। मीडिया के लोगों को भी खबर कवर करने से रोका गया। खुली गुंडागर्दी चल रही है। भाजपा से सवाल पूछने वालों पर लाठीचार्ज कराके उनकी आवाज दबा दी जाती है। किसी को भी उठा के जेल में डाल दिया जाता है, जब चाहे कोई भी कानून बदल दिया जाता है।

खबरें जरा हटके

हाइवे के बीच में आ रहा था मकान, जिद्दी मालिक ने नहीं किया खाली, फिर बनी ऐसी सड़क, परेशान होकर छोड़ा घर!

कई बार सरकार लोगों की जमीन पर कब्जा कर लेती है, जहां से कोई बड़ी सड़क, रेलमार्ग आदि निकालने की योजना बन रही हैं. ऐसे में मकान मालिक और सरकार के बीच कानूनी लड़ाई भी हो जाती है. कभी मुआवजे पर बात अटक जाती है तो कई बार मकान मालिक ही जिद पर आ जाता है कि वह जमीन नहीं छोड़ेगा. चीन के जियानक्सी प्रांत में एक मकान पर विवाद हुआ, सरकार ने तंग आकर घर के दोनों तरफ से हाईवे बना दिया. इसके बाद हाईवे के बीच के घर में ट्रैफिक के शोर से तंग आकर परिवार ने वह घर छोड़ दिया. आई ऑफ जिंक्स नाम से प्रसिद्ध यह नेल हाउस चर्चा का विषय बना हुआ है.

शर्तों पर अटका मामला

ऊंचाई से देखने पर आंख जैसा दिखने के कारण इस नेल हाउस को आई ऑफ जिंक्सी' कहा जाता है. यह घर अप्रैल में उस समय चर्चा में आया था जब सरकार ने हाईवे बनाने के लिए मुआवज़ा प्रस्तावित किया लेकिन हुआंग ने किस्तों में रकम लेने की शर्त मानने से इनकार कर दिया था. आखिरकार उसके मालिक हुआंग पिंग ने छोड़ दिया.

दोनों तरफ सड़क चारों ओर से घिरा घर

इसके बाद सरकार ने उनके घर को छोड़कर चारों ओर से सड़क बना दी, जिससे यह बीच सड़क पर अकेला खड़ा रह गया. शुरुआत में हुआंग और उनका परिवार मजबूती से डटे रहे, लेकिन हाईवे शुरू होने के बाद लगातार शोर, भारी ट्रकों की आवाज़ और कंपन के चलते घर में रहना बेहद मुश्किल हो गया. चूंकि घर में साउंडप्रूफिंग जैसी कोई सुविधा नहीं थी, इसलिए यह धीरे-धीरे रहने योग्य नहीं रहा. हाल ही में टूटे हुए शीशे और घर के चारों ओर उगी घास-फूस देखकर लोगों को पता चला कि परिवार ने मकान खाली कर दिया है. यह साफ नहीं है कि परिवार आखिर कब घर छोड़ कर चला गया. बाद में जब स्थानीय समाचार एजेंसियों ने मकान मालिक से संपर्क किया तो इस बात की पुष्टि हुई कि परिवार ने ट्रैफिक के शोर आदि से तंग आकर घर छोड़ दिया था. अब वे पास के किराये के मकान में रह रहे हैं. वे नहीं जानते है कि उनकी सम्पत्ति का अब क्या होगा. अब समस्या ये है कि अगर ये मकान गिरा भी दिया जाता है तो हुआंग को दिए गए पहले प्रस्ताव से काफी कम रकम का मुआवजा मिलेगा.

पानी में पिछले 5 साल से तैर रहा है दुनिया का पहला न्यूक्लियर पॉवर प्लांट, हैरान करती है इसकी ताकत!

ऊर्जा दुनिया की सबसे बड़ी जरूरत है. ऊर्जा स्रोत ही बताते हैं कि किसी देश की क्या हैसियत है और ऊर्जा स्रोत ही उसकी आबादी और बर्बादी की वजह बनते हैं. वैसे तो आजकल ग्रीन एनर्जी यानी हरित ऊर्जा पर जोर है. परमाणु ऊर्जा भी एक बेहतरीन विकल्प रहा है, भले इससे बनने वाला नाभकीय कचरा समस्या कारक होता है. परमाणु ऊर्जा संयंत्र बनाना और उसे काबू करते हुए चलाना बहुत मुश्किल होता है. ऐसे में यह पॉवर प्लांट पानी तैरता हुआ हो तो? जी हां, दुनिया का पहला फ्लोटिंग न्यूक्लियर पावर प्लांट, अकादेमिक लोमोनोसोव, ठीक से काम कर रहा है और अपने पाँच साल के सफर को पूरा कर चुका है.

ताकत करती है हैरान

रूस का यह पॉवर प्लांट बहुत ही अनोखा है और इसे बनाने वाली कंपनी का दावा है कि यह इतना शक्तिशाली है कि दुनिया के हर व्यक्ति के लिए कॉफी बना सकता है. इसे 23 अगस्त, 2019 को लॉन्च किया गया था, या सही कहें तो फिर से लॉन्च किया गया था. उस समय इसके खिलाफ कई तरह की आवाजें उठी थीं. इसे शुरू में बहुत डर और आलोचना का सामना करना पड़ा था. पर्यावरणीय समूहों, जैसे कि ग्रीनपीस, ने इसे "आइस ऑन चेरनोबिल" और "न्यूक्लियर टाइटैनिक" कहा था. अकादेमिक लोमोनोसोव के मुख्य इंजीनियरों में से एक, व्लादिमीर इरमिन्कु, ने 2019 में लॉन्च से पहले की आशंकाओं के बारे में बात की. उन्होंने इस प्रोजेक्ट की तुलना "पहले कॉस्मोनॉट्स के अंतरिक्ष में जाने" से की. उन्होंने कहा, "यह और 'आइस पर चेरनोबिल' पूरी तरह से अलग हैं – हम पूरी तरह से अलग सिस्टम की बात कर रहे हैं. नई तकनीक के प्रति हमेशा संदेह होना चाहिए. लेकिन वे इसे ज़रूरत से ज़्यादा बढ़ा-चढ़ा कर पेश कर रहे हैं. यदि वे कहते हैं कि रिएक्टर के साथ दुर्घटना की संभावना है, तो उन्हें सबूत पेश करना होगा."

राइफल या एके-47 नहीं... बॉडीगार्ड तीर-धनुष से करता है पूर्णिया के इस शख्स की सुरक्ष

पूर्णियाः आज के दौर में जहां लोग अपनी सुरक्षा के लिए अत्याधुनिक हथियारों, जैसे एक-47 या राइफल से लैस सुरक्षाकर्मी रखते हैं, वहीं पूर्णिया में एक शख्स ऐसा भी है जिसकी सुरक्षा तीर-धनुष से की जाती है. यह अपने आप में एक अनोखा नजारा है, जो लोगों का ध्यान खींच रहा है. पूर्णिया के खुशकीबाग, कप्तानपाड़ा में रहने वाले अशोक ठाकुर की सुरक्षा आदिवासी समुदाय के लोग करते हैं. अशोक खुद को आदिवासी समुदाय का मसीहा बताते हैं, जो उनके लिए जीवनभर मानवसेवा करने का संकल्प ले चुके हैं. अशोक ठाकुर आदिवासी कल्याण समिति के सदस्य हैं.

वे लंबे समय से आदिवासी और अन्य गरीब व पिछड़े समुदाय के लोगों की समस्याओं को सुलझाने के लिए काम कर रहे हैं. वे हर शनिवार को अपने घर पर एक 'जनता दरबार' लगाते हैं, जहां लोग अपनी जमीन से जुड़ी और अन्य समस्याओं को लेकर आते हैं. चूंकि आदिवासी समुदाय के लोग अक्सर कम पढ़े-लिखे होते हैं, उन्हें अपनी समस्याओं के समाधान के लिए कोर्ट-कचहरी और थानों के चक्कर लगाने पड़ते हैं, लेकिन फिर भी उन्हें न्याय नहीं मिल पाता .ऐसे में अशोक ठाकुर का यह जनता दरबार उनके लिए एक आशा की किरण बन गया है. अशोक ठाकुर से इस अनोखी सुरक्षा व्यवस्था के बारे में पूछा, तो उन्होंने बताया कि यह आदिवासी समुदाय के लोगों का उनके प्रति प्यार और सम्मान है. वे कहते हैं, "मैं उनकी आवाज बुलंद करता हूं, इसलिए आदिवासी समुदाय के लोग अपनी खुशी से मेरी सुरक्षा के लिए तीर-धनुष लेकर खड़े रहते हैं." ये सुरक्षाकर्मी बिना किसी शुल्क के अपनी मर्जी से उनकी पहरेदारी करते हैं.

'दिव्यांगों का मजाक उड़ाने पर अल्लाहबादिया और समय मांगें माफी'

> सरकार को गाइडलाइन बनाने का 'सुप्रीम' आदेश

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने कॉमेडियन्स और यूट्यूबर्स को सख्त निर्देश देते हुए दिव्यांगों पर आपत्तिजनक कंटेंट ना बनाने की हिदायत दी है। कोर्ट ने कहा है कि अगर ऐसा कोई कंटेंट बनाया गया है तो तुंरत इसके लिए माफी मांगी जाए।

स्टैंडअप कॉमेडियन समय रैना के मामले से जोड़ते हुए कोर्ट ने कहा है कि अगर ऐसा कभी भी हुआ तो यूट्यूबर्स और इन्फलुएंसर्स के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। क्या है पूरा मामला, चलिए आपको प्वाइंटर्स में बताते हैं एससी ने क्या कुछ कहा।

सुप्रीम कोर्ट ने क्या-क्या कहा?

सुप्रीम कोर्ट ने समय रैना समेत सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को आदेश दिया है कि वो दिव्यांगों का मजाक उड़ाने के लिए अपने पॉडकास्ट और कार्यक्रमों में सार्वजनिक माफी मांगें। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि दिव्यांगों का अपमान करने वालों पर जुर्माना लगाया जाएगा, चाहे वो सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ही क्यों न हों। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा कि सोशल मीडिया पर ऐसे बयानों और कंटेंट पर रोक लगाने के लिए स्पष्ट गाइडलाइंस बनाई जाएं, जिनमें दिव्यांग, महिलाएं, बच्चे और वरिष्ठ नागरिकों का मजाक उड़ाया जाता है या उन्हें नीचा दिखाया जाता है।

कोर्ट ने यह भी कहा कि सोशल मीडिया के लिए नियम बनाते समय जल्दबाजी में कोई कदम नहीं उठाना चाहिए, बल्कि सभी पक्षों की राय लेकर व्यापक ढांचा तैयार किया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार किसी भी ऐसे कमर्शियल कंटेंट पर लागू नहीं हो सकता, जिससे किसी समुदाय की भावनाएं आहत हों। इसके साथ ही कोर्ट ने 'इंडियाज गॉट लेटेंट' शो के होस्ट समय रैना की माफी पर नाराजगी जताई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उन्होंने पहले खुद का बचाव करने की कोशिश की थी, फिर माफी मांगी।

दिव्यांगों पर तंज महंगा पड़ेगा

सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा है कि दिव्यांगों का अपमान करने वाले इन्फ्लुएंसर्स पर आर्थिक दंड भी लगाया जाएगा। कोर्ट ने टिप्पणी की कि आज के दौर में जब अभिव्यक्ति का माध्यम व्यावसायिक लाभ से जुड़ा है, तो जिम्मेदारी भी उतनी ही अधिक बढ़ जाती है।

बंगाल के स्कूल भर्ती घोटाले में ईडी की कार्रवाईः टीएमसी विधायक को किया गिरफ्तार

कोलकाता, 25 अगस्त (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय ने पश्चिम बंगाल के स्कूलों में शिक्षकों और कर्मचारियों की भर्ती में कथित अनियमितताओं की जांच के सिलसिले में छापेमारी के बाद सोमवार को सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के विधायक जीवन कृष्ण साहा को गिरफ्तार कर लिया। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में उनके आवास पर छापेमारी के बाद उन्हें केंद्रीय जांच एजेंसी ने हिरासत में लिया। सूत्रों के मुताबिक, छापेमारी के दौरान विधायक ने दीवार कूदकर अपने घर से भागने की कोशिश की। उन्होंने अपने फोन भी घर के पीछे एक नाले में फेंक दिए, जो बरामद कर लिए गए हैं।

छापेमारी के वीडियो और तस्वीरों में एक भीगे हुए विधायक को ईडी और सीआरपीएफ के अधिकारी उस जगह से ले जाते हुए दिखाई दे रहे हैं, जहां चारों ओर झाड़ियां और कचरा फैला हुआ था। सूत्रों ने बताया कि बुरवान विधानसभा क्षेत्र के विधायक को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत एजेंसी के साथ सहयोग न करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि छापेमारी में विधायक के कुछ रिश्तेदार और सहयोगी भी शामिल हैं।

साहा को 2023 में सीबीआई ने गिरफ्तार किया था

साहा को 2023 में सीबीआई ने इस घोटाले से कथित संबंधों के आरोप में गिरफ्तार किया था और बाद में रिहा कर दिया गया था। ईडी का धन शोधन मामला सीबीआई की ओर से दर्ज एक प्राथमिकी से उपजा है, जिसे कलकत्ता हाईकोर्ट ने समूह 'ग' और 'घ' के कर्मचारियों, कक्षा 9 से 12 तक के सहायक शिक्षकों और प्राथमिक शिक्षकों की भर्ती में कथित अनियमितताओं की जांच करने का निर्देश दिया था।

नूंह में गौ तस्करों के ठिकानों पर पुलिस की रेड

> 320 किलो गोमांस बरामद, बाइकों से करते थे होम डिलीवरी, आरोपी फरार होने में कामयाब

नूंह, 25 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के नूंह जिले में गोकशी के मामले लगातार सामने आ रहे है। पुलिस भी लगातार गौ तस्करों पर कार्रवाई करने के जुटी हुई है। इसी कड़ी में सीएस स्टाफ नूंह की टीम ने गांव मेवली में गौ तस्करों के ठिकानों पर छापेमारी कर भारी मात्रा में गोमांस बरामद किया हैं। आरोपी गांव से बाहर जंगलों में गोकशी कर गोमांस के छोटे-छोटे टुकड़े कर रहे थे। हालांकि पुलिस के पहुंचने से पहले ही आरोपी वहां से भागने में कामयाब हो गए। आंकेड़ा थाना पुलिस ने 7 लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपी गोमांस की आस पास के इलाकों में होम डिलीवरी करते थे।

अलग–अलग गांवों के लोग जंगलों में करते थे गोकशी

सीएस स्टाफ प्रभारी राजबीर ने बताया कि पुलिस को सूचना प्राप्त हुई थी कि मुबीन उर्फ मुब्बी, तसलीम ,वसीम,रशीद निवासी मेवली, शाकिर, पुच्ची निवासी आंकेड़ा , अजरूद्दीन निवासी मालब जिला नूंह गोकशी का धंधा करते है।

आरोपी गांव मेवली के जंगलों में गोकशी कर गोमांस के छोटे-छोटे टुकड़े कर रहे है। सूचना के आधार पर पुलिस ने आरोपियों के ठिकाने पर दबिश दी। इस दौरान आरोपी पुलिस को देखकर भागने लगे। जिन्हें पुलिस ने पकड़ने का प्रयास किया,लेकिन वह गांव की आबादी का फायदा उठाकर भागने में कामयाब हो गए।

रील बनाते समय युवक झरने में बहा

तेज धार में खड़ा था, अचानक पानी बढ़ा, दोस्त चिल्लाते रह गए

कोरापुट, 25 अगस्त (एजेंसियां)। ओडिशा के कोरापुट जिले में डुडुमा झरने पर रील शूट करने पहुंचा युवक पानी के तेज बहाव में बह गया। 22 साल का सागर टुडु यूट्यूबर था। वह गंजाम जिले के बेरहामपुर का रहने वाला था। घटना रविवार दोपहर की है।

सागर अपने दोस्त अभिजीत बेहरा के साथ झरने पर पहुंचा था। वह अपने यूट्यूब चैनल के लिए टूरिस्ट प्लेस की वीडियो-रील शूट करता था। झरने का ड्रोन शॉट लेने के लिए सेटअप लगाया। इसके बाद सागर पानी में उतर गया। सागर बड़े पत्थर पर खड़ा था, तभी झरने का बहाव तेज हो गया। इलाके में तेज बारिश होने के कारण माचकुंडा डैम अथॉरिटी ने यहां पर पानी छोड़ था। इसका अलर्ट भी जारी किया था।

दिल्ली सीएम रेखा की जेड सिक्योरिटी वापस ली गई

> 4 दिन पहले हमले के बाद बढ़ाई गई थी, दिल्ली पुलिस ही सुरक्षा देगी

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को दी गई Z प्लस सिक्योरिटी सोमवार को हटा ली गई। 4 दिन पहले उन पर हमले के बाद यह सिक्योरिटी दी गई थी। यह फैसला वापस क्यों लिया गया, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। अब फिर से उनकी सुरक्षा की जिम्मेदार दिल्ली पुलिस को सौंपी गई है। इधर, सीएम रेखा पर हमले के मामले में रविवार को दूसरी गिरफ्तारी हुई। पुलिस ने बताया कि मुख्य आरोपी राजेशभाई खीमजीभाई सकरिया के सहयोगी तहसीन सैयद को अरेस्ट किया गया है।

दिल्ली सीएम आवास में 20 अगस्त की सुबह जनसुनवाई के दौरान रेखा गुप्ता पर हमला हुआ था। शिकायतकर्ता बनकर पहुंचे राजेश ने सीएम को कागज देते समय उनका हाथ खींचा था। हमले में रेखा के हाथ-कंधे, सिर पर चोटें आईं थीं।

सीएम ने हमले के बाद पहली बार जनसभा की

पुलिस की रडार में 10 और लोग

सीएम पर हमले के मामले में पुलिस उन 10 लोगों पर नजर रख रही है जो कॉल और चैट के जरिए आरोपी राजेशभाई के संपर्क में थे। पुलिस की एक टीम राजकोट में उन 5 और लोगों के बयान दर्ज करने की तैयारी में जिनका डेटा आरोपी के मोबाइल से लिया गया। दिल्ली की सीएम रेखा पर 20 अगस्त की सुबह करीब 8.15 बजे जनसुनवाई के दौरान एक शख्स ने हमला कर दिया था। आरोपी ने उनके बाल खींचे और फिर थप्पड़ मारा। आरोपी गुजरात के राजकोट का रहने वाला राजेशभाई खीमजी है, जिसे तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया था। आरोपी को 5 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है। उस पर हत्या के प्रयास का केस दर्ज किया गया है।

प्रो. महबूबाबाद को राहत : शीर्ष अदालत ने आरोप-पत्र पर संज्ञान लेने से ट्रायल कोर्ट को रोका

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को निचली अदालत को अशोका विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद के खिलाफ दर्ज एफआईआर में हरियाणा एसआईटी की ओर से दायर आरोप-पत्र पर संज्ञान लेने से रोक दिया।

अली खान महमूदाबाद पर 'ऑपरेशन सिंदूर' पर सोशल मीडिया पर पोस्ट करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया था। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने निचली अदालत को इस मामले में कोई भी आरोप तय करने से भी रोक दिया।

महमूदाबाद के खिलाफ उनके विवादास्पद सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर दर्ज दो एफआईआर की जांच के लिए शीर्ष अदालत की ओर से गठित एसआईटी ने पीठ को सूचित किया कि उनमें से एक में उसने क्लोजर रिपोर्ट दाखिल कर दी है, जबकि एक में 22 अगस्त को आरोपपत्र दाखिल किया गया था, जब यह पाया गया कि कुछ अपराध सिद्ध हुए थे।

सिब्बल ने आरोप-पत्र दाखिल करने को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताया महमूदाबाद की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने आरोप-पत्र दाखिल करने को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि उन पर बीएनएस की धारा 152 (देशद्रोह) के तहत मामला दर्ज किया गया है,

जिसकी वैधता को चुनौती दी जा रही है। पीठ ने सिब्बल से आरोप-पत्र का अध्ययन करने और कथित अपराधों का एक चार्ट तैयार करने को कहा। पीठ ने कहा कि वह अगली सुनवाई की तारीख पर इन पर विचार करेगी।

कोर्ट में पहले क्या हुआ?

इससे पहले 16 जुलाई को शीर्ष अदालत ने मामले में हरियाणा एसआईटी की जांच की दिशा पर सवाल उठाते हुए कहा कि उसने खुद को गलत दिशा में आगे बढ़ाया है। 21 मई को शीर्ष अदालत ने प्रोफेसर को अंतरिम जमानत दे दी थी, लेकिन उनके खिलाफ जांच पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। उसने तीन सदस्यीय एसआईटी को उनके खिलाफ दर्ज प्राथमिकियों की जांच करने का निर्देश दिया था।

सभी कार्यवाही रद्द करने का निर्देश

शीर्ष अदालत ने गौर किया कि महमूदाबाद के खिलाफ एक प्राथमिकी में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल कर दी गई है और मामले से संबंधित सभी कार्यवाही रद्द करने का निर्देश दिया है।

क्या है मामला?

हरियाणा पुलिस ने महमूदाबाद के खिलाफ दो प्राथमिकियां दर्ज होने के बाद 18 मई को उन्हें गिरफ्तार किया था। ऑपरेशन सिंदूर पर उसके विवादास्पद सोशल मीडिया पोस्ट से देश की संप्रभुता और अखंडता को खतरा होने का आरोप है।

सोनीपत जिले के राई पुलिस थाने में दो प्राथमिकियां दर्ज की गईं। इनमें एक हरियाणा राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रेणु भाटिया और दूसरी एक गांव के सरपंच की शिकायत पर आधारित हैं। कई राजनीतिक दलों और शिक्षाविदों ने गिरफ्तारी की निंदा की थी।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

मंगलवार, 26 अगस्त, 2025 3

सुविचार

कोई इतना अमीर नहीं की अपना पुराना वक़्त खरीद सके, कोई इतना गरीब नहीं की अपना आने वाला वक़्त न बदल सके।

रेव पार्टी पर छापेमारी के दौरान सात गिरफ्तार, कोकीन बरामद

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। गच्चीबावली पुलिस थाना क्षेत्र, साइबराबाद में एक सर्विस अपार्टमेंट, कोंडापुर में आयोजित रेव पार्टी पर छापेमारी के दौरान ड्रग तस्करों, ट्रांसपोर्टर और उपभोक्ताओं समेत सात लोगों को गिरफ्तार किया है।

आरोपियों के पास से 20 ग्राम कोकीन, 08 एक्स्टसी गोलियां (20 ग्राम और 3 ग्राम एमडीएमए) जब्त हुआ है। ईगल तेलंगाना के अधिकारियों और गच्चीबावली पुलिस, साइबराबाद के साथ मिलकर यह कार्रवाई की। डीसीपी माधापुर जोन, साइबराबाद, डॉ. विनीत ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों तेजा, विक्रम, (पेडलर), मन्ने नीलिमा, पुरुषोत्तम रेड्डी, भार्गव (उपभोक्ता), चंदन (ट्रांसपोर्टर), राहुल उर्फ सोनू (आपूर्तिकर्ता) शामिल है। डीसीपी ने बताया कि आरोपी तेजा, विक्रम और नीलिमा राजमंड्री जिले के मूल निवासी हैं और आपस में दोस्त हैं।

इन सभी को कोकीन पीने की आदत है, जिसकी वजह से ये अक्सर मिलते थे। एक बार बेंगलुरू की यात्रा के दौरान, तेजा की मुलाकात राहुल उर्फ सोनू निवासी बेंगलुरू से हुई, जो कोकीन का सप्लायर था। तब से, तेजा राहुल से कोकीन खरीदने लगा और विक्रम व नीलिमा के साथ राजमंड्री में इसका सेवन करने लगा। ऐसा हुआ कि बेहतर पेशेवर संभावनाओं के लिए तेजा, विक्रम और नीलिमा को हैदराबाद आना पड़ा। उन्होंने कोंडापुर में किराए पर एक सर्विस अपार्टमेंट लेना शुरू कर दिया और वहां नियमित रूप से मिलते और कोकीन का सेवन करते थे।

पुरस्कार समर्पण, अनुशासन और विशिष्ट सेवाओं का सम्मान : स्वाति

प्रतिष्ठित सराहनीय सेवा पदक पाने वाले दो होमगार्ड को मिला प्रशंसा पत्र

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने तेलंगाना राज्य पुलिस विभाग के दो होमगार्ड्स को प्रतिष्ठित सराहनीय सेवा पदक (एमएसएम) प्रदान किए हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राजा बहादुर वेंकट रामिरेड्डी (आरबीवीआरआर) तेलंगाना पुलिस अकादमी में होमगार्ड के रूप में कार्यरत जोन्नाडा राजू और तेलंगाना राज्य ग्रेहाउंड्स में होमगार्ड के रूप में कार्यरत पिसारी संगम को एमएसएम योजना की घोषणा की है। संगठन और होमगार्ड्स की अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक स्वाति लाकड़ा ने सोमवार को डीजीपी कार्यालय में उन्हें प्रशंसा पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर पुरस्कार विजेताओं को संबोधित करते हुए, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक ने कहा कि ये पुरस्कार उनके समर्पण, अनुशासन और विशिष्ट सेवाओं का सम्मान हैं। उन्होंने पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि ये प्रतिष्ठित सेवा पदक उनका उत्साह बढ़ाएंगे और उन्हें और अधिक कुशलता से कार्य करने में मदद करेंगे। उन्होंने कहा कि अन्य पुलिस कर्मियों को भी अपने कर्तव्यों का सही ढंग से पालन करना चाहिए और पुलिस व्यवस्था का नाम रोशन करना चाहिए।

स्कूली छात्रों को मिलेंगी वर्कबुक

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। अगले शैक्षणिक वर्ष से राज्य भर के सरकारी और स्थानीय निकाय स्कूलों में कक्षा 6 से 10 तक पढ़ने वाले सभी छात्रों को कार्यपुस्तिकाएं प्रदान की जाएंगी। स्कूल शिक्षा विभाग ने हाल ही में स्कूलों में पाठ्यक्रम में बदलाव पर समीक्षा बैठक की थी, जिसमें उच्च प्राथमिक और उच्च विद्यालय के छात्रों के लिए कार्यपुस्तिकाएं उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया। वर्तमान में, निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों और नोटबुक्स के अलावा, विभाग प्राथमिक विद्यालयों के छात्रों को कार्यपुस्तिकाएं और सभी कक्षाओं के छात्रों के लिए वर्कशीट भी उपलब्ध करा रहा है। तेलुगु, अंग्रेजी और गणित जैसे विषयों को कवर करने वाली यह सामग्री छात्रों को नियमित कक्षा कार्य के बाद संरचित अभ्यास प्रदान करती है।

कार्यपुस्तिका का स्तर 1 पिछले वर्षों के आधारभूत कौशलों की समीक्षा पर केंद्रित है, जो शैक्षणिक रूप से कमजोर बच्चों की मदद करता है, जबकि स्तर 2 वर्तमान शैक्षणिक वर्ष की शिक्षा का समर्थन करता है।

सीएम ने ओयू के छात्रों से मिलने का किया वादा

ओयू परिसर के विकास के लिए आवश्यक सभी धनराशि जारी होगी : रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा है कि राज्य सरकार उस्मानिया विश्वविद्यालय के विकास और देश में इस प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय के गौरव को वापस लाने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि विश्वविद्यालय को दुनिया के शीर्ष स्टैनफोर्ड और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालयों के समकक्ष विकसित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने सोमवार को उस्मानिया विश्वविद्यालय में नवनिर्मित छात्रावास भवनों का उद्घाटन किया और विभिन्न भवनों की आधारशिला रखी। इस अवसर पर बोलते हुए, रेवंत रेड्डी ने कहा कि उस्मानिया विश्वविद्यालय तेलंगाना का पर्याय है क्योंकि विश्वविद्यालय और तेलंगाना को जुड़वां माना जाता है। विश्वविद्यालय को मज़बूत बनाने के लिए, उन्होंने विश्वविद्यालय के विकास का अध्ययन करने के लिए एक इंजीनियर्स समिति के गठन का आदेश दिया। हम उस्मानिया विश्वविद्यालय को स्टैनफोर्ड और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के बराबर बढ़ावा देंगे। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि उस्मानिया विश्वविद्यालय एक आदर्श होना चाहिए और इतिहास का साक्षी होना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को विश्वविद्यालय के विकास के लिए अनुमान तैयार करने और उन्हें सौंपने के निर्देश दिए। रेवंत रेड्डी ने घोषणा की, मैं फिर से विश्वविद्यालय आऊंगा और आर्ट्स कॉलेज में एक बैठक में भाग लूंगा। बैठक में मैं विश्वविद्यालय के विकास के लिए धनराशि की स्वीकृति की घोषणा करूंगा। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी अगली बैठक के दौरान विश्वविद्यालय में कोई पुलिस बल तैनात नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा, विपक्षी दल उनके दौरे के दौरान विश्वविद्यालय परिसर में विरोध प्रदर्शन करें। मैं उन लोगों को भी जवाब देने के लिए तैयार हूं जो मुझे विश्वविद्यालय आने से रोक रहे हैं। मुख्यमंत्री ने विपक्षी दलों पर निशाना साधा। कुछ राजनीतिक नेता सत्ता खोने के बाद हताश हैं। बीआरएस का शीर्ष नेतृत्व अपने बेटों के राजनीतिक भविष्य को लेकर चिंतित है। छात्रों से विपक्ष के जाल में न फंसने की अपील करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके कैबिनेट सहयोगी और वह स्वयं हर समय छात्रों के लिए उपलब्ध हैं और उनकी शिकायतों का समाधान करने के लिए तैयार हैं। रेवंत रेड्डी ने कोंदंडारम के खिलाफ साजिश रचने और उन्हें सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के तहत एमएलसी पद से हटाने के लिए विपक्ष की आलोचना की। विपक्ष की परपीड़क खुशी को समझा जा सकता है। उन्होंने घोषणा की कि एमएलसी का पद फिर से कोंदंडाराम को दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने छात्रों को आगाह किया कि वे झूठ के बहकावे में न आएं। विपक्ष व्हाट्सएप और सोशल मीडिया पर सरकार के बारे में गलत जानकारी फैला रहा है। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल करके यह खबर फैलाई कि केंद्रीय विश्वविद्यालय में शेर और हाथी रहते हैं। उन्होंने कहा कि वास्तव में, तेलंगाना राज्य शेरों और हाथियों का घर नहीं है।

बीआरएस ने रेवंत रेड्डी पर 'परिवार राज' चलाने का लगाया आरोप

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस नेता मन्ने कृषांक ने सोमवार को मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर कड़ा हमला बोलते हुए उनके परिवार पर तेलंगाना को निजी जागीर बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री अपने रिश्तेदारों को सैकड़ों करोड़ रुपये के ठेके देकर 'परिवार राज' चला रहे हैं, जबकि किसान, छात्र और युवा लगातार परेशान हो रहे हैं। तेलंगाना भवन में बोलते हुए, कृष्णक ने आरोप लगाया कि रेवंत रेड्डी के भाई तिरुपति रेड्डी छाया मुख्यमंत्री की भूमिका निभा रहे थे, जबकि उनके दूसरे भाई कोंडल रेड्डी प्रस्तावित फ्यूचर सिटी के लिए सौदे करने में व्यस्त थे। उन्होंने कहा कि एक भाई जगदीश रेड्डी निवेश का वादा करने के लिए सरकार के साथ समझौते कर रहे थे, जबकि दूसरे भाई कृष्ण रेड्डी सरकारी विज्ञापनों सहित व्यवसायों को नियंत्रित कर रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया, यहां तक कि विज्ञापन भी कांग्रेस के मुखपत्र नेशनल हेराल्ड को दिये जा रहे हैं। बीआरएस नेता ने आगे आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के साढू सृजन रेड्डी ने सिंगरेनी टेंडरों सहित 1,137 करोड़ रुपये के ठेके हासिल किए हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि सरकार रेवंत रेड्डी के दामाद सत्यनारायण रेड्डी को फ़ायदा पहुंचाने के लिए लागाचेरला में आदिवासियों की जमीन जबरन हथियाने की कोशिश कर रही है। कृषांक ने यह भी आरोप लगाया कि जब रेवंत रेड्डी टीपीसीसी अध्यक्ष थे, तो उन्होंने केएलएसआर इंफ्रास्ट्रक्चर के नाम पर पंजीकृत एक लक्जरी वाहन का इस्तेमाल किया था, जिस फर्म को अब तक 500 करोड़ रुपये से अधिक के ठेके दिए जा चुके हैं।

टीपीसीसी प्रमुख ने भाजपा की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए

जनता के प्रति कांग्रेस की प्रतिबद्धता दोहराई

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी अध्यक्ष और विधान पार्षद महेश कुमार गौड़ ने सोमवार को भाजपा नेताओं पर तीखा हमला बोला और उनके वादों को पूरा न करने पर सवाल उठाए और उन पर सांप्रदायिक आधार पर लोगों को बांटने का आरोप लगाया।

केंद्रीय मंत्री बंडी संजय को चुनौती देते हुए, कांग्रेस नेता ने पत्रकारों से बात करते हुए पूछा, क्या आप भगवान का नाम लिए बिना चुनाव जीत सकते हैं? और केंद्र के अधूरे वादों पर जवाब मांगा- जिसमें प्रति वर्ष दो करोड़ नौकरियां देने से लेकर सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों को कॉर्पोरेट दिग्गजों को सौंपने के बजाय उनकी सुरक्षा करना शामिल है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्रीय मंत्री बंडी संजय और जी. किशन रेड्डी सहित भाजपा नेताओं ने पिछड़ा वर्ग आरक्षण विधेयक पर समझौता किया है और जानबूझकर आरक्षण पर झूठा प्रचार करके लोगों को गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया, तेलंगाना के भाजपा सांसदों की वजह से पिछड़ा वर्ग को नुकसान हुआ है। जन कल्याण के प्रति कांग्रेस की प्रतिबद्धता दोहराते हुए, गौड़ ने कहा कि पार्टी की 'जनहित पदयात्रा' को भारी जनसमर्थन मिल रहा है क्योंकि इसमें ऐतिहासिक उत्तम चावल योजना सहित छह गारंटियों के तहत लागू की जा रही सरकारी योजनाओं पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने पार्टी की जीत के लिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं के अथक प्रयासों की सराहना की और उनसे सत्तारूढ़ कांग्रेस के कल्याणकारी कार्यक्रमों के बारे में जागरूकता फैलाने का आग्रह किया। विपक्षी दलों के राजनीतिक भविष्य पर, गौड़ ने भविष्यवाणी की कि बीआरएस अगले चुनाव तक तेलंगाना के परिदृश्य से गायब हो जाएगी, और कालेश्वरम परियोजना 1.2 लाख करोड़ रुपये की बर्बादी साबित होगी। उन्होंने पुष्टि की कि राहुल गांधी के दृष्टिकोण के तहत, कांग्रेस सरकार स्थानीय निकायों और शिक्षा-रोज़गार क्षेत्रों में पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण सुनिश्चित करने हेतु दो विधेयक पहले ही पेश कर चुकी है।

हरीश राव ने ओयू छात्रों की गिरफ्तारी को लेकर रेवंत रेड्डी पर निशाना साधा

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और वरिष्ठ बीआरएस विधायक टी हरीश राव ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के उस्मानिया विश्वविद्यालय दौरे से पहले छात्रों को एहतियातन हिरासत में लेने की निंदा की। उन्होंने कहा कि इस तरह की कार्रवाई से मुख्यमंत्री राज्य में आपातकाल जैसा शासन लागू कर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि छात्रों के खिलाफ इस तरह की ज्यादती बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस कदम को अलोकतांत्रिक और कायराना बताते हुए हरीश राव ने चेतावनी दी कि अगर एक भी छात्र को ठेस पहुंची तो तेलंगाना समाज चुप नहीं बैठेगा। उन्होंने सवाल किया कि क्या रेवंत रेड्डी ने असहमति को दबाने के लिए शिक्षा और गृह, दोनों विभागों को अपने नियंत्रण में रखा है। उन्होंने मुख्यमंत्री से अपने किए के लिए माफ़ी मांगने और चुनावी वादे पूरे करने की मांग की।

बीआरएस नेता ने कहा कि कांग्रेस ने रोजगार कैलेंडर को बेरोजगार कैलेंडर में बदलकर युवाओं के साथ विश्वासघात किया है। उन्होंने कहा कि प्रतिवर्ष दो लाख नौकरियों का वादा करने के बावजूद, सरकार ने 22 महीनों में 10,000 नौकरियां भी नहीं दीं, और बेरोजगार युवाओं को बेरोजगारी भत्ते का वादा करके धोखा दिया।

प्रभु महावीर सम्पूर्ण मानवता के भगवान हैं

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्र-संत ललित प्रभ सागर जी ने कहा कि भगवान महावीर केवल जैनों के नहीं वरन् सम्पूर्ण मानवता के भगवान हैं। उन्होंने जितनी साधना की और उपसर्ग सहन किए, वैसा आज तक कोई भी न कर पाया। वे नारी जाति के लिए वरदान बनकर आए। उन्होंने चन्दनबाला के रूप में नारी को बिक्री की वस्तु से हटाकर श्रद्धा की मूर्ति का स्थान दिलवाया। अगर उनके अहिंसा, अनेकांत, समता, समानता, सहयोग जैसे संदेशों को विश्वभर में फैला दिया जाए तो विश्व शांति का सपना शीघ्र साकार हो सकता है।

वे सोमवार को यहां एग्जिबिशन ग्राउंड में आयोजित भगवान महावीर का जीवन चरित्र विषय पर प्रवचन दे रहे थे। उन्होंने कहा कि जहां राम दिए हुए वचन को निभाने के लिए प्रेरणा स्तंभ हैं, वहीं महावीर संकल्प पर दृढ़ रहने के आदर्श हैं। उन्होंने कहा कि सिकन्दर बनकर दुनिया को जीतना सरल है, पर उसी सिकन्दर के लिए स्वयं को जीतना मुश्किल है। जो स्वयं को जीतते हैं, वही एक दिन महावीर बनते हैं। जैसे राम ने रावण का और कृष्ण ने कंस का संहार किया वैसे ही महावीर ने क्रोध और कषाय के कंस का एवं राग और द्वेष के रावण का अंत कर सदा-सदा के लिए नमो अरिहंताणम् बन गए।

श्री चन्द्रप्रभ ने कहा कि महात्मा गांधी भारत के राष्ट्रपिता हैं, पर भगवान महावीर भारत के प्राण हैं, क्योंकि गांधी ने महावीर द्वारा प्रदत्त अहिंसा के अस्त्र से ही भारत को आजादी दिलवाई थी। उन्होंने कहा कि महावीर के संदेश तब भी उपयोगी थे, आज भी उपयोगी हैं और सदा उपयोगी बने रहेंगे। वे कभी आउट ऑफ डेट नहीं होंगे। उन्होंने महावीर के अनुयायियों से कहा कि नेता को वोट, अमीर को नोट और आगे बढने वालों को सपोर्ट चाहिए, पर महावीर को केवल आपकी खोट चाहिए, ताकि वे आपको खरा बना सकें। महावीर को भीड़ नहीं, भाव चाहिए, सिक्के नहीं, श्रद्धा चाहिए। उन्हें मंदिर में नहीं, मन में बिठाएं। वैभव का तो वे त्याग करके आए थे इसलिए उन्हें वैभव चढ़ाने की बजाय अपनी बुरी आदतें चढ़ाएं ताकि आपका जीवन निर्मल और पवित्र बन सके।

उन्होंने कहा कि दुनिया में तीन तरह की दरार होती है। पानी की दरार, मिट्टी की दरार और पत्थर की दरार। हमें रिश्तों में कभी भी पत्थर की तरह दरार नहीं डालनी चाहिए, जो कभी एक न हो सके। ज्यादा से ज्यादा मिट्टी की दरार डाल दें, एक हवा को झोंका आए और मिट्टी वापस मिट्टी में मिल कर एक हो जाए।

संतप्रवर ने कहा कि खुजली का रोगी जैसे खुजलाने पर दुख को भी सुख मानता है, वैसे ही कामातुर मनुष्य दुख को सुख मानता है। संसार का सेवन और कुछ नहीं कुत्ते द्वारा हड्डी को चबाना भर है। खून खुद का और सोचता है कैसा मजा आ रहा है। व्यक्ति को भोग और श्रृंगार में डूबे अपने तन-मन को संयम की सुवास देनी चाहिए। जो मन हजार बार भोगने से भी तृप्त न हुआ क्या वो और सौ बार भोगने से तृप्त हो जाएगा। हम स्वपत्नी और स्वपति में भी संयम की मर्यादा लाएं।

सीरवी समाज एल.बी.नगर का बीज महोत्सव सम्पन्न

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बंडलागुडा स्थित श्री आईमाता मंदिर प्रांगण में सीरवी समाज एल.बी.नगर वेल्फेयर एसोशिएशन समाज बन्धुओं के सानिध्य में श्री आईमाताजी के 610वें अवतरण दिवस व दूसरा वार्षिक सम्मेलन पर दो दिवसीय बीज कार्यक्रम भव्य रूप से आयोजित किया गया।

प्रेस विज्ञप्ति में अध्यक्ष वेनाराम चोयल व सचिव प्रकाश सेपटा ने संयुक्त रूप से बताया कि हर वर्ष की भांति समाज बन्धुओं के सानिध्य मे दो दिवसीय भादवा सुदी बीज महोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। रविवार 24 अगस्त प्रात: वेला में श्री आईमाता की तस्वीर पर माल्यार्पण, पुजा-अर्चनाकर साय 4.15 बजे से महिला मंडल द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं रात्रि 9 बजे से जागरण आयोजित किया गया। जिसमे अमर नाथ एंड पार्टी माई के चरणों में भजनों के पुष्प अर्पित किये। सोमवार 25 अगस्त प्रात: 9.15 बजे ज्योत प्रज्वलितकर, पुजा-अर्चना, धर्मसभा एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। अवसर पर कोषाध्यक्ष लक्ष्मणराम परिहार द्वारा आय-व्यय का विवरण, सचिव प्रकाश सेपटा द्वारा समाज में किये जा रहे विकाश शील कार्यो से अवगत कराकर बताया कि मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा का कार्यक्रम दिसंबर में भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा। अध्यक्ष वेनाराम चोयल ने पधारे समाज बन्धुओं को बीज महोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए, समाज बन्धुओं द्वारा दिये गये सहयोग के लिए आभार प्रकट किया। पधारे समाज बन्धुओं व भक्तों के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था की गयी।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में अध्यक्ष वेनाराम चोयल, धन्नाराम देवड़ा, चुन्नीलाल पंवार, छोगालाल गेहलोत, सचिव प्रकाश सेपटा, सहसचिव मोहनलाल चोयल, कोषाध्यक्ष लक्ष्मणराम परिहार, सहकोषाध्यक्ष स्वरुपराम पंवार, पदाधिकारी व समाज बन्धु सपरिवार उपस्थित रहे। मंच का संचालन प्रकाश सेपटा ने किया। अध्यक्ष वेनाराम चोयल के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन्न हुआ।

यूरिया की कमी से स्कूली बच्चे कतारों में लगे

नलगोंडा, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। खरीफ की बुवाई का मौसम अगस्त के अपने निर्णायक आखिरी हफ़्ते में पहुंच रहा है, नलगोंडा और सूर्यपेट जिलों के किसान यूरिया की भारी कमी से परेशान हैं। यूरिया की कमी इस हद तक बढ़ गई है कि स्कूली बच्चों को भी अपने परिवारों की मदद के लिए अपनी पढ़ाई छोड़कर उर्वरक वितरण केंद्रों पर लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ रहा है। नौवीं कक्षा के छात्र पायली मिथिलेश ने सोमवार को यूरिया के लिए कतार में लगकर किसानों और अधिकारियों का ध्यान अपनी ओर खींचा। स्कूल यूनिफॉर्म पहने हुए, वह सुबह 6 बजे दूसरों से मिरियालगुडा रोड स्थित नलगोंडा जिला मार्केटिंग सोसाइटी के आउटलेट पर अधिकारियों से मिलने की अनुमति मांगता हुआ दिखाई दिया, क्योंकि वह स्कूल नहीं जा सकता था।

मिथिलेश के माता-पिता, हफ़्ते भर के इंतजार के बावजूद यूरिया नहीं जुटा पाए, इसलिए स्कूल जाने से पहले उसे दो बोरी यूरिया लाने के लिए भेज दिया। खेती के काम के बोझ तले दबे, वे अपने बेटे पर निर्भर थे, जो किसानों को आसानी से मिलने वाली खाद न मिलने पर फूट-फूट कर रोने लगा। घंटों इंतजार करने के बावजूद, उनकी बारी आने से पहले ही स्टॉक खत्म हो गया, जिससे उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ा। मिथिलेश ने कहा, मैंने अपने माता-पिता को फ़ोन करके बताया कि मुझे यूरिया नहीं मिल पा रहा है। अब मुझे स्कूल देर से जाना पड़ेगा। सूर्यापेट जिले में भी स्थिति उतनी ही गंभीर है। अनंतगिरि मंडल के किसान हताशा भरे उपाय अपना रहे हैं, कुछ तो सुबह 5 बजे से ही प्राथमिक कृषि सहकारी समिति (पैक्स) केंद्रों पर अपनी जगह आरक्षित करने के लिए अपने जूते-चप्पल रखकर कतारों में खड़े हो जाते हैं।

कांटेदान स्थित श्री श्रीयादेमाता मंदिर ट्रस्ट राजस्थानी प्रजापति समाज बन्धुओं के तत्वावधान में भादवा सुदी बीज के पावन अवसर पर आयोजित पूजा-अर्चना, जागरण, बोलियां, सम्मान समारोह व भोजन प्रसादी कार्यक्रम में उपस्थित चेयरमैन दुर्गाराम कपूरपूरा, अध्यक्ष हरिराम ब्रांदणा, सचिव धर्मीचन्द बाबरिया, कोषाध्यक्ष किशोरकुमार बाबरिया, प्रचार मंत्री किशोरकुमार रावरिया पदाधिकारी व समाज बन्धु।

सड़क हादसे में 9 श्रद्धालुओं की मौत

कंटेनर ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को मारी टक्कर, गर्भवती पत्नी को पति के मौत की खबर नहीं दी

बुलंदशहर, 25 अगस्त (एजेंसियां)। यूपी के बुलंदशहर में श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली को कंटेनर ने पीछे से टक्कर मार दी। इससे ट्रैक्टर-ट्रॉली पलट गई। हादसे में मां बेटे सहित 9 श्रद्धालुओं की मौत हो गई। 42 घायल हैं। इनमें से 3 की हालत नाजुक है। मृतकों में 6 साल बच्चा, 5 पुरुष और 3 महिलाएं शामिल हैं। हादसा रविवार रात 2 बजे नेशनल हाईवे 34 पर अरनिया क्षेत्र के घटाल गांव के पास हुआ। श्रद्धालु कासगंज से जाहरबीर (गोगाजी) के दर्शन के लिए राजस्थान के गोगामेड़ी जा रहे थे।

पुलिस का कहना है कि श्रद्धालुओं ने ट्रॉली को डबल डेकर बना दिया था। ट्रॉली के बीच में लकड़ी लगाकर उसे दो हिस्सों में बांट दिया गया था, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग बैठ सकें। मृतक विकास की गर्भवती पत्नी को हादसे के बारे में नहीं बताया गया है। मुख्यमंत्री ने हादसे में मृतक के परिवारों को 2-2 लाख रुपए और घायलों को 50-50 हजार आर्थिक सहायता देने के निर्देश दिए हैं। हादसे की सूचना मिलते ही डीएम श्रुति और एसएसपी दिनेश कुमार सिंह मौके पर पहुंच गए। एसएसपी ने बताया- 10 घायलों को बुलंदशहर जिला अस्पताल में और 23 को खुर्जा अस्पताल में भर्ती किया गया है। 10 घायलों को अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। कंटेनर का

ड्राइवर फरार हो गया। कंटेनर में धान की भूसी भरी थी। हाईवे से ट्रैक्टर को हटाकर यातायात फिर से चालू करा दिया गया है। घटना की सूचना पर प्रभारी मंत्री अरुण सक्सेना अस्पताल पहुंचे। डीएम-एसएसपी से घटना की जानकारी ली।

मृतक धनीराम के बेटे अर्जुन ने बताया कि हम चार बहन और दो भाई हैं। एक बहन की शादी हुई है। बाकी अभी किसी की नहीं हुई। हमारे पिता मजदूरी करने का काम करते थे। घर में मां हैं। पापा के भरोसे ही घर चलता था। हादसे में उनकी मौत हो गई। ट्रैक्टर पर दो गांव मिलकिनियां और रफातपुर के लोग सवार थे।

होश आया तो देखा चीख पुकार मची थी

दशरथ ने बताया कि मंदिर जाने के लिए गांव के लोगों ने चंदा इकट्ठा किया था। उसके बाद गांव से शाम 5:00 बजे निकले थे। मैं भी ट्रैक्टर में सवार था। हम लोग लगभग 100 किलोमीटर चले थे तभी हादसा हो गया। हम सभी लोग सो गए थे। ट्रक ने पीछे से टक्कर मारी। मैं उछल कर सड़क पर जा गिरा। मैं बेहोश हो गया। 5 मिनट बाद मुझे होश आया तो देखा चीख पुकार मची हुई थी। राहगीर अपनी गाड़ियां रोक कर लोगों को उठा रहे थे। 20 मिनट बाद पुलिस की टीम आई। उन्होंने सबको अस्पताल पहुंचाना शुरू किया।

लोग चंदा इकट्ठा कर गए थे

मृतक योगेश के पिता राम प्रकाश ने बताया कि गांव से लोग हर साल जाहरवीर गोगाजी में दर्शन और जाप करने जाते हैं। इस साल भी गांव वालों ने जाने को कहा। ट्रैक्टर मालिक प्रमोद से लोगों ने दर्शन कराने के कहा। प्रमोद बोला- आप लोग डीजल के पैसे इकट्ठा कर लो फिर चलते हैं। ग्रामीणों ने जाने के लिए चंदा इकट्ठा किया। रफातपुर से 22 किमी दूर मिलकिनिया गांव है। वहां इस गांव के कुछ लोगों की रिश्तेदारी है। कहने पर उस गांव के भी कई लोग जाने को तैयार हो गए। कल शाम लोग गांव में इकट्ठा हुए।

गांव के ही प्राचीन माता के मंदिर में पहले गोला चढ़ाकर पूजा अर्चना की। फिर गोगाजी के लिए रवाना हुए। इतने लोगों के एक साथ जाने से लगभग गांव खाली हो गया है। देर रात बुलंदशहर में हादसा हो गया। हादसे में मेरे बेटे की भी मौत हो गई है। रफातपुर गांव के 4 लोगों की मौत हुई है। मिलकिनिया के 5 लोगों की जान गई है। हादसे की खबर आने के बाद गांव में मातम छाया है। योगेश के भरोसे ही घर चलता था। गांव के विकास की भी जान गई है। उसकी पत्नी को बच्चा होने वाला है।

आरिफ खान की किडनी लेने से प्रेमानंद महाराज का इनकार

संत बोले-ऐसी भावना सांप्रदायिक सद्भाव को बढ़ाती हैं; वृंदावन मिलने बुलाया

मथुरा, 25 अगस्त (एजेंसियां)। वृंदावन के संत प्रेमानंद महाराज ने आरिफ खान चिश्ती की किडनी लेने से इनकार कर दिया है। महाराज की तरफ से कहा गया है कि ऐसी भावनाएं सांप्रदायिक सद्भाव को बढ़ावा देती हैं। यह मानवता की राह पर चलने का उदाहरण है, लेकिन वे आरिफ की किडनी नहीं ले सकते। प्रेमानंद महाराज ने मध्यप्रदेश के इटारसी निवासी आरिफ खान को मिलने के लिए वृंदावन बुलाया है।

दरअसल, इटारसी में न्यास कॉलोनी निवासी आरिफ खान चिश्ती ने कलेक्टर सोनिया मीणा के जरिए 20 अगस्त को प्रेमानंद महाराज को लेटर लिखा था। उनको ई-मेल और वॉट्सऐप पर मैसेज भी भेजा था। इसमें लिखा था- प्रेमानंद महाराज हिंदू-मुस्लिम एकता के प्रतीक हैं। वे समाज में प्रेम और शांति का संदेश देते हैं। मीडिया से पता चला कि महाराज की दोनों किडनियां खराब हैं। इसीलिए मैं अपनी एक किडनी उनको दान करना चाहता हूं। बता दें कि प्रेमानंद महाराज किडनी की ऑटोसोमल डोमिनेंट पॉलिसिस्टिक बीमारी से पीड़ित हैं। उनकी दोनों किडनी फेल हो गई हैं। प्रेमानंद महाराज के सहायक प्रतीक ने वृंदावन स्थित आश्रम की तरफ से आरिफ खान को फोन किया। बताया कि ई-मेल के माध्यम से भेजा गया आरिफ का संदेश महाराज तक पहुंच गया है। महाराज को आरिफ की उदारता और सोच बेहद पसंद आई है। यह भावना दुनिया के हर व्यक्ति में होनी चाहिए। प्रतीक ने आरिफ को यह भी बताया कि महाराज उनसे व्यक्तिगत रूप से मिलना चाहते हैं। इसके लिए जल्द ही वृंदावन बुलाएंगे।

आरिफ ने किडनी दान को व्यक्तिगत निर्णय बताया था

आरिफ ने कहा था कि समाज की सोच उनके लिए महत्वपूर्ण नहीं है। यह उनका व्यक्तिगत निर्णय है। आरिफ के परिवार में पिता और तीन भाई हैं। मां का निधन हो चुका है। आरिफ सबसे छोटे हैं। तीनों बड़े भाई कोरियर में काम करते हैं। उनकी शादी एक साल पहले हुई है। पत्नी भी उनके किडनी दान करने के फैसले को सपोर्ट कर रही हैं। एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी और उनके बिजनेसमैन पति राज कुंद्रा 10 दिन पहले प्रेमानंद महाराज से मिलने वृंदावन पहुंचे थे।

बातचीत में संत प्रेमानंद महाराज ने बताया, उनकी दोनों किडनियां फेल हो गई हैं और पिछले 10 सालों से वह खराब किडनियों के साथ जी रहे हैं। उन्होंने कहा कि कभी भी ईश्वर का बुलावा आ सकता है और अब उन्हें इस बात से बिल्कुल भी डर नहीं लगता है। प्रेमानंद महाराज की ये बातें सुनकर राज कुंद्रा ने तुरंत अपनी इच्छा जाहिर कर दी।

'एक नाम, एक रजिस्ट्रेशन, दो मदरसे' कटिहार में फर्जीवाड़े की पोल खुली

कटिहार, 25 अगस्त (एजेंसियां)। कटिहार के बिनोदपुर प्रखंड से जुड़े एक चौंकाने वाले मामले में सामने आया है कि एक ही मदरसे के नाम, रजिस्ट्रेशन नंबर और एफिलिएशन नंबर का इस्तेमाल कर पड़ोसी धान के खेत में अवैध तरीके से दूसरा मदरसा बनाया गया और उसे सरकारी वेरिफिकेशन के बाद मदरसा बोर्ड को रिपोर्ट किया गया। जानकारी के अनुसार, अख्तरूल इस्लाम दानीपुर मदरसा 1984 में स्थानीय लोगों के सहयोग से स्थापित किया गया था और 1987 में मदरसा बोर्ड में इसका रजिस्ट्रेशन हुआ।

इस मदरसे को लेकर पहले भी पटना उच्च न्यायालय में अलाउद्दीन बिस्मिल बनाम बिहार सरकार का मामला दर्ज था, जिसके तहत मदरसे का निरीक्षण होना था। इसी दौरान पड़ोसी चापी गांव के कुछ लोगों ने साजिश कर धान के खेत में टीना डालकर फर्जी मदरसा बनवाया। उन्होंने पुराने मदरसे का नाम, रजिस्ट्रेशन और एफिलिएशन नंबर इस्तेमाल कर सरकारी वेरिफिकेशन करवा लिया।

नकली दवा सिंडिकेट में एक और मुकदमा दर्ज

कूरियर कंपनी संचालक सहित छह किए गए नामजद

आगरा, 25 अगस्त (एजेंसियां)। नकली दवाओं के मामले में थाना कोतवाली में एक और मुकदमा दर्ज किया गया है। मुकदमा सहायक आयुक्त औषधि एवं खाद्य सुरक्षा नरेश मोहन दीपक ने दर्ज कराया है। इसमें यूनिस, वारिस, विक्की, सुभाष कुमार, हिमांशु और फरहान को नामजद किया गया है। इसमें बताया गया है कि यूनिस एमएस कार्गो कूरियर कंपनी का संचालक है। कोतवाली की बंसल और है मां मेडिकल एजेंसी पर उनके माध्यम से आगरा कैंट स्टेशन पर आने वाली दवाओं को लाया जाता था। यह दवाएं लखनऊ सप्लाई होनी थी। पिछले दिनों एसटीएफ के छापे में पकड़ी गई दवाई भी कंपनी के ही टेंपो में आई थी। दवाओं के बिल कम कीमत के थे, जबकि बाजार कीमत अधिक थी।

सीएम नीतीश कुमार ने पटनावासियों को दी 1024.77 करोड़ की विकास योजनाओं की सौगात

पटना, 25 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को पटना वासियों को 1024.77 करोड़ रुपये की विकास योजनाओं की सौगातें ही है। उन्होंने कहा कि बहुत खुशी की बात है कि प्रगति यात्रा के दौरान पटना जिले के लिये की गयी घोषणाओं से संबंधित पटना शहरी (मध्य क्षेत्र) के अंतर्गत योजनाओं का शिलान्यास/कार्यारंभ किया जा रहा है।

इन योजनाओं के क्रियान्वयन से पटना शहरी (मध्य क्षेत्र) में आमलोगों को काफी फायदा होगा तथा बेहतर जनसुविधाएं मिलेगी। मुख्यमंत्री ने पटेल गोलम्बर के पास आयोजित कार्यक्रम स्थल से 196.80 करोड़ रुपये लागत की पटेल गोलंबर से ईको पार्क के पश्चिमी छोर तक तथा इको पार्क के पूर्वी छोर से अटल पथ तक सरपेंटाईन नाले पर भूमिगत नाला के साथ 4 लेन सड़क के निर्माण कार्य का शिलापट्ट अनावरण कर शिलान्यास किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि इसके निर्माण कार्य होने से सचिवालय, राजधानी वाटिका तथा एयरपोर्ट आने-जाने में लोगों को काफी सुविधा होगी। खुले नाले पर फोरलेन पथ के निर्माण हो जाने से आवागमन में सहूलियत के साथ-साथ पटना शहर की सुंदरता और बढ़ेगी। मुख्यमंत्री ने डाकबंगला चौक पर आयोजित कार्यक्रम स्थल से 328.52 करोड़ रुपये की लागत से पटना शहरी क्षेत्र में विद्युत संरचनाओं के आधुनिकीकरण एवं सुदृढ़ीकरण के तहत बिजली के तारों को चरणबद्ध तरीके से भूमिगत करने की परियोजना का शिलापट्ट अनावरण कर कार्यारंभ किया।

कार्यक्रम के दौरान ऊर्जा विभाग के सचिव ने मुख्यमंत्री को पटना शहरी क्षेत्र अन्तर्गत अंडरग्राउंड (कवर्ड) बिजली के तारों के रूट प्लान के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। साथ ही मुख्यमंत्री के समक्ष इस योजना से संबंधित एक लघु फिल्म भी प्रस्तुत की गई। जुलाई माह में विद्युत खपत के दौरान शून्य विद्युत शुल्क वाले दो उपभोक्ताओं को सांकेतिक रूप से मुख्यमंत्री ने प्रमाण पत्र सौंपा। मुख्यमंत्री ने पटना साइंस कॉलेज स्थित न्यूटन हॉस्टल में आयोजित कार्यक्रम स्थल से 30.02 करोड़ रुपये लागत की पटना शहर में अवस्थित विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के छात्रावासों का जीर्णोद्धार, आधुनिकीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य का शिलापट्ट अनावरण कर कार्यारंभ किया।

पड़ोसी ज्वैलर्स ने कराया था डॉक्टर के पति का अपहरण

28 घंटे की रिमांड पर मास्टरमाइंड कमालुद्दीन का खुलासा; 3 और अरेस्ट

गोरखपुर, 25 अगस्त (एजेंसियां)। गोरखपुर में डॉक्टर के पति का अपहरण उसके पड़ोसी ज्वैलर्स ने कराई थी। यह खुलासा मुख्य आरोपी कमालुद्दीन ने पुलिस पूछताछ में किया। पुलिस कमालुद्दीन को रायबरेली से 28 घंटे के रिमांड पर लेकर शनिवार को गोरखपुर पहुंची थी।

मुख्य आरोपी कमालुद्दीन ने पुलिस पूछताछ में बताया- पड़ोसी ज्वैलर्स ने साजिश रचकर व्यापार का घाटा पूरा करने के लिए अशोक का अपहरण कराया था। इसके बाद शाहपुर पुलिस ने साजिश रचने वाले 3 और आरोपियों को रविवार शाम गिरफ्तार कर लिया। इसमें पादरी बाजार का ज्वैलर्स प्रदीप सोनी, खोराबार के तरुण त्रिपाठी और गोला क्षेत्र के मोनू त्रिपाठी थे।

अशोक से बिजनेस के नाम पर 5 लाख रुपए प्रदीप ने लिए

कमालुद्दीन ने पूछताछ में बताया- गोल्ड कारोबारी प्रदीप सोनी ने रिटायर्ड एयरफोर्स कर्मी अशोक जायसवाल से बिजनेस के नाम पर 5 लाख रुपए उधार में लिए थे। साथ ही अशोक के हॉस्पिटल में एक गोल्ड ज्वैलरी की शॉप भी प्रदीप ने खोली थी। जो हाईवे बनने के दौरान टूट गई थी। बकाया रुपए न देने पड़े इसलिए ज्वेलर्स ने अपने मित्र तरुण त्रिपाठी से किडनैपिंग का प्लान बनाया।

तरुण ने पूरा प्लान तैयार किया। इसके बाद मोनू त्रिपाठी, करुणेश दुबे और कमालुद्दीन को जोड़ा। सभी को पता था कि अशोक जायसवाल थोड़ा बहुत धमकाने के बाद ही पैसा मिल जाएगा। व्यापारी के इशारे पर ही फिरौती भी मांगी गई थी। उसी ने बताया था कि उनके घर की अलमारी में करोड़ों रुपए रखे हुए हैं। क्योंकि ज्वैलर्स की शॉप खोलने के दौरान अशोक के घर एवं हॉस्पिटल के सीसीटीवी का एक्सेस प्रदीप के पास भी था। अशोक ने प्रदीप का डीवीआर अपने यह लगा लिया था। उसका पासवर्ड नहीं बदला था।

अखिलेश जी, आप अपराधियों को दूध पिला रहे हैं

विधायक पूजा पाल का पलटवार, बोलीं-मुझे मिटा पाना आसान नहीं

लखनऊ, 25 अगस्त (एजेंसियां)। सपा से निष्कासित विधायक पूजा पाल ने अखिलेश यादव पर पलटवार किया। कहा- अखिलेश जी, मुझे मिटा पाना इतना आसान नहीं है। आप इतने पाप कर रहे हैं, अपराधियों को दूध पिला रहे हैं। पीढ़ियां आपको माफ नहीं करेंगी। पूजा पाल ने सोमवार को अपने एक्स अकाउंट पर 2 पन्नों का लेटर पोस्ट किया। कहा- क्या आप भूल गए, जब मेरे पति को दौड़ा-दौड़ाकर हत्या की गई। उस समय सपा सरकार थी। इसके बाद आज तक किसी भी सरकार में इस तरह का पाप कभी नहीं हुआ। इसलिए मुझे भय है कि समाजवादी पार्टी के पोषित माफिया गुंडे मेरी हत्या करा सकते हैं। दरअसल, अखिलेश ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा था- विधायक पूजा पाल को भाजपा वाले मार देंगे, जेल हम लोग जाएंगे।

इसलिए जांच होनी चाहिए कि पूजा पाल को किससे खतरा है? यूपी सरकार पर भरोसा नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि मुझे समझ नहीं आता कि कोई सीएम से मिल रहा हो और उसे जान का खतरा हो। इस मामले में सपा ने गृहमंत्री को लेटर लिखा है। पूरी जांच की जानी चाहिए। पूजा पाल जितने साल तक सपा के साथ थीं, तब उन्हें कोई जान का खतरा नहीं था। 14 अगस्त को अखिलेश ने पूजा पाल को पार्टी से बर्खास्त कर दिया था। पूजा पाल ने विधानसभा सत्र के दौरान सीएम योगी की तारीफ की थी।

कहा था कि उन्होंने माफिया अतीक अहमद को मिट्टी में मिलाया। पूजा की इस स्पीच के करीब 8 घंटे बाद ही अखिलेश ने उनको पार्टी से बाहर कर दिया था। मुझे उम्मीद थी आप मेरे सवालों का जवाब देंगे, लेकिन आपने सीधे उत्तर न देकर एक ट्वीट किया। फिर अपने प्रदेश अध्यक्ष से एक पत्र केंद्रीय गृह मंत्री को लिखकर सोशल मीडिया पर वायरल किया। इसके बाद अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में भी उसी के बारे में कहा।

सांप को डिब्बे में बंदकर अस्पताल पहुंचे प्रधान, इसी ने मेरी पत्नी को डसा; इलाज से बची जान

लखीमपुर, 25 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। ईसानगर क्षेत्र में दरिगापुर गांव के प्रधान अनुराग मौर्य की पत्नी पूनम को सांप ने डस लिया। यह देख प्रधान ने सांप को पकड़ डिब्बे में बंद कर लिया। वह डिब्बे में बंद सांप और पत्नी को लेकर अस्पताल पहुंचे। डॉक्टर ने पूनम का इलाज शुरू किया। समय से इलाज मिलने पर उनकी जान बच गई। वहीं डिब्बे में बंद सांप को देखकर डॉक्टर ने कहा कि यह वायपर प्रजाति का है। यह सांप काफी जहरीला होता है। दरिगापुर गांव निवासी ग्राम प्रधान अनुराग मौर्य की पत्नी पूनम मौर्य शनिवार रात कमरे में जा रही थी।

इसी दौरान बेड के पास मौजूद वाइपर सांप ने उनके पैर में डस लिया। सांप को देखकर वह चीख पड़ी। प्रधान अनुराग दौड़कर कमरे में पहुंचे। उन्होंने सांप को पकड़कर डिब्बे में बंद कर लिया। पत्नी को तत्काल लेकर सीएचसी खमरिया पहुंचे। अस्पताल में चिकित्सक ने तुरंत उनका इलाज शुरू कर दिया, जिससे उनकी जान बच गई। एक सप्ताह पहले भी गांव की सुखरानी पत्नी प्रकाश को सांप ने काट लिया था, जिनको सीएचसी में भर्ती कराया गया था। जहां उनकी हालत बिगड़ते देख डॉक्टर ने जिला अस्पताल भेजकर समुचित इलाज करवाया।

तेजस्वी बोले-दो बड़े मंत्रियों में मनमुटाव हुआ था, इसी कारण भ्रष्ट इंजीनियर के ठिकाने पर पहुंची ईओयू

पटना, 25 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार में ग्रामीण कार्य विभाग के इंजीनियर के ठिकाने से लाखों रुपये बरामद होने और नोट जलाने के मामले में सियसात गरमाने लगी है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने इस मामले को लेकर नीतीश सरकार पर निशाना साधा।

उन्होंने बड़ा खुलासा करते हुए कहा कि दो बड़े मंत्रियों के बीच मनमुटाव के कारण आर्थिक अपराध इकाई की टीम ने छापेमारी की। तेजस्वी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी और नीतीश कुमार प्रदत्त भ्रष्टाचार का बिहार में यह आलम है कि भ्रष्टाचार के अरबों रुपए की बंदरबांट में दो बड़े मंत्रियों के हुए मनमुटाव के बाद एक मंत्री ने ईओयू से एक इंजीनियर के यहां छापा मरवाया गया।

इंजीनियर ने 10 करोड़ रुपये के नोट जला दिए

तेजस्वी यादव ने लिखा कि जब ईओयू की टीम आरोपी इंजीनियर विनोद कुमार राय के घर पहुंची तो उसने गेट खोलने में घंटो लगा दिए। इस बीच उसने 10 करोड़ रुपये के नोट जला दिए। भ्रष्टाचार की कमाई का अंदाजा आप इस बात से लगा सकते हैं कि देर रात एक बजे से सुबह करीब छह बजे तक वह नोट जलाता ही रह गया। इसके बाद जले नोटों को बाथरूम की बाइप में डाल दिया। इससे पाइप जाम हो गया। ईओयू की टीम को कड़ी मशक्कत के बाद बचे-खुचे नोट बरामद हुए।

तेजस्वी बोले-आजकल अपने हेलिकॉप्टर से घूम रहे वह नेता

तेजस्वी यादव ने तंज कसते हुए कहा कि अब तो पूरा बिहार जानता है कि वह मंत्री कौन है? वह आजकल उस विभाग की काली कमाई से स्वयं के (पार्टी के नहीं) हेलीकॉप्टर से उड़ रहे हैं। बता दें कि आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने शुक्रवार को पटना में बड़ी कार्रवाई की थी। इसमें ग्रामीण कार्य विभाग के अधीक्षण अभियंता विनोद कुमार राय को भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार कर लिया था।

पटना के भूतनाथ स्थित घर में छापेमारी के दौरान ईओयू को 52 लाख रुपये नकद बरामद किए गए हैं। बरामद राशि में भारी मात्रा में जली हुई करेंसी नोट भी शामिल है। इतना ही नहीं सोने की बिस्किट समेत 26 लाख के जेवरात, बीमा पॉलिसी, जमीन, मकान के कागजात समेत 20 करोड़ की चल-अचल संपत्ति मिली है।

किसान सड़कों पर उतर कर रहे प्रदर्शन, सरकार पर जमीन कब्जा करने का लगा रहे आरोप

पटना, 25 अगस्त (एजेंसियां)। संयुक्त किसान मोर्चा अपनी मांगों को लेकर आज प्रदर्शन कर रहा है। प्रदर्शन का नेतृत्व बक्सर के सांसद और किसान नेता सुधाकर सिंह कर रहे हैं। इनका कहना है कि ये लोग मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आवास का घेराव करेंगे, लेकिन किसान बुद्धा पार्क से पटना जंक्शन होते हुए प्रदर्शनकारी जैसे ही डाकबंगला चौराहा पहुंचे, इससे पहले ही पुलिस ने उनको रोकने के लिए बैरिकेटिंग लगा दी। प्रदर्शनकारी बैरिकेटिंग को तोड़ते हुए आगे बढने की कोशिश करने लगे, तब पुलिस को मजबूरन बल का प्रयोग करना पड़ा। फिलहाल प्रदर्शनकारी बैरिकेडिंग तोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे हैं। पुलिस ने पटना जंक्शन से डाकबंगला की तरह से आने और उस तरफ जाने के रास्ते को ब्लॉक कर दिया है। फिलहाल डाकबंगला चौराहा पर भारी संख्या में पुलिस की तैनाती की गई है।

हनीट्रैप गिरोह का भंडाफोड़, महिला समेत पांच आरोपी गिरफ्तार

बरेली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। बरेली में इज्जतनगर थाना पुलिस ने हनीट्रैप गिरोह का भंडाफोड़ किया है। रिटायर्ड दरोगा के बेटे और महिला समेत पांच शातिरों को गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए गिरोह के पास से घटना में प्रयुक्त छह मोबाइल फोन और एक स्कॉर्पियो कार बरामद की गई है। आरोपियों की गिरफ्तारी निर्माणाधीन रोडवेज बस स्टैंड मिनी बाईपास रोड के पास से हुई है।

पुलिस के मुताबिक गिरोह का सरगना आकाश पुत्र नरेश कुमार है, जिसने अपने साथियों के साथ मिलकर भोले-भाले लोगों को हनी ट्रैप के जाल में फंसाकर लाखों की रंगदारी वसूलने की साजिश रची थी। गिरोह की मुख्य सदस्य हनी उर्फ नेहा खान पहले पीड़ित से फोन पर बातचीत कर उसे अपने जाल में फंसाती थी और फिर होटल या सुनसान जगह पर बुलाती थी। गिरोह के अन्य सदस्य पीड़ित को घेर लेते थे। ताजा मामले में एक युवक को नेहा खान ने जाल में फंसाया था। महिला ने उसके वीडियो व फोटो बना लिए थे। फिर उसे होटल सहगल में बुलाया गया, जहां उसे गिरोह के गुड्डू बंजारा, अवधेश, आकाश, मिथलेश और अन्य साथियों ने स्कॉर्पियो में डालकर ले गए। मिनी बाईपास पर ले जाकर पीड़ित से मारपीट कर वीडियो-फोटो वायरल करने और दुष्कर्म के झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देकर पांच लाख रुपये की रंगदारी मांगी गई। बदनामी के डर से पीड़ित ने गिरोह को 30 हजार रुपये और सोने की अंगूठी सौंप दी। इसके बाद आरोपी लगातार उसे और रुपये देने के लिए दबाव बनाया जा रहा था। एसएसपी के निर्देश पर गठित टीम ने मुखबिर की सूचना पर दबिश देकर हनी उर्फ नेहा खान, गुड्डू बंजारा, अवधेश, आकाश और मिथलेश गंगवार को गिरफ्तार कर लिया। गिरोह का एक और सदस्य मोहित मिश्रा व दो अज्ञात अभी फरार बताए जा रहे हैं। आरोपियों के खिलाफ मुकदमा थाना इज्जतनगर में कार्रवाई की गई है।

फिल्म रेड की तरह दवा कारोबारी पर पड़ा छापा

लखनऊ में प्लान बना, 35 अफसरों की टीम आगरा पहुंची; कारोबारी ने 2 करोड़ ऑफर किए

आगरा, 25 अगस्त (एजेंसियां)। आगरा के दवा कारोबारी हिमांशु अग्रवाल के ठिकानों पर अजय देवगन की फिल्म 'रेड' की तरह छापा मारा गया। उसके गोदाम पर पहुंची एसटीएफ टीम के लोगों को आखिरी वक्त में पता चला कि रेड कहां डालनी है? यही वजह है कि अफसरों से सेटिंग के चलते हर बार बच निकलने वाला हिमांशु इस बार फंस गया। दरअसल, हिमांशु अग्रवाल का नेटवर्क यूपी समेत 13 राज्यों में फैला है। जहां वह नकली दवाओं की सप्लाई कर रहा था। हिमांशु का साउथ इंडिया के दवा माफिया राजा सिंह से गठजोड़ था, जहां से वह दवा मंगाता था। उसकी स्थानीय स्तर पर अफसरों से सेटिंग इतनी अच्छी थी कि हर बार बच जाता था। सवा महीने पहले एसटीएफ ने उसका माल पकड़ने की कोशिश की थी। लेकिन, उसको भनक लग गई और वह बच गया। इस बार भी उसके गोदाम और दुकान पर छापा पड़ा।

'मैक्सिको में कायकिंग से लेकर अंतरिक्ष में कैमरे के इस्तेमाल तक'

शुभांशु शुक्ला ने बताई पूरी कहानी

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने बताया एक्सिओम-4 मिशन से पहले उन्हें कई तैयारियों से गुजरना पड़ा। इनमें कृत्रिम वातावरण में जीवन की रक्षा का परीक्षण, अंतरिक्ष में अपने अनुभव को संजोने के लिए फोटोग्राफी का प्रशिक्षण और टीम भावना को मजबूत करने के लिए मैक्सिको के समुद्री तट पर कायकिंग जैसी गतिविधियां शामिल थीं। शुक्ला ने रविवार को एक्सिओम-4 मिशन और उसके लिए दिए गए प्रशिक्षण के अनुभव साझा किए। यह मिशन अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के लिए था।

ग्रुप कैप्टन शुक्ला को उनके सांकेतिक नाम 'शक्स' से भी जाना जाता है। एक्सिओम-4 मिशन को कई बार टाला गया था। इसके बाद 25 जून को अमेरिका के कैनेडी अंतरिक्ष केंद्र से ड्रैगन अंतरिक्षयान लॉन्च किया गया, जिसमें शुक्ला और तीन अन्य अंतरिक्ष यात्री सवार हुए थे। शुक्ला ने बताया कि यह इतना शक्तिशाली होता है कि आपके शरीर की हर हड्डी को हिला देता है। आप 0 से 28,500 किलोमीटर प्रति घंटी की रफ्तार तक केवल 8.5 मिनट में पहुंचते हैं। इससे इसकी ताकत का अंदाजा लगाया जा सकता है। जब अंतरिक्षयान लॉन्च हुआ तो भारत और दुनियाभर में लोगों ने इस मिशन की कामयाबी के लिए तालियां बजाईं और जब 15 जुलाई को उनकी धरती पर वापसी हुई तो फिर से जश्न मनाया गया। लखनऊ में जन्मे शुक्ला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर जाने वाले पहले भारतीय बने। उन्होंने इस अनुभव को बेहद रोमांचक बताया।

भारतीय वायुसेना की ओर से नई दिल्ली के सुब्रतो पार्क में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जहां शुक्ला ने 20 दिनों के अंतरिक्ष मिशन की कुछ दिलचस्प बातें साझा कीं। इस मिशन से पहले उन्हें कई महीनों तक कठिन प्रशिक्षण से गुजरना पड़ा था। उन्होंने बताया कि जब आप आईएसएस पर जाते हैं, तो यह बिल्कुल ऐसे है जैसे आप किसी नए घर में रह रहे हैं। वहां के अपने नियम होते हैं, जैसे खाना कैसे खाओगे सोओगे या शौचालय कैसे जाओगे। सबसे कठिन काम वास्तव में अंतरिक्ष में वॉशरूम जाना होता है। शुक्ला 2006 में भारतीय वायु सेना में शामिल हुए थे। वह 10 अक्तूबर को 40 साल के हो जाएंगे। वह एक अनुभवी टेस्ट पायलट हैं, जिन्होंने सुखोई-30 एमकेआई, मिग-29, जगुआर और डोर्नियर-228 जैसे लड़ाकू विमान 2,000 घंटे से अधिक समय तक उड़ाए हैं।

ग्रुप कैप्टन शुक्ला ने बताया कि वह बचपन में एक शर्मीले और शांत इंसान थे और राकेश शर्मा की 1984 में अंतरिक्ष यात्रा की कहानियां सुनते हुए बड़े हुए। आज वहीं शुक्ला अब स्कूल के बच्चों को ऑटोग्राफ दे रहे हैं और वायु सेना के उनके साथ साथी उसे फोटो खिंचवाने की लाइन में लगे हैं। जब उनसे पूछा गया कि यह बदलाव कैसा लगता है, तो उन्होंने कहा, अद्भुत लगता है ये देखना कि आज के बच्चे अंतरिक्ष और भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम को लेकर कितने उत्साहित हैं।

भारी बारिश ने मचाई तबाही-सड़कें बहने से कई मार्गों से संपर्क टूटा

कठुआ, 25 अगस्त (एजेंसियां)। जिलाभर में बारिश ने फिर तबाही मचाई है। दर्जनों कच्चे मकानों को बारिश और बाढ़ से नुकसान की जानकारी जहां सामने आ रही है वहीं पूरे जिले में सबसे ज्यादा नुकसान सड़क नेटवर्क को पहुंचा है। जिला मुख्यालय कठुआ का सभी सब डिवीजनों से सीधा संपर्क कट चुका है। जम्मू पठानकोट नेशनल हाईवे के पैरलल चलने वाले सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण धार सड़क तक पहुंचाने वाले लखनपुर महानपुर और दियालाचक छलां मार्ग बंद हैं।

उधर, सीमावर्ती इलाकों से सांबा तक जोड़ने वाला ओल्ड सांबा कठुआ भी बंद हो गया है। महानपुर का बसोहली से तो वहीं बसोहली का बनी से संपर्क कट चुका है। शनिवार देर रात से जारी मूसलाधार बारिश के चलते जिले के सभी नदी नाले उफान पर आ गए हैं। बनी में सेवा, कठुआ में उज्ज, सहार और मग्गर खड्ड उफान पर रहे।

'राहुल आदतन झूठे', 'वोट चोरी' के आरोपों पर फडणवीस

> राज-उद्धव ठाकरे ने पार्टी कार्यकताओं को चेताया

मुंबई, 25 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को आदतन झूठा कहा और भाजपा पर लगे 'वोट चोरी' के आरोपों को खारिज कर दिया। फडणवीस ने कहा कि विपक्षी नेताओं का यह झूठ केवल खुद को तसल्ली देने के लिए हैं।

उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, मैं पहले भी कह चुका हूं कि राहुल गांधी आदतन झूठ बोलने वाले हैं। वह लगातार झूठ फैलाते रहते हैं। दुख होता है जब कुछ महाराष्ट्र के नेता भी यह मानने लगते हैं कि राहुल गांधी सच बोल रहे हैं। राहुल गांधी के इस आरोप पर कि भाजपा ने वोट चुराए, मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि झूठ की कोई बुनियाद नहीं होती।

उन्होंने कहा, झूठ पर खड़ा किया गया किला टिकता नहीं है। जब तक उन्हें यह समझ नहीं आएगा कि जनता का विश्वास जीतने के लिए जनता के बीच जाना पड़ता है, तब तक उनका झूठ सिर्फ खुद को बहलाने के लिए होगा। राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि कर्नाटक, महाराष्ट्र और हरियाणा में वोट चुराए गए और अब बिहार में भी वोट चोरी की कोशिश की जा रही है। उनका आरोप है कि यह सब केंद्र की भाजपा सरकार और चुनाव आयोग की मिलीभगत से हो रहा है। कई अन्य विपक्षी दलों ने भी 'वोट चोरी' का मुद्दा उठाया है।

महाराष्ट्र में आगामी स्थानीय निकाय चुनावों से पहले उद्धव ठाकरे और उनके चचेरे भाई राज ठाकरे ने 'वोट चोरी' का मुद्दा उठाया है और अपने-अपने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा है कि वे मतदाता सूची को ठीक से जांचें और फर्जी मतदाताओं की पहचान करें। ठाकरे भाइयों का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और कई अन्य विपक्षी दल भी मतदाता सूची में हेराफेरी के आरोप लगा चुके हैं। पिछले साल महाराष्ट्र की 288 सीटों वाली विधानसभा के चुनाव में उद्धव ठाकरे की पार्टी शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस और शरद पवार की राकांपा (शरदचंद्र पवार) के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ी थी और 20 सीटें जीती थीं। वहीं, राज ठाकरे की पार्टी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) को एक भी सीट नहीं मिली थी। अटकलें हैं कि आगामी नगर निगम चुनावों, खासकर प्रभावशाली बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव के लिए शिवसेना (यूबीटी) और मनसे के बीच गठबंधन हो सकता है। वहीं, मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने शनिवार को कहा था कि वह 2016 से वोट चोरी का मुद्दा उठाते आ रहे हैं।

लुधियाना में श्रीगुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी

महिला ने सारे कपड़े उतार फेंकें, पति वहीं खड़ा था; चाबियां चोरी होने पर बुलाया था

लुधियाना, 25 अगस्त (एजेंसियां)। पंजाब के लुधियाना के श्री गुरुद्वारा साहिब में बेअदबी की घटना सामने आई है। एक महिला ने श्री गुरु ग्रंथ साहिब के समक्ष अपने कपड़े उतारकर फेंक दिए। वहां अरदास करने पहुंचे लोगों ने किसी तरह उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं मानी और हंगामा करती रही।

इसके बाद संगत ने मौके पर जाकर महिला को काबू किया। महिला ने यह हरकत अपने पति के सामने की। घटना श्री गुरुद्वारा साहिब में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई। इसका वीडियो सामने आने के बाद संगठन अकाली दल (वारिस पंजाब दे) के सदस्य जसवंत सिंह चीमा की शिकायत पर थाना साहनेवाल की पुलिस ने आरोपी महिला के खिलाफ धारा 298 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि अभी तक यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि महिला ने ऐसा क्यों किया। शुरूआती जांच में चाबियां चोरी होने का मामला सामने आया है। जिसको लेकर महिला पर शक था। फिलहाल, रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

पति की मौजूदगी में उतारे महिला ने कपड़े

पुलिस को जानकारी देते हुए जसवंत सिंह चीमा ने कहा कि मैं अकाली दल (वारिस पंजाब दे) का सदस्य हूं। मुझे सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो से पता चला कि गांव जुगियाणा थाना साहनेवाल के अधीन गुरुद्वारा श्री रविदास जी महाराज में 21 अगस्त को एक महिला अपने पति के साथ पहुंची।

एल्विश यादव के घर फायरिंग में दो और शूटर गिरफ्तार

> अमेरिका से गैंगस्टर भाऊ दे रहा था आदेश > शाहबाद इलाके में छिपे थे

गुरुग्राम, 25 अगस्त (एजेंसियां)। गुरुग्राम में यूट्यूबर एल्विश यादव के घर पर हुई फायरिंग मामले में दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो और शूटरों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान फरीदाबाद के गौरव और आदित्य के रूप में हुई है, जो दिल्ली के शाहबाद इलाके में छिपे हुए थे।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक दोनों आरोपी कुख्यात गैंगस्टर हिमांशु भाऊ के लिए काम करते थे और उससे अमेरिका में रहते हुए सिग्नल एप के माध्यम से संपर्क में थे। बता दें कि 17 अगस्त को एल्विश यादव के घर पर 24 राउंड फायरिंग हुई थी, जिसमें दरवाजों, खिड़कियों और छत की सीलिंग तक पर गोलियों के निशान मिले थे।

गैंगस्टर नेटवर्क से जुड़ा मामला

पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई थी और इस मामले में पहले ही दो आरोपी पकड़े जा चुके हैं। हालांकि फायरिंग की इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। एल्विश यादव गुरुग्राम का लोकप्रिय यूट्यूबर है, जो अपने वीडियो कंटेंट के कारण युवाओं के बीच खासा मशहूर है। यह मामला अब साफ तौर पर गैंगस्टर नेटवर्क और यूट्यूबर को डराने की साजिश से जुड़ा नजर आ रहा है।

एल्विश के घर फायरिंग का टास्क

अमेरिका में बैठे हिमांशु भाऊ ने अपने गैंग के शूटरों को एल्विश यादव के घर पर फायरिंग का टास्क दिया था। गौरव और आदित्य को इस काम को पूरा करने की जिम्मेदारी सौंपी गई। इस जिम्मेदारी को उन्होंने बखूबी निभाया भी। इसके वारदात के बाद एल्विश के घर पर पुलिस सिक्योरिटी दी गई है। हालांकि एल्विश को 22 अगस्त को घर आना था, लेकिन वह अभी तक घर नहीं लौटा है।

सिग्नल एप पर करते हैं बात

पुलिस सूत्रों के अनुसार हिमांश भाऊ अमेरिकन सिग्नल ऐप पर बात करते थे। यह एंड-टू-एंड एनक्रिप्शन का उपयोग करता है, जिसका अर्थ है कि आपके मैसेज को केवल आप और प्राप्तकर्ता ही पढ़ सकते हैं। सिग्नल टेक्स्ट, वॉयस मैसेज, फ़ोटो, वीडियो और फाइलें भेजने के साथ-साथ वॉयस और वीडियो कॉल के लिए भी इसका इस्तेमाल किया जाता है। सिग्नल अपनी मजबूत सेफ्टी और प्राइवेसी के कारण उन लोगों और संगठनों के बीच एक लोकप्रिय विकल्प बन गया है जो अपने डेटा को निगरानी, छेड़छाड़ और हैकिंग से बचाना चाहते हैं।

इस मामले में दो आरोपी पहले पकड़े जा चुके

एल्विश के घर पर फायरिंग के मामले में दो आरोपी पहले ही पकड़े जा चुके हैं। इसमें फरीदाबाद के ईशांत को मुठभेड़ के बाद पुलिस ने अरेस्ट किया था। वहीं रेपिडो बाइक ड्राइवर जतिन (उम्र 24 वर्ष) निवासी पर्वतीय कॉलोनी, जिला फरीदाबाद को गिरफ्तार किया था।

लीवर ट्रांसप्लांट सर्जरी के बाद पहले पति और फिर पत्नी की मौत को लेकर बवाल

> अस्पताल को नोटिस जारी

पुणे, 25 अगस्त (एजेंसियां)। पुणे के एक निजी अस्पताल में लीवर ट्रांसप्लांट सर्जरी के बाद एक दंपती की मौत हो गई। पत्नी ने अपने पति को लीवर का एक हिस्सा दान किया था। पहले पति की मौत हुई और फिर कुछ दिन बाद पत्नी की भी मौत हो गई। इस घटना के बाद महाराष्ट्र स्वास्थ्य विभाग ने अस्पताल को नोटिस जारी किया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

स्वास्थ्य सेवा विभाग के उप निदेशक डॉ. नागनाथ येमपल्ले ने बताया कि सह्याद्री अस्पताल को ट्रांसप्लांट प्रक्रिया से जुड़े सभी दस्तावेज और जानकारी सोमवार सुबह 10 बजे तक जमा करने के लिए कहा गया है। उन्होंने बताया कि अस्पताल से प्राप्तकर्ता और दाता (डोनर) दोनों की वीडियो रिकॉर्डिंग, इलाज की पूरी प्रक्रिया और अन्य जानकारी मांगी गई है। बापू कोमकर और उनकी पत्नी कामिनी ने 15 अगस्त को पुणे के सह्याद्री अस्पताल में लीवर ट्रांसप्लांट की सर्जरी करवाई थी। ट्रांसप्लांट के बाद बापू की तबीयत बिगड़ने लगी और 17 अगस्त को उनकी मौत हो गई। इसके बाद कमिनी को 21 अगस्त को संक्रमण हो गया और इलाज के दौरान उनकी भी मौत हो गई। परिवारवालों ने इस पूरी घटना में उपचार में लापरवाही का आरोप लगाते हुए जांच की मांग की है। वहीं, अस्पताल की ओर से जारी बयान में कहा गया कि दोनों सर्जरी तय मानकों के मुताबिक की गई थीं। अस्पताल ने नोटिस मिलने की पुष्टि करते हुए कहा कि वह जांच में पूरा सहयोग करा है। अस्पताल ने बताया कि बापू कोमकर पहले से ही हाई-रिस्क मरीज थे और उन्हें कई स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं थीं।

'मौत की सजा को अनुच्छेद 32 के तहत चुनौती दी जा सकती है'

सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। मौत की सजा पाए एक दोषी की याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने अहम टिप्पणी की। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत मौत की सजा को भी प्रक्रियात्मक सुरक्षा उपायों के उल्लंघन के आधार पर चुनौती दी जा सकती है। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने वसंत संपत दुपारे की याचिका पर यह टिप्पणी की। दुपारे को अप्रैल 2008 में चार साल की एक बच्ची से दुष्कर्म करने और निर्ममता से उसकी हत्या करने के मामले में मौत की सजा सुनाई गई थी। दुपारे ने बच्ची को चॉकलेट देने के बहाने बुलाया और दुष्कर्म के बाद पत्थर से उसका सिर कुचलकर हत्या कर दी थी।

सोमवार को जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संजय करोल और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने दुपारे की याचिका को अनुच्छेद 32 के तहत दायर करने की अनुमति दे दी। पीठ ने माना कि दुपारे के मामले में प्रक्रियात्मक सुरक्षा उपायों का उल्लंघन हुआ। पीठ ने कहा कि साल 2022 में मनोज बनाम मध्य प्रदेश के फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कुछ दिशा-निर्देश तय किए थे, जिनके तहत सत्र अदालत आरोपी को मौत की सजा देने से पहले उसकी मानसिक और मनोवैज्ञानिक रिपोर्ट का भी मूल्यांकन करे। पीठ ने कहा कि अनुच्छेद 32 के तहत प्रावधान है कि अगर मौत की सजा देते हुए मनोज बनाम मध्य प्रदेश मामले में दिए गए दिशा निर्देशों का पालन नहीं किया गया है तो मौत की सजा के मामले पर फिर से सुनवाई की जा सकती है।

बटाला पुलिस को सफलता

चार हथगोले समेत भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद, एक आरोपी गिरफ्तार-दूसरा फरार

चंडीगढ़, 25 अगस्त (एजेंसियां)। बटाला पुलिस ने बलपुरा गांव से 4 हथगोले (एसपीएल एचजीआर-84), 1 आरडीएक्स-आधारित आईईडी (दो किग्रा) और संचार उपकरण बरामद कर एक आतंकी मॉड्यूल को नाकाम कर दिया। प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि यह खेप ब्रिटेन स्थित बीकेआई आतंकवादी निशान सिंह उर्फ निशान जोडिया के निर्देश पर रखी गई थी, जो पाकिस्तान की आईएसआई द्वारा समर्थित पाक स्थित आतंकवादी हरविंदर सिंह रिंदा के निर्देशों पर काम कर रहा था। एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि दूसरा फरार है; उसे पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

दिल्ली में वकीलों की हड़ताल

सड़क ब्लॉक कर एलजी के खिलाफ जमकर प्रदर्शन राउज ऐवन्यू कोर्ट के बाहर रोड बंद

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली में उपराज्यपाल के एक आदेश के खिलाफ वकीलों की हड़ताल जारी है। वकीलों ने साफ चेतावनी दी है कि जब तक आदेश को वापस नहीं लिया जाएगा, तब तक जिला अदालतों में कामकाज ठप रहेगा। दिल्ली में भाजपा मुख्यालय से कुछ दूरी पर वकीलों ने सड़क ब्लॉक करके दिल्ली के एलजी के खिलाफ प्रदर्शन किया। राउज ऐवन्यू कोर्ट के सामने पंडित दीन दयाल उपाध्याय रोड को वकीलों ने बंद कर दिया है। दिल्ली की निचली अदालतों में वकीलों की हड़ताल तीसरे दिन भी जारी है।

'पीड़ित और कानूनी वारिस भी आरोपी के बरी होने पर कर सकते हैं अपील'

सुप्रीम कोर्ट ने की टिप्पणी

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसले में कहा है कि अपराध के शिकार पीड़ित और उनके कानूनी वारिस आरोपी की बरी के खिलाफ अपील दाखिल कर सकते हैं। कोर्ट ने साफ किया कि अपराध पीड़ित का अधिकार उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना कि दोषी करार दिए गए आरोपी का। यह फैसला न्याय और संतुलन के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है।

जस्टिस बी वी नागरत्ना और जस्टिस के वी विश्वनाथन की बेंच ने कहा कि किसी अपराध के पीड़ित को भी यह अधिकार है कि वह निचली अदालत के फैसले के खिलाफ उच्च अदालत में अपील कर सके।

अदालत ने कहा कि यह अधिकार केवल दोषी करार व्यक्ति या राज्य को ही नहीं, बल्कि पीड़ित और उसके वारिसों को भी मिलना चाहिए।

धारा 372 के तहत अपील का अधिकार

कोर्ट ने कहा कि आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 372 में 2009 में एक प्रावधान जोड़ा गया था, जिसके तहत पीड़ित पक्ष को भी अपील का अधिकार दिया गया।

यह अधिकार इस बात से स्वतंत्र है कि पीड़ित शिकायतकर्ता है या नहीं। अदालत ने कहा कि जैसे आरोपी को धारा 374 के तहत अपील करने का अधिकार है, वैसे ही पीड़ित को भी अपील का अधिकार होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि अपील के दौरान पीड़ित की मृत्यु हो जाती है, तो उसके कानूनी वारिस उस अपील को आगे बढ़ा सकते हैं। कोर्ट ने कहा कि यह व्यवस्था न्याय सुनिश्चित करने और अपराध के पीड़ितों के अधिकारों को सुरक्षित करने के लिए बेहद जरूरी है।

न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण कदम इस फैसले के बाद अब पीड़ित या उनके वारिस न केवल आरोपी की बरी के खिलाफ, बल्कि हल्की सजा या अपर्याप्त मुआवजे के खिलाफ भी अपील कर सकेंगे। अदालत ने कहा कि पीड़ित का अधिकार सीमित नहीं किया जा सकता। इस ऐतिहासिक फैसले को न्याय व्यवस्था में संतुलन और पीड़ितों के अधिकारों की रक्षा की दिशा में एक मजबूत कदम माना जा रहा है।

विधायक राहुल ममकूटाथिल कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से निलंबित

> मलयालम अभिनेत्री ने लगाए थे गंभीर आरोप

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। लेखिका हनी भास्करन और मॉडल रिनी एन जॉर्ज की ओर से लगाए गए अश्लील आचरण के आरोपों के बाद कांग्रेस पार्टी ने पलक्कड़ के विधायक राहुल ममकूटाथिल को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निलंबित कर दिया है। हालांकि, वह विधायक के रूप में कार्य करते रहेंगे। बढ़ते विरोध, कार्रवाई और इस्तीफे की मांग के बीच यह निलंबन किया गया है। ममकूटाथिल ने पहले ही युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था।

इस्तीफे की मांग और विरोध प्रदर्शन

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) गंभीर के आरोपों को लेकर पलक्कड़ के विधायक राहुल ममकूटाथिल के इस्तीफे की मांग और विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। रविवार को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) की युवा शाखा, डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन ऑफ इंडिया (डीवाईएफआई) ने केरल के पलक्कड़ में एक विरोध मार्च निकाला था और राहुल ममकूटाथिल के विधायक पद से इस्तीफे की मांग की थी।

पूरा मामला क्या है?

ममकूटाथिल ने हाल ही में युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था, जब मलयालम अभिनेत्री रिनी एन जॉर्ज ने एक प्रसिद्ध राजनीतिक दल के युवा नेता पर दुर्व्यवहार का आरोप लगाया था। उसके बाद भाजपा और माकपा की युवा शाखा डीवाईएफआई ने विरोध प्रदर्शन किया था। नेता पार्टी की आंतरिक जांच का भी सामना कर रहे थे। इसके बाद कई महिलाओं और एक ट्रांसजेंडर व्यक्ति ने उन पर इसी तरह के आरोप लगाए और राजनीतिक विरोधी विधायक पद से उनके इस्तीफे के लिए दबाव बढ़ा रहे थे।

ममकूटाथिल के खिलाफ कई आरोप

शुक्रवार को केरल के कोझिकोड निगम क्षेत्र से भाजपा परिषद दल की नेता नव्या हरिदास ने आरोप लगाया था कि ममकूटाथिल के खिलाफ कई और आरोप लगाए गए हैं। महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष ने आरोप लगाया था कि कई महिलाओं और यहां तक कि ट्रांसजेंडर लोगों ने भी पलक्कड़ विधायक के खिलाफ यौन उत्पीड़न की शिकायतें दर्ज कराई हैं।

दिग्विजय और कमलनाथ के बयानों पर बीजेपी का तंज

> गुट और गिरोह में बंटी कांग्रेस की हालत 'बत से बदतर'

भोपाल, 25 अगस्त (एजेंसियां)। 2020 में कांग्रेस सरकार गिरने को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह और कमलनाथ के बयानों ने एक बार फिर सियासी माहौल गर्मा दिया है। भाजपा नेताओं ने कांग्रेस की अंदरूनी बयानबाजी पर जमकर तंज कसा है। प्रदेश सरकार के मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि गुट और गिरोह में बंटी कांग्रेस की स्थिति दिन-प्रतिदिन 'बत से बत्तर' होती जा रही है। मंत्री सारंग ने पूर्व सीएम कमलनाथ की सोशल मीडिया पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कांग्रेस में गुटबाजी और अविश्वास चरम पर है। उन्होंने कहा कि कमलनाथ सरकार के समय ही यह सवाल उठता था कि वास्तव में सरकार कौन चला रहा है। आज खुद कमलनाथ के बयान से यह बात साफ हो रही है।

उद्योगपति कांग्रेस की कलह सुलझाते थे-शर्मा

हुजूर से विधायक और पूर्व प्रोटेम स्पीकर रामेश्वर शर्मा ने भी कांग्रेस नेताओं पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि "कमलनाथ और दिग्विजय सिंह कल भी लड़ रहे थे और आज भी लड़ रहे हैं। अब पछताए होत क्या, जब चिड़िया चुग गई खेत।" शर्मा ने कहा कि तत्कालीन मंत्री उमंग सिंघार भी कह चुके थे कि सरकार दिग्विजय सिंह चला रहे थे और उद्योगपति कांग्रेस की कलह सुलझाते थे। जनता से वादे निभाने में नाकाम कांग्रेस के रवैए से ही ज्योतिरादित्य सिंधिया को विरोध करना पड़ा और अंततः उन्होंने भाजपा का दामन थामा। भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल ने सोशल मीडिया पर लिखा कि कमलनाथ का यह स्वीकारोक्ति बयान साबित करता है कि कांग्रेस की सरकार वास्तव में 'मिस्टर बंटाधार' चला रहे थे। उन्होंने कहा कि उस दौर में माफिया और भ्रष्टाचार का शिकंजा था, अव्यवस्था का बोलबाला था।

यही वजह रही कि ज्योतिरादित्य सिंधिया ने जनता के हित में भाजपा के साथ मिलकर स्थिर और विकासोन्मुख सरकार बनाई। अग्रवाल ने आगे कहा कि आज कांग्रेस के भीतर गुटबाजी और कलह चरम पर है और इसका सबसे बड़ा कारण फिर वही चेहरा है- दिग्विजय सिंह। उन्होंने कांग्रेस पर तंज कसते हुए लिखा कि "सत्ता में हो तो भी नकारा, विपक्ष में हो तो भी नकारा। जनता का विश्वास केवल भाजपा की सेवा, सुशासन और विकास की नीति पर है।"

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 26 अगस्त- 2025

जेपीसी पर बंटा विपक्ष

गंभीर आपराधिक मामलों में सीएम-पीएम तक को जेल भेजने वाले बिल पर प्रस्तावित संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को लेकर विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक में दरार पड़ती दिखाई देने लगी है। इससे सत्ताधारी एनडीए की बांछें खिल गई हैं। 130वें संविधान संशोधन के लिए लोकसभा में विधेयकों के पेश होते समय यही विपक्ष एकजुट था। विपक्षी फूट से बीजेपी की अगुवाई वाली केंद्र सरकार के दोनों हाथ में लड्डू नजर आने लगे हैं। एक ओर उसे विपक्षी दलों को भ्रष्टाचार हितैषी बताने का मौका मिल रहा तो दूसरी तरफ इनके बंटने से भी उसे राजनीतिक लाभ मिलता नजर आ रहा है। बता दें कि गंभीर आपराधिक मामलों में 30 दिनों से अधिक जेल में रहने वाले प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को इस्तीफा देने या पद मुक्त किए जाने वाले विधेयकों पर विचार करने के लिए बनने वाली जेपीसी में शामिल होने को लेकर विपक्षी दलों में जबरदस्त मतभेद है। इंडिया ब्लॉक में शामिल कांग्रेस और लेफ्ट पार्टियां इसमें शामिल होने की पक्षधर हैं तो टीएमसी और आम आदमी पार्टी ने जेपीसी में शामिल होने से मना कर दिया है। समाजवादी पार्टी और शिवसेना (यूबीटी) ने भी तृणमूल कांग्रेस की राह पर चलने का संकेत दिया है। कांग्रेस के नेताओं को लगता है कि भले ही जेपीसी में सत्तापक्ष यानी बीजेपी-एनडीए सांसदों का दबदबा होगा लेकिन इसकी रिपोर्ट में एकतरफा बातें न रहें, इसलिए, विपक्ष का मौजूद रहना जरूरी है। कांग्रेस को चिंता है कि अगर इंडिया ब्लॉक ने जेपीसी का बायकॉट किया तो वाईएसआरसीपी, बीजेडी और बीआरएस जैसी पार्टियां जेपीसी में विपक्ष की भूमिका निभा सकती हैं। इससे सबसे बड़े विपक्षी ब्लॉक का कद बौना हो जाएगा। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा है, "हम यह जानते हुए भी जेपीसी में शामिल होना चाहते हैं कि वहां बीजेपी सदस्य प्रभावी होंगे। विपक्ष के लिए जेपीसी इसका विरोध करने और अपनी बातें रखने के लिए महत्वपूर्ण फोरम है। विपक्ष का क्या कहना है, इसकी रिपोर्ट में उसे भी जगह देनी पड़ेगी। विपक्ष ने वक्फ बिल पर जो असहमति जताई, उस पर सुप्रीम कोर्ट ने भी गौर किया। टीएमसी के अनुसार हमने संविधान के 130वें संसोधन विधेयक का विरोध किया है, अब जेपीसी एक दिखावा है। सपा खुद को तृणमूल की सहयोगी मानती है और शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत के मुताबिक उद्धव ठाकरे को लगता है कि जेपीसी का कोई मतलब नहीं है। आप के संजय सिंह का कहना है कि पार्टी जेपीसी में शामिल नहीं होगी, क्योंकि ये बिल भ्रष्टाचार खत्म करने के लिए नहीं, बल्कि विपक्ष के नेताओं को निशाना बनाने के लिए लाया गया है। इस मामले पर कई विपक्षी दल खुद को कांग्रेस की पिछलग्गू नहीं दिखाना चाहते हैं। ऐसे दलों की अगुवाई टीएमसी करने में जुटी है। बिहार में विधानसभा चुनाव होने हैं और इन विधेयकों के माध्यम से वह भ्रष्टाचार-विरोधी संकल्प को और मजबूती के तौर पर बीजेपी पेश करने की कोशिश कर रही है। सरकार जानती है कि दोनों सदनों से संविधान संशोधन विधेयक पारित कराने के लिए उसके पास दो-तिहाई बहुमत नहीं है। लेकिन, विपक्ष जिस तरह से इसे पेश किए जाने से लेकर जेपीसी का विरोध कर रहा है, उससे यह संदेश निकल रहा है कि ये पार्टियां भ्रष्टाचार-विरोधी विधेयकों से डर रही हैं।

जेल से सरकार चलाने के खिलाफ कानून से पक्ष-विपक्ष में टकराव

संजय सक्सेना

भारतीय लोकतंत्र में संसदीय प्रक्रियाएँ वह रीढ़ हैं, जो जनता की आवाज को कानून के रूप में ढालती हैं। लेकिन जब विपक्ष, जो लोकतंत्र का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है, इन प्रक्रियाओं से मुँह मोड़ लेता है, तो यह न केवल उसकी विश्वसनीयता पर सवाल उठाता है, बल्कि लोकतंत्र की नींव को भी कमजोर करता है। संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025, जिसे 'जेल से सरकार नहीं' बिल के नाम से जाना जाता है, आज ऐसा ही एक मुद्दा बन गया है, जो सत्ता और विपक्ष के बीच तीखी जंग का केंद्र है। यह बिल गंभीर आपराधिक मामलों (5 वर्ष या अधिक सजा वाले) में 30 दिनों से अधिक हिरासत में रहने वाले प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, या मंत्रियों को स्वतः पद से हटाने का प्रावधान करता है। संसद के मॉनसून सत्र में पेश होने के बाद इसे संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेजा गया, लेकिन तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी), समाजवादी पार्टी (सपा), और आम आदमी पार्टी (आप) जैसे विपक्षी दलों का जेपीसी से किनारा करना गंभीर सवाल उठाता है।

क्या विपक्ष इस बिल के खिलाफ लड़ाई को सड़क तक सीमित रखना चाहता है? क्या संसदीय प्रक्रिया से भागना लोकतंत्र के प्रति उनकी जिम्मेदारी को कमजोर नहीं करता? और सबसे अहम, क्या यह रवैया विपक्ष की रणनीतिक कमजोरी को उजागर करता है? केंद्र सरकार ने इस बिल को भ्रष्टाचार और अपराध के खिलाफ एक ऐतिहासिक कदम बताया है। गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में इसे पेश करते हुए कहा कि यह जनता की उस भावना को प्रतिबिंबित करता है, जो भ्रष्ट नेताओं को सत्ता में नहीं देखना चाहती। एक जनसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे 'नए भारत' का प्रतीक बताया, जहाँ भ्रष्टाचारियों की कोई जगह नहीं होगी। सरकार के आँकड़ों के मुताबिक, 2014 से 2024 तक केंद्रीय जांच एजेंसियों ने 1200 से अधिक नेताओं के खिलाफ भ्रष्टाचार और आपराधिक मामलों में कार्रवाई की, जिनमें से 60% विपक्षी दलों से थे। यह बिल ऐसे नेताओं को सत्ता से बाहर रखने का दावा करता है। लेकिन विपक्ष इसे केंद्र की एक साजिश के रूप में देखता है। टीएमसी सांसद डेरेक ओ'ब्रायन ने इसे 'सुपर-इमरजेंसी' करार देते हुए कहा कि यह बिल विपक्षी नेताओं को जेल भेजकर उनकी सरकारों को अस्थिर करने का हथियार है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इसे 'लोकतंत्र पर हमला' बताया, जबकि आप नेता संजय सिंह ने इसे 'संवैधानिक हत्या' कहा। विपक्ष का तर्क है कि केंद्रीय जांच एजेंसियों (सीबीआई, ईडी) का दुरुपयोग पहले से ही विपक्षी नेताओं को निशाना बनाने के लिए हो रहा है। उदाहरण के लिए, 2023-24 में ईडी ने 45 विपक्षी नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की, जबकि सत्तारूढ़ दलों के केवल 8 नेताओं पर निशाना साधा गया। ऐसे में यह बिल विपक्ष के लिए एक 'जाल' बन सकता है।जेपीसी में विपक्षी दलों का बहिष्कार उनके रवैये को और गहराई से विश्लेषित करने की मांग करता है। टीएमसी, सपा, और आप का कहना है कि जेपीसी में एनडीए का बहुमत होने के कारण इसकी कार्यवाही निष्पक्ष नहीं होगी। लेकिन यह तर्क कितना तार्किक है? संसदीय समितियों में सत्तारूढ़ दल का बहुमत होना कोई नई बात नहीं। 2003 में बोफोर्स मामले की जेपीसी हो या 2011 में 2जी स्पेक्ट्रम घोटाले की जांच, सत्तारूढ़ दल का दबदबा हमेशा रहा है। फिर भी, विपक्ष ने इन मंचों का उपयोग अपनी बात रखने और जनता को जागरूक करने के लिए किया। जेपीसी से दूरी बनाकर विपक्ष क्या हासिल कर रहा है? पहला, वह सरकार को अपनी मनमानी करने की खुली छूट दे रहा है। अगर जेपीसी में विपक्षी सांसद शामिल नहीं होंगे, तो एनडीए के सांसद बिल के प्रावधानों को और सख्त कर सकते हैं। दूसरा, विपक्ष जनता के बीच यह संदेश दे रहा है कि वह संसदीय प्रक्रिया में विश्वास नहीं रखता। यह लोकतंत्र के लिए खतरनाक है, क्योंकि संसदीय समितियाँ जनता की आवाज को कानून में ढालने का एक संवैधानिक मंच हैं।कांग्रेस का रुख इस मामले में अपने सहयोगी दलों से अलग है। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस जेपीसी में शामिल होने की पक्षधर है, क्योंकि वह मानती है कि यह मंच बिल के दुरुपयोग को उजागर करने का सबसे प्रभावी तरीका है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने हाल ही में एक बयान में कहा कि जेपीसी की कार्यवाही न केवल कानूनी रूप से महत्वपूर्ण होती है, बल्कि यह जनता को सरकार की मंशा से अवगत कराने का भी मौका देती है। लेकिन टीएमसी, सपा, और आप के बहिष्कार ने कांग्रेस को असमंजस में डाल दिया है। इंडिया गठबंधन की एकता इस समय विपक्ष की सबसे बड़ी चुनौती है। अगर कांग्रेस अपने सहयोगी दलों के दबाव में जेपीसी से बाहर होती है, तो यह गठबंधन की एकजुटता को कमजोर करेगा। विपक्ष का यह रवैया नया नहीं है। इससे पहले भी कई मौकों पर विपक्ष ने औपचारिक प्रक्रियाओं से दूरी बनाई है। 2017 के यूपी विधानसभा चुनाव के बाद ईवीएम में छेड़छाड़ का मुद्दा जोर-शोर से उठा था। मायावती, अखिलेश यादव, और अरविंद केजरीवाल ने बैलेट पेपर की मांग की थी। चुनाव आयोग ने मई 2017 में ईवीएम हैक करने की खुली चुनौती दी, लेकिन कोई भी दल इस चुनौती को स्वीकार नहीं कर सका। एनसीपी और सीपीएम के प्रतिनिधियों ने भी अपनी अक्षमता स्वीकार की।पेगासस जासूसी कांड में भी यही हुआ। विपक्ष ने संसद में हंगामा किया, लेकिन सुप्रीम कोर्ट की जांच समिति में सक्रिय रूप से शामिल नहीं हुआ। बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर राहुल गांधी और तेजस्वी यादव ने 'वोट चोरी' का आरोप लगाया, लेकिन जब चुनाव आयोग ने आपत्ति दर्ज करने को कहा, तो कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। इन सभी मामलों में विपक्ष ने सड़क पर विरोध और बयानबाजी को प्राथमिकता दी, लेकिन औपचारिक प्रक्रियाओं से किनारा किया। विपक्ष का यह रवैया कई सवाल खड़े करता है। क्या वह वास्तव में इन मुद्दों पर गंभीर है, या केवल राजनीतिक लाभ के लिए बयानबाजी कर रहा है? जेपीसी में शामिल होकर विपक्ष बिल के हर प्रावधान की गहन जांच कर सकता है। उदाहरण के लिए, वह यह मांग कर सकता है कि बिल में जांच एजेंसियों के दुरुपयोग को रोकने के लिए स्पष्ट प्रावधान हों। वह यह भी सुझा सकता है कि हिरासत की अवधि को 30 दिनों से बढ़ाकर 60 दिन किया जाए, ताकि नेताओं को कानूनी प्रक्रिया का पूरा मौका मिले। लेकिन बहिष्कार करने से वह अपनी आवाज को कमजोर कर रहा है। विश्लेषकों का मानना है कि विपक्ष का यह रवैया उसकी रणनीतिक कमजोरी को दर्शाता है। सड़क पर विरोध और सोशल मीडिया पर बयानबाजी जनता का ध्यान खींच सकती है, लेकिन यह संसदीय प्रक्रिया का विकल्प नहीं हो सकता। जेपीसी में शामिल होकर विपक्ष न केवल सरकार को कठघरे में खड़ा कर सकता है, बल्कि जनता को यह भी दिखा सकता है कि वह लोकतंत्र की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।विपक्ष का जेपीसी से दूरी बनाना लोकतंत्र के लिए एक खतरनाक संदेश देता है। संसदीय समितियाँ जनता की आवाज को कानून में ढालने का एक संवैधानिक मंच हैं। अगर विपक्ष इस मंच का उपयोग नहीं करता, तो वह जनता के बीच अपनी विश्वसनीयता खो सकता है। जनता यह सवाल पूछेगी कि अगर विपक्ष को अपनी बात पर भरोसा है, तो वह औपचारिक प्रक्रियाओं से क्यों भाग रहा है? कांग्रेस को अपने सहयोगी दलों को यह समझाना होगा कि जेपीसी में शामिल होना न केवल रणनीतिक रूप से सही है, बल्कि यह विपक्षी एकता को भी मजबूत करेगा। टीएमसी, सपा, और आप को यह समझना होगा कि संसद और सड़क पर विरोध एक साथ चल सकता है।

हिंदू राष्ट्र की स्थापना सम्राट पुष्यमित्र शुंग ने की

डॉ उमेश प्रताप वत्स

सृष्टि के सृजन से ही चले आ रहे 'वैदिक सनातन धर्म' के प्रति जब लोगों में उदासीनता उत्पन्न हो गई और वे वैदिक रीति-नीति के प्रतिकूल व्यवहार करने लगे तब इसी उदासीनता के कारण सिद्धार्थ से भगवान बुद्ध की यात्रा पूर्ण करने वाले महात्मा का आकर्षण लोगों में सिर चढ़कर बोलने लगा। वेदों के प्रतिकूल अथवा वेद ऋचाओं की गलत व्याख्या कर कुछ दुर्जन लोग अपराध करने लगे जिससे आम जन भयभीत व आक्रोशित होने लगा ऐसे में महात्मा बुद्ध के अहिंसा, शांति के उपदेश लोगों के मन भाने लगे। धीरे-धीरे अधिकतर समाज बुद्ध का अनुयायी हो गया। यद्यपि कुछ विद्वान, दृढ़ संकल्पित, जागरूक लोग सनातन धर्म की ध्वजा को भी जीवित रखे रहे फिर भी सनातन से पलायन करने वालों की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती रही। पराकाष्ठा तो तब हो गई जब हिन्दुस्थान के सम्राट कहे जाने वाले राजा अशोक भी कलिंग युद्ध के पश्चात युद्ध हिंसा छोड़ बौद्ध हो गये। तब तो सेना के भुजबल से जो सनातन धर्म को नहीं भी छोड़ना चाहते थे उन्हें भी उनकी इच्छा के विरुद्ध बौद्ध बनाया जाने लगा। सम्राट अशोक के बौद्ध धर्म अपना लेने के पश्चात उनके वंशजों ने भारत में बौद्ध धर्म लागू करवा दिया। ब्राह्मणों के द्वारा इस बात का सबसे अधिक विरोध होने पर उनका सबसे अधिक कत्लेआम हुआ। उनके परिवारों पर अत्याचार होने लगे। हजारों मन्दिर गिरा दिए गए। जब सिकन्दर राजा पोरस से मार खाकर अपना विश्व विजय का सपना बीच में ही छोड़कर उत्तर भारत से पराजित हो मुँह लटकाये लौटने लगा तो उसके साथ आये बहुत से यवन सैनिक धीरे-धीरे मगध के आस-पास ही बस गये तथा संगठित होकर अपनी शक्ति बढ़ाने लगे। इधर बौद्ध सैनिक तलवार के बल पर सनातनियों पर अत्याचार करने लगे। इसी दौरान पुष्यमित्र के माता पिता को धर्म परिवर्तन से मना करने के कारण उनके पुत्र की आँखों के सामने काट दिया गया। बालक चिल्लाता रहा मेरे माता पिता को छोड़ दो। पर किसी ने नही सुनी। माँ बाप को मरा देखकर पुष्यमित्र की आँखों में रक्त उतर आया। उसे गाँव वालों की संवेदना से नफरत हो गयी। उसने कसम खाई की वो इसका बदला बौद्धों से जरूर लेगा और जंगल की तरफ भाग गया। एक दिन मौर्य नरेश बृहद्रथ जंगल में घूमने को निकला। अचानक वहां उसके सामने शेर आ गया। शेर सम्राट की तरफ झपटा। शेर सम्राट तक पहुंचने ही वाला था कि अचानक एक लम्बा चौड़ा बलशाली भीमसेन जैसा बलवान युवा शेर के सामने आ गया। उसने अपनी मजबूत भुजाओं में मौत बनकर आये उस शेर को जकड़ लिया। शेर को नीचे गिरा उस वीर युवा ने बीच में से फाड़ दिया और सम्राट को कहा की अब आप सुरक्षित हैं। सम्राट ने ऐसा बहादुर जीवन में ना देखा था। सम्राट ने पूछा - " कौन हो तुम"। जवाब आया " एक साधारण ब्राह्मण हूँ महाराज"। अशोक के बाद मगध साम्राज्य कायर हो चुका था। यवन लगातार मगध पर आक्रमण कर रहे थे।

सम्राट ने कहा "सेनापति बनोगे"? पुष्यमित्र ने सम्राट की ओर देखते हुए कहा "मातृभूमि रक्षा के लिए सदैव तत्पर हूँ महाराज। उसी वक्त सम्राट ने उसे मगध का उपसेनापति घोषित कर दिया। बहुत जल्द अपने शौर्य, वीरता और युद्ध कौशल के बल पर वो सेनापति भी बन गया। निष्ठावान सनातनी होने के कारण पुष्यमित्र को अपने राज्य की शांति रास नहीं आ रही थी। शांति व अहिंसा का पाठ पढ़ते-पढ़ते मगध साम्राज्य कायर होता जा रहा था। बौद्ध धर्म अपनाने के नाम पर सैनिकों ने तलवार के बल पर लोगों को जबरन सनातन छोड़ने पर विवश किया और न मानने वाले को मौत के घाट उतार दिया, जिसमें पुष्यमित्र के माता-पिता भी धर्मवेदी पर बलिदान हो गये थे। पुष्यमित्र के दिल की ज्वाला अभी भी जल रही थी। वह तलवार एवं भुजबल पर विश्वास रखता था। पुष्यमित्र एक निष्ठावान हिन्दू था और भारत को फिर से हिन्दू देश बनाना उसका स्वपन था। आखिर वो दिन भी आ गया। यवनों की लाखों की सेना ने मगध पर आक्रमण कर दिया। पुष्यमित्र समझ गया कि अब मगध विदेशी गुलाम बनने जा रहा है। बौद्ध राजा युद्ध के पक्ष में नही था। पर पुष्यमित्र ने बिना सम्राट की आज्ञा लिए सेना को युद्ध के लिए तैयारी करने का आदेश दिया। उसने कहा की इससे पहले दुश्मन के पाँव हमारी मातृभूमि पर पड़ें हम उसका शीश धड़ से अलग कर देंगे। यह नीति तत्कालीन मौर्य साम्राज्य के धार्मिक विचारों के विरुद्ध थी। सम्राट क्रोधित हो पुष्यमित्र के पास जाकर बोला- किसकी आज्ञा से सेना को युद्ध के लिए तैयार कर रहे हो"। पुष्यमित्र का पारा चढ़ गया। उसका हाथ उसके तलवार की मुठ पर था। तलवार निकालते ही बिजली की गति से सम्राट बृहद्रथ का सर धड़ से अलग कर दिया और बोला- "मातृभूमि की रक्षा के लिए किसी की आज्ञा की आवश्यकता नहीं है"यह भयंकर दृश्य हजारों की सेना खड़ी देखती रह गई। पुष्यमित्र ने धधकती लाल आँखों से सम्राट के रक्त से तिलक किया और सेना की तरफ देखते हुए बोला - "ना बृहद्रथ महत्वपूर्ण था, ना पुष्यमित्र, महत्वपूर्ण है तो मगध, महत्वपूर्ण है तो मातृभूमि, क्या तुम रक्त बहाने को तैयार हो?"मातृभूमि के लिए यह तड़प और उसके सिंह समान गरजते आह्वान से सेना उत्साह से भर गई। सेनानायक आगे बढ़ कर बोला "हाँ सम्राट पुष्यमित्र! हम तैयार हैं"। पुष्यमित्र ने कहा" आज मैं सेनापति ही हूँ। चलो! काट डालो यवनों के वो शीश, जो हमारी पावन मातृभूमि की ओर ताक रहे हैं।" जो यवन मगध को शांति का पुजारी, कायर समझ अपनी पताका फहराने का सपना पाल रहे थे वो युद्ध में गाजर मूली की तरह काट दिए गए। एक सेना जो कल तक शांति का ध्वज उठाये हुई थी, आज युद्ध में जय महाकाल के नारों से दुश्मन को थर्रा रही है। मगध तो दूर यवनों ने अपना राज्य भी खो दिया।पुष्यमित्र ने गरजते हुए घोषणा की, कि अब तुम्हे मगध के प्रति निष्ठा रखनी होगी नही तो काट दिए जाओगे। इसके बाद पुष्यमित्र का राज्यभिषेक हुआ। उसने सम्राट बनते ही आदेश पारित किया कि अब कोई मगध में बौद्ध धर्म को नही मानेगा। हिन्दू ही राज धर्म होगा। इस तरह पुष्यमित्र शुंग एक महान क्रांतिकारी हिन्दू राजा विख्यात हुए। यह बात आज से 2100 साल पहले की है। एक किसान ब्राह्मण के घर में जन्मे पुष्यमित्र शुंग ने अपना पूरा जीवन हिन्दू धर्म को समर्पित कर दिया। पुष्यमित्र ने उन सब मंदिरों का पुनर्निर्माण कराया जो बौद्ध सैनिकों द्वारा गिराकर बौद्ध मंदिर बना दिये गए थे। चाणक्य काल की वापसी की घोषणा हुई और तक्षशिला विश्वविद्यालय का सनातन शौर्य फिर से बहाल हुआ। पुष्यमित्र के बाद शुंग वंशवली ने कई सदियों तक भारत पर शासन किया। पुष्यमित्र ने हिन्दू साम्राज्य को पंजाब तक फैला लिया था। इनके पुत्र सम्राट अग्निमित्र शुंग ने अपना साम्राज्य तिब्बत तक फैला लिया और तिब्बत भारत का अंग बन गया। उसने बौद्धों को चीन तक खदेड़ा। वहां चीन के सम्राट ने अपनी बेटी की शादी अग्निमित्र से करके सन्धि की। उनके वंशज आज भी चीन में "शुंग" उपनाम ही लिखते हैं। पंजाब- अफगानिस्तान-सिंध की शाही ब्राह्मण वंशवली के बाद शुंग शायद सबसे ताकतवर ब्राह्मण साम्राज्य था। इसके बाद यह गौरव केवल पेशवा महान ने ही प्राप्त किया है।

राजस्थान रेत का विस्तार नहीं अवसरों का पिटारा

डॉ. सुबोध अग्रवाल

थार के रेगिस्तान और दूर दूर तक रेत के धोरों के लिए पहचाना जाने वाला राजस्थान आज औद्योगिक निवेश की विपुल संभावनाओं से परिपूर्ण प्रदेश हो गया है। औद्योगिक निवेश के लिए देसी-विदेशी निवेशकों के लिए राजस्थान प्रमुख डेस्टिनेशन बन गया है। राजस्थान का भौगोलिक परिदृश्य, जिसे कभी निवेश के लिए बाधा माना जाता था, आज अवसरों का पिटारा बन गया है। थार का रेगिस्तान अब केवल रेत का विस्तार नहीं, बल्कि सौर और नवीकरणीय ऊर्जा का वैश्विक केंद्र बन गया है। प्रदेश हरित विकास का नया अध्याय लिख रहा है तो धरती की गर्भ में छिपी खनिज संपदा ने राजस्थान में खनन विकास की नई इबारत लिखना शुरु कर दिया है। गत दिसंबर, 24 में आयोजित राइजिंग राजस्थान इसका जीता जागता उदाहरण है कि आरआर समिट के दौरान ना केवल देसी-विदेशी निवेशकों ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया अपितु समिट के दौरान 35 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेष समझौते हस्ताक्षरित किये हैं। यह आज के बदलते राजस्थान की तस्वीर है।

राज्य की औद्योगिक विकास यात्रा को चार महत्वपूर्ण आयामों में विभाजित कर आसानी से समझा जा सकता है। एक थार के रेगिस्तान से नवीन अवसर तकः सौर और पवन ऊर्जा राजस्थान को हरित ऊर्जा केंद्र बना रही है। दूसरा, बंजर भूमि से औद्योगिक विकास तकः बाड़मेर आज प्रति व्यक्ति आय में अग्रणी है और जैसलमेर भारत की सीमेंट राजधानी के रूप में उभर रहा है। तीसरा, चुनौतियों से ताकत तकः कोटा के जल संसाधन ऊर्जा भंडारण और शिक्षा हब दोनों को गति दे रहे हैं। तो चौथे, खनिज संपदा से आर्थिक शक्ति तकः पोटाश, यूरेनियम, हाइड्रोकार्बन, क्रिटिकल मिनरल और अन्य खनिज प्रदेश की अर्थव्यवस्था का भविष्य तय कर रहे हैं। इसी के साथ यह भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि राजस्थान निवेशकों की पहली पसंद बनने का बड़ा कारण यह है कि राजधानी दिल्ली और अन्य प्रमुख केन्द्रों से कनेक्टिविटी और यहां की कानून व्यवस्था व लोगों का व्यवहार। शांति, सद्भाव और सहजता राजस्थान की पहचान है। मानव संसाधन की सहज उपलब्धता उद्यमियों के लिए और अधिक आसान हो जाती है। कहा जाता है और कुछ हद तक सही भी है कि राजस्थान की राजधानी जयपुर में एक बार नौकरी या किसी अन्य कारण से रहने के लिए आने वाला फिर यहीं का होकर रह जाता है। राजधानी दिल्ली से सबसे निकटतम शांत और बेहतर कानून व्यवस्था वाला प्रदेश राजस्थान है। एनसीआर का विस्तार राजस्थान और इसकी सीमाओं से लगते हुए हो रहा हैं। एक्सप्रेस वे और नेशनल हाईवे के विस्तार से प्रदेश के किसी भी कोने तक आसानी से पहुंचा जा सकता है। आज देश में नवीकृत उर्जा के उत्पादन में राजस्थान शीर्ष पर है तो अब सोलर के लिए आवश्यक उपकरण तैयार करने वाले उद्योगों को भी राजस्थान में निवेश के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। बालोतरा के पचपदरा में तैयार हो रही हिन्दुस्तान पेट्रोलियम राजस्थान रिफाइनरी शुरु होते ही तस्वीर पूरी तरह से बदल जाएगी। यहां पर पेट्रोकेमिकल जोन विकसित किया जा रहा है। बाड़मेर जैसलमेर जिसे कभी काले पानी की सजा के रुप में देखा जाता था तेजी से विकसित क्षेत्र होते जा रहे हैं। लगभग असंभव को संभव बनाते हुए बाड़मेर के विकास को इसी से समझा जा सकता है कि आज राजस्थान में परकेपिटा आय में बाड़मेर शीर्ष स्थान पर आ गया है। बाड़मेर, जैसलमेर, जोधपुर से बीकानेर तक तपती धरती आज नवीकृत ऊर्जा खासतौर से सोलर उर्जा के उत्पादन बढ़ा रही है। नवीकृत ऊर्जा के क्षेत्र में राजस्थान में अभी भी संभावनाओं को इसी से समझा जा सकता है कि 35 लाख करोड़ के निवेश प्रस्तावों में करीब करीब 80 प्रतिषत निवेश प्रस्ताव नवीकृत उर्जा क्षेत्र के प्राप्त हुए है। राज्य सरकार रीको के माध्यम से भूमि भी उपलब्ध कराने के साथ ही राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना, 2024 के तहत आकर्षक प्रोत्साहन भी दे रही है। सिंगल विण्डो सिस्टम से निवेशकों के लिए राजस्थान में उद्योगों की स्थापना आसान हो रही है। निवेश प्रस्तावों को धरातल पर लाने के प्रति मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा और सरकार की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा द्वारा स्वयं बड़े. प्रस्तावों को धरातल पर लाने के लिए हो रही प्रगति की समीक्षा प्रतिमाह अपने स्तर पर कर रहे हैं। मुख्य सचिव स्तर पर 200 करोड़ तक के निवेश प्रस्तावों की प्रगति की समीक्षा प्रति सप्ताह की जा रही है तो इससे कम के निवेश प्रस्तावों की समीक्षा नियमित रुप से संबंधित विभागों द्वारा की जा रही है। यह सब राजनीतिक ईच्छा शक्ति से ही संभव हो पा रहा है।योजनावद्ध प्रयासों से प्रदेश में विकास की नई इबारत लिखी जा रही है। बाड़मेर-जैसलमेर को जहां राजस्थान में काले पानी की सजा से कम नहीं माना जाता था, आज वहीं बाड़मेर प्रदेश में परकेपिटा के हिसाब से शीर्ष पर आ गया है तो वो दिन दूर नहीं जब जैसलमेर सीमेंट के उत्पादन में देश की राजधानी बन जाएगा।

रंगारेड्डी ने दिखाई है देश के हर जिले को राह

अमरपाल सिंह वर्मा

क्या कभी आपने सोचा है कि एक छोटा सा जिला भी देश का सबसे अमीर इलाका बन सकता है? आम तौर पर यही धारणा है कि दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और गुरुग्राम ही तरक्की और दौलत के असली ठिकाने हैं लेकिन हाल ही में तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले ने इस सोच को बदल दिया है। हैदराबाद के निकट बसा रंगारेड्डी जिला प्रति व्यक्ति 11.46 लाख रुपये की जीडीपी के साथ पूरे देश में नंबर एक पर पहुंच गया है। इस उपलब्धि ने जहां रंगारेड्डी को गौरवान्वित किया है, वहीं देश के अन्य जिलों को भी प्रेरणा दी है। अब सवाल है कि जब रंगारेड्डी ऐसा कर सकता है तो बाकी जिले क्यों नहीं कर सकते? रंगा रेड्डी जिले का गठन 15 अगस्त 1978 को हैदराबाद शहरी तालुका के कुछ हिस्से को अलग करके और पूर्ववर्ती हैदराबाद जिले के शेष तालुकाओं के संपूर्ण ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों को मिलाकर किया गया था। इस जिले का नाम पहले हैदराबाद (ग्रामीण) था, जिसे बाद में बदल कर आंध्रप्रदेश के पूर्व सीएम के.वी. रंगा रेड्डी के नाम पर रंगा रेड्डी जिला कर दिया गया लेकिन सरकार की रुचि, आम लोगों की मेहनत और सुनियोजित विकास ने इस इलाके की तकदीर ही बदल कर दी है। रंगारेड्डी की कायापलट किसी जादू की छड़ी का कमाल नहीं है। रंगारेड्डी की आर्थिक सफलता का श्रेय इसके फलते-फूलते आईटी कॉरिडोर, मजबूत दवा उद्योग और विशाल प्रौद्योगिकी पार्कों को है। इस विकास ने इस जिले को निवेश और रोजगार के लिए आकर्षण का केंद्र बना दिया है जिसे साबित होता है कि अगर ईमानदारी और मेहनत से प्रयास किए जाएं तो सब कुछ संभव है। अगर किसी इलाके में सडक़ें अच्छी हों, बिजली-पानी की कमी न हो और उद्योग स्थापना के लिए अनुकूल एवं सकारात्मक वातावरण तथा सुविधाएं हों तो कौन उद्यमी वहां नहीं जाना चाहेगा? रंगारेड्डी में यह सब कुछ मिला तो वहां निवेश करने वाले बढ़ते चले गए। पड़ोस में बसे हैदराबाद ने सोने में सुहागे का काम किया लेकिन इस सफलता का श्रेय स्थानीय पढ़े-लिखे और कुशल युवाओं को भी है। जैसे ही मौके आए, उन्होंने उन्हें पकडऩे में देर नहीं की। रंगारेड्डी ने एक मिसाल कायम कर देश के बाकी जिलों को राह दिखाई है। हमारे देश का हर जिला कोई न कोई खासियत रखता है। कहीं जमीन उपजाऊ है, कहीं खनिज भरे पड़े हैं, कहीं पर्यटन की विपुल संभावना है। बड़ा सवाल है कि फिर भी अधिकांश जिले आगे क्यों नहीं बढ़ पा रहे? इसकी मुख्य वजह यह है कि हम कई जगह अपनी ताकत पहचान ही नहीं पाते हैं। कभी प्रशासनिक दिक्कतें इतनी होती हैं कि निवेशक उधर झांकना ही पसंद नहीं करते हैं। कहीं स्थानीय नेतृत्व की सीमित सोच के कारण विकास को पंख नहीं लग पाते हैं। रंगारेड्डी की सफलता बहुत कुछ सिखाती है। रंगारेड्डी का संदेश है कि सबसे पहले अपनी ताकत पहचानो। फिर युवाओं को मौका दो। युवाओं को सरकारी नौकरी का सपने दिखाना बंद कर उन्हें उद्यमिता की राह पर लाया जाए। निवेशकों को ऐसा विश्वसनीय वातावरण मिलना चाहिए जिससे वे दूरदराज के छोटे जिलों में भी पैसा लगाने में संकोच न करें। इसके साथ-साथ शिक्षा और कौशल विकास पर ध्यान दिया जाना चाहिए।रंगारेड्डी की तर्ज पर हर जिले को ऊंचाइयों पर ले जाना संभव है बशर्ते, स्थानीय नेतृत्व भी इसमें अहम भूमिका निभाए। अगर स्थानीय जन प्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी ठान लें कि हमें अपने जिले की तस्वीर बदलनी है तो यह मुमकिन है।

आज रंगारेड्डी इसका बड़ा उदाहरण है। गुरुग्राम, बेंगलुरु, मुंबई या नोएडा जैसे शहर सालों से निवेश के गढ़ रहे हैं लेकिन रंगारेड्डी ने साबित किया है कि अगर ध्यान दिया जाए तो छोटे जिले भी इनसे मुकाबला कर सकते हैं। छोटे इलाकों को कमतर नहीं आंकना चाहिए। बड़े शहरों की भीड़, महंगाई और अव्यवस्था निवेशकों को परेशान करती है वहीं छोटे जिलों में अगर भरोसा और सुविधाएं मिले तो निवेशक खुद खिंचे चले आते हैं।

केक कटा न बधाई आई, यह कैसी ब्रांडवर्सरी

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

एक धूपभरी सुबह, आज से ठीक दस साल पहले मेरे पहले सोशल मीडिया पोस्ट के वायरल होने के दिन, एक सज्जन मेरे घर आए। उनके हाथ में फूलों का गुलदस्ता नहीं, बल्कि एक ब्रांडेड, बायोडिग्रेडेबल गिफ्ट बॉक्स था, जिसमें बेशकीमती कॉफी के खास कैप्सूल भरे थे—एक सावधानीपूर्वक तैयार किए गए साझेदारी तालमेल समझौते की अद्भुत गवाही। उन्होंने मुझे यह ऐसे दिया, जैसे वह किसी और अधिक सभ्य युग के दूत हों, जो किसी लाभकारी गठबंधन की खबर लेकर आए हों। मैं एक पल के लिए हक्का-बक्का रह गया। लेकिन क्यों? मैंने हकलाते हुए पूछा, मेरी सच्ची उलझन उस युग में एक बेहद अवांछनीय सामाजिक भूल थी, जहाँ हर बातचीत एक छिपे हुए लेनदेन की तरह होती है। यह आपकी ब्रांड-वर्सरी है, उन्होंने कहा, एक कॉर्पोरेट मिशन स्टेटमेंट की तरह अभ्यास की गई, भावनाहीन लय में। तभी मुझे एक झटके के साथ याद आया, जिसने मेरे अस्तित्व को हिला दिया, कि यही दिन मेरे वार्षिक मील का पत्थर था। यह पहली प्रायोजित जन्मदिन की बधाई थी जो मुझे मिली थी, एक वस्तुकृत स्नेह का उपहार, प्रत्येक कैप्सूल एक सामरिक सहयोग का एक छोटा, भुना हुआ प्रतीक था। वह कुछ देर रुके रहे, उनकी उपस्थिति एक अजीब तरह की निगरानी थी, मेरे सामाजिक मूल्य का एक मूक ऑडिट।

हमारे बीच की हवा एक स्पष्ट और साझा असहजता से भरी थी; हम दो कलाकार थे जो लेन-देन की शिष्टता की एक झाँकी में थे, एक संक्षिप्त, कोरियोग्राफ किया गया छोटी-छोटी बातों का नृत्य। उन्हें प्रायोजित, पैदल चलने वाली चाय का एक कप पेश किया गया और स्वीकार किया गया, जो एक बीते हुए युग का प्रतीक था, मानवीय दया का एक एकल, गैर-मुद्रीकृत कार्य। उन्होंने निश्चित रूप से ब्रांडेड मफिन या लोगो-सहित कप केक की दावत की उम्मीद की होगी, लेकिन वहाँ कुछ भी नहीं था। मेरी मेज, किसी भी प्रचार सामग्री से इतनी दयनीय रूप से वंचित थी, एक मूक, दोषी सच कह रही थीः किसी भी अन्य ब्रांड ने अभी तक मुझे अपनी उपस्थिति से सम्मानित नहीं किया था। उन्होंने निश्चित रूप से उस लंबे, असहज क्षण में निष्कर्ष निकाला कि मैं एक उजाड़ और कम-मुद्रीकृत आत्मा था, एक लेखक जो अपनी आधी उम्र तक पहुँच गया था और जिसकी जीवनी में सहयोगी लिंक भी नहीं था। यह इतना दयनीय लग रहा होगा, जैसे कोई शादी का जश्न मनाने आया हो, सिर्फ यह पता लगाने के लिए कि रात में दहेज चोरी हो गया था। उन्होंने मुझे एक उचित ब्रांड-वर्सरी के योग्य नहीं समझा। अपने क्रेडिट के लिए, उन्होंने फिर कभी वही गलती नहीं की, और मुझे लगता है कि अब वह मेरे अस्तित्व पर एक तीखी नजर डालते होंगे, मुझे एक निकम्मा कलमकार मानते होंगे, जो पहले ही अपनी ढलान पर है, फिर भी एक उचित जन्मदिन मुद्रीकरण कार्यक्रम की व्यवस्था करने में पूरी तरह से विफल रहा है।

ये 4 महिलाएं ना रखें हरतालिका तीज का कठोर व्रत

हरतालिका तीज भाद्रपद शुक्ल पक्ष की तृतीया को मनाया जाने वाला अत्यंत पावन व्रत है और इस बार यह शुभ तिथि 26 अगस्त दिन मंगलवार को मनाया जाएगा। इस पर्व का महत्व मुख्य रूप से विवाहिक सुख, अखंड सौभाग्य और दांपत्य जीवन की मधुरता से जुड़ा है। मान्यता है कि माता पार्वती ने कठोर तप करके इस दिन भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त किया था। तभी से सुहागिन महिलाएं अपने पति की दीर्घायु और वैवाहिक सुख की कामना से निर्जला व्रत करती हैं। अविवाहित कन्याएं भी अच्छे और योग्य पति की प्राप्ति के लिए इस व्रत को करती हैं। लेकिन 4 महिलाओं को हरियाली तीज का कठोर व्रत रखने की जरूरत नहीं है, इन महिलाओं को तीज का व्रत ना रखने की शास्त्रों में छूट दी गई है। आइए जानते हैं किन 4 महिलाओं को हरियाली तीज का व्रत नहीं रखना चाहिए...

ज्योतिषीय एवं शास्त्रीय दृष्टि इनको मिली है छूट

हरतालिका तीज व्रत पति की लंबी आयु, वैवाहिक सुख और कन्याओं को योग्य पति की प्राप्ति का व्रत है। ज्योतिषीय एवं शास्त्रीय दृष्टि से शारीरिक दुर्बलता, गर्भावस्था या अन्य कारणों से कुछ महिलाओं को इसे नहीं करना चाहिए। ऐसी स्थिति में वे साधारण पूजा-पाठ, शिव-पार्वती आराधना और दान कर सकती हैं, जो समान पुण्य फलदायी माना गया है। आइए जानते हैं किन महिलाओं को व्रत नहीं करना चाहिए...

गर्भवती महिलाएं

गर्भवती महिलाओं को हरतालिका तीज का व्रत करने की मनाही है। यह व्रत निर्जला किया जाता है इसलिए गर्भवती महिलाओं को शास्त्रों में छूट दी गई है। गर्भवती महिलाएं तीज की सभी परंपराएं कर सकती हैं लेकिन निर्जला उपवास ना रखें क्योंकि यह उनके स्वास्थ्य और शिशु दोनों पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है।

अत्यधिक अस्वस्थ या रोगग्रस्त महिलाएं

शास्त्रों में अत्यधिक अस्वस्थ या रोगग्रस्त महिलाओं को हरतालिका तीज का निर्जला व्रत ना करने के सलाह दी गई है। आप भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा अर्चना कर सकते हैं लेकिन कठोर व्रत करने की जरूरत नहीं है। शारीरिक कमजोरी या गंभीर रोग से पीड़ित महिलाओं के लिए यह व्रत हानिकारक हो सकता है।

अत्यधिक वृद्ध महिलाएं

ज्योतिष शास्त्र में वृद्ध महिलाओं को निर्जला उपवास ना करने की सलाह दी गई है। हरतालिका तीज का व्रत करने के लिए शारीरिक स्वास्थ्य होना बहुत जरूरी है। जिनकी शारीरिक क्षमता उपवास सहने योग्य न हो, उन्हें यह व्रत करने से बचना चाहिए। आप श्रद्धा भाव से शिव-पार्वती का पूजन कर सकते हैं।

कुंवारी कन्याएं

ज्योतिष शास्त्र में बताया गया है कि कुंवारी कन्याएं हरतालिका तीज का निर्जला उपवास ना रखें। आप सामान्य व्रत कर सकते हैं और भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा अर्चना कर सकते हैं लेकिन निर्जला व्रत करने की जरूरत नहीं है। यह व्रत मुख्यतः पति की दीर्घायु और अखंड सौभाग्य के लिए है, इसलिए इनसे जुड़ी स्त्रियों को यह व्रत शास्त्रसम्मत नहीं माना गया है।

हरतालिका तीज पर पंच महापुरुष समेत 4 शुभ योग

26 अगस्त दिन मंगलवार को हरतालिका तीज का व्रत किया जाएगा और इस दिन एक या दो नहीं बल्कि चार शुभ योग बन रहे हैं, जिससे इस दिन का महत्व और भी बढ़ गया है। हरतालिका तीज का पर्व शिव-पार्वती मिलन का पावन अवसर है। ज्योतिष दृष्टि से इस बार यह तीज अत्यंत शुभ मानी जा रही है क्योंकि कई ग्रहों के दुर्लभ संयोग से विशेष योग बन रहे हैं, जो मेष समेत 4 राशियों के लिए सौभाग्यशाली रहने वाला है।

हरतालिका तीज 2025

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, हरतालिका तीज पर इस बार ग्रह-नक्षत्रों के विशेष संयोग से 4 दुर्लभ संयोग बन रहे हैं, जिससे इस दिन का महत्व और भी बढ़ गया है। हरतालिका तीज पर सबसे प्रभावशाली योग पंचमहापुरुष योग, रवि योग, साध्य योग और शुभ योग बन रहे हैं, जो 4 राशियों के लिए बेहद शुभ रहने वाला है। इन योग को ज्योतिष में अत्यंत प्रभावशाली योग माना गया है और ये बुद्धि, प्रतिष्ठा, सौभाग्य और सम्मान बढ़ाते है। साथ ही यह योग साधक को उच्च स्थान, दीर्घायु और विशेष फल देता है। हरतालिका तीज पर सुहागिन अपने पति की दीर्घायु और अखंड सौभाग्य के लिए निर्जल व्रत रखती हैं, साथ ही कुंवारी लड़कियां भी मनचाहे व्रत की प्राप्ति के लिए इस व्रत को रखती हैं।

शुभ योग का मेष राशि पर प्रभाव

हरतालिका तीज पर बन रहे शुभ योग का लाभ मेष राशि वालों को मिलने वाला है। मेष राशि वालों को भाग्य का साथ मिलेगा और पुराने अटके हुए काम पूरे होंगे। इस राशि के नौकरी पेशा जातकों को अधिकारियों का साथ रहेगा और नई नौकरी के अवसर भी मिलेंगे। इस राशि वालों को दांपत्य जीवन में मधुरता और आर्थिक क्षेत्र में प्रगति के संकेत हैं। साथ ही विवाह योग्य जातकों के लिए अच्छा समय है।

शुभ योग का सिंह राशि पर प्रभाव

हरतालिका तीज पर बने शुभ योग का फायदा सिंह राशि वालों को मिलेगा। शुभ योग के प्रभाव सिंह राशि वालों को धन लाभ हो सकता है और जीवन में खुशियों का आगमन होगा। सिंह राशि वाले भविष्य को ध्यान रखते हुए जीवनसाथी के साथ किसी अच्छी जगह निवेश करते हैं। साथ ही नया वाहन या मकान खरीद सकते हैं। पारिवारिक आनंद और संतान पक्ष से सुख मिलेगा।

शुभ योग का कन्या राशि पर प्रभाव

हरतालिका तीज पर बने प्रभावशाली योग से कन्या राशि वालों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और धन की वजह से अटके कार्य पूरे होंगे। अगर आप मकान या फ्लैट खरीदना चाहते हैं तो शिवजी और माता पार्वती की कृपा से आपकी इच्छा पूरी होगी। इस राशि के नौकरी पेशा जातकों के अधिकारियों के साथ संबंध अच्छे रहेंगे और काम करने में मन भी लगेगा। शुभ योग के प्रभाव से आपका बैंक बैलेंस बढ़ेगा और खर्चे भी कम होंगे।

शुभ योग का मीन राशि पर प्रभाव

हरतालिका तीज पर बने 4 शुभ योग से मीन राशि वालों को को बड़ी खुशखबरी मिल सकती है और आर्थिक स्थिति में बेहतर होगी। अगर आप नया बिजनस शुरू करना चाहते हैं तो आपकी इच्छा पूरी होगी और नौकरी पेशा जातकों को मनचाही नौकरी भी मिल सकती है। भाग्य प्रबल रहेगा और रुके हुए कार्य पूरे होंगे। साथ ही धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी और विवाह व संतान से शुभ समाचार मिल सकता है।

गणेश पूजा का शुभ मुहूर्त पूजा की विधि और महत्व

गणेश पूजा का आरंभ 27 अगस्त 2025 से होगा। यह पूजा पूर्ण चतुर्थी से आरंभ होती है और त्रयोदशी तिथि तक गणेश पूजा का विधान है। 6 सितंबर को त्रयोदशी तिथि पड़ रही है और इसी दिन गणेश प्रतिमा का विसर्जन होगा। चतुर्थी तिथि 27 अगस्त को पड़ने के कारण गणेश पूजा का आरंभ 27 अगस्त 2025 से हो जाएगा। यह पूजा भाद्र शुक्ल चतुर्थी तिथि को होती है, जो इस बार बुधवार को 27 अगस्त को पड़ रहा है।

गणेश पूजा की विधि और महत्व

गणेश जी को लड्डू बहुत ही पसंद है, इसलिए गणेश पूजन में उन्हें लड्डू का भोग अवश्य लगाएं। सर्व देवता में सर्वोपरि गणेश को रखा गया है, यानी किसी भी देवता की पूजा या कोई यज्ञ अनुष्ठान किया जाता है तो उसमें सबसे पहले गणेश जी की पूजा की जाती है। सच्चे मन से गणेश की पूजा करने से आपकी कई परेशानियां दूर हो सकती है।

गणेश पूजा के दौरान कुछ महत्वपूर्ण बातें

गणेश पूजा में शुद्धता और सच्चाई का ध्यान रखना आवश्यक है। गणेश जी की पूजा में मंत्रों का उच्चारण और विधिवत पूजा करने से विशेष फल की प्राप्ति होती है। गणेश प्रतिमा का विसर्जन त्रयोदशी तिथि को करना उचित माना जाता है। इस प्रकार, गणेश पूजा एक महत्वपूर्ण पर्व है जिसमें भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की जाती है। सच्चे मन से पूजा करने से कई लाभ हो सकते हैं।

गणेश जी ने पहले ठुकराया विवाह, फिर कैसे बनीं रिद्धि-सिद्धि उनकी पत्नी, इसके पीछे की वजह

गणेश चतुर्थी को लेकर पूरे देश में एक अलग ही धूम देखने को मिल रही है। गणेश चतुर्थी से लेकर 10 दिनों तक गणपति बप्पा को लोग अपने घरों में स्थापित कर उनकी विधि-विधान पूर्वक पूजा-आराधना करते हैं, उसके बाद उनका विसर्जन करते हैं।

हिंदू पंचांग के अनुसार पंडित कल्कि राम बताते हैं कि हर साल भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को गणेश चतुर्थी का पर्व मनाया जाता है। इस साल 27 अगस्त को गणेश चतुर्थी का पर्व मनाया जाएगा।

सनातन धर्म में धार्मिक मान्यता के अनुसार कोई भी शुभ और मांगलिक कार्य करने से पहले भगवान गणेश की वंदना की जाती है। लेकिन, भगवान गणेश के साथ रिद्धि-सिद्धि की पूजा-आराधना क्यों की जाती है, कौन हैं रिद्धि-सिद्धि, तो बताते हैं।

विघ्नहर्ता मंगलकर्ता, पार्वती नंदन भगवान गणेश ने धार्मिक ग्रंथों के अनुसार दो विवाह किए थे, जिनमें एक रिद्धि और दूसरी सिद्धि के साथ हुआ था। अब सवाल यह है कि भगवान गणेश को विवाह क्यों करना पड़ा।

धार्मिक ग्रंथ के अनुसार एक बार भगवान

गणेश तपस्या में लीन थे और उन्होंने कहा था कि हम ब्रह्मचारी रहेंगे। इसी दौरान माता तुलसी उस रास्ते से गुजर रही थीं। भगवान गणेश की तपस्या को देखकर माता तुलसी ने विवाह का प्रस्ताव रखा, लेकिन उस समय भगवान गणेश ने प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया। तब क्रोधित होकर तुलसी ने कहा—जाओ, तुम्हारा एक नहीं बल्कि दो विवाह होगा।

इतना ही नहीं, जब भी किसी भी तरह का शुभ और मांगलिक कार्य होता था तो भगवान गणेश वहां जाकर विघ्न उत्पन्न करते थे। इसके बाद सभी देवता व्याकुल होकर ब्रह्मा जी के पास पहुंचे। तब ब्रह्मा जी ने दो कन्याओं को जन्म दिया, जिनका नाम रिद्धि और सिद्धि पड़ा।

जिसको लेकर ब्रह्मदेव दोनों कन्याओं को भगवान गणेश के पास लेकर पहुंचे। तब भगवान ब्रह्मा ने भगवान गणेश से कहा कि आप मेरी दोनों कन्याओं को शिक्षा दीजिए।

ऐसी स्थिति में जब भगवान गणेश रिद्धि और सिद्धि को शिक्षा दे रहे थे और शिक्षा देने में उलझ गए, तब दूसरी ओर सभी देवी-देवता अपना मांगलिक कार्यक्रम आसानी से संपन्न कर लेते हैं। इसके बाद भगवान गणेश क्रोधित हो जाते हैं और उसी दौरान ब्रह्मा जी प्रकट होते हैं।

तब ब्रह्मा जी ने भगवान गणेश से कहा कि अब आप रिद्धि और सिद्धि से विवाह करिए। इसके बाद भगवान गणेश ने ब्रह्मा जी की बात मानकर रिद्धि और सिद्धि से विवाह संपन्न किया। इसी कारण भगवान गणेश की दो पत्नियां हैं—रिद्धि और सिद्धि।

क्यों गणपति बप्पा को तुलसी चढ़ाना माना जाता है वर्जित

गणेश चतुर्थी का पर्व पूरे भारत में बड़े धूमधाम से मनाया जाता है। भक्त बप्पा को प्रसन्न करने के लिए उन्हें तरह तरह के भोग, फूल और पत्तियां अर्पित करते हैं। जहां एक ओर भगवान विष्णु और भगवान शंकर को तुलसी अर्पित करना शुभ माना जाता है, वहीं गणेश जी को तुलसी देना वर्जित बताया गया है। यह बात कई लोगों के मन में सवाल भी पैदा करती है कि आखिर बप्पा जो विघ्नहर्ता हैं, उन्हें तुलसी क्यों नहीं चढ़ाई जाती। इसका संबंध एक प्राचीन धार्मिक कथा और मान्यता से जुड़ा है। माना जाता है कि यह कथा सिर्फ आस्था ही नहीं बल्कि जीवन को सही दृष्टिकोण से समझाने का संदेश भी देती है।

तुलसी और गणेश जी की कथा

पौराणिक मान्यता के अनुसार एक समय तुलसी जी ने भगवान गणेश को विवाह का प्रस्ताव दिया था। लेकिन गणेश जी ब्रह्मचर्य का पालन कर रहे थे और उन्होंने विवाह का विचार नहीं किया। जब गणेश जी ने तुलसी का प्रस्ताव ठुकराया तो तुलसी ने क्रोध में आकर उन्हें श्राप दे दिया कि उनका विवाह अवश्य होगा। इसके जवाब में गणेश जी ने भी तुलसी को श्राप दिया कि वह विवाह के लिए अनुपयुक्त होंगी और कभी भी उनकी पूजा में स्वीकार नहीं की जाएंगी। तभी से गणेश पूजा में तुलसी अर्पित करना वर्जित माना जाता है।

धार्मिक मान्यता और महत्व

हिंदू धर्म में हर फूल, पत्ता और भोग का अपना विशेष महत्व होता है। गणपति जी को दूर्वा, मोदक और लाल फूल प्रिय माने जाते हैं। वहीं तुलसी उनके लिए वर्जित है। इसे केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं बल्कि एक संदेश के रूप में भी देखा जाता है। मान्यता है कि गणपति जी को तुलसी चढ़ाने से पूजा का फल नहीं मिलता और भक्तों की मनोकामना अधूरी रह जाती है।

गणेश पूजा में क्या अर्पित करना चाहिए

गणेश चतुर्थी के 10 दिनों तक भक्त बप्पा को दूर्वा घास, शमी पत्र, सिंदूर, लाल फूल और मोदक चढ़ाते हैं। इन चीजों को गणेश जी का प्रिय माना गया है और इन्हें अर्पित करने से बप्पा प्रसन्न होकर सुख समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं।

तुलसी निषेध का आध्यात्मिक संदेश

तुलसी का निषेध केवल धार्मिक मान्यता ही नहीं बल्कि आध्यात्मिक शिक्षा भी है। गणपति जी बुद्धि और विवेक के देवता हैं। उनका जीवन हमें सिखाता है कि हर चीज हर जगह उपयुक्त नहीं होती। जिस प्रकार तुलसी का स्थान विष्णु पूजा में सर्वोच्च है, वहीं गणेश पूजा में उसका प्रयोग वर्जित है। यह संतुलन और सही दृष्टिकोण की सीख देता है।

क्यों आज भी माना जाता है यह नियम

आज भी घरों और पंडालों में गणेश पूजा के दौरान तुलसी का प्रयोग नहीं किया जाता। कई बार लोग भूल से तुलसी रख देते हैं लेकिन पुरानी मान्यता के कारण इसे तुरंत हटा लिया जाता है। धार्मिक ग्रंथों और पुराणों में भी इसका उल्लेख मिलता है। यही कारण है कि भक्त पूरी श्रद्धा और परंपरा के साथ गणेश पूजा करते समय तुलसी का इस्तेमाल नहीं करते।

डेजी शाह से जयपुर में छेड़छाड़ : एक्ट्रेस का खुलासा- शूटिंग के दौरान हुआ था वाकया, गुस्से में आकर मारे थे थप्पड़

बॉलीवुड एक्ट्रेस डेजी शाह ने हाल ही में अपने साथ हुए कुछ परेशान करने वाले अनुभव शेयर किए। उन्होंने बताया कि डोंबिवली और जयपुर में उन्हें छेड़छाड़ का सामना करना पड़ा था। डेजी ने कहा कि वो डोंबिवली में पली-बढ़ीं। एक बार वह सड़क पर पैदल जा रही थीं, तभी एक आदमी उनके पास से गुजरा और गलत तरीके से छूकर निकल गया। उन्होंने आगे बताया कि जब तक मैं पलटकर देखती, वह कौन था समझ नहीं पाई क्योंकि वहां भीड़ थी।

जयपुर में भीड़ में से किसी ने डेजी की पीठ पर हाथ लगाया था

डेजी ने जयपुर में फिल्म की शूटिंग के दौरान हुई दूसरी घटना भी याद की। एक हवेली में गाने का सीक्वेंस फिल्माया जा रहा था। शूटिंग पूरी होते ही गेट से निकलते समय भीड़ में किसी ने उनकी पीठ पर हाथ लगाया था।

इस घटना के बाद डेजी ने पीछे मुड़कर सभी को थप्पड़ मारना शुरू कर दिया।

डेजी ने बताया कि शूटिंग खत्म होने के बाद बाहर आते ही एक स्थानीय शख्स ने उन्हें सबक सिखाने की धमकी दी। उन्होंने कहा, "तब मैंने जवाब दिया, हां दिखाओ।"

उन्होंने आगे समझाया कि उन्होंने उस शख्स को क्यों मारा था? डेजी ने कहा, "मैंने उस व्यक्ति को इसलिए पीटा क्योंकि वह ठीक से बात नहीं कर रहा था। वह ऐसा इसलिए कर रहा था क्योंकि मैं लड़की हूं। सामने आकर बहादुरी से बात करो, भीड़ में छिपकर कायरों जैसा बर्ताव क्यों कर रहे हो। अपना चेहरा दिखाओ और फिर जो करना है करो।"

करियर की बात करें तो डेजी आखिरी बार 2023 में आई फिल्म 'मिस्ट्री ऑफ द टैटू' में नजर आई थीं। इसके बाद, उन्होंने 2024 में वेब सीरीज 'रेड रूम' में काम किया था।

बता दें कि डेजी ने अपना करियर बतौर डांसर और मॉडल शुरू किया था। वह कोरियोग्राफर गणेश आचार्य की असिस्टेंट रह चुकी हैं। इसके बाद उन्होंने मॉडलिंग और फोटोशूट किए। 2011 में वो कन्नड़ फिल्म भद्रा और हिंदी फिल्म बॉडीगार्ड में नजर आईं।

फिर डेजी ने 2014 में सलमान के साथ 'जय हो' में काम किया। इसके बाद वह 'हेट स्टोरी 3' में नजर आईं। बाद में उन्होंने 'आक्रमण', 'रमरतन' और 'रेस 3' जैसी फिल्मों में भी काम किया।

बुजुर्ग महिला के गाने से इंप्रेस हुए सोनू सूद

सोशल मीडिया पर शेयर किया वीडियो कहा- हुनर की कोई उम्र नहीं होती

सोनू सूद अक्सर सोशल मीडिया पर कुछ न कुछ शेयर करते रहते हैं। सोमवार को उन्होंने एक वीडियो पोस्ट की, जिसमें वे एक बुजुर्ग महिला के साथ बैठे नजर आ रहे हैं। वीडियो की शुरुआत में एक्टर यह कहते हुए सुनाई देते हैं कि ये अम्मा कमाल की सिंगर हैं।

इस वीडियो को सोनू सूद ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है, जिसमें एक्टर बुजुर्ग महिला से कुछ गाने की गुजारिश करते हैं। बुजुर्ग महिला भी मराठी में एक गाना गाती हुई नजर आ रही हैं।

इस वीडियो के कैप्शन में सोनू ने लिखा, हुनर तो सभी में होता है। किसी का छिप जाता है, किसी का छप जाता है। अम्मा आप कमाल हो। गणपति बप्पा मोरया।

इस वीडियो पर यूजर्स भी जमकर कमेंट कर रहे हैं। वे सोनू सूद के साथ-साथ बुजुर्ग महिला की सुर, लय और आवाज की खूब तारीफ कर रहे हैं।

हमेशा लोगों की मदद करते हैं सोनू सूद

सोनू सूद ने कोविड-19 के दौरान देश सेवा की पहल की। जब पूरे देश में लॉकडाउन लगा था, तब उन्होंने गरीब अप्रवासियों को उनके घर पहुंचाने में मदद की थी। उन्होंने फाइनेंशियल और मेडिकल सपोर्ट भी मुहैया कराया था। अभी भी सोनू चैरिटी फाउंडेशन के जरिए जरूरतमंद लोगों की मदद करना जारी रखते हैं।

एक इंटरव्यू में एक्टर ने कहा था, 'मुझे लगता है कि खुद से जुड़े रहने के लिए यह सब करना जरूरी होता है। मेरी मां कहती हैं- अपनी जिंदगी की कलम से दुआओं की स्याही डाल लो, फिर तुम्हारा नाम पन्नों पर नहीं, इतिहास में लिखा जाएगा। जब आप दुआएं कमाते हैं, तो लोग घर में बैठकर आपके लिए दुआ करते हैं। यह सब इसी का असर है। मेरी कोशिश रहती है कि दुआएं मिलती रहें। बाकी ऊपरवाला मंजिल दिखा ही देगा और फतेह करवा ही देगा।'

परिणीति-राघव चड्ढा पेरेंट्स बनने वाले हैं

कपल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर दी खुशखबरी

एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा जल्द ही पेरेंट्स बनने वाले हैं। कपल ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर यह खुशखबरी दी है। शेयर किए गए पोस्ट में एक बच्चे का नन्हा पांव दिखाई दे रहा है। इस खबर के बाद बॉलीवुड से लेकर दुनिया भर के फैंस से बधाइयां आ रही हैं।

परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा ने इंस्टाग्राम पर इस खुशखबरी को शेयर करते हुए एक जैसा पोस्ट किया है। इस पोस्ट में बच्चे का नन्हा सा पांव है और 1+1=3 लिखा है। दोनों ने इस पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, 'हमारी छोटी सी दुनिया... बस आने को है, असीम कृपा है। उन्होंने इस पोस्ट में लिखा है कि अब वे एक और एक मिलाकर तीन होने जा रहे हैं।

इस खूबसूरत पोस्ट के साथ कपल ने एक वीडियो भी शेयर किया। वीडियो में परिणीति चोपड़ा, राघव चड्ढा का हाथ थामे चलती दिख रही हैं। इस पोस्ट पर सोनम कपूर, नेहा धूपिया, रकुल प्रीत, भूमि पेडनेकर, हुमा कुरैशी, भारती सिंह, रकुल प्रीत, अनन्या पांडे जैसी तमाम सेलिब्रिटीज ने उन्हें खूब सारी बधाइयां दी हैं।

वहीं परिणीति की मां रीना चोपड़ा ने लिखा है- इससे बड़ी कोई खुशी और आशीर्वाद नहीं है। आपको बहुत प्यार। भगवान आप पर आशीर्वाद बनाए रखे।

'केजीएफ' फेम एक्टर दिनेश मंगलुरु का निधन, कन्नड़ इंडस्ट्री में शोक की लहर

कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री से एक दुख भरी खबर सामने आ रही है। सीनियर कन्नड़ अभिनेता दिनेश मंगलुरु का निधन हो गया है। उन्होंने आज उडुपी जिले के कुंदापुरा स्थित अपने आवास पर अंतिम सांस ली। एक्टर के निधन के बाद कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री में शोक का माहौल है।

आर्ट डायरेक्टर के तौर पर की शुरुआत

दिनेश मंगलुरु अपनी सशक्त और यादगार सहायक और निगेटिव भूमिकाओं के लिए जाने जाते हैं। पर्दे पर अपने शानदार अभिनय से उन्होंने कन्नड़ दर्शकों के बीच अपनी शानदार पहचान बनाई और लोकप्रियता हासिल की। मूल रूप से मंगलुरु के रहने वाले दिनेश ने थिएटर में अपनी गहरी पृष्ठभूमि के साथ फिल्मों में एंट्री की। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत में एक आर्ट डायरेक्टर के रूप में भी काम किया था।

'केजीएफ' समेत कई फिल्मों में निभाई यादगार भूमिका

दिनेश ने अपने करियर में कई सुपरहिट फिल्मों में काम किया। लेकिन सुपरस्टार यश की 'केजीएफ' में बॉम्बे डॉन की शानदार भूमिका के बाद दिनेश की पहचान और भी मजबूत हो गई। उन्होंने अपने करियर में 'उलिगेडावारु कंदंठे', 'राणा विक्रमा', 'अंबारी', 'सवारी', 'इंथी निन्ना प्रीतिया', 'आ दिनागलु', 'स्लम बाला', 'दुर्गा', 'स्माइल', 'अतिथि', 'प्रेमा', 'नागमंडला' और 'शुभम' जैसी कई यादगार फिल्मों में अभिनय किया था। इसके अलावा उन्होंने 'नंबर 73' और 'शांतिनिवास' जैसी फिल्मों में बतौर आर्ट डायरेक्टर भी काम किया है।

रूमर्ड बॉयफ्रेंड अगस्त्य नंदा के साथ कार में दिखीं सुहाना खान

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा और सुपरस्टार शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान के डेटिंग को लेकर अफवाहें अक्सर उड़ती रहती हैं। अब दोनों का एक और वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें इन्हें साथ में कार में देखा जा रहा है। देखें वीडियो।

क्या है वायरल वीडियो?

सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें सुहाना खान, नव्या नवेली नंदा, और अगस्त्य नंदा एक साथ कार में बैठे दिख रहे हैं। इस वीडियो में अगस्त्य नंदा कार की पहली सीट पर बैठे दिख रहे हैं। वहीं सुहाना और नव्या पिछली सीट पर बैठी हुई दिखाई दे रही हैं। इस वायरल वीडियो ने अगस्त्य और सुहाना की डेटिंग की खबरों को फिर से हवा दे दी है।

नेटिजंस ने दी तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं

इस वीडियो के वायरल होते ही नेटिजंस की प्रतिक्रियाएं आने लगी हैं। एक यूजर ने कहा, 'मतलब कुछ भी अपने मन से गाना लगा दो, कोई और भी वजह हो सकती है साथ जाने की, ये तो बहुत ज्यादा हो गया है।' दूसरे यूजर ने कमेंट सेक्शन लिखा, 'सुहाना खान ऐसी कोई गलत हरकत नहीं करना, जिससे तुम्हारे पापा का नाम खराब हो आप शाहरुख खान के साथ पूरी दुनिया में बहुत नाम रखते हैं।' इसके अलावा अन्य यूजर्स ने कहा दोनों फिर साथ में दिखे।

एक नजर सुहाना और अगस्त्य के करियर पर

सुहाना खान जल्द ही अपने पिता शाहरुख खान के साथ फिल्म 'किंग' में नजर आएंगी। किंग में शाहरुख और सुहाना के अलावा अभिषेक बच्चन, रानी मुखर्जी जैसे सितारे नजर आ सकते हैं। इसके अलावा अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा फिल्म 'इक्कीस' में नजर आएंगे। यह एक एक्शन ड्रामा फिल्म है, जिसमें धर्मेंद्र और जयदीप अहलावत भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। बहरहाल, दोनों ही अपने करियर पर फोकस कर रहे हैं।

6 सालों से बेकार घर में बैठे हैं गोविदा 170 करोड़ के हैं मालिक

गोविंदा कथित तौर पर सुनीता आहूजा से तलाक लेने की तैयारी में हैं, ऐसे में 61 वर्षीय अभिनेता की कुल संपत्ति पर एक नज़र डालते हैं.

बॉलीवुड के चहेते हीरो नंबर 1, गोविंदा, अपने शानदार डांस मूव्स, कॉमिक टाइमिंग के लिए जानते हैं. इल्ज़ाम (1986) से अपनी शुरुआत से लेकर डेविड धवन के साथ कुली नंबर 1, राजा बाबू और हीरो नंबर 1 जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में काम करने तक, गोविंदा ने अपना नाम कमाया है ।

ताज़ा खबरों के अनुसार, गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता आहूजा अपनी 37 साल की शादी के बाद तलाक लेने की तैयारी में हैं. हालांकि हाल ही में एक्टर के वकील ने इसे ठुकरा दिया है और कहा कि कपल के बीच सब कपछ ठीक है

करियर में उतार-चढ़ाव आए

2000 के दशक में जब उनके करियर में उतार-चढ़ाव आए, तब भी उन्होंने पार्टनर और भागमभाग जैसी हिट फिल्मों से वापसी की थी. इसके बाद गोविंदा ने राजनीति में भी हाथ आजमाया और 2004 से 2009 के बीच सांसद रहे। गोविंदा की आखिरी फिल्म रंगीला राजा 2019 में आई थी और हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की सबसे बड़ी फ्लॉप फिल्मों में से एक थी, फिर भी कई मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार वो करोड़ों के मालिक हैं

अपने करियर के चरम पर, उन्होंने कथित तौर पर प्रति फिल्म 6 करोड़ रुपये तक चार्ज किए और ब्रांड एंडोर्समेंट से भी कमाई जारी रखी, जिसमें प्रत्येक के लिए लगभग 2 करोड़ रुपये फीस थी

कई घरों के हैं मालिक

हीरो नंबर 1 अभिनेता के पास मुंबई में तीन बड़े घर हैं, जुहू में उनका अपना जय दर्शन बंगला है जिसकी कीमत 16 करोड़ रुपये है और रुइया पार्क और मड आइलैंड में भी उनकी संपत्तियां हैं. मड आइलैंड स्थित उनके घर का इस्तेमाल फिल्मों की शूटिंग के लिए होता है, जबकि उन्होंने रुइया पार्क वाली अपनी संपत्ति किराए पर दे रखी है

गोविंदा के पास महंगी कारों का भी कलेक्शन हैं और बड़े मियाँ छोटे मियाँ अभिनेता के पास 43 लाख रुपये की कीमत वाली मर्सिडीज C220D और 64 लाख रुपये की कीमत वाली मर्सिडीज बेंज GLC जैसी लग्जरी कारें हैं

150 से 170 करोड़ नेट वर्थ

गोविंदा की कुल संपत्ति लगभग 150 से 170 करोड़ रुपये है और उनकी आय के स्रोत उनके रियल एस्टेट निवेश और ब्रांड एंडोर्समेंट हैं

सलमान खान की इस अभिनेत्री ने शादी के लिए छोड़ी फिल्में, अब है 2000 करोड़ की मालकिन

90 के दशक की इस बॉलीवुड अभिनेत्री ने लाइमलाइट से दूर होकर एक कनाडाई व्यवसायी से शादी करने के लिए इंडस्ट्री छोड़ दी थी और अब वो करोड़ो के दौलत की मालकिन हैं.

सुपरहिट होकर गायब हुई

बॉलीवुड की कई अभिनेत्रियों ने फ़िल्मी दुनिया में कदम रखा और कई हिट फ़िल्मों से सफलता का स्वाद चखा, लेकिन बाद में या तो उन्होंने अभिनय छोड़ दिया या शादी कर ली और फ़िल्मी दुनिया में गुमनाम हो गईं. आज हम एक ऐसी ही अभिनेत्री के बारे में बात करेंगे जो सलमान खान के साथ 'जुड़वा' और 'बंधन' में काम करके सुपरस्टार बन गईं

2011 में आखिरी बार किया काम

हम जिस अभिनेत्री की बात कर रहे हैं, वह कोई और नहीं बल्कि रंभा हैं और उन्हें आखिरी बार 2011 में मलयालम फिल्म 'फिल्मस्टार' में देखा गया था और उसके बाद से उन्होंने किसी फिल्म में काम नहीं किया है

2010 में रचाई शादी

रंभा ने अपने करियर के चरम पर फिल्म इंडस्ट्री छोड़ दी और अप्रैल 2010 में कनाडा के एक व्यवसायी इंद्रकुमार पथमनाथन से शादी कर ली. इसके बाद रंभा अपने परिवार के साथ टोरंटो चली गईं. अब वह तीन बच्चों की मां हैं जिसमें दो बेटियां और एक बेटा है.

पति पहले से था शादीशुदा

हालाँकि, उनके जीवन में एक समय ऐसा भी आया जब रंभा की निजी ज़िंदगी उथल-पुथल भरी रही. शादी के कुछ साल बाद, 2016 में, यह खबर आई कि उनके पति पहले से ही शादीशुदा हैं. रिपोर्टों के अनुसार, रंभा ने आरोप लगाया कि उनके पति इंद्रकुमार पथमनाथन की शादी दुष्यंती सेल्वाविनायकम नाम की एक महिला से हुई थी, उन्होंने कहा कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं थी.

आज भी अपने पति के संग हैं रंभा

ऐसे में मीडिया में उस समय ऐसी भी खबरें आई थीं कि अभिनेत्री अपने पति से तलाक की अर्जी दे रही हैं, लेकिन बाद में अभिनेत्री ने तलाक की खबरों को खारिज करते हुए कहा कि वह अपने पति के साथ खुशहाल शादीशुदा जीवन जी रही हैं.

तेलुगु, तमिल, मलयालम सहित कई फिल्मों में किया काम

रंभा ने हिंदी, तेलुगु, तमिल, मलयालम, कन्नड़, बंगाली, भोजपुरी और अंग्रेजी फिल्मों में भी अभिनय किया है. अपने पूरे करियर में, उन्होंने ममूटी, रजनीकांत, कमल हासन, विजयकांत, चिरंजीवी, नंदामुरी बालकृष्ण, वेंकटेश, मोहनलाल आदि जैसे लोकप्रिय अभिनेताओं के साथ जोड़ी बनाई

जमकर कमाती हैं पैसा

जहाँ कई लोग मानते हैं कि एक्टिंग छोड़ने का मतलब गुमनामी में खो जाना है, वहीं रंभा का मामला बिल्कुल उल्टा है और उन्होंने एक ऐसा वित्तीय साम्राज्य खड़ा किया जो इंडस्ट्री में उनके कई कलाकारों से कहीं आगे है.

2000 करोड़ रुपये से ज़्यादा की संपत्ति है

रिपोर्टों के अनुसार, रंभा के पास 2000 करोड़ रुपये से ज़्यादा की संपत्ति है, जिसमें कनाडा और भारत में उनकी अचल संपत्ति भी शामिल है

नुसरत भरुचा की 'उफ्फ ये सियापा' में बिना डायलॉग दिखेगी डार्क कॉमेडी

नुसरत भरूचा की फिल्म 'उफ्फ ये सियापा' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। बता दें ये फिल्म बिना डायलॉग के एक डार्क कॉमेडी है, जिसमें हर सीन सिर्फ हावभाव और एक्सप्रेशन से कहानी कहता है। फिल्म 5 सिंतबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

ट्रेलर में क्या कहानी?

फिल्म की कहानी घूमती है केसरी लाल सिंह (सोहम शाह) के इर्द-गिर्द, जो एक साधारण और भोला-भाला इंसान है। उसकी पत्नी पुष्पा (नुसरत) उसे पड़ोसन कमिनी (नोरा फतेही) से फ्लर्ट करने का इल्जाम लगाकर घर छोड़ देती है। जैसे ही वह अपनी बेगुनाही साबित करने की कोशिश करता है, अचानक उसके घर एक लाश मिलती है। मामला यहीं नहीं रुकता, थोड़ी देर में दूसरी लाश भी सामने आ जाती है और केसरी की जिंदगी पूरी तरह उलझ जाती है। इस गड़बड़झाले में इंस्पेक्टर हसमुख (ओमकार कपूर) की एंट्री होती है, जो खुद भी अपने मकसद से कहानी में रंग भरता है।

फिल्म की स्टारकास्ट

फिल्म में सोहम शाह, नुसरत भरूचा और नोरा फतेही मुख्य भूमिकाओं में हैं। सोहम शाह अपनी सीरियस एक्टिंग के लिए जाने जाते हैं, लेकिन इस फिल्म में उनकी मासूमियत और बेबस कॉमिक टाइमिंग दिल जीत सकती है। नुसरत भरुचा के लिए यह साल खास है क्योंकि यह उनकी दूसरी फिल्म है 'छोरी 2' के बाद। वहीं नोरा फतेही भी 2025 में तीसरी बार बड़े पर्दे पर दिखाई देंगी। हाल ही में वो अभिषेक बच्चन की 'बी हैप्पी' और कन्नड़ थ्रिलर 'केडी – द डेविल' में नजर आ चुकी हैं।

फिल्म का निर्देशन

'उफ्फ ये सियापा' का निर्देशन जी. अशोक ने किया है और इसे लव रंजन और अंकुर गर्ग ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। संगीत की जिम्मेदारी ए.आर. रहमान ने उठाई है, हालांकि यह फिल्म गानों से नहीं बल्कि बैकग्राउंड स्कोर और साउंड इफेक्ट्स से दर्शकों पर असर डालेगी। अभिनेता शारीब हाशमी भी एक अहम किरदार में नजर आएंगे।

शरीर के किस भाग में जमा होता है सबसे ज्यादा कोलेस्ट्रॉल, इन बीमारियों से अधिक है खतरा

कोलेस्ट्रॉल की समस्या आम हो चली है. ऐसा हमारी खराब लाइफस्टाइल के कारण हो रहा है. खराब खान-पान की वजह से शरीर में वसायुक्त पदार्थ जमा हो जाता है, जो कि ब्लडफ्लो को बाधित करता है. इससे हार्ट अटैक जैसी जानलेवा स्थिति आ सकती है. कोलेस्ट्रॉल सिर्फ हार्ट को ही प्रभावित नहीं करता बल्कि शरीर के कुछ अंगों को भी उतना ही प्रभावित करता है. आइए जानते हैं कि कोलेस्ट्रॉल शरीर के किस अंग में सबसे ज्यादा स्टोर होता है?

कोलेस्ट्रॉल की सबसे ज्यादा मात्रा

कोलेस्ट्रॉल की समस्या तब होती है, जब हम अत्यधिक तला-भुना खाएं. कोलेस्ट्रॉल की समस्या मुख्यतः तभी होती है. यह सबसे ज्यादा नसों की दीवारों पर चिमकता है, खासकर धमनियों में जमा होता है. इससे नसें और

धमनियां पतली होने लगती हैं. इसकी अत्यधिक मात्रा ब्लड फ्लो को बाधित करती है.

कुछ खास बीमारियों का खतरा

हार्ट अटैक का खतरा

धमनियों में कोलेस्ट्रॉल जमा होने से रक्त प्रवाह बाधित होता है, जिससे हृदय तक ऑक्सीजन की आपूर्ति कम हो जाती है. यह स्थिति हार्ट अटैक का प्रमुख कारण बन सकती है. विशेष रूप से, कोरोनरी धमनियों में प्लाक का निर्माण हृदय रोगों को बढ़ावा देता है.

स्ट्रोक का जोखिम

मस्तिष्क की धमनियों में कोलेस्ट्रॉल जमा होने से रक्त प्रवाह रुक सकता है, जिससे स्ट्रोक का खतरा बढ़ता है. यह मस्तिष्क के कुछ हिस्सों को नुकसान पहुंचा सकता है, जिसके परिणामस्वरूप लकवा या बोलने में कठिनाई जैसी समस्याएं हो सकती हैं.

पेरिफेरल आर्टरी डिजीज

पैरों और हाथों की धमनियों में कोलेस्ट्रॉल जमा होने से पेरिफेरल आर्टरी डिजीज हो सकती है. इससे पैरों में दर्द, सुन्नता और गंभीर मामलों में ऊतकों को नुकसान हो सकता है.

हाई ब्लड प्रेशर

कोलेस्ट्रॉल के कारण धमनियां संकरी हो जाती हैं, जिससे रक्तचाप बढ़ता है. यह हृदय पर अतिरिक्त दबाव डालता है और अन्य हृदय संबंधी समस्याओं को जन्म दे सकता है.

वजन घटाने का ट्रेंड बन सकता है हार्ट अटैक की वजह, अध्ययन में चौंकाने वाला खुलासा

दुनियाभर में कई प्रकार की क्रॉनिक बीमारियों का खतरा बढ़ता हुआ देखा जा रहा है। लाइफस्टाइल और खान-पान में गड़बड़ी, मोटापा और सेंडेंटरी लाइफस्टाइल को इसका प्रमुख कारण माना जाता है। शोध बताते हैं, अगर हम सिर्फ अपने आहार में ही सुधार कर लें तो इससे बीमारियों के जोखिमों को काफी हद तक कम करने में मदद मिल सकती है।

यही कारण है कि आजकल इंटरमिटेंट फास्टिंग, फिटनेस और वजन घटाने का सबसे ट्रेंडिंग तरीका बन गया है। लोग इसे 'जादुई डाइट प्लान' मानकर अपनाने लगे हैं। अध्ययन भी कहते हैं कि इससे न सिर्फ वजन कंट्रोल होता है बल्कि ब्लड शुगर, मेटाबॉलिज्म और दिमाग की सेहत पर भी बेहतर असर देखा गया है।

लेकिन हर सिक्के के दो पहलू होते हैं। जहां कुछ शोध बताते हैं कि इंटरमिटेंट फास्टिंग जैसे डाइट प्लान आपकी सेहत में बेहतर सुधार करने में मददगार हैं, वहीं कुछ रिपोर्ट्स में ये भी चेतावनी दी गई है कि लंबे समय तक इंटरमिटेंट फास्टिंग करने से हृदय रोग और अचानक मौत का खतरा भी बढ़ सकता है।

मतलब साफ है कि इंटरमिटेंट फास्टिंग के लाभ जरूर हैं पर हर किसी के लिए ये एक जैसा फायदेमंद नहीं है। अगर आप भी इस तरह की डाइट का पालन कर रहे हैं तो ये रिपोर्ट आपके बड़े काम की है।

इंटरमिटेंट फास्टिंग को लेकर रही है काफी चर्चा

अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन ने एक अध्ययन की रिपोर्ट में बताया कि बिना अपनी सेहत के बारे में जाने, लोगों को देखकर आप भी इंटरमिटेंट फास्टिंग कर रहे हैं तो इससे फायदे की जगह नुकसान हो सकता है। 8 घंटे के सीमित समय

में भोजन करने वाले इस डाइट प्लान से हृदय संबंधी मृत्यु का खतरा 91% बढ़ जाता है। इस बारे में जानने से पहले आइए समझ लेते हैं कि इंटरमिटेंट फास्टिंग आखिर है क्या?

इंटरमिटेंट फास्टिंग एक काफी चर्चित डाइट प्लान है, जिसमें आप दिन के कुछ घंटे खाना खाते हैं और बाकी समय उपवास रखते हैं। ये आपके खाने के शेड्यूल से संबंधित प्लान है। इसका आसान सा नियम है - 16:8 का पालन करना यानी 16 घंटे उपवास और 8 घंटे में भोजन।

हार्वर्ड मेडिकल स्कूल 2020 की रिपोर्ट के अनुसार, इंटरमिटेंट फास्टिंग से वजन और पेट की चर्बी कम हो सकती है, ब्लड शुगर और इंसुलिन लेवल कंट्रोल में रहता है और सूजन कम होती है, जिससे बीमारियों का खतरा कम होता है।

हार्ट अटैक और मृत्यु का खतरा

इंटरमिटेंट फास्टिंग से होने वाले फायदों की खूब चर्चा रहती है, हालांकि जर्नल ऑफ अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन की एक रिपोर्ट में विशेषज्ञों ने बताया कि लंबे समय तक इंटरमिटेंट फास्टिंग हृदय संबंधी मृत्यु जैसे हार्ट अटैक के खतरे को 91% तक बढ़ा सकता है।

20,000 से ज्यादा वयस्कों पर किए गए अध्ययन में पाया गया कि जो लोग 8 घंटे के सीमित समय में भोजन करते थे और बाकी समय कुछ नहीं खाते थे उनमें हृदय रोग से मृत्यु का जोखिम 91% अधिक था। पहले से ही हृदय रोग या कैंसर से पीड़ित लोगों में भी हृदय संबंधी मृत्यु का जोखिम और भी बढ़ जाता है।

इंटरमिटेंट फास्टिंग का शरीर पर क्या होता है असर?

चीन स्थित शंघाई जियो टोंग यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन में महामारी विज्ञान के प्रोफेसर और शोध के लेखक विक्टर वेन्जे झोंग कहते हैं, इंटरमिटेंट फास्टिंग के दीर्घकालिक स्वास्थ्य प्रभावों को समझने के लिए किए गए अध्ययन में पाया गया है कि यह हृदय रोग के जोखिमों को बढ़ाने वाला हो सकता है।

असल में इंटरमिटेंट फास्टिंग के जरिए कैलोरी को कंट्रोल करने का लक्ष्य होता है। कैलोरी पर बहुत ज्यादा या लंबे समय तक प्रतिबंध लगाने से रक्त शर्करा का स्तर कम हो सकता है, जिससे दिल की धड़कन बढ़ जाती है। अगर आप लंबे समय तक कुछ नहीं खा रहे हैं, लेकिन फिर भी दिनभर सक्रिय रहते हैं, तो संभव है कि इससे आपकी हृदय गति बढ़ जाए। इस तरह की अनियमितता के दीर्घकालिक दुष्प्रभाव देखे गए हैं।

प्रजनन स्वास्थ्य पर भी पड़ सकता है नकारात्मक प्रभाव

हृदय स्वास्थ्य पर इसके दुष्प्रभावों के अलावा एक अन्य अध्ययन में शोधकर्ताओं की टीम ने पाया कि इंटरमिटेंट फास्टिंग महिलाओं के प्रजनन हार्मोन को भी प्रभावित कर देती है। वैज्ञानिकों ने बताया कि इस तरीके को प्रयोग में लाने वाली महिलाओं में मां बनने से संबंधित समस्याओं के बारे में पता चला है। हार्मोन्स असंतुलन के कारण प्रजनन के साथ-साथ शरीर में और भी कई प्रकार की जटिलताओं का जोखिम हो सकता है, ऐसे में बिना डॉक्टरी सलाह के ऐसे उपायों को प्रयोग में लाने से बचा जाना चाहिए।

अध्ययन से पता चला है कि यह आहार पैटर्न, शरीर में आवश्यक इस हार्मोन के उत्पादन में कमी का कारण बनता है, जिसका अंडे की गुणवत्ता और ओवरी के कार्यों पर भी प्रभाव देखा गया है।

क्या वाकई ज्यादा पानी पीने से हाई ब्लड शुगर लेवल कम होता है?

आजकल बिगड़ी हुई लाइफस्टाइल और गलत खानपान के चलते कई बीमारियों का खतरा तेजी से बढ़ रहा है, जिनमें से एक है डायबिटीज. देश में डायबिटीज के मरीज तेजी से बढ़ हैं, देश को डायबिटीज की राजधानी तक कहा जाने लगा है. डायबिटीज एक लाइलाज बीमारी है, हालांकि इसे कई तरीकों से कंट्रोल में रखा जा सकता है, लेकिन डायबिटीज के मरीजों के लिए ब्लड शुगर को काबू में रखना एक बड़ी चुनौती होती है. अक्यर सुनने को मिलता है कि ज्यादा पानी पीने से ब्लड शुगर कम होता है, लेकिन इस बात में कितनी सच्चाई है आइए डॉ. पारस अग्रवाल (प्रोग्राम डायरेक्टर – डायबिटीज , ओबेसिटी और मेटाबोलिक डिसऑर्डर, मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स गुरुग्राम) से जानते हैं.

पानी पीना सीधे तौर पर असरदार नहीं-

डॉ. ने बताया कि ज्यादा पानी पीने से शुगर लेवल कंट्रोल हो जाएगा, लेकिन पानी पीना सीधे तौर पर डायबिटीज या ब्लड शुगर को कंट्रोल नहीं करता. पानी हमारे शरीर के लिए ज़रूरी है, यह डिहाइड्रेशन से बचाता है और शरीर की सफाई करता है, लेकिन यह डायबिटीज की दवा या इलाज का ऑप्शन बिल्कुल नहीं है.

शरीर संतुलित रहता है-

पानी पीने से ब्लड शुगर अचानक कम नहीं होता, लेकिन यह शरीर से ज़्यादा शुगर को यूरिन के जरिए बाहर निकालने में मदद करता है.

डायबिटीज़ मरीजों को अक्सर बार-बार प्यास लगना और पेशाब ज्यादा आना जैसी समस्या होती है. प्रॉपर मात्रा में पानी पीने से शरीर संतुलित रहता है और किडनी पर दबाव कम होता है.

इन बातों पर दें ध्यान-

अगर किसी को डायबिटीज है, तो सिर्फ पानी पीकर बीमारी पर काबू नहीं पाया जा सकता, इसके लिए नियमित रूप से दवा लेना, हेल्दी डाइट फॉलो करना, मीठे और प्रोसेस्ड फूड से बचना और रोज़ एक्सरसाइज करना बहुत ज़रूरी है. डॉक्टर द्वारा बताए गए शुगर लेवल की जांच और इलाज को कभी इग्नोर नहीं करना चाहिए.

दिन में कितना पानी पीना जरूरी?

पानी पीना हेल्थ के लिए अच्छा है और डायबिटीज के मरीजों को रोज़ 7-8 गिलास पानी ज़रूर पीना चाहिए, लेकिन यह समझना ज़रूरी है कि केवल पानी पीना शुगर को कंट्रोल नहीं कर सकता. सही खानपान, जैसे ज्यादा हरी सब्जियां, फल (डॉक्टर की सलाह अनुसार), साबुत अनाज और प्रोटीन लेना, डायबिटीज़ को कंट्रोल में रखने में ज्यादा मददगार है.

पैर की नस चढ़ जाने का कारण! चुटकियों में मिलेगा इस समस्या से आराम

क्या आपके साथ भी ऐसा हुआ है, जब रात में सोते समय अचानक आपके पैरों की नस चढ़ जाएं. आयुर्वेदिक डॉक्टर ने इस परेशानी के पीछे का मुख्य कारण बताया है. आइए जानते हैं.

सोते समय नस चढ़ना

कई बार सोते समय पैरों में अचानक से नस चढ़ जाती है. इसमें पैरों की नसों से तेज खिंचाव आता है. कुछ लोग इसे ऐंठन का नाम भी देते हैं. मगर क्या आप जानते हैं, ऐसा क्यों होता है?

तेज दर्द होने की समस्या

रात में सोते समय पैरों में इतनी तेज से नस चढ़ जाती है, जिसमें तेज दर्द होता है. यह दर्द इतना तेज होता है कि यह आपको गहरी से गहरी नींद से भी जगा सकता है.

आयुर्वेदिक डॉक्टर का मानना

आयुर्वेदिक डॉक्टर प्रताप चौहान ने बताया कि ऐसा तभी होता है, जब शरीर में वात दोष बढ़ जाए. इस कारण से पैरों में ऐंठन होती है.

लाइफस्टाइल का बड़ा रोल

वात दोष बढ़ने के पीछे आपकी खराब लाइफस्टाइल का बड़ा रोल होता है. देर रात तक फोन चलाना, नींद ना पूरी होना वात दोष को तेजी से बढ़ाने का काम करता है. इससे शरीर में ऐंठन जैसी समस्या होती है.

पैरों की नसें कमजोर होना

डॉक्टर बताते हैं कि लगातार देर तक खड़े रहने से भी पैरों की नसें कमजोर हो सकती हैं. इससे भी आपके पैरों की नसों में ऐंठन की समस्या हो सकती है. यह कमजोर मांसपेशियों और नसों का संकेत है.

बचाव के तरीके

डॉक्टर के अनुसार इस चीज से बचने के लिए आपको अपनी लाइफस्टाइल में बड़े बदलाव करने की जरूरत है. अच्छी नींद और हेल्दी खाना खाना इस समस्या से छुटकारा दिला सकता है.

चमत्कारी चूर्ण बनाएं

आयुर्वेद के अनुसार इन 3 चीजों से बना चूर्ण आपको पैरों की ऐंठन से छुटकारा दिला सकता है. इसके लिए आप अश्वगंधा, शतावरी और मिश्री को बारीक तरीके से पीसकर मिला लें. यह किसी चमत्कारी चूर्ण से कम नहीं है.

कैसे करना है सेवन?

अगर आपको अपने शरीर का वात दोष नियंत्रित करना है तो इसके लिए आप इस चूर्ण को गुनगुने दूध के साथ जरूर सेवन करना शुरू करें. अश्वगंधा शरीर को ताकत देती है और वात दोष को शांत करती है. वहीं शतावरी नसों को पोषण देती है और मिश्री पाचन को बढ़िया बनाता है.

मोटापा दूर करने के सरल उपाय

प्रश्न : मेरा वजन 125 किलो है। मैं अपने मोटापे से परेशान हूं। मोटापे के कारण कौन-कौन से रोग हो सकते हैं? कृपया बताएं! इस स्थूलता को दूर करने के उपाय भी बताएं।

- हरिहर राव, करीमनगर

उत्तर : आपने अपनी उम्र नहीं बताई । यह तो तय है कि आपका वजन 125 किलो कोई सामान्य वजन तो नहीं है। मोटापा कई रोगों की जननी है। आयुर्वेद में वर्णित अष्टनिन्दित पुरुषों में मोटा व्यक्ति अति निन्दितों में अग्रगण्य है। मोटापे के कारण उच्च रक्तचाप, हृदय के रोग, रक्त संचरण के रोग, पक्षाघात, हृदय शूल, संधिवात, यूरिक एसिड बढ़ने से गठिया, पित्ताश्मरी आदि होने की संभावना रहती है। रजोनिवृत्ति के बाद मोटी स्त्रियों में स्तनार्बुद, अंडार्बुद, गर्भाशय का कैंसर होने की संभावना बढ़ जाती है। मोटे लोग अक्सर मानसिक दबाव के शिकार हो जाते हैं। चलने- फिरने , उठने- बैठने में दिक्कत होने से रोगी चलना कम कर देता है और शारीरिक श्रम के नहीं होने के कारण भी मोटापा बढ़ने लगता है। स्थूलता का शिकार व्यक्ति अपने भूख प्यास के नियंत्रण में अक्षम हो जाता है ।और ज्यादा खाने से अधिक मोटा होने लगता है।

आयुर्वेद में इसका उपचार है। भोजन पर नियंत्रण आवश्यक है। गरिष्ठ भोजन, मिठाईयां, तैल -घी के बने पदार्थ , तले पदार्थ, दूध, मक्खन, पनीर आदि का प्रयोग और आरामपसंद जीवनशैली मोटापा बढ़ाते हैं। जंक फुड, फास्ट फुड से बचें। व्यायाम जरूरी है । रोज सुबह टहले। मॉर्निंग वाक कैलोरीज़ खर्च करवाता है । अतः इसे नित्य करें। सुबह उठते ही गुनगुना पानी पिएं। भोजन के पहले ऊंझा मेदोहर गुग्गुलु और मेदोहर विडंगादि लौह टिकिया गुनगुने पानी से लें। भोजन के बाद आरोग्यवर्धिनी वटी व चंद्रप्रभा वटी लेवें। शुद्ध गूगल, नवक गुग्गुलु, वृक्षाम्ला घन,ताप्यादि लौह नंबर 1 का प्रयोग भी गुणकारी है। औषधि सेवन योग्य वैद्य के संरक्षण में ही करें।

प्रश्न : मेरी उम्र 24 वर्ष है। मेरे मसूढों में सूजन रहती है और खून आता है। नियम से ब्रश करने के बाद भी मुंह से बदबू आती है। ऐसा उपाय बताएं कि मेरे मसूढे और दांत स्वस्थ बन सके।

- सुधाकर रेड्डी, संगारेड्डी

उत्तर : लगता है आपको पायोरिया हो गया है। यह समस्या लापरवाही के कारण ही पनपती है। क्या आप सोने से पहले मसूढों और दांत को साफ करने पर पूरा ध्यान देते हैं? अगर रात्री भोजन के बाद आप दांत साफ नहीं करते - तब भोजन के कण दांतों में फंसे होने के कारण वहां जीवाणु पनपते हैं और धीरे-धीरे वह मसूढों और दांतों को खराब करने लगते

हैं। सही ढंग से मुख की सफाई नहीं होने के कारण ही मसूढों में सूजन और खून आने लगता है। यदि यहां भी आप नहीं चेते तब दांत हिलने लगते हैं, उसमें कीड़े भी लग सकते हैं और वह समय से पहले गिर भी सकते हैं।

आयुर्वेद में इसका इलाज है। आप ऊंझा दशनसंस्कार मंजन में इरिमेदादी तेल मिलाकर सुबह और रात सोने से पहले दांत मांजे। इसी तेल से मसूढों की मालिश करें। हर बार भोजन करने और चाय कॉफी या कोई भी पेय पदार्थ लेने के बाद गरारे करें ,कुल्ली करें। भोजन के बाद ऊंझा महामंजिष्ठादि घनवटी, गंधक रसायन टिकिया व कांचनार गुग्गुलु लेवें। थोड़े ही दिनों में चलदंत , कृमिदंत, पायोरिया, मुख की दुर्गंध पूरी तरह से ठीक हो जाएगी। चॉकलेट, टॉफी, मीठे पदार्थ आदि खाने से बचें । आइसक्रीम, व ठंडे पेय भी न खाएं । ऐसा करने से आपको राहत जल्दी ही मिलेगी।

प्रश्न : मैं लंबे समय से सिर दर्द से परेशान हूं। कृपा कर आयुर्वेदिक चिकित्सा बताएं।

- मारुति राव, सिकंदराबाद

उत्तर : वात, पित्त, कफ व रक्तदोष की दुष्टि होने पर शिरशूल यानी सिर दर्द होता है। यह क्षय और कृमि रोग में एक लक्षण के रूप में होता है।

1 ग्राम गोदंती भस्म को 4 से 6 ग्राम शहद में मिलाकर दिन में तीन बार चाटने से बहुत आराम मिलता है। ऊंझा शिरशूलादि वज्र रस टिकिया, ऊंझा सूतशेखर रस को पथ्यादि काढ़ा के साथ सुबह-शाम लेने से भयंकर से भयंकर सिर दर्द दूर हो जाता है। दही, पनीर, चॉकलेट, ठंडे पेय पदार्थ, आइसक्रीम, कुल्फी, फ्रिज के ठंडे पानी आदि का हमेशा परहेज करें । यह ध्यान रखें कि कौन से खाद्य पदार्थ व कैसी स्थितियां सिर दर्द को बढ़ा रही है। भविष्य में ऐसे व्यंजनों व स्थितियों से दूर रहा करें।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email : purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी

स्वतंत्र वार्ता

396, लोअर टैंक बंड, हैदराबाद-80

ऑफिस में घंटों बैठना पड़ सकता है भारी! डेस्क जॉब वालों में बढ़ रहा है यूरिन इंफेक्शन का खतरा

आज के समय में हम में से कई लोग डेस्क जॉब करते हैं, ऐसे में हम घंटों एक ही जगह बैठे रहते हैं. इसके चलते कई गंभीर बीमारियों का खतरा तेजी से बढ़ रहा है. डॉ. अमित गोयल (निदेशक एवं प्रमुख, किडनी

ट्रांसप्लांट, यूरो-ऑन्कोलॉजी/रोबोटिक्स एवं यूरोलॉजी, मैक्स हॉस्पिटल, गुरुग्राम) ने बताया कि जब हम घंटों कुर्सी पर बैठे रहते हैं, तो ब्लैडर पर लगातार दबाव पड़ता है.

ऑफिस कल्चर में कई लोग मीटिंग या टारगेट की वजह से पेशाब रोककर रखते हैं. इसके साथ ही पानी कम पीना, बैक्टीरिया के पनपने के लिए सही माहौल तैयार करता है. यहीं कारण है कि डेस्क जॉब करने वाले लोगों में यूटीआई का खतरा तेजी से बढ़ रहा है. हालांकि यह समस्या महिलाओं में ज्यादा देखी जाती है, लेकिन अब कॉर्पोरेट और आईटी सेक्टर में काम करने वाले पुरुष भी इससे काफी इफ़ेक्ट हो रहे हैं.

किन लक्षणों को न करें नजरअंदाज-

पेशाब करते समय जलन या दर्द

बार-बार पेशाब आना

पेशाब का गाढ़ा, बदबूदार होना

निचले पेट में दर्द या भारीपन

बुखार, ठंड लगना और थकान (गंभीर मामलों में)

पुरुषों में दर्द के साथ स्खलन

अगर इन लक्षणों को समय पर ध्यान न दिया जाए तो इन्फेक्शन किडनी या पुरुषों में प्रोस्टेट तक फैल सकता है। इसलिए 1–2 दिन से ज्यादा समय तक लक्षण बने रहने पर तुरंत डॉक्टर से कंसल्ट ज़रूर करें

प्रिवेंशन –

पानी ज्यादा पिएं

पेशाब न रोकें

हर आधे घंटे बाद थोड़ा चले

सफाई का ध्यान रखें: वॉशरूम से पहले और बाद में हाथ धोएं. महिलाएं हमेशा आगे से पीछे की ओर साफ करें

कॉटन कपड़े पहनें

संतुलित आहार लें

डेस्क जॉब आज की लाइफस्टाइल का हिस्सा है, लेकिन छोटी-छोटी प्रिवेंशन आपको यूटीआई से बचा सकती हैं. समय पर पानी पीना, शरीर के संकेतों को इग्नोर न करना और थोड़ी-बहुत मूवमेंट आपकी यूरिनरी हेल्थ को लंबे समय तक सुरक्षित रख सकती है.

रिलायंस के 44 लाख निवेशकों की उम्मीद पूरा करेंगे मुकेश अंबानी? एजीएम पर है सबकी निगाहें

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। मुकेश अंबानी इस शुक्रवार, 29 अगस्त को रिलायंस इंडस्ट्रीज की सालाना आम बैठक में 44 लाख शेयरधारकों को संबोधित करने वाले हैं। इस बात पर सबकी निगाहें टिकी हैं। निवेशकों को बहुत ज्यादा उम्मीदें नहीं हैं। लेकिन एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी कुछ बड़ी घोषणा कर सकते हैं। रिलायंस दुनिया का सबसे बड़ा टेलीकॉम आईपीओ ला सकती है जिसका निवेशकों को बेसब्री से इंतजार है। बोफा सिक्योरिटीज ने कहा कि एजीएम में ज्यादातर जरूरी घोषणाएं होती हैं। इसलिए कई निवेशक आईपीओ की संभावित समय-सीमा के बारे में अपडेट चाहते हैं। यानी लोग जानना चाहते हैं कि देश की सबसे बड़ी टेलीकॉम कंपनी जियो का आईपीओ कब आएगा। 2019 की एजीएम में अंबानी ने शेयरधारकों से कहा था कि वह टेलीकॉम और रिटेल कारोबार को पांच साल में आईपीओ के ज़रिए लिस्ट कराएंगे। उसके बाद से इस बारे में कोई अपडेट नहीं है। रिलायंस के शेयरधारक जियो आईपीओ के बारे में जानकारी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

आईपीओ के लिए बेहतर

इस बीच बाजार जियो के आईपीओ के लिए बेहतर हो गया है। टेलीकॉम कंपनियों का मुनाफा बढ़ रहा है और खर्च कम हो रहा है। बीएनपी पारिबा के एनालिस्ट्स का मानना है कि अगली दो तिमाहियों में टैरिफ बढ़ सकते हैं। जियो ने हाल ही में कुछ सस्ते प्रीपेड प्लान बंद कर दिए हैं। इससे पता चलता है कि कंपनी मुनाफा कमाने पर ध्यान दे रही है। इसके अलावा सेबी ने हाल ही में एक प्रस्ताव रखा है। इसके अनुसार जिन कंपनियों का आईपीओ के बाद मार्केट कैप 5 लाख करोड़ से ज्यादा ज़्यादा होगा, उन्हें सिर्फ 2.5% इक्विटी ही जारी करनी होगी। अभी यह सीमा 5% है। सी आईटीआई के अनुसार रिलायंस जियो की वैल्यू $120 बिलियन (10.4 लाख करोड़) से ज्यादा है। इसलिए यह नियम जियो के लिए गेम-चेंजर साबित हो सकता है।

टारगेट प्राइस

सीआईटीआई के एनालिस्ट सौरभ हांडा और प्रेरणा गोयनका ने कहा कि 5% पब्लिक ऑफर से $6 अरब से ज्यादा के शेयर बाजार में आएंगे। भारतीय बाजार के लिए यह बहुत ज्यादा है। खासकर तब जब 35% रिटेल इनवेस्टर्स के लिए आरक्षित हो। जियो के लिए 2.5% पब्लिक ऑफर से $3 अरब से ज्यादा के शेयर बाजार में आएंगे। हमारा मानना है कि इससे आईपीओ के समय शेयरों की ज्यादा आपूर्ति की समस्या कम होगी। साथ ही रिलायंस के लिए होल्डिंग कंपनी डिस्काउंट की चिंता भी कम होगी। बोफा के सचिन सालगांवकर को लगता है कि माहौल अच्छा है। उन्होंने कहा कि इस साल अब तक निवेशकों से बातचीत और स्टॉक परफॉर्मेंस के आधार पर हमें लगता है कि निवेशकों की उम्मीदें कम हैं। इसलिए कुछ अच्छा होने की संभावना है। उन्होंने रिलायंस के शेयर को बाय रेटिंग दी है और टारगेट प्राइस 1,660 रखा है। रिलायंस के शेयर 2025 में अब तक लगभग 15% बढ़ चुके हैं। शुक्रवार को बीएसई पर यह 1% गिरकर 1,409.3 पर बंद हुआ। सोमवार को यह 1409.50 रुपये पर फ्लैट ट्रेडिंग कर रहा था।

11 महीने के निर्यात को कवर करने जितना विदेशी मुद्रा भंडार: आरबीआई गवर्नर

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)।देश का विदेशी मुद्रा भंडार 11 महीने के व्यापारिक निर्यात को कवर करने के लिए पर्याप्त रूप से मजबूत है, इससे अर्थव्यवस्था को वैश्विक झटकों के खिलाफ सुरक्षा मिलेगी।भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने सोमवार को मुंबई में वार्षिक बैंकिंग सम्मेलन एफआईबीएसी 2025 में यह बात कही। उन्होंने कहा, हमारे पास बहुत मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार है, हमारे पास उपलब्ध नवीनतम आंकड़ों के अनुसार 695 बिलियन डॉलर है। यह 11 महीने के व्यापारिक निर्यात को कवर करने के लिए पर्याप्त है। यह ध्यान देने देने वाली बात है कि आरबीआई आमतौर पर विदेशी मुद्रा भंडार को आयात के आधार पर मापता है, निर्यात के आधार पर नहीं।

आरबीआई के नियमों की समीक्षा के लिए बनेगा प्रकोष्ठ

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने केंद्रीय बैंक के नियमों यानी विनियमों की समीक्षा के लिए एक नियामक समीक्षा प्रकोष्ठ बनाने की बात कही है। आरबीआई गवर्नर ने कहा है कि प्रस्तावित प्रकोष्ठ 5-7 वर्षों में कम से कम एक बार सभी विनियमों की समीक्षा करेगा। मुंबई में एक कार्यक्रम के दौरान बोलते हुए आरबीआई गवर्नर ने कहा कि केंद्रीय बैंक मूल्य स्थिरता व आर्थिक विकास के उद्देश्य से मौद्रिक नीति का संचालन जारी रखेगा। मल्होत्रा ने कहा कि हम वित्तीय स्थिरता को मजबूत करना जारी रखेंगे, यह हमारा प्राथमिक उद्देश्य है। एफआईबीएसी 2025 में बोलते हुए गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि आरबीआई बैंक ऋण बढ़ाने के उपायों की जांच कर रहा है। भारतीय वाणिज्य व उद्योग महासंघ (फिक्की) और भारतीय बैंक संघ (आईबीए) संयुक्त रूप से 25 और 26 अगस्त 2025 को मुंबई के नरीमन पॉइंट स्थित होटल ट्राइडेंट में वार्षिक बैंकिंग सम्मेलन, एफआईबीएसी 2025 का आयोजन कर रहा है। एफआईबीएसी 2025 का प्रस्तावित विषय है- नए आयाम स्थापित करना। बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) इस सम्मेलन का ज्ञान भागीदार है।

विनियमित संस्थाएं ग्राहकों के लाभ के लिए प्रोद्योगिकी में करें निवेश

एफआईबीएसी 2025 के दौरान बोलते हुए गवर्नर मल्होत्रा ने कहा कि आरबीआई को उम्मीद है कि विनियमित संस्थाएं ग्राहकों के लाभ के लिए प्रौद्योगिकी में निवेश करेंगी। अस्थिर वैश्विक आर्थिक माहौल पर बोलते हुए भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि हमें इससे आगे बढ़ते हुए विकास की सीमाओं का विस्तार करने की जरूरत है। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने सोमवार को बैंकों और कंपनियों से एक साथ आने और निवेश चक्र बनाने के लिए उत्साह बढ़ाने को कहा। उन्होंने कहा कि देश अस्थिर वैश्विक आर्थिक माहौल से गुजर रहा है। वार्षिक बैंकिंग सम्मेलन 'एफआईबीएसी 2025' में अपने उद्घाटन भाषण में गवर्नर ने कहा कि आरबीआई उभरते क्षेत्रों सहित बैंक ऋण का विस्तार करने के उपायों की जांच कर रहा है। उन्होंने कहा, मैं इस बात पर ज़ोर देना चाहूँगा कि हम भले ही एक-दूसरे से विपरीत दिशा में खड़े नजर आते हों, जहां विनियमित संस्थाएं विकास को गति देने की कोशिश कर रही हैं और नियामक स्थिरता पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। लेकिन वास्तव में हमारे उद्देश्य एक ही हैं। हम एक ही टीम में हैं, और विकसित भारत के लिए हमारा एक ही साझा दृष्टिकोण है।

निवेश को बढ़ाने के लिए बैंक और कॉरपोरेट्स आगे आएं

मल्होत्रा ने कहा कि वह भारत की वित्तीय मध्यस्थता की दक्षता और प्रभावशीलता में सुधार लाने के लिए विनियमित संस्थाओं के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हैं। इससे यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि लोगों तक उचित लाभ पहुंचे। उन्होंने कहा, ऐसे समय में जब बैंकों और कॉरपोरेट्स की बैलेंस शीट अपने सबसे अच्छे स्तर पर है, उन्हें एक साथ आना चाहिए और निवेश चक्र बनाने के लिए उत्साह को बढ़ाना चाहिए।

हरे निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार

सेंसेक्स 329 अंक चढ़ा, निफ्टी 24900 के पार

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)।अमेरिकी फेडरल की ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद के बीच सोमवार को शेयर बाजार हरे निशान पर बंद हुआ। आईटी की शेयरों में भारी खरीदारी हुई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 6 पैसे गिरकर 87.58 (अनंतिम) पर बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 329.06 अंक या 0.40 प्रतिशत उछलकर 81,635.91 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 492.21 अंक या 0.60 प्रतिशत बढ़कर 81,799.06 अंक पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 97.65 अंक या 0.39 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,967.75 पर आ गया। सेंसेक्स की कंपनियों में इंफोसिस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, टाटा मोटर्स, सन फार्मा, मारुति और टाइटन प्रमुख लाभ में रहीं। वहीं भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, एशियन पेंट्स, भारती एयरटेल और आईसीआईसीआई बैंक पिछड़ने वाले शेयरों में शामिल रहे। एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कम्पोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सकारात्मक दायरे में बंद हुए। यूरोप के बाजार गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। शुक्रवार को अमेरिकी बाजार तेजी से ऊपर बंद हुए। डाउ जोन्स इंडसट्रियल एवरेज 1.89 प्रतिशत, नैस्डैक कंपोजिट 1.88 प्रतिशत और एसएंडपी 500 1.52 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि सितंबर में फेड द्वारा ब्याज दरों में कटौती और उसके बाद अमेरिका में 10 साल की ब्याज दरों में गिरावट की उम्मीदों से घरेलू बाजार में आशावाद की लहर दौड़ गई। अनुकूल वैश्विक धारणा से उत्साहित होकर आईटी सूचकांक ने बेहतर प्रदर्शन किया। उन्होंने आगे कहा कि उपभोग मांग को बढ़ाने के लिए प्रस्तावित जीएसटी युक्तिकरण से घरेलू स्तर पर सकारात्मक रुख बना हुआ है। अच्छा मानसून वैश्विक व्यापार वातावरण में किसी भी अनिश्चितता से निपटने में काम आ सकता है।

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.34 प्रतिशत बढ़कर 67.96 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 1,622.52 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे। शुक्रवार को सेंसेक्स 693.86 अंक या 0.85 प्रतिशत गिरकर 81,306.85 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 213.65 अंक या 0.85 प्रतिशत गिरकर 24,870.10 पर बंद हुआ।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

... 2082

... -1947, ... शरद

... -2551

... 432000

... 426874

... -5126 ...

... -1972949126

... 1955885126

सिंह	05-26 बजे
कन्या	07-33 बजे
कन्या	09-39 बजे
	11-49 बजे
	14-02 बजे
	16-09 बजे
	17-59 बजे
कर्क	19-37 बजे
	21-13 बजे
	22-58 बजे
	00-58 बजे
	03-11 बजे

उत्तर - गुड खाकर घर से निकले

तृतीया 13-55 तक उपरान्त चतुर्थी

भाद्रपद शुक्ल ,मंगलवार 26 August

हस्त 06-04 पूर्ण अहोरात्र

साध्य 12-08 तक शुभ

गर 13-55 तक उप वणिज

हरितालिका तीज व्रतं

श्री वराह जयन्ती

राहुकाल 15-25 से 16-59 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया		रात्रि का चौघड़िया	
रोग	06-04 - 07-32 शुभ	काल	18-31 - 19-59 अशुभ
उत्पात	07-32 - 09-09 शुभ	लाभ	19-59 - 21-25 शुभ
चंचल	09-09 - 10-46 शुभ	उत्पात	21-25 - 22-52 अशुभ
लाभ	10-46 - 12-23 अशुभ	शुभ	22-52 - 00-18 शुभ
अमृत	12-23 - 13-59 शुभ	अमृत.	00-18 - 01-44 शुभ
काल	13-59 - 15-37 अशुभ	चंचल	01-44 - 03-10 शुभ
शुभ	15-37 - 17-14 अशुभ	रोग	03-10 - 04-35 अशुभ
रोग।	17-14 - 18-31 शुभ	काल	04-35 - 06-04 अशुभ

दिल्ली-एनसीआर में भारी बारिश से उड़ानों पर असर, घर से निकलने से पहले चेक कर लें फ्लाइट स्टेटस

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली-एनसीआर में आज सुबह से ही बारिश हो रही है। मौसम विभाग की मानें तो पूरे दिन हल्की बारिश जारी रह सकती है। गौतम बुध नगर और गुरुग्राम में येलो अलर्ट जारी किया गया है। इसके मद्देनजर रोड और एयर ट्रैफिक के प्रभावित होने की आशंका है। दिल्ली में कई जगह जाम की स्थिति बनी हुई है। इंडिगो, एयर इंडिया और दूसरी एयरलाइन कंपनियों का कहना है कि कुछ उड़ानों में देरी हो सकती है। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने एक्स पर एक बयान में कहा कि भारी बारिश के कारण दिल्ली में कई जगह यातायात प्रभावित हुआ है। एयरलाइन ने यात्रियों को सलाह दी है कि जल्दी घर से निकलें और अगर संभव हो तो वैकल्पिक रास्ते का यूज करें। एयरपोर्ट से निकलने से पहले ऐप या वेबसाइट पर फ्लाइट स्टेटस चेक करें। टाटा ग्रुप का हिस्सा बन चुकी एयर इंडिया ने भी यात्रियों के लिए

एडवाइजरी जारी की है। उसका कहना है कि बारिश के कारण दिल्ली आने-जाने वाली फ्लाइट्स प्रभावित हो सकती हैं। कृपया एयरपोर्ट के लिए निकलने से पहले अपनी फ्लाइट का स्टेटस चेक करें। स्पाइजेट ने एक्स पर एक बयान में कहा दिल्ली में भारी बारिश के कारण उड़ानें प्रभावित हो सकती हैं। यात्रियों से अनुरोध है कि अपनी फ्लाइट का स्टेटस चेक करते रहें। इससे पहले रविवार को भी बारिश के कारण दिल्ली-एनसीआर में जगह-जगह जलभराव देखने को मिला और ट्रैफिक प्रभावित हुआ। मौसम विभाग के मुताबिक प्रीत विहार, राजीव चौक, आईटीओ, जफरपुर, इंडिया गेट, अक्षरधाम, सफदरगंज और लोदी रोड में भारी बारिश हुई।

18 महीने में पहली बार ट्रंप के टैरिफ का दिखा असर, जानें कहां आई गिरावट

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। भारत का कच्चे तेल का आयात जुलाई में 8.7% गिर गया। यह गिरावट महीने-दर-महीने के हिसाब से हुई है। अब यह 18.56 मिलियन मीट्रिक टन पर आ गया है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार यह फरवरी 2024 के बाद सबसे कम है। यानी 18 महीने बाद इतनी गिरावट आई है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक और उपभोक्ता है। इसलिए यह डेटा देश में तेल की मांग का एक महत्वपूर्ण संकेत है। पेट्रोलियम प्लानिंग एंड एनालिसिस सेल के आंकड़ों के अनुसार, सालाना आधार पर कच्चे तेल का आयात जुलाई 2024 में 19.40 मिलियन टन से 4.3% कम हुआ है। कच्चे तेल उत्पादों का आयात भी सालाना आधार पर लगभग 12.8% गिरकर 4.31 मिलियन टन हो गया। वहीं, उत्पादों का निर्यात 2.1% घटकर 5.02 मिलियन टन हो गया। तेल मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, जुलाई में भारत की ईंधन खपत 4.3% गिरकर 19.43 मिलियन टन हो गई।

क्या टैरिफ का असर?

भारतीय सामानों पर अमेरिका 27 अगस्त से 50% तक का अतिरिक्त टैरिफ लगाएगा। वाशिंगटन ने पहले ही भारत से आने वाले सामान पर 25% ड्यूटी लगा दी है। यह ड्यूटी कई अन्य प्रमुख व्यापारिक भागीदारों की तुलना में अधिक है। यह अतिरिक्त टैरिफ भारत द्वारा रूस से तेल खरीदने के कारण लगाया जा रहा है।रॉयटर्स के मुताबिक यूबीएस के कमोडिटी एनालिस्ट जियोवानी स्टॉउनोवो ने कहा, 'मुझे लगता है कि रूसी तेल की खरीद पर अमेरिकी टैरिफ की धमकी का असर पिछले महीने भारत के तेल आयात पर पड़ा।' यानी अमेरिका के टैरिफ लगाने की धमकी के कारण भारत ने शायद कम तेल आयात किया।

रूस से तेल खरीद जारी

भारत की सरकारी रिफाइनरियों इंडियन ऑयल और भारत पेट्रोलियम ने सितंबर और अक्टूबर में डिलीवरी के लिए रूसी तेल खरीदा है। दो कंपनी अधिकारियों ने बताया कि छूट बढ़ने के बाद खरीद फिर से शुरू की गई है। शिपिंग रिपोर्ट और एलएसईजी फ्लो के अनुसार, रूसी समर्थन वाली और यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों के तहत आने वाली भारतीय रिफाइनरी नायरा एनर्जी तेल आयात करने और रिफाइंड ईंधन परिवहन करने के लिए 'डार्क फ्लीट' पर निर्भर है। 'डार्क फ्लीट' उन जहाजों का समूह है जो अपनी पहचान छिपाकर चलते हैं।

जीएसटी घटने से आपको होगा फायदा और सरकार का नुकसान, कैसे होगी इसकी भरपाई?

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त को लाल किले के प्राचीर से घोषणा की थी कि इस बार दिवाली पर लोगों को डबल गिफ्ट देने की बात कही थी। उन्होंने कहा था कि सरकार जीएसटी में बड़ा सुधार करने जा रही है। माना जा रहा है कि जीएसटी में 12% और 28% वाले स्लैब्स खत्म किए जा सकते हैं। इसके बाद केवल 5% और 18% वाले स्लैब ही रहेंगे। एसबीआई की एक रिसर्च रिपोर्ट के मुताबिक जीएसटी सुधारों से सरकार को सालाना 85,000 करोड़ रुपये का रेवेन्यू लॉस होगा। सवाल यह है कि सरकार इस नुकसान की भरपाई कैसे करेगी? जीएसटी व्यवस्था 1 जुलाई 2017 को लागू किया गया था। इस दौरान रजिस्टर्ड टैक्सपेयर्स की संख्या 65 लाख से बढ़कर 1.51 करोड़ पहुंच चुकी है। इस दौरान जीएसटी कलेक्शन में भी भारी तेजी आई है। फाइनेंशियल ईयर 2022 में एवरेज मंथली जीएसटी कलेक्शन 1.51 लाख करोड़ रुपये था जो इस साल बढ़कर 1.84 लाख करोड़ रुपये हो गया। जब जीएसटी की शुरुआत हुई थी तो उस समय इसकी प्रभावी औसत दर 14.4% थी। साल 2019 आते-आते यह 11.6% रह गई और अब इसके 9.5% तक आने का अनुमान है।

सोना 200 रुपये गिरकर 100170 रुपये प्रति 10 ग्राम पर, चांदी के भाव स्थिर

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)।वैश्विक बाजारों में मंदी के रुख के बीच स्टॉकिस्टों की बिकवाली से सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमत 200 रुपये की गिरावट के साथ 1,00,170 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने इसकी पुष्टि की। शुक्रवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाली यह बहुमूल्य धातु 1,00,370 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। राष्ट्रीय राजधानी में सोमवार को 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 150 रुपये गिरकर 99,900 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) रह गया। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 1,00,050 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इस बीच, चांदी की कीमतें 1,15,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) पर स्थिर रहीं। वैश्विक बाजारों में न्यूयॉर्क में सोना 0.26 प्रतिशत गिरकर 3,363.45 डॉलर प्रति औंस पर आ गया। मिराए एसेट शेयरखान के कमोडिटीज एवं करेंसी प्रमुख प्रवीण सिंह ने कहा, सोने में सोमवार को गिरावट देखी जा रही है और यदि अमेरिकी रोजगार बाजार कमजोर होता है तो इसमें सकारात्मक रुझान

रहने की उम्मीद है, क्योंकि ब्याज दरों में कटौती की संभावना बढ़ गई है। हाजिर चांदी भी 0.17 प्रतिशत की गिरावट के साथ 38.78 डॉलर प्रति औंस पर आ गई। मेहता इक्विटीज़ के कमोडिटीज़ के उपाध्यक्ष राहुल कलंत्री ने कहा, पिछले हफ़्ते जैक्सन होल संगोष्ठी में अमेरिकी फेडरल रिज़र्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल की नरम रुख़ वाली टिप्पणियों के बाद सोने और चाँदी की कीमतों में तेजी से उछाल आया। पॉवेल ने संकेत दिया कि केंद्रीय बैंक दिसंबर के बाद पहली बार ब्याज दरों में जल्द ही कटौती कर सकता है।

आयुर्वेद हमारी परंपरा और ऋषि-मुनियों के ज्ञान का भंडार: आचार्य बालकृष्ण

हरिद्वार, 25 अगस्त (एजेंसियां)। पतंजलि के वैज्ञानिकों ने पुनः सिद्ध कर दिया है कि हमारे पौराणिक ग्रंथों में वर्णित अष्टवर्ग जड़ी-बूटियों के द्वारा प्राप्त अजरता–अमरता का वरदान मात्र मिथ्या नहीं हैं, इसमें सत्यता भी निहित है। पतंजलि के वैज्ञानिकों ने अष्टवर्ग एवं अन्य प्राकृतिक जड़ी-बूटियों से निर्मित औषधि इम्यूनोग्रिट पर किए गए शोध के द्वारा सिद्ध कर दिया है कि इस औषधि के द्वारा असमय आने वाले बुढ़ापे को प्रभावी रूप से धीमा किया जा सकता है। इस अवसर पर आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि तनाव, चिंता, प्रदूषण और गलत जीवनशैली हमें असमय बुढ़ापे की ओर ले जा रही है। आजकल 35-40 वर्ष की आयु में चेहरे पर झुर्रियां, माथे पर लकीरें होना आम बात हो गई है। एलोपैथिक चिकित्सा और महंगे-महंगे इंजेक्शन द्वारा लोग इस समस्या का अस्थाई समाधान खोजने में लगे हैं। परन्तु इस समस्या का हल भी हमारे पौराणिक ग्रंथों में ही निहित है, हमने अष्टवर्ग जड़ी-बूटियों को वर्तमान युग के अनुरूप, वैज्ञानिक प्रमाणिकता के साथ इम्युनोग्रिट के रूप में प्रस्तुत किया है।

आयुर्वेद के अनुसार अष्टवर्ग जड़ी-बूटियां बलवर्धक, रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने वाली एवं आयु को बढ़ने से रोकने वाली विशेषताओं से निहित हैं। उन्होंने आगे कहा कि आयुर्वेद की शक्ति को आज पूरा विश्व स्वीकार कर रहा है। यह हमारी परंपरा और हमारे ऋषि-मुनियों का ज्ञान है। अब वह समय दूर नहीं जब भारत ही नहीं, पूरा विश्व आयुर्वेद को अपनी चिकित्सा पद्धति के रूप में मान्यता देगा। इम्यूनोग्रिट औषधि विदारीकंद, मेदा, शतावरी, ककोली, क्षीरककोली, रिद्धि, वाराहीकंद, बला, सफ़ेद मूसली, शुद्ध कौंच, अश्वगंधा से बनी है जिन्हें हमारे आयुर्वेदिक ग्रंथों में बुढ़ापे को मंद करने वाला माना गया है। इस अवसर पर पतंजलि अनुसंधान संस्थान के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. अनुराग वार्ष्णेय ने कहा कि यह शोध उन लोगों के लिए एक आशा की किरण है जो बढ़ती आयु और उस कारण त्वचा पर असमय होने वाली झुर्रियों से चिंतित हैं।

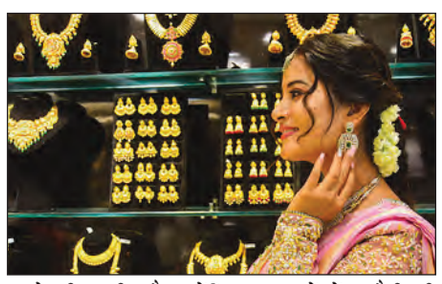

इम्यूनोग्रिट मात्र एक हर्बल सप्लीमेंट नहीं, अपितु एक वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित आयुर्वेदिक समाधान है, जो आने वाले वर्षों में एंटी-एजिंग उपचार की दिशा में बड़ी भूमिका निभाएगा। उन्होंने आगे कहा कि हमारा यह प्रयास पुष्टि करता है कि जब परंपरा और विज्ञान साथ आते हैं, तो असंभव को भी संभव बनाया जा सकता है। इस अध्ययन में पाया गया कि इम्यूनोग्रिट बुढ़ापे के कारण त्वचा की कोशिकाओं में होने वाले बदलावों को नियंत्रित करने में कारगर है। इम्यूनोग्रिट ने त्वचा में विद्यमान कोलेजन को टूटने से बचाया और उम्र बढ़ने से जुड़े MMP1 और MMP9 एंजाइम के स्तर को नियंत्रित किया। यह शोध जिसमें वृद्धावस्था को भी धीमा करने की शक्ति से निहित इम्यूनोग्रिट औषधि के बारे में बताया गया है, अंतरराष्ट्रीय रिसर्च जर्नल में प्रकाशित हुआ है।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,) — आज आपका नेतृत्व सबसे अलग है, लेकिन आप कार्यस्थल पर दूसरों से थोड़ा दूर महसूस कर सकते हैं। अपने शब्दों से सावधान रहें, क्योंकि ईमानदारी तनाव पैदा कर सकती है। अपने कार्यों पर ध्यान केंद्रित करें और जल्दबाजी से बचें। मजबूत ऊर्जा और तेज सोच आपको साहसिक समाधान खोजने में मदद करती है।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,) — आपका करियर और पढ़ाई आपको पतली रस्सी पर चलने जैसा लग सकता है। आत्मविश्वास आपको आगे बढ़ाता है, लेकिन बदलते मूड आपके ध्यान को भटका सकते हैं। आप कमियाँ जल्दी पहचान लेते हैं, इसलिए शब्दों का चुनाव सोच-समझकर करें। अवसरों का लाभ उठाएँ, लेकिन चिड़चिड़ापन हावी न होने दें।

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,) — आज आपका कार्य जीवन तनावपूर्ण लग सकता है। सिंह राशि में सूर्य आपके आत्मविश्वास को बढ़ाता है, लेकिन मकर राशि में चंद्रमा आपको जमीन से जुड़े रहने की याद दिलाता है। चंद्रमा वर्ग मंगल के कारण आवेगपूर्ण निर्णय हो सकते हैं, इसलिए प्रतिक्रिया करने से पहले रुकें। शनि का विरोध करने वाला मंगल अधिकार के साथ तनाव का संकेत देता है।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,) — आपके करियर और पढ़ाई को आत्मविश्वासी मानसिकता और मज़बूत आत्म-अभिव्यक्ति से फ़ायदा मिलता है। आप मुश्किल परिस्थितियों में भी शांत रहते हैं, अपने आस-पास के प्रभावशाली लोगों से समर्थन प्राप्त करते हैं। सार्थक संबंध और दिल से संवाद करने से टीम वर्क बढ़ता है। खुद को ज़्यादा आगे बढ़ाने या बड़े वादे करने से सावधान रहें।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,) — आज, आपका देखभाल करने वाला स्वभाव कार्यस्थल पर उभरकर सामने आ सकता है, जिससे दूसरों को समर्थन और मूल्यवान महसूस होगा। नए, आविष्कारशील विचार सामने आने की संभावना है, जिससे आपको अंतर्ज्ञान को रचनात्मकता के साथ मिलाने में मदद मिलेगी। यह संतुलन आपकी पढ़ाई या करियर के लक्ष्यों में वास्तविक प्रगति की ओर ले जा सकता है।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — आपके साहसिक विचार और विस्तार पर ध्यान सफलता के लिए मंच तैयार करते हैं। आपमें रचनात्मक चिंगारी महसूस हो सकती है और प्रभावशाली लोगों के साथ काम करने के अवसर मिल सकते हैं। एकांत में रहने से स्पष्टता आ सकती है, लेकिन दुर्घटनाओं से बचने के लिए सावधान रहें। महत्वपूर्ण कार्यों को सटीकता और आत्मविश्वास के साथ पूरा करने के लिए अपनी ऊर्जा को बुद्धिमानी से लगाएं।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,) — आपकी महत्वाकांक्षा प्रबल है, और आप ध्यान केंद्रित करके कार्यों को पूरा करने के लिए प्रेरित हैं। अपने कार्य जीवन में संतुलन बनाए रखें और किसी भी तनाव को धैर्य के साथ संभालें। आज के ज्वलंत अनुभव आपके आत्मविश्वास को चुनौती दे सकते हैं, लेकिन विचारशील प्रयास इसे बहाल कर सकते हैं। सेवा या समर्पण के कार्य आंतरिक संदेह को कम कर सकते हैं और प्रेरणा को बढ़ा सकते हैं।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,) — आप एक शांतिपूर्ण मानसिक स्थिति में हैं और आज अपने काम पर ध्यान केंद्रित करना आसान रहेगा । आज अपने करियर के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्णय लेने में आप सक्षम होंगे , लेकिन अपने वरिष्ठ अधिकारियों से समर्थन की कमी की वजह से आप थोड़ा पीछे हटने को मजबूर होंगे इसलिए आप उन्हें मनाने के लिए प्रयास करें ताकि सब अच्छी तरह से पूर्ण हो और आप ख्याति एवं धन प्राप्ति की तरफ अग्रसर हो ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे) — भावनात्मक ध्यान तेज होता है, जिससे आपको कार्यस्थल में सूक्ष्म बदलावों और गतिशीलता को समझने में मदद मिलती है। एक आंतरिक जागरूकता आपको अपनी भावनाओं को स्पष्ट रूप से व्यक्त करने के लिए प्रेरित करेगी। संरेखित सोच और भावना आपको जानकारी को आसानी से आत्मसात करने और स्पष्टता और भावनात्मक जागरूकता के साथ खुद को व्यक्त करने में मदद करती है।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) — आज आप मजबूत ऊर्जा और नए विचारों से प्रेरित होकर काम पर बड़ी उपलब्धियाँ हासिल कर सकते हैं। लापरवाह गलतियों से बचने के लिए सतर्क रहें और अकेलेपन की किसी भी भावना को संतुलित करने का प्रयास करें। मूड स्विंग आपके ध्यान को प्रभावित कर सकता है, इसलिए अपनी सेहत का ख्याल रखें।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,) — आपका आत्मविश्वास और करिश्मा काम के दरवाज़े खोलता है। अपने तरीकों का मूल्यांकन करने और उत्पादकता में सुधार करने के लिए समय निकालें। भावनात्मक तरंगें आपके संतुलन को चुनौती दे सकती हैं, इसलिए गर्व के साथ प्रतिक्रिया करने से बचें। प्रेरणा का एक नया विस्फोट आपको ऊर्जा और उद्देश्य के साथ कार्यों को पूरा करने में मदद करता है।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची) — आप पेशेवर बातचीत में अपनी गहरी उपस्थिति दर्ज कराते हैं, जिसका मार्गदर्शन तीव्र अंतर्ज्ञान द्वारा होता है। रचनात्मक प्रतिभाएँ आपके काम को निखारती हैं, खासकर कलात्मक कार्यों में। महिलाओं के साथ मधुर संबंध टीम वर्क को बढ़ावा देते हैं। भावनात्मक उतार-चढ़ाव और अतिशयोक्ति से सावधान रहें।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

शराब घोटाला, हाईकोर्ट ने खारिज की चैतन्य बघेल की याचिका

ईओडब्ल्यू की कार्रवाई को दी थी चुनौती, नई याचिका दाखिल करने दी छूट

बिलासपुर, 25 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल की याचिका खारिज कर दी है। शराब घोटाला और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) की कार्रवाई को चैतन्य बघेल ने चुनौती दी थी।

चैतन्य बघेल की याचिका पर सोमवार को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। हालांकि, हाईकोर्ट ने चैतन्य बघेल को ईओडब्ल्यू की एफआईआर के मामले में नई याचिका दायर करने की छूट दी है।

हाईकोर्ट ने लिबर्टी (छूट) के साथ चैतन्य बघेल की याचिका खारिज करते हुए कहा कि वे चाहें तो फिर से याचिका दाखिल कर सकते हैं, लेकिन वह याचिका केवल उन्हीं से संबंधित होनी चाहिए। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जब आप अपने निजी मामले से जुड़ी याचिका लाएंगे, तभी हम आपके कानूनी मुद्दों की जांच करेंगे।

हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश कुमार सिन्हा की डिवीजन बेंच में

चैतन्य बघेल की तरफ से पक्ष रखा गया। चैतन्य ने ईओडब्ल्यू की कार्रवाई को गलत बताया है। इसमें उन्होंने कहा कि उनकी हिरासत गैरकानूनी है और कानूनी प्रक्रियाओं का पालन नहीं किया गया।

इस दौरान सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट के सीनियर एडवोकेट महेश जेठमलानी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए तर्क रखा। वहीं, सीनियर एडवोकेट एन. हरिहरन और हर्षवर्धन परगनिया ने चैतन्य बघेल की ओर से पैरवी की। सुप्रीम कोर्ट से याचिका खारिज होने के बाद चैतन्य बघेल ने हाईकोर्ट में गिरफ्तारी को चुनौती दी है। बता दें कि चैतन्य बघेल को ईडी ने शराब घोटाला मामले में बीते 18 जुलाई को गिरफ्तार किया था। वे 39 दिनों से जेल में बंद है।

6 सितंबर तक रायपुर जेल में रहेंगे चैतन्य

चैतन्य को कस्टोडियल रिमांड खत्म होने के बाद 23 अगस्त को कोर्ट में पेश किया गया था। रायपुर की स्पेशल कोर्ट ने उन्हें फिर से 14 दिन की न्यायिक रिमांड पर भेज दिया। चैतन्य बघेल 6 सितंबर तक रायपुर जेल में रहेंगे।

इसके पहले ईडी ने कस्टोडियल रिमांड के दौरान पिछले 5 दिनों तक शराब घोटाला और मनी-लॉन्ड्रिंग मामले में चैतन्य बघेल से नए तथ्यों पर पूछताछ की है।

चैतन्य को 16.70 करोड़ रुपए मिले- ईडी

दरअसल, शराब घोटाला और मनी लॉन्ड्रिंग केस में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने चैतन्य बघेल को भी आरोपी बनाया है। चैतन्य बघेल को 18 जुलाई को भिलाई से गिरफ्तार किया गया था। आरोप है कि शराब घोटाले की रकम से चैतन्य को 16.70 करोड़ रुपए मिले हैं।

ईडी के मुताबिक शराब घोटाले से मिले ब्लैक मनी को रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स में इन्वेस्ट किया गया। ब्लैक मनी को वाइट करने के लिए फर्जी निवेश दिखाया गया है। साथ ही सिंडिकेट के साथ मिलकर 1000 करोड़ रुपए की हैंडलिंग (हेराफेरी) की गई है।

रविंद्र चौबे बोले-भूपेश करें छत्तीसगढ़ कांग्रेस का नेतृत्व

बैज ने पूर्व मंत्री को बताया महाज्ञानी नेता, साव ने कहा-कांग्रेस धरातल खो चुकी, भविष्य नहीं बचा

रायपुर, 25 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के पूर्व मंत्री रविंद्र चौबे ने पूर्व सीएम भूपेश बघेल के जन्मदिन पर कहा कि जनता की इच्छा है कि कांग्रेस का नेतृत्व भूपेश बघेल करें। आने वाले समय में भी वही करें। अगली लड़ाई भाजपा की सरकार के कुशासन और मोदी की गारंटी से है। यह ताकत सिर्फ भूपेश बघेल में है।

रविंद्र चौबे के बयान पर पीसीसी दीपक बैज ने कहा कि वह कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और महाज्ञानी नेता हैं। अगर यह उनका बयान है, तो उनका निजी बयान है। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने स्पष्ट कहा है कि कांग्रेस कलेक्टिव लीडरशिप के साथ जनहित के मुद्दों पर ही लड़ाई लड़ेगी और दोबारा सरकार बनाएगी।

इधर, उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता कांग्रेस से दूर हो चुके हैं। जनता पूरी तरह कांग्रेस से दूर हो चुकी है। नेता अपना वजूद बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। कांग्रेस धरातल खो चुकी है। कांग्रेस का

भविष्य नहीं बचा है।

23 अगस्त को पूर्व सीएम भूपेश बघेल का बर्थडे था। साथ ही तीजा पोरा तिहार भी था। दोनों फंक्शन को रायपुर के सुभाष स्टेडियम में सिलेब्रेट किया जा रहा था।

इसी दौरान पूर्व मंत्री रविंद्र चौबे ने कहा था कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के लिए संघर्ष भूपेश बघेल ने किया है।

उन्होंने कहा कि 2018 में सरकार बनाने के इसके साथ ही लगातार देश की राजनीति में राहुल गांधी प्रियंका गांधी, सोनिया गांधी के साथ अगर कोई अड़ा हुआ है तो वह केवल छत्तीसगढ़ का नेता भूपेश बघेल है। पीएम नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ कोई आवाज उठा रहा है, तो केवल और केवल भूपेश बघेल आवाज उठा रहे हैं।

रविंद्र चौबे ने कहा कि मोदी-शाह के खिलाफ आवाज उठाने की वजह से आज उन्हें कितनी तकलीफों का सामना करना पड़ रहा है। उनको लगातार तंग करने की कोशिश हो रही है। ईडी-सीबीआई-इनकम टैक्स की कार्रवाई उन पर, उनके परिवार और कांग्रेसियों पर की जा रही है।

ईडी वाले भी सुन लें भूपेश बघेल शेर है, डरने वाला नहीं- रविंद्र चौबे

रविंद्र चौबे ने कहा कि, ईडी वाले ये समझ लें कि कांग्रेस पार्टी का यह नेता है। महात्मा गांधी के रास्ते में चलने वाला नेता है। अंग्रेज से नहीं डरे तो इन काले अंग्रेजों से डरने वाले नेता नहीं हैं। लगातार भूपेश बघेल को तंग करने की कोशिश की गई, उनके बेटे को परेशान किया जा रहा है।

ईडी वाले भी सुन लें छत्तीसगढ़ कांग्रेस का नेता भूपेश बघेल शेर है। यह डरने वाला नेता नहीं है। ईडी वाले प्रधानमंत्री को सूचना दे दें कि भूपेश बघेल डरने वाला नहीं है। न भूपेश बघेल का कोई समर्थक डरने वाले हैं।

क्या पीसीसी अध्यक्ष बदलने को लेकर संकेत है?

वहीं चौबे के इस बयान के राजनीतिक मायने भी निकाले जा रहे हैं। वर्तमान में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज हैं, लेकिन इस मौके पर चौबे का भूपेश बघेल के नेतृत्व की जरूरत पर जोर देना संगठनात्मक असंतोष का संकेत माना जा रहा है।

कांग्रेस खेमे में इस बयान को लेकर चर्चा है कि यह पीसीसी बदलाव या मौजूदा नेतृत्व से असहमति का इशारा हो सकता है। हालांकि वर्तमान में भूपेश बघेल एआईसीसी के महासचिव हैं।

छत्तीसगढ़ में बोरियों में मिली 2 लाशें

रायपुर में युवक के सिर पर चोट के निशान बिलासपुर में महिला का शव तार-पत्थरों से बंधा मिला

रायपुर/बिलासपुर, 25 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायपुर और बिलासपुर में बोरियों में 2 लाशें मिली है। रायपुर के खमतराई थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह युवक की लाश पड़ी हुई थी। मृतक की पहचान रामा माड़ेक के रूप में हुई है। वह उरला स्थित आरआर इस्पात में काम करता था। युवक के सिर पर गहरे चोट के निशान है।

पत्थर से सिर कुचलकर हत्या की गई है। पुलिस ने 3 संदिग्धों को हिरासत में लिया है। थाने लाकर पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है। अवैध संबंध में हत्या की आशंका है।

वहीं बिलासपुर जिले के शिवटिकरी गांव में रविवार दोपहर नदी किनारे महिला की लाश मिली। महिला का शव 4 से 5 दिन पुराना बताया जा रहा है। लाश बोरी के अंदर पत्थर और तार से बंधी हुई थी। महिला की पहचान नहीं हो पाई है। दोनों ही मामलों में पुलिस जांच में जुटी हुई है। रायपुर के उरला क्षेत्र में मेटल पार्क के पास सोमवार सुबह स्थानीय लोगों ने एक बोरी में लाश देखी। लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बरामद किया। प्रारंभिक जांच में मृतक के सिर पर गहरी चोट के निशान पाए गए हैं, जिससे आशंका जताई जा रही है कि पत्थर से सिर कुचलकर हत्या की गई होगी।

युवक की पहचान रामा माड़ेक (उम्र 25 से 30 साल) के रूप में हुई है, जो उरला स्थित आरआर इस्पात में काम करता था। पुलिस के अनुसार हत्या के बाद लाश को बोरी में छिपाया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी, सीएसपी समेत एफएसएल की टीमें मौके पर पहुंची।

हाईटेंशन तार से झुलसा युवक सुरक्षा-इंचार्ज पर एफआईआर

बारिश में वंदेभारत का एसी ठीक करने चढ़ाया, चालू कर दी बिजली-लाइन, 15 मिनट तक तड़पता रहा

बिलासपुर, 25 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में रेलवे कोचिंग डिपो में हुए हादसे में घायल युवक की हालत गंभीर बनी हुई है। ठेका श्रमिक शनिवार को वंदे भारत के एक्स्ट्रा कोच का एसी ठीक करते समय 133केवी हाईटेंशन तार की चपेट में आकर झुलस गया था। रेलवे ने इस हादसे की जांच के लिए रेलवे ने 5 सदस्यीय कमेटी बनाई है।

दूसरी तरफ इस मामले में पीड़ित के सहकर्मी की शिकायत पर सिरगिट्टी थाने में सुरक्षा इंचार्ज मीणा (सीनियर सेक्शन इंचार्ज) के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। साथी कर्मचारी ने बताया कि मीणा सर ने बारिश में काम करने कहा। फिर बिना सूचना बिजली लाइन चालू कर दी गई। घटना का वीडियो भी सामने आया था।

जानकारी के अनुसार, झुलसा रेलकर्मी प्रताप बर्मन और उसका साथी चरणदास मानिकपुरी (निवासी ग्राम मुलमुला, जांजगीर-चांपा) कुमार इंजीनियरिंग कंपनी में कार्यरत हैं। वे दोनों 23 अगस्त को रोज की तरह ट्रेन की छत पर चढ़कर एसी लीकेज सुधारने का काम कर रहे थे।

बारिश होने पर वे नीचे उतर आए। कुछ देर बाद वहां मौजूद साइट इंचार्ज मीणा ने उन्हें फिर से ऊपर चढ़ने को कहा। चरणदास ने बताया कि मीणा सर के कहने पर ही बारिश के बाद भी प्रताप ट्रेन की छत पर लीकेज सुधारने चढ़ा।

साइट इंचार्ज के कहने पर बारिश में दोबारा चढ़ा

चरणदास के मुताबिक, जैमर (करंट बंद करने वाला यंत्र) बंद है या नहीं, इसकी जानकारी मीणा को होती है। मीणा के कहने पर प्रताप ट्रेन के ऊपर चढ़ा, जहां उसे 25,000 वॉट का करंट लगा। वह करीब 10-15 मिनट तक छत पर पड़ा रहा, लेकिन तब भी जैमर बंद नहीं किया गया। थोड़ी देर में प्रताप को होश आया और जैसे ही वह उठने लगा, दोबारा करंट लगने से वह ट्रेन से नीचे गिर गया। घटना का वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में युवक दर्द से तड़पते हुए दिखाई दे रहा है। जानकारी के मुताबिक प्रताप बर्मन, एक ठेका कंपनी के तहत काम कर रहा था।

प्रताप कोच के एसी के लीकेज को सुधारने का काम कर रहा था, तभी अचानक किसी ने बिजली लाइन चालू कर दी।

40 लाख का बीमा पाने के लिए 'मौत' का ड्रामा

नदी किनारे बाइक-मोबाइल-कपड़े छोड़कर भागा 4 दिनों तक सर्चिंग चली, इंस्टा से पता चला जिंदा है

जांजगीर-चांपा, 25 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में एक युवक ने 40 लाख रुपए के लिए अपनी मौत की झूठी साजिश रची। युवक ने खुद को मरा हुआ दिखाने का नाटक किया, ताकि उसके नाम पर 40 लाख के जीवन बीमा की राशि परिवार को मिल सके। मामला पामगढ़ थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के मुताबिक युवक का नाम कौशल श्रीवास (21) है, जो पामगढ़ के तैनाद का रहने वाला है। युवक नदी किनारे कपड़े, मोबाइल और बाइक को छोड़कर दिल्ली भाग गया था। वहां से बिलासपुर लौटा तो पकड़ा गया।

दरअसल, कौशल श्रीवास 19 अगस्त को शाम करीब 7 बजे यह कहकर घर से बाइक से निकला कि वह घूमकर आएगा। वह अपनी मां का मोबाइल लेकर निकला था, लेकिन वह लौटा नहीं।

इसी बीच करीब 9 बजे बड़े बेटे जागेश्वर श्रीवास के पास फोन आया कि उसकी बाइक और मोबाइल शिवनाथ नदी के पैसर घाट पर है।

सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे तो देखा कि मोटरसाइकिल, जूते और मोबाइल पुल पर पड़े थे, लेकिन कौशल का कोई सुराग नहीं लगा। इसके बाद तैनाद निवासी तिलक राम श्रीवास ने थाना पामगढ़ पुलिस में अपने छोटे बेटे 21 वर्षीय कौशल श्रीवास की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

गुमशुदगी की रिपोर्ट की रिपोर्ट के बाद बिलासपुर से एसडीआरएफ और नगर सैनिकों के गोताखोरों की टीम ने चार दिन तक नदी में सर्च ऑपरेशन चलाया, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसी बीच, साइबर पुलिस ने युवक के सोशल मीडिया के अकाउंट की मॉनिटरिंग शुरू की। जांच में जुटी जांजगीर की साइबर सेल टीम को सोशल मीडिया से पता चला कि कौशल जिंदा है। उसने इंस्टाग्राम पर अपने एक दोस्त को बताया था कि वह ठीक है। इसके बाद 23 अगस्त को युवक ने अपने भाई को एक अनजान नंबर से कॉल किया।

इसके बाद घरवालों ने फोन करने की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने कॉल को ट्रेस किया। लोकेशन की जानकारी मिलने पर आरपीएफ और उसलापुर पुलिस को अलर्ट किया। मुखबिर की सूचना पर साइबर टीम और परिजन बिलासपुर के तोरवा इलाके पहुंचे। कौशल को सुरक्षित बरामद कर लिया गया।

इस दौरान युवक ने पुलिस को बताया कि उसके पिता पर 1 लाख रुपए का कर्ज है। वह मानसिक रूप से बहुत परेशान था।

जमशेदपुर एमजीएम में चौथे तल्ले से मरीज कूदा, मौत

पेट दर्द की शिकायत पर था एडमिट, शराब की लत थी, नहीं मिलने से परेशान था

जमशेदपुर, 25 अगस्त (एजेंसियां)। जमशेदपुर के एमजीएम अस्पताल में एक मरीज की मौत ने पूरे अस्पताल परिसर में सनसनी फैला दी। चक्रधरपुर के कुरुलिया गांव निवासी 50 वर्षीय रघुनाथ मुंडा ने अस्पताल की चौथी मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली।

रघुनाथ को 21 अगस्त को दस्त और पेट दर्द की शिकायत पर इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया था।

अगले दिन उनकी स्थिति में सुधार दिखने पर उन्हें मेडिसिन वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया था, जहां वह बेड नंबर 518 पर भर्ती थे।

रात में अचानक गायब हुए मरीज

रात में रघुनाथ सो नहीं पाए। उनके बगल के मरीज विष्णु पदो ने बताया कि देर रात अचानक वह बिस्तर से उठकर बाहर चले गए। उस समय उनकी पत्नी दामंती मुंडा नीचे चली गई थीं।

जब दामंती वापस लौटीं तो उन्होंने पति को बेड पर न पाकर खोजबीन शुरू की।

इसी दौरान अस्पताल के सफाईकर्मियों ने उन्हें चौथी मंजिल से नीचे ग्राउंड फ्लोर और बालकनी के बीच अचेत अवस्था में पड़ा देखा।

मौके पर पहुंचे डॉक्टर और पुलिस

घटना की जानकारी मिलते ही अस्पताल प्रशासन ने तुरंत एमजीएम थाना पुलिस को सूचित किया। अधीक्षक डॉ. आरके मंधान भी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।

रघुनाथ को तुरंत इमरजेंसी विभाग में ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस घटना के बाद अस्पताल में मौजूद मरीज और उनके परिजन दहशत में आ गए।

अस्पताल सूत्रों के अनुसार, रघुनाथ लंबे समय से शराब के आदी थे।

अस्पताल में भर्ती होने के बाद से पिछले चार दिनों से उन्हें शराब नहीं मिली थी, जिस वजह से वह मानसिक रूप से अस्थिर दिखाई दे रहे थे।

पुलिस मामले की जांच कर रही है। मौत का सही कारण पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद स्पष्ट होगा। फिलहाल, इस घटना ने अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था और मरीजों की निगरानी पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

कमरे में फंदे से लटका मिला छात्रा का शव

दरवाजा तोड़कर निकाली गई लाश, गिरिडीह में कर रही थी डिप्लोमा की पढ़ाई

गिरिडीह, 25 अगस्त (एजेंसियां)। गिरिडीह जिले के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के सिहोडीह में सोमवार को एक 19 वर्षीय छात्रा का शव किराये के कमरे में फंदे से झूलता हुआ पाया गया। मृतका की पहचान बिरनी थाना क्षेत्र के जनता जरिडीह निवासी बहादूर सिंह की पुत्री किरण कुमारी के रूप में हुई है।

किरण गिरिडीह में रहकर एसआईटी कॉलेज में डिप्लोमा की पढ़ाई कर रही थी। वह बीते कुछ समय से सिहोडीह स्थित स्व. कुणाल रंजन के मकान में किराये पर रह रही थी। बताया जाता है कि हाल ही में उसने अपनी एक सहेली को भी कमरे में साथ रहने के लिए बुलाने की बात कही थी।

सोमवार को जब उसकी सहेली कमरे पर पहुंची तो दरवाजा अंदर से बंद मिला।

लखनऊ में एस्ट्रोनॉट शुभांशु से लिपटकर रोईं मां

छात्रों ने पूछा- ट्रेनिंग में कितनी बार फेल हुए, योगी ने गेट पर रिसीव किया

लखनऊ, 25 अगस्त (एजेंसियां)। एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला अंतरिक्ष यात्रा से लौटने के 41 दिन बाद लखनऊ पहुंचे हैं। उनकी पत्नी कामना और 6 साल का बेटा किआंश भी साथ हैं। एयरपोर्ट पर एस्ट्रोनॉट बनकर पहुंचे स्कूली बच्चों ने उनका वेलकम किया। उनका परिवार भी मौजूद रहा।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने शुभांशु को एयरपोर्ट पर रिसीव किया। शुभांशु का स्वागत करने के लिए एयरपोर्ट पर हजारों लोग तिरंगा लेकर पहुंचे थे। पूरा एयरपोर्ट ढोल-नगाड़ों और भारत माता की जय के नारों से गूंजता रहा। एयरपोर्ट से वे थार जीप पर सवार हुए। 10 किमी चलने के बाद थार से उतरकर रथ में सवार हो गए। फिर रोड शो करते हुए अपने बचपन के स्कूल पहुंचे। इस दौरान जगह-जगह उनका स्वागत हुआ।

स्कूल में वेलकम कार्यक्रम के

दौरान स्टेज पर शुभांशु की मां और बहन को बुलाया गया। वहां पहुंचते ही दोनों इमोशनल हो गईं। मां आशा शुक्ला शुभांशु को गले लगाकर रो पड़ीं। इस दौरान शुभांशु भी भावुक दिखे। उनसे छात्रों ने पूछा कि ट्रेनिंग में कितनी बार फेल हुए। इसका शुभांशु ने सधे अंदाज में जवाब दिया।

इस दौरान सिटी मॉन्टेसरी स्कूल की चेयरपर्सन ने शुभांशु की पत्नी कामना से पूछा कि पति को क्या देखकर चुना? इस पर वह शर्माने लगीं। इसके बाद शुभांशु ने जवाब दिया। कहा- मुझे लगता है कि कामना के पास यूनीक टैलेंट है। वह बहुत विजनरी हैं। उन्हें पता रहता है कि कौन-सी चीज आगे चलकर काम करेगी। शुभांशु के इतना कहते ही हॉल तालियों से गूंज उठा। कामना भी हंस पड़ीं।

सीएमएस स्कूल के प्रोग्राम के बाद सीएम योगी के आमंत्रण पर शुभांशु अपनी पत्नी और बच्चे के साथ उनके आवास पर 3:30 बजे पहुंचे। वहां सीएम योगी ने उन्हें गेट पर आकर रिसीव किया।

यूपी सरकार ने लोकभवन में शुभांशु के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित किया।

बिलासपुर डीईओ रहे अनिल तिवारी को नहीं मिली राहत

बिलासपुर, 25 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने बिलासपुर के जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) रहे डॉ. अनिल तिवारी को राहत देने से इनकार कर दिया है।

डॉ. तिवारी ने छह माह के भीतर अपने ट्रांसफर और सहायक संचालक पद पर नियुक्ति के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी।

कोर्ट ने उन्हें ट्रांसफर कमेटी के समक्ष अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया है। साथ ही शासन को कहा है कि उनके खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई न की जाए। इस मामले की सुनवाई न्यायाधीश रविंद्र कुमार अग्रवाल की सिंगल बेंच में हुई।

दरअसल, शिक्षा विभाग ने बीते 10 जुलाई को जिला शिक्षा अधिकारियों के स्थानांतरण का आदेश जारी किया था। इस आदेश के तहत बिलासपुर के तत्कालीन जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अनिल तिवारी को उनके पद से हटाकर संभागीय संयुक्त संचालक, शिक्षा कार्यालय बिलासपुर में सहायक संचालक के पद पर भेजा गया। उनकी जगह कोटा विकासखंड के शिक्षा अधिकारी विजय कुमार टांडे को बिलासपुर का नया डीईओ नियुक्त किया गया।

इस ट्रांसफर आदेश को डॉ. तिवारी ने अपने वकील अम्रितो दास के माध्यम से हाईकोर्ट में चुनौती दी और इसके खिलाफ याचिका दायर की।

गिरिडीह के मोंगिया स्टील के चेयरमैन से मांगी रंगदारी

गर्दन पर रखा चाकू, पॉकेट से निकाले 10 हजार, नगर थाना में प्राथमिकी दर्ज

गिरिडीह, 25 अगस्त (एजेंसियां)। गिरिडीह के उद्योगपति व मोंगिया स्टील के चेयरमैन डॉ गुणवंत सिंह मोंगिया से 20 लाख रुपए रंगदारी की मांग की गई है। इस संबंध में उन्होंने गिरिडीह नगर थाना में लिखित प्राथमिकी दर्ज करायी।

उन्होंने बताया कि गिरिडीह स्टील प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर मुमताज आलम उर्फ मिस्टर और उसके सहयोगियों ने जमीन पर कब्जा करने की कोशिश की। विरोध करने पर उन्हें चाकू दिखाकर जान से मारने की धमकी दी गयी। इस मामले में पुलिस ने भादवि की धारा 386, 388, 389 और 390 सहित कई धाराओं के तहत केस दर्ज किया है। डॉ गुणवंत सिंह की ओर से दिए गए आवेदन में बताया है कि सोमवार की शाम वे शिखरजी स्थित प्लांट पहुंचे थे। इसी दौरान मुमताज आलम उर्फ मिस्टर और पांच-छह युवक वहां पहुंचे और उन्हें घेर लिया। आरोप है कि उनकी गर्दन पर चाकू रखकर 20 लाख रुपए रंगदारी मांगी गयी। इसी दौरान पॉकेट से 10 हजार रुपए भी निकाल लिए गए । विरोध करने पर उनके साथ गाली-गलौज व धक्का-मुक्की की गयी। डॉ गुणवंत सिंह का कहना है कि आरोपियों ने उन्हें चेतावनी दी कि अगर उन्होंने रुपए नहीं दिये तो उन्हें जान से मार दिया जाएगा। शिकायतकर्ता ने बताया कि आरोपियों ने पहले उनकी खरीदी हुई जमीन पर जबरन कब्जा करने की कोशिश की थी। उन्होंने कहा कि वह जमीन उनकी वैध खरीदी हुई संपत्ति है, जिस पर अवैध रूप से कब्जा करने के लिए मुन्नालाल और उसके सहयोगी लगातार दबाव बना रहे थे। जब उन्होंने इसका विरोध किया, तो अपराधियों ने रंगदारी मांगने के साथ ही जान से मारने की धमकी दे डाली। इस दौरान स्थानीय लोग भी घटनास्थल पर मौजूद थे और पूरे घटनाक्रम के गवाह हैं। घटना की जानकारी मिलने पर गिरिडीह नगर थाना पुलिस हरकत में आई और मामले की प्राथमिकी दर्ज कर ली।

गोड्डा के सूर्या हांसदा एनकाउंटर मामले की जांच शुरू

घटनास्थल और गांव पहुंची राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की टीम

गोड्डा, 25 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की सदस्य आशा लकड़ा ने अपनी सात सदस्यीय टीम के साथ गोड्डा जिले के बोआरीजोर थाना क्षेत्र में हुए सूर्या हांसदा एनकाउंटर मामले की जांच शुरू कर दी है। टीम ने धमनी रहरबड़िया पहाड़ स्थित एनकाउंटर स्थल का दौरा किया।

मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों से पूरी जानकारी ली। इस दौरान पुलिस उपाधीक्षक जेपीएन चौधरी, महागामा अनुमंडल पदाधिकारी आलोक वरण केसरी और बोआरीजोर पुलिस निरीक्षक वीरेंद्र पासवान मौजूद रहे। एनकाउंटर स्थल का निरीक्षण करने के बाद आयोग की टीम ललमटिया के डकैता गांव पहुंची। यहां आशा लकड़ा ने मृतक सूर्या हांसदा के परिवार से मुलाकात की और पूरी घटना की जानकारी जुटाई। उन्होंने हांसदा की तस्वीर पर पुष्प अर्पित किए। साथ ही पत्नी, भाई, बच्चों और मां से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं। बच्चों से पढ़ाई और स्कूल की सुविधाओं के बारे में भी जानकारी ली। बच्चों ने बताया कि उनकी पढ़ाई, रहना और भोजन स्कूल में निशुल्क था।

जांच के दौरान आयोग की टीम ने जिला पुलिस अधिकारियों से सवाल-जवाब किए। आशा लकड़ा ने कहा कि टीम अभी जानकारी जुटाने की प्रक्रिया में है। जल्द ही प्रशासन के साथ बैठक की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि घटनास्थल के निरीक्षण के बाद आयोग तुरंत कोई टिप्पणी नहीं करेगा।

मीडिया से बातचीत में आशा लकड़ा ने कहा कि आयोग अपनी संवैधानिक शक्तियों का उपयोग करते हुए मामले की निष्पक्ष जांच करेगा। उन्होंने कहा कि जांच पूरी होने के बाद ही नतीजे बताए जाएंगे और जो भी तथ्य सामने आएंगे, उन्हें कानून और विधि के अनुसार सार्वजनिक किया जाएगा।

पाकिस्तान का बांग्लादेश को दोस्ती के लिए इस्लाम का वास्ता

ढाका बोला- 1971 नरसंहार के लिए माफी चाहिए, पाक विदेश मंत्री बोले- 2 बार मांगी

ढाका, 25 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश दौरे पर पहुंचे उप-प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री मोहम्मद इशाक डार ने बांग्लादेश से संबंध बेहतर करने के लिए इस्लाम की दुहाई दी है। उन्होंने पत्रकारों के एक सवाल के जवाब में कहा- इस्लाम भी हमें अपने दिलों को शुद्ध करने के लिए कहता है।

इशाक डार ने दावा किया कि बांग्लादेश के साथ 1971 का विवाद हल निकल चुका है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश की आजादी के दौरान हुए जनसंहार के लिए 2 बार माफी मांगी जा चुकी है। 1971 की जंग में पाकिस्तानी सेना पर हजारों बांग्लादेशी महिलाओं के साथ रेप, हत्या और आगजनी का आरोप लगा था।

इस बीच बांग्लादेश ने पाकिस्तान के दावे को खारिज कर दिया है। विदेश मामलों के सलाहकार तौहीद हुसैन ने साफ कहा कि पुराने मुद्दों को सुलझाकर ही दोनों देशों के बीच मजबूत रिश्ते बनाए जा सकते हैं।

इशाक डार 23 और 24 अगस्त को बांग्लादेश की दो दिवसीय यात्रा पर थे। उन्होंने ढाका में बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस और विदेश सलाहकार से मुलाकात की। इसके बाद पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए पाकिस्तानी मंत्री ने कहा कि ये मुद्दे 1974 में और फिर 2000 में परवेज मुशर्रफ के दौरे के दौरान हल हो चुके थे। डार ने कहा कि उस समय (1974) के ऐतिहासिक दस्तावेज हैं जो दोनों देशों के पास उपलब्ध हैं। डार ने कहा कि अब दोनों देशों को नए सिरे से शुरुआत करनी चाहिए और एक परिवार की तरह साथ मिलकर काम करना चाहिए।

हालांकि बांग्लादेशी विदेश सलाहकार ने इससे साफ इनकार किया। उन्होंने साफ कहा कि वे पाकिस्तानी मंत्री के दावे को सही नहीं मानते। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा हुआ होता तो दोनों देशों के बीच विवाद का निपटारा हो चुका होता। बांग्लादेश ने बयान जारी कर पाकिस्तान से अपनी पुरानी मांगे दोहराईं। इसमें कहा गया है कि पाकिस्तान को साल 1971 के नरसंहार की माफी, बंटवारे के समय की संपत्ति का उचित बंटवारा, 1970 के चक्रवात पीड़ितों के लिए दी गई विदेशी सहायता का हस्तांतरण और बांग्लादेश में फंसे पाकिस्तानी नागरिकों की वापसी जैसे पुराने और ऐतिहासिक मुद्दों का हल किया जाना चाहिए। 1974 में जुल्फिकार अली भुट्टो ढाका गए थे और वहां उन्होंने बांग्लादेश के लोगों से खेद जताया था, लेकिन पाकिस्तान ने कभी पूरी तरह औपचारिक माफी नहीं मांगी। 2002 में मुशर्रफ ने भी दौरे के दौरान अफसोस जताया था लेकिन उन्होंने भी कभी औपचारिक माफी नहीं मांगी। वहीं बंटवारे के बाद की संपत्ति को लेकर पाकिस्तान का रुख हमेशा टालमटोल वाला रहा। यही वजह है कि बांग्लादेश आज भी इन मुद्दों को अनसुलझा मानता है। पाकिस्तान ने कहा कि पुराने मामले निपट चुके हैं, जबकि बांग्लादेश का कहना है कि जब तक जनसंहार की जिम्मेदारी और बकाया संपत्ति का मामला सुलझ नहीं जाता, तब तक इन विवादों को खत्म नहीं माना जा सकता।

भारत ने पाकिस्तान को बाढ़ की चेतावनी दी

इस्लामाबाद, 25 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान के कुछ मीडिया चैनलों के अनुसार, भारत ने अभी भी सिंधु जल समझौते के तहत पाकिस्तान को संभावित बाढ़ के लिए अलर्ट किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 24 अगस्त को नई दिल्ली ने जम्मू की तवी नदी में भारी बाढ़ की चेतावनी जारी की थी। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस्लामाबाद में स्थित भारतीय उच्चायुक्त ने यह जानकारी पाकिस्तानी सरकार को दी थी।अगर इन मीडिया रिपोर्ट्स पर यकीन किया जाए तो पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद यह पहली बार है, जब दोनों देशों के बीच संपर्क हुआ है। गौरतलब है कि पहलगाम हमले के बाद ही भारत सरकार ने सिंधु जल समझौते को स्थगित करने का एलान कर दिया था। सिंधु जल समझौते के तहत सतलुज, ब्यास और रावी नदी के पानी पर भारत का अधिकार है, जबकि सिंधु, झेलम और चेनाब नदी पर पाकिस्तान का हक है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत का सब्र टूट गया और भारत सरकार ने सिंधु जल समझौते को स्थगित करने का एलान कर दिया, जिसके बाद से पाकिस्तान लगातार युद्ध की धमकियां दे रहा है।

भारतीय राजदूत बोले- रूस से तेल खरीदता रहेगा भारत

जहां सस्ता तेल मिलेगा, वहीं से लेंगे, ट्रम्प के टैरिफ को बेबुनियाद बताया

मॉस्को, 25 अगस्त (एजेंसियां)। रूस में भारत के राजदूत विनय कुमार ने कहा है कि भारत रूस से तेल खरीदना जारी रखेगा। उन्होंने कहा कि भारतीय कंपनियां तेल वहीं से खरीदेंगी जहां उन्हें सबसे अच्छा सौदा मिलेगा।

उन्होंने भारत पर अमेरिका के 50% टैरिफ को बेबुनियाद बताया।

विनय कुमार ने कहा, ट्रम्प ने रूसी तेल खरीदने की वजह से भारत पर 25% अतिरिक्त टैरिफ लगाया है, जो 27 अगस्त से लागू हो जाएगा।

इससे पहले ट्रम्प जुलाई में भारत पर 25% टैरिफ लगा चुके हैं, जिससे आने वाले दिनों में भारतीय सामान के आयात पर अमेरिका में 50% टैरिफ देना होगा।

भारत को रूसी तेल खरीद पर 5% छूट मिल रही

भारत में रूसी डिप्लोमेट रोमन बाबुश्किन ने 20 अगस्त को बताया था कि भारत को रूस के कच्चे तेल पर करीब 5% की छूट मिल रही है।

भारत, चीन के बाद रूसी तेल का सबसे बड़ा खरीदार है। यूक्रेन युद्ध से पहले भारत रूस से सिर्फ 0.2% (68 हजार बैरल प्रतिदिन) तेल इम्पोर्ट करता था। मई 2023 तक यह बढ़कर 45% (20 लाख बैरल प्रतिदिन) हो गया, जबकि 2025 में जनवरी से जुलाई तक भारत हर दिन रूस से 17.8 लाख बैरल तेल खरीद रहा है।

पिछले दो साल से भारत हर साल 130 अरब डॉलर (11.33 लाख करोड़ रुपए) से ज्यादा का रूसी तेल खरीद रहा है।

नवारो ने गुरुवार को मीडिया से बात करते हुए कहा था कि भारत सस्ते दाम पर रूस से कच्चा तेल खरीद रहा है, इंडियन कंपनियां उसे रिफाइन कर महंगे दाम पर दुनिया में बेच रही हैं।

उन्होंने कहा कि इससे रूस को यूक्रेन जंग के लिए पैसा मिल रहा है, जबकि भारत मुनाफा कमा रहा है।

उन्होंने कहा कि भारत हमें सामान बेचकर उससे मिलने वाले पैसों से रूसी तेल खरीदता हैं, जिससे तेल कंपनियां खूब पैसा कमाती हैं। इसलिए भारत पर टैरिफ लगाना जरूरी है।

हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि रूस-यूक्रेन जंग की शांति का रास्ता भारत से होकर ही जाता है।

भारत कई यूक्रेन जंग को बढ़ावा देने वाले अमेरिकी आरोपों को खारिज कर चुका है। पिछले हफ्ते ही विदेश मंत्री जयशंकर ने रूस का दौरा किया था।

इस दौरान उन्होंने कहा था कि भारत रूसी तेल का सबसे बड़ा खरीदार नहीं है, बल्कि चीन है।

ट्रंप ने जेलेंस्की की तख्तापलट की कोशिश की

जेडी वेंस ने किया था लंदन फोन, सबसे बड़े विरोधी को राष्ट्रपति बनाने का प्लान

लंदन/कीव, 25 अगस्त (एजेंसियां)। डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमीर जेलेंस्की के बीच आपको सबकुछ सही लग रहा होगा, लेकिन पर्दे के पीछे लंदन में साइलेंट कैम्पेन चल रहा है। जिसका मकसद जेलेंस्की को यूक्रेन के राष्ट्रपति पद से हटाना है। द गार्जियन ने दावा किया है कि मार्च महीने में वाइट हाउस में ट्रंप-जेलेंस्की के बीच हुए टकराव के तीन दिन बाद लंदन स्थित यूक्रेनी दूतावास में एक टेलीफोन से हलचल मच गई थी। फोन पर अमेरिका के उप-राष्ट्रपति जेडी वेंस की टीम लाइन पर थी और ब्रिटेन में यूक्रेन के राजदूत और पूर्व सेना प्रमुख वेलेरी जालुज्नी से बात करना चाहती थी।

ओवल ऑफिस में जब ट्रंप और जेलेंस्की के बीच बहस हुई थी तो उस बहस की शुरूआत जेडी वेंस ने ही की थी और अब जेडी वेंस, लंदन में यूक्रेनी दूतावास को फोन कर नये राष्ट्रपति चेहरे पर विचार करने वाले थे। गार्जियन ने तीन सूत्रों के हवाले से खुलासा किया है कि जेडी वेंस की टीम ने पूर्व सेना प्रमुख वेलेरी जालुज्नी से टेलीफोन पर बात करने की कोशिश की थी। इस फोन का मकसद नये कूटनीतिक रास्ते की तलाश करना था। सीधे शब्दों में कहें तो जेलेंस्की को सत्ता से बाहर कर यूक्रेन में नये राष्ट्रपति को लाना था।

लेकिन पूर्व सेना प्रमुख वेलेरी जालुज्नी ने जेडी वेंस से टेलीफोन पर बात करने से इनकार कर दिया, जबकि पूर्व सेना प्रमुख वेलेरी जालुज्नी और जेलेंस्की के बीच नहीं बनती है। द गार्डियन की रिपोर्ट में कहा गया है कि पूर्व सेना प्रमुख वेलेरी जालुज्नी ने जेलेंस्की के चीफ ऑफ स्टाफ से सलाह-मशविरा करने के बाद जेडी वेंस का फोन उठाने से इनकार कर दिया।

विश्वयुद्ध परेड में इतिहास बदलने उतरेगा चीन

जापान के सरेंडर को बताएगा अपनी जीत हाइपरसोनिक मिसाइल से भारत-यूएस को संदेश

बीजिंग, 25 अगस्त (एजेंसियां)। चीन की राजधानी बीजिंग में इन दिनों सुरक्षा के इतने पुख्ता इंतजाम किए गये हैं कि कोई परिंदा भी पर नहीं मार सकता। एयरपोर्ट पर दर्जनों स्कैनर लगे हुए हैं, आधी रात होते ही सड़कों पर रिहर्सल शुरू हो जाता है, सभी ओवरपास पर दर्जनों गार्ड 24 घंटे मौजूद रहते हैं। एक तरह से कहा जाए तो बीजिंग की तेज रफ्तार पर ब्रेक लगा दिया गया है। इसकी वजह है कि चीन अपनी सैन्य ताकत का प्रदर्शन करने वाला है। 3 सितंबर को करीब 70 मिनट में चीन दुनिया को दिखाने वाला है कि उसकी सैन्य ताकत किस स्तर तक जा चुकी है।

चीन की सेना हर साल मिलिट्री परेड का आयोजन करती है। चीन दावा करता है कि दूसरे विश्वयुद्ध के अंत में उसने जापान की सेना को पराजित कर दिया था और उसी का जश्न मनाने और अपनी शक्ति का प्रदर्शन करने के लिए वो परेड का आयोजन करता है, ताकि अब किसी भी देश की हिम्मत चीन पर हमला करने की और उसके नागरिकों से क्रूरता करने की ना हो। दूसरे विश्वयुद्ध के समय जापानी सैनिकों ने चीन में इतिहास की सबसे खतरनाक क्रूरता की थी। जापानी सैनिकों ने चीनी नागरिकों के साथ जानवरों से भी ज्यादा क्रूर व्यवहार किया था।

चीन का परेड में शक्ति प्रदर्शन

दूसरे विश्वयुद्ध के समय दुनिया में अगर किसी देश को सबसे ज्यादा अपमानित होना पड़ा था तो वो चीन था। लेकिन अब वही चीन शक्तिशाली हो चुका है और इतिहास को अपने हिसाब से लिखने की कोशिश कर रहा है। इस परेड का आयोजन ऐसे समय में हो रहा है जब पश्चिमी देशों के साथ चीन का अविश्वास काफी गहरा हो चुका है, अमेरिका के साथ जियो-पॉलिटिकल टेशन लगातार बना हुआ है और हालिया दो महीनों को छोड़ दें, तो भारत के साथ भी रिश्ते तनावपूर्ण ही रहे हैं। मई महीने में ही चीन ने भारत के खिलाफ पाकिस्तान का समर्थन किया था।

रिपोर्ट्स के मुताबिक यह परेड पिछले कई सालों में चीन की सबसे बड़ी और सुव्यवस्थित परेडों में से एक होगी, जिसमें अत्याधुनिक लड़ाकू विमानों, मिसाइल रक्षा प्रणालियों और हाइपरसोनिक हथियारों को दिखाया जाएगा। ये हथियार पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के लंबे समय से चल रहे आधुनिकीकरण की कोशिशों का नतीजा हैं, जो हाल ही में भ्रष्टाचार घोटालों और कर्मियों की छंटनी जैसी चुनौतियों का सामना कर रहा है।

इस मौके पर चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग, तियानमेन स्क्वायर में मौजूद रहेंगे। इस दौरान रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी उनके साथ मौजूद रहेंगे।

जिरकॉन, कैलिबर मिसाइलों के साथ लौटा रूस का सबसे शक्तिशाली युद्धपोत

25 सालों का इंतजार खत्म, दहशत में नाटो देश

मॉस्को, 25 अगस्त (एजेंसियां)। रूसी नौसेना का विनाशक युद्धपोत कीरोव-क्लास न्यूक्लियर बैटलक्रूजर, एडमिरल नखिमोव आखिरकार सेवा में लौट आए है। करीब 25 सालों तक चले मरम्मत के बाद इसे और ज्यादा विनाशक बना दिया गया है। इस युद्धपोत को 1988 में रूसी नौसेना में कमीशन किया गया था, लेकिन 1999 में वापस इस युद्धपोत को नई क्षमताओं के लिए अपग्रेडेशन के लिए भेज दिया गया था। अपग्रेडेशन को लेकर प्रोग्राम 2006 में मंजूर हुआ, लेकिन 2013 तक कोई काम शुरू नहीं हुआ। इस वजह से अपग्रेडेशन के काम में लगातार देरी होती चली गई। इसकी सबसे बड़ी वजहों में से एक सप्लाई चेन की दिक्कत और दूसरा लॉजिस्टिक समस्याएं थीं। जबकि युद्धपोत के करीब करीब हर हिस्से का अपग्रेडेशन किया जाना था।

फिर भी 25 साल की अथक मेहनत के बाद इस युद्धपोत को आधुनिक हथियारों के लिहाज से अपग्रेड किया गया, आधुनिक युद्ध की जरूरतों के मुताबिक बदला गया और अब हालिया वीडियो फुटेज में युद्धपोत को वाइट सी में फैक्ट्री सी ट्रायल्स के दौरान देखा गया, जहां यह टग बोट की मदद से समुद्र में ले जाया गया। रूस का ये सबसे मुश्किल युद्धपोत अपग्रेडेशन है। इसमें तीन प्रमुख अपग्रेडेशन किए गये हैं। 1- अटैक हथियार, 2- एयर डिफेंस सिस्टम, 3- इलेक्ट्रॉनिक्स और तारों का काम। एडमिरल नखिमोव के पुराने पी-700 ग्रानिट मिसाइल पिट्स को हटाकर दस यूनिवर्सल शिपबॉर्न फायरिंग सिस्टम्स लगाए गए, जो कुल 80 ट्यूब्स बनाते हैं और इनसे कैलिबर, ओनिक्स और जिरकॉन मिसाइल लॉन्च की जा सकती हैं। कुल वर्टिकल लॉन्च सिस्टम की क्षमता अब 176 ट्यूब तक बढ़ गई है, जिनमें से 80 अत्याधुनिक हाइपरसोनिक और क्रूज मिसाइलों के लिए बनाए गये हैं।

नेपाल को इस्लामिक राष्ट्र बनाना चाहता है तुर्की

कुरान पढ़ाने के लिए भेजा करोड़ों रुपये, निशाने पर गरीब बच्चे

काठमांडू, 25 अगस्त (एजेंसियां)। नेपाल के करीब दर्जन भर शहरों में विदेशों से मिलने वाले फंड को लेकर छापेमारी की जा रही है। जांच में सामने आया है कि कुछ विदेशी देश, नेपाल में डेमोग्राफी को बदलने के लिए गरीब और अनाथ हिंदू बच्चों को बर्गला रहे हैं। नेपाली मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बिना वैध वर्क परमिट के किशोरों को कुरान पढ़ाने वाले विदेशी नागरिकों का पता चलने के बाद कई शहरों में छापे मारे गये हैं। उनके नेटवर्क का पता लगाया जा रहा है। नेपाली अधिकारियों ने ललितपुर के हॉस्टलों पर छापेमारी की, जो हिमालय एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी से जुड़े हुए थे। ये एक एनजीओ है, जो गरीब और अनाथ बच्चों को पढ़ाने का काम करता है। अभी तक जांच से खुलासा हुआ है कि इन संस्थानों में बच्चों को, जो मुख्य रूप से अनाथ या गरीब परिवारों से थे और कपिलवस्तु, सिराहली, रौतहट, बांके और दाङ जैसे जिलों से आए थे, उनके धर्म परिवर्तन के लिए उन्हें इस्लामिक शिक्षा दी जा रही थी। रिपोर्ट के मुताबिक नेपाल की सरकारी किताबों को नहीं पढ़ाकर बच्चों को इस्लामिक किताबें पढ़ाई जाती थी। आपको बता दें कि नेपाल की सरकारी किताबों में धार्मिक शिक्षा किताबी पढ़ाई का हिस्सा नहीं है। यानि एनजीओ के जरिए मजहबी शिक्षा देने की कोशिश हो रही थी। अभी तक की जांच से पता चला है कि यह संस्था विदेशी संगठनों से सालाना करीब 25 मिलियन नेपाली रूपए हासिल करती है, जिनमें तुर्की स्थित संगठन सहा इंटरनेशनल भी शामिल हैं। इसके अलावा, इंडोनेशिया के कई इस्लामिक शिक्षक नेपाल टूरिस्ट वीजा पर आते हैं और फिर मजहबी गतिविधियों में शामिल हो जाते हैं, जो नेपाल के इमीग्रेशन कानूनों का स्पष्ट उल्लंघन है। अधिकारियों ने यह माना कि इस तरह की गतिविधियां न सिर्फ देश के कानून का उल्लंघन करती हैं, बल्कि देश की सुरक्षा और बच्चों की शिक्षा पर भी प्रतिकूल असर डाल सकती हैं। कई नेपाली अधिकारियों ने इसे बेहद गंभीर मामला बताया है।

आपको बता दें कि राष्ट्रपति रेचेप तैय्यप अर्दोगन के शासनकाल में तुर्की में ऐसे दर्जनों संस्थाएं बनाई गई हैं, जो भारत, नेपाल, श्रीलंका समेत गैर इस्लामिक देशों में इस्लामिक शिक्षा बढ़ाने के लिए पैसों का इस्तेमाल कर रही हैं।

गाजा में हॉस्पिटल पर इजराइल का मिसाइल हमला

15 की मौत, इनमें तीन पत्रकार

इजरायल, 25 अगस्त (एजेंसियां)। गाजा के हेल्थ मंत्रालय के मुताबिक, सोमवार को दक्षिणी गाजा में नासर हॉस्पिटल की चौथी मंजिल पर इजराइली मिसाइल हमले में 15 लोगों की मौत हो गई, जिनमें तीन पत्रकार शामिल हैं। मरने वालों में अल जजीरा और रॉयटर्स के पत्रकार थे। हेल्थ मंत्रालय ने बताया कि यह हमला एक डबल-टैप हमला था, जिसमें लगातार दो मिसाइल हमले हुए। इससे रेस्क्यू का काम और ज्यादा खतरनाक हो गया।

इजराइली सेना ने इस हमले पर अभी तक कोई बयान नहीं दिया है। हालांकि, इजराइल ने पहले अस्पतालों पर हमलों को यह कहकर जायज ठहराया है कि वहां हमास के आतंकवादी कमांड और कंट्रोल सेंटर चला रहे थे।

कमेटी टू प्रोटेक्ट जर्नलिस्ट्स (सीपीजे) के मुताबिक, इजराइल-हमास संघर्ष अब तक कुल 192 पत्रकार मारे गए हैं। जबकि कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में 200 से ज्यादा पत्रकारों के मारे जाने की कही गई है। इस जंग के मुकाबले अब तक रूस-यूक्रेन वॉर में सिर्फ 18 पत्रकारों की मौत हुई है। गाजा के हेल्थ मंत्रालय ने बताया कि इस जंग में अब तक 62,686 फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं। अनुमान के मुताबिक मरने वालों में लगभग आधे महिलाएं और बच्चे हैं।

अमेरिका में अरबपति बना रहे सीक्रेट बंकर

परमाणु युद्ध के डर से है ये तैयारी

वॉशिंगटन, 25 अगस्त (एजेंसियां)। परमाणु हमले की स्थिति में जान बचाने का विचार आम लोगों के लिए अजीब लग सकता है, लेकिन दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी इस पर गंभीरता से काम कर रहे हैं। वे परमाणु युद्ध, जलवायु परिवर्तन या अन्य आपदाओं से खुद को और अपने परिवार को बचाने के लिए विशाल और आलीशान बंकर और अंडरग्राउंड महल बनवा रहे हैं। ये बंकर अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस हैं ताकि बाहर की दुनिया के विनाश से वे सुरक्षित रह सकें।

अरबपतियों के सीक्रेट बंकर

मेटा के सीईओ मार्क जकरबर्ग हवाई में 300 मिलियन डॉलर की लागत से एक बड़ा भूमिगत बंकर बना रहे हैं, साथ ही उनके पास पलो ऑल्टो और लेक ताहो में भी बैकअप संपत्तियां हैं। इसी तरह, ओपनएआई के प्रमुख सैम ऑल्टमैन के पास भी एक मजबूत अंडरग्राउंड बंकर है जिसमें सारी सुविधाएं मौजूद हैं। अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस भी अपने लिए ऐसी ही सुरक्षित जगहें बना चुके हैं। सबसे अलग, दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क ने कहा है कि ऐसी आपदा आने पर वे अपने परिवार को मंगल ग्रह पर ले जाएंगे। वे टेक्सास में 35 मिलियन डॉलर का एक विशाल एस्टेट भी बना रहे हैं।

आलीशान सुविधाएं

इन बंकरों और अंडरग्राउंड महलों में हर तरह की सुविधा मौजूद है। इनमें उन्नत वायु और जल शोधन प्रणाली, हाइड्रोपोनिक फार्म जो बिना मिट्टी के अनाज और सब्जियां उगा सकते हैं, चिकित्सा सुविधाएँ, फिटनेस सेंटर, स्विमिंग पूल और सिनेमा हॉल जैसी सभी सुविधाएँ उपलब्ध हैं। इन बंकरों को एपोकैलिप्स रिसॉर्ट भी कहा जा रहा है, जो किसी भी बाहरी आपदा के समय लग्जरी जीवनशैली सुनिश्चित कर सकते हैं।

इन अरबपतियों की इस तैयारी पर कुछ लोगों ने नैतिक पतन कहकर आलोचना की है। उनका कहना है कि जब दुनिया विनाश के कगार पर होगी, तब ये अमीर लोग अपने बनाए निजी स्वर्ग में बैठकर मानवता के सर्वनाश का तमाशा देखेंगे।

यह उनके धन और शक्ति का दुरुपयोग है, जो एक वैश्विक आपदा के समय सिर्फ खुद को बचाने पर केंद्रित है।

अग्नि-5, अग्नि-6, पृथ्वी, ब्रह्मोस

क्या भारतीय मिसाइलों को रोकने की क्षमता चीन में है

बीजिंग, 25 अगस्त (एजेंसियां)। भारत ने पिछले हफ्ते अग्नि-5 मिसाइल का दूसरा परीक्षण किया है। इस मिसाइल को चीन के अंदर कहीं भी मार करने के लिए डिजाइन किया गया है। इसके अलावा इस मिसाइल से भारत चीन में परमाणु बम भी गिरा सकता है। इस मिसाइल की रेंज आधिकारिक तौर पर 5500 किलोमीटर है यानि चीन और पूरा पाकिस्तान इसकी रेंज में है। अगर भविष्य में कभी ऐसी नौबत आती है कि भारत को इस मिसाइल का इस्तेमाल करने के लिए बाध्य होना पड़े तो समझिए उस दुनिया ये दुनिया अंत की तरफ कदम बढ़ा देगी। ये मिसाइल अत्यधिक विनाशक है और देश के एक बड़े हिस्से को पूरी तरह से तबाह करने की शक्ति रखती है। भारत ने अग्नि-5 मिसाइल का उस वक्त टेस्ट किया है जब दो दिनों के बाद प्रधानमंत्री मोदी चीन की यात्रा पर जाने वाले हैं और अमेरिका से भारत के संबंध खराब हो चुके हैं। हालांकि भारतीय अधिकारियों ने स्ट्रैटजिक कमांड फोर्स के अंदर किए गये मिसाइल टेस्ट को एक नियमित अभ्यास बताया है, लेकिन इस मिसाइल की क्षमता और इसके महत्व को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। यह दूसरी बार है जब भारत ने एडवांस क्षमताओं के साथ अग्नि-5 मिसाइल का टेस्ट किया है। पिछले साल 11 मार्च 2024 को मिशन दिव्यास्त्र के तहत पहली बार मिसाइल का टेस्ट मल्टीपल वॉरहेड क्षमता के साथ किया गया था, जिसे एमआइआरवी (मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टार्गेटेबल री-एंट्री व्हीकल) कहा जाता है।

इस टेक्नोलॉजी के साथ एक ही मिसाइल तीन या चार न्यूक्लियर वारहेड ले जा सकती है, जो अलग-अलग लक्ष्यों को सैकड़ों किलोमीटर की दूरी पर निशाना बना सकते हैं।

भारत की सरस्वती स्ट्रिप्स प्राइवेट लिमिटेड का बर्तन न करें इस्तेमाल

अमेरिका में एफडीए ने दी चेतावनी, कहा- इन कुकवेयर से हो सकती है गंभीर बीमारी

वॉशिंगटन, 25 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका के फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (यूएसएफडीए) ने भारतीय कंपनी के कुछ बर्तनों को लेकर चेतावनी जारी की है। यह चेतावनी सरस्वती स्ट्रिप्स प्राइवेट लिमिटेड के बनाए कुकवेयर के इस्तेमाल के खिलाफ जारी की गई है। अमेरिकी एजेंसी का कहना है कि ये कुकवेयर तय मानकों पर खरे नहीं उतरते हैं।

इनमें खाने बनाने से खतरनाक स्तर का सीसा भोजन में जा सकता है, जिससे स्वास्थ्य संबंधी गंभीर खतरे हो सकते हैं। खासतौर बच्चों के विकास को इनमें बना खाना प्रभावित कर सकता है।

एफडीए ने भारतीय कंपनी सरस्वती स्ट्रिप्स प्राइवेट लिमिटेड के जमैका, न्यूयॉर्क स्थित मन्नान सुपरमार्केट में बेचे जाने वाले कुकवेयर पर सवाल किए हैं। अमेरिकी स्वास्थ्य नियामक ने सभी खुदरा विक्रेताओं से ऐसे कुकवेयर की बिक्री तुरंत बंद करने का आग्रह किया है। साथ ही उपभोक्ताओं से इनका सुरक्षित निपटान करने को कहा है।

सीसा किसी भी स्तर पर मनुष्यों के शरीर में जाना विषाक्त माना जाता है। इसकी कोई सुरक्षित सीमा नहीं है। यह बच्चों के शरीर में जाए तो उनका विकास रुक जाता है।

उनको सीखने में कठिनाई आती है, उनका बौद्धिक विकास नहीं होता और व्यवहार संबंधी परिवर्तन का कारण बनता है।

सीसे के शरीर में जाने से वयस्कों में पेट दर्द, थकान, उल्टी और तंत्रिका संबंधी प्रभाव डालता है।

नियमित सीसे के सेवन से गुर्दे के ऊतकों में जमाव होता है। इससे अपशिष्ट को छानने की क्षमता कम हो जाती है। लंबे समय तक सीसे के संपर्क में रहने से क्रोनिक किडनी रोग (सीकेडी) हो सकता है।

कुकवेयर के विक्रेताओं को मैसेज

एफडीए ने विक्रेताओं से कहा है कि ऐसे सबसे ज्यादा बिकने वाले कुकवेयर पर तुरंत रोक लगाने को कहा है, जिनसे सीसा निकल सकता है।

उत्पादों की पुष्टि के लिए एफडीए की ओर से अनुमोदित सीसा रिसाव परीक्षण प्रोटोकॉल का उपयोग करना होगा। कुकवेयर को मार्केट में उतारने से पहले एफडीए से परामर्श लेना होगा।

राजनाथ सिंह बोले- शिक्षा सुधार चुनौतीपूर्ण

ऑपरेशन सिंदूर में सेना की सटीक कार्रवाई की तारीफ

जोधपुर, 25 अगस्त (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जोधपुर में आदर्श डिफेंस एंड स्पोर्ट्स एकेडमी के उद्घाटन समारोह के अवसर पर कहा कि शिक्षा क्षेत्र में सुधार लाना आसान नहीं है। उन्होंने बताया कि वर्षों से कई आयोग बनाए गए और उनकी सिफारिशें जारी की गईं, लेकिन शिक्षा क्षेत्र में अपेक्षित सुधार नहीं हुए।

उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि जब वे उत्तरप्रदेश के शिक्षा मंत्री थे, तब उन्होंने नकल और शिक्षा भ्रष्टाचार को रोकने के लिए कानून लाया। उन्होंने बताया कि अगले विधानसभा चुनाव में उनका विरोधी उम्मीदवार जीत गया क्योंकि उसने चुनावी मंच पर इस कानून को समाप्त करने का वादा किया था। शिक्षा क्षेत्र में सुधार और भ्रष्टाचार रोकने के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि इसके लिए ठोस कदम उठाना आवश्यक है।

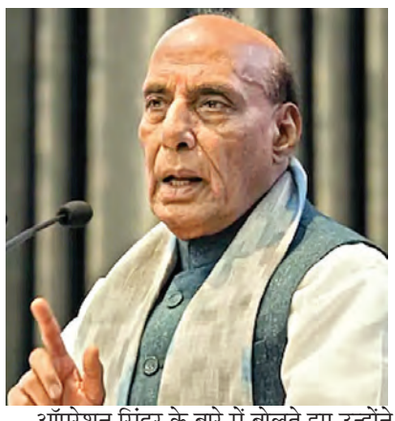

ऑपरेशन सिंदूर के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय सेनाओं ने पाकिस्तान को एक बेहतरीन जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि हमारे सैनिक आतंकियों को उनके धर्म के आधार पर नहीं, बल्कि उनके कर्मों के आधार पर मारते हैं। भारत 'वसुधैव कुटुम्बकम' के सिद्धांत में विश्वास करता है और जाति या धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं करता, लेकिन आतंकियों ने लोगों को उनके धर्म के आधार पर निशाना बनाया। मई में ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में आतंकवादी संगठनों से जुड़े कई लक्ष्यों पर सटीक हवाई और अन्य हमले किए गए थे। यह अभियान 22 अप्रैल को पहलगाम हमले के बाद आतंकवादियों के ढांचे को नष्ट करने और प्रमुख ऑपरेटिव्स को निष्क्रिय करने के उद्देश्य से चलाया गया था।

राजनाथ सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शिक्षा क्षेत्र में किए गए कामों की भी तारीफ की और कहा कि पिछले वर्षों में शिक्षा में बड़ा बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि आज हम शिक्षा में जो बदलाव देख रहे हैं, वही भारत की असली ताकत है और यही देश का भविष्य है।

छात्रसंघ चुनाव और स्मार्ट मीटर पर गरमाई सियासत

राजेंद्र राठौड़ बोले- कांग्रेस कर रही गुमराह

जयपुर, 25 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में छात्रसंघ चुनाव, पंचायत चुनाव और स्मार्ट मीटर पर सियासत गरमाई हुई है। इसी बीच अब भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कांग्रेस पर तीखा पलटवार किया है। राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस नेता अशोक गहलोत, गोविंद सिंह डोटासरा और टीकाराम जूली स्मार्ट मीटर, बेरोजगारी और छात्रसंघ व पंचायत-निकाय चुनाव पर जनता को गुमराह कर रहे हैं।

भाजपा के वरिष्ठ नेता राजेंद्र राठौड़ प्रदेश भाजपा मुख्यालय पर मीडिया से वार्ता कर रहे थे। उन्होंने

कहा कि भाजपा सरकार के 20 माह के कार्यकाल में किसी विषय पर न तो कांग्रेस नेता प्रदर्शन कर पाए और न ही उनके किसी धरने प्रदर्शन में संख्या बल सैंकड़ों तक पहुंचा। अब मीडिया में सुर्खियां बटोरने के लिए अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं।

नाकामयाबी का ठीकरा भजनलाल सरकार पर फोड़ना चाहते है गहलोत

उन्होंने कहा कि पूर्व सीएम गहलोत अनावश्यक मुद्दे उठाकर अपनी नाकामयाबी का ठीकरा भजनलाल सरकार पर फोड़ना चाहते हैं। गहलोत की सुरक्षा में लगे गार्ड तक पेपरलीक मामले में संलिप्त पाए गए। भजनलाल सरकार ने 20 माह में 280 से अधिक भर्ती परीक्षाओं का सफल आयोजन करवाया। प्रदेश की कानून व्यवस्था पहले की तुलना में सुदृढ़ और मजबूत हुई है।

कांग्रेस राज में जारी हुए थे स्मार्ट मीटर के आदेश

राठौड़ ने कहा कि पिछली कांग्रेस सरकार में ही स्मार्ट मीटर के लिए कार्यादेश जारी कर दिए गए और उनके समय ही प्रदेशभर में 5.50 लाख से अधिक स्मार्ट मीटर लगा दिए गए थे।

अशोक गहलोत ने सीएम भजनलाल व हरदीप पुरी से किया सवाल

रिफाइनरी कब होगी शुरू, डेट का जिक्र क्यों नहीं किया ?

जयपुर, 25 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के बालोतरा के पचपदरा क्षेत्र में एचपीसीएल और राजस्थान सरकार की संयुक्त उद्यम कंपनी एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड (एचआरआरएल) की ओर से 9 मिलियन टन वार्षिक क्षमता वाली बीएस-6 मानक की अत्याधुनिक राजस्थान रिफाइनरी के कंट्रोल रूम का उद्घाटन किया गया। उम्मीद की जा रही है कि राजस्थान को जल्द ही मेगा प्रोजेक्ट रिफाइनरी का तोहफा मिलेगा। कांग्रेस के दिग्गज नेता और राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व केन्द्रीय मंत्री हरदीप पुरी पर निशाना साधते हुए रिफाइनरी के उत्पादन को शुरू करने की डेट पर सवाल दागा।

आश्चचर्यजनक चुप्पी जनमानस में पैदा कर रही है संदेह

अशोक गहलोत ने अपने सोशल मीडिया अकांउट X पर सोमवार सुबह लिखा कि भाजपा सरकार ने वर्ष 2025-26 ने बजट घोषणा संख्या 158 में घोषणा की थी कि पचपदरा-बालोतरा स्थिति रिफाइनरी अगस्त, 2025 से उत्पादन शुरू कर देगी। कल मुख्यमंत्री भजनलाल एवं केन्द्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने रिफाइनरी का दौरा किया परन्तु दोनों द्वारा दिए गए बयानों एवं सरकारी प्रेस नोट में रिफाइनरी के उत्पादन को शुरू करने की तारीख का कोई जिक्र ही नहीं किया। यह आश्चचर्यजनक चुप्पी जनमानस में संदेह पैदा कर रही है।...

अशोक गहलोत ने आगे लिखा कि कांग्रेस सरकार के दौरान कोविड के बावजूद रिफाइनरी का काम तेजी से हुआ और 80 फीसद से अधिक काम पूरा किया गया। पहले 2013 से 2018 एवं अब 2023 से भाजपा सरकार की लेटलतीफी के कारण 37,000 करोड़ रुपए की इस परियोजना की लागत लगभग एक लाख करोड़ के पार जा चुकी है।

डबल इंजन की सरकार के बावजूद रिफाइनरी का काम धीमा क्यों चल रहा है?

अशोक गहलोत ने लिखा कि 2013 में जब इस कार्य का शिलान्यास हुआ था तब सरकार बदलने के बाद यदि इसके काम को बन्द नहीं किया गया होता तो इसकी लागत इतनी नहीं बढ़ती। राजस्थान की जनता पूछ रही है कि डबल इंजन की सरकार के बावजूद रिफाइनरी का काम धीमा क्यों चल रहा है?

दिवाली के आस-पास रिफाइनरी शुरू कर देंगे सौगात - हरदीप सिंह पुरी

राजस्थान को जल्द ही मेगा प्रोजेक्ट रिफाइनरी का तोहफा मिलने वाला है। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने संकेत दिए हैं कि इस साल दीपावली के आसपास रिफाइनरी का शुभारंभ किया जा सकता है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार, राज्य सरकार और एचपीसीएल मिलकर इस परियोजना को समय पर पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने जनवरी 2025 में रिफाइनरी का निरीक्षण कर अधिकारियों को इसे इसी साल शुरू करने के निर्देश दिए थे।

एसआरयू यूनिट ने रोक रखी रफ्तार

सूत्रों का कहना है कि दिवाली के आसपास रिफाइनरी शुरू करने का दावा किया जा रहा है, लेकिन रिफाइनरी प्रोजेक्ट का अभी तक 90 फीसदी के आसपास काम पूरा हुआ है। इनमें एक एसआरयू यूनिट का मात्र 68 फीसदी काम पूरा होना बताया जा रहा है। जबकि अन्य यूनिटों में जरूर 90 फीसदी से ज्यादा काम पूरा हो चुका है। रिफाइनरी प्रोजेक्ट में अब तक करीब 3 साल की देरी हो चुकी है।

बाढ़ में फंसे ग्रामीणों के लिए देवदूत बनी सेना

महिलाओं और बच्चों समेत 41 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला

बूँदी, 25 अगस्त (एजेंसियां)। जिले में बाढ़ प्रभावित इलाकों में सेना की त्वरित कार्रवाई ने ग्रामीणों को नई उम्मीद दी है। 17 राजपूताना राइफल्स (सवाईमान) की बाढ़ राहत टुकड़ी खटकड़ के पास बड़ा डांढला कस्बे में पहुंची और तत्काल बचाव अभियान शुरू किया।

जानकारी के अनुसार पिछले 3–4 दिनों से कई ग्रामीण एक छोटे द्वीप पर फंसे हुए थे और भोजन की भारी कमी से जूझ रहे थे। सेना की इंजीनियर टीमों के सहयोग से तीन बचाव दल तैनात किए गए, जिन्होंने महिलाओं और बच्चों सहित कुल 41 ग्रामीणों को सुरक्षित बाहर निकाला। राहत दल ने ग्रामीणों को बाहर निकालने के बाद तुरंत आपातकालीन खाद्य

सामग्री वितरित की और चिकित्सा अधिकारी ने प्राथमिक उपचार भी उपलब्ध कराया।

सफल बचाव अभियान के बाद बूंदी के अपर जिला मजिस्ट्रेट ने राहत टुकड़ी को नए आदेश जारी किए, जिसके तहत टीम को लाखेरी क्षेत्र के लिए रवाना किया गया। प्रशासन के अनुसार लाखेरी में बाढ़ की स्थिति और भी गंभीर है, जहां अतिरिक्त राहत कार्य की आवश्यकता है।

पंचायत चुनाव को लेकर हाईकोर्ट ने पलटा फैसला

एकलपीठ के आदेश पर खंडपीठ ने लगाया स्टे

जयपुर, 25 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ ने पंचायत और निकाय चुनाव शीघ्र कराने के एकलपीठ के 18 अगस्त 2025 के आदेश पर रोक लगा दी है। जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस संजीत पुरोहित की खंडपीठ ने राज्य सरकार की अपील पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। इसके अलावा सरकार के प्रशासकों को हटाने के आदेश पर भी रोक लगा दी थी।

राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता कपिल प्रकाश माथुर और राजेन्द्र प्रसाद ने पक्ष रखा। इस मामले में खंडपीठ ने एकलपीठ के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई की और अंतरिम रोक लगाने का निर्णय लिया।

दरअसल, राजस्थान हाईकोर्ट की एकलपीठ ने 18 अगस्त 2025 को अपने आदेश में राज्य सरकार को ग्राम पंचायतों और शहरी निकायों के चुनाव जल्द कराने का निर्देश दिया था। इस आदेश में यह भी कहा गया था कि जिन ग्राम पंचायतों का कार्यकाल पूरा हो चुका है, उनके लिए शीघ्र चुनाव कराए जाएं। साथ ही, एकलपीठ ने याचिका दायर करने वाले पूर्व सरपंचों को प्रशासक के रूप में बहाल करने का आदेश दिया था।

इस फैसले को राज्य सरकार ने खंडपीठ में चुनौती दी, जिसमें सरकार ने तर्क दिया कि याचिका दायर करने वालों को प्रशासक बने रहने का कोई वैधानिक अधिकार नहीं है। सरकार ने एकलपीठ के आदेश को रद्द करने की मांग की, जिसके बाद खंडपीठ ने इस पर रोक लगा दी।

राज्य सरकार ने अपनी अपील में कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान पंचायत चुनाव तीन चरणों में हुए थे, जिसके कारण विभिन्न पंचायतों का कार्यकाल अलग-अलग समय पर पूरा हो रहा है। इस स्थिति को व्यवस्थित करने के लिए सरकार सभी पंचायतों के चुनाव एक साथ कराने की योजना बना रही है। इसके लिए सरकार ने पूर्व सरपंचों को अस्थाई प्रशासक नियुक्त किया था।

हालांकि, कुछ पूर्व सरपंचों को उनके कार्यकाल के दौरान प्राप्त शिकायतों के आधार पर हटा दिया गया था। सरकार का कहना है कि इन पूर्व सरपंचों को हटाने से उन्हें कोई विधिक नुकसान नहीं हुआ है। हाईकोर्ट की खंडपीठ ने इस मामले में सुनवाई पूरी कर ली है और फैसला बाद में सुनाने का निर्णय लिया है। इससे पहले, एक अन्य खंडपीठ ने इस अपील पर शुक्रवार को सुनवाई टाल दी थी।

उदयपुर में कुंवारी माइंस के गड्ढे में भरे पानी में डूबे चार बच्चे

सभी की मौत, पसरा मातम

उउदयपुर, 25 अगस्त (एजेंसियां)। उदयपुर के डबोक पुलिस थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक हादसा हो गया। मंदेरिया गांव स्थित कुंवारी माइंस के गड्ढे में भरे पानी में डूबने से चार मासूम बच्चों की मौत हो गई। मृतकों में एक बच्ची भी शामिल हैं। ग्रामीणों के अनुसार, बारिश के बाद माइंस में पानी भर जाता है, वहां सुरक्षा के इंतजाम नहीं हैं। इसी लापरवाही के चलते यह हादसा हुआ।

बच्चे बकरियां चराने के लिए घर से निकले थे। इस दौरान वे माइंस में बने जलभराव में नहाने लगे। गहरे पानी में जाने से वे उसमें डूब गए। घटना की जानकारी लगते ही गांव में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची डबोक थाना पुलिस और ग्रामीणों की मदद से चारों बच्चों के शव बाहर निकाले गए। मृतकों की पहचान लक्ष्मी गमेती (14), भावेश (14), राहुल (12) और शंकर (13) के रूप में हुई है। सभी एक ही गांव के रहने वाले बताए गए हैं।

इस हादसे के बाद ग्रामीणों में गुस्सा है। लोगों का कहना है कि माइंस कंपनी की ओर से सुरक्षा बैरिकेड, चेतावनी बोर्ड या निगरानी का कोई इंतजाम नहीं है। बारिश में माइंस तालाब का रूप ले लेती है। इस कारण हादसे हो जाते हैं। एएसआई मनोहर सिंह देवड़ा ने बताया कि बच्चे मासूमियत में गहरे पानी में चले गए थे, जिससे डूबने से उनकी मौत हो गई।

संजय दत्त ने सीएम भजनलाल से की मुलाकात

राधे-राधे लिखे दुपट्टे से हुआ स्वागत; इन मुद्दों पर हुई चर्चा

जयपुर, 25 अगस्त (एजेंसियां)। बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता संजय दत्त मुंबई से जयपुर पहुंचे और राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से उनके निवास सीएमआर पर शिष्टाचार भेंट की। इस मुलाकात के दौरान दोनों के बीच राजस्थान में बॉलीवुड फिल्मों की शूटिंग को बढ़ावा देने, फिल्म सिटी के निर्माण और आगामी फिल्म पॉलिसी को लेकर गहन चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री ने संजय दत्त का स्वागत राधे-राधे लिखे दुपट्टे से किया और इस मुलाकात को सोशल मीडिया पर शिष्टाचार भेंट के रूप में साझा किया।

संजय दत्त और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मुलाकात का मुख्य उद्देश्य राजस्थान को बॉलीवुड फिल्मों के लिए एक आकर्षक डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित करना

बताया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, इस दौरान राज्य में फिल्म सिटी के निर्माण को लेकर विचार-विमर्श हुआ। राजस्थान सरकार लंबे समय से एक ऐसी फिल्म सिटी स्थापित करने की योजना पर काम कर रही है, जो न केवल स्थानीय कलाकारों को अवसर प्रदान करे, बल्कि बॉलीवुड और अंतरराष्ट्रीय फिल्म निर्माताओं को भी आकर्षित करे।

इसके अलावा नई फिल्म पॉलिसी को अंतिम रूप देने पर भी चर्चा हुई, जो जल्द ही लॉन्च होने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने संजय दत्त के साथ अपनी मुलाकात को सकारात्मक बताया और कहा कि राजस्थान की समृद्ध संस्कृति और प्राकृतिक सौंदर्य को सिनेमा के माध्यम से दुनिया तक पहुंचाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। संजय दत्त ने भी राजस्थान की मेजबानी और मुख्यमंत्री के उत्साह की सराहना की।

मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद संजय दत्त अपने पुराने मित्र और जयपुर के मशहूर फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर राज बंसल के घर पहुंचे। राज बंसल ने बताया कि संजय दत्त विशेष रूप से मुख्यमंत्री से मिलने जयपुर आए थे। मुलाकात के बाद उन्होंने बंसल परिवार के साथ कुछ समय बिताया और उनकी पोती के साथ भी बातचीत की।

जयपुर में गोपालपुरा पुलिया के पास पकड़े गए 2 लेपर्ड

एमएनआईटी के पास घूम रही मादा लेपर्ड की तलाश जारी

जयपुर, 25 अगस्त (एजेंसियां)। वन विभाग की टीम आखिरकार गोपालपुरा पुलिया के पास स्थित एक फैक्ट्री और एमएनआईटी में घूम रहे दो लेपर्ड को पकड़ने में सफल रही। फैक्ट्री में लेपर्ड को ट्रेंकुलाइज कर काबू किया और इसके बाद उसे बालाजी नर्सरी ले जाया गया।

वहीं, देर रात एक और नर लेपर्ड एमएनआईटी में पिंजरे में आ गया। क्षेत्रीय वन अधिकारी जितेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि गुरुवार शाम को फैक्ट्री परिसर में लेपर्ड दिखने की सूचना मिली थी। इसके बाद से ही सर्च अभियान चलाया गया।

मादा लेपर्ड 'पूजा' एमएनआईटी में मौजूद

पहले आशंका थी कि यह मादा लेपर्ड 'पूजा' या उसकी शावक हो सकती है, लेकिन ट्रेंकुलाइज के बाद स्पष्ट हुआ कि यह नर शावक है। वहीं, माना जा रहा है कि मादा लेपर्ड 'पूजा' अब भी एमएनआईटी परिसर में मौजूद है।

पकड़ने के लिए पिंजरे लगाए

उसे पकड़ने के लिए वहां चार पिंजरे लगाए गए हैं, जिसमें से एक में नर लेपर्ड आ गया। टीम में एसीएफ देवेंद्र राठौड़, वन्यजीव चिकित्सक डॉ. अरविंद माथुर,

2 दिन बंद रहेंगी नॉनवेज व अंडे की दुकानें

बूचड़खाने भी नहीं खुलेंगे

जयपुर, 25 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में नॉनवेज खाने के शौकीनों को आने वाले दिनों में दो दिन तक इंतजार करना पड़ेगा। राज्य सरकार ने सोमवार को आदेश जारी कर बताया कि 28 अगस्त को पर्युषण पर्व और 6 सितंबर (शनिवार) को अनंत चतुर्दशी के अवसर पर पूरे प्रदेश में नॉनवेज की दुकानें और बूचड़खाने पूरी तरह से बंद रहेंगे। पहली बार सरकार ने इस आदेश में अंडे बेचने वालों को भी शामिल किया है। यानी अब इन दोनों दिनों में न केवल मटन-चिकन या कच्चे मांस की दुकानें बंद रहेंगी, बल्कि अंडे बेचने वाले ठेले और होटल-ढाबे भी अंडे नहीं बेच पाएंगे।

अब तक सिर्फ बूचड़ खाने और मांस की दुकानों पर रहती थी रोक

प्रदेश में लंबे समय से इन धार्मिक पर्वों पर बूचड़खाने और मांस बेचने वाली दुकानों को बंद रखा जाता रहा है। खासकर जैन समाज और अन्य धार्मिक संगठनों की मांग पर सरकार हर साल यह आदेश जारी करती रही है। लेकिन अबकी बार अंतर सिर्फ इतना है कि अंडे बेचने वालों को भी इस आदेश में शामिल किया गया है। स्वायत्त शासन विभाग ने साफ किया है कि इन दोनों तारीखों पर किसी भी तरह से नॉनवेज की बिक्री, काटने, पकाने या परोसने की अनुमति नहीं दी जाएगी। आदेश की अवहेलना करने पर नगर निगम और स्थानीय प्रशासन कार्रवाई करेगा।

धार्मिक संगठनों की मांग पर लिया गया फैसला

जैन समाज और कुछ अन्य धार्मिक संगठनों ने राज्य सरकार से गुहार लगाई थी कि जब धार्मिक पर्व पर जीव हत्या रोकने के लिए बूचड़खाने और मांस की दुकानें बंद कराई जाती हैं तो अंडे बेचने पर भी प्रतिबंध लगाया जाए। धार्मिक संगठनों का कहना था कि अंडा भी जीव के रूप में ही गिना जाता है, इसलिए इसे भी नॉनवेज श्रेणी में मानते हुए रोक लगनी चाहिए। सरकार ने इस बार उनकी मांग को मान लिया और आदेश में पहली बार अंडे की बिक्री पर भी प्रतिबंध शामिल कर दिया है।

जयपुर में हजार से ज्यादा अंडे बेचने वाले ठेले

नगर निगम जयपुर हेरिटेज और ग्रेटर के मुताबिक शहर में करीब एक हजार से ज्यादा ठेले और छोटी दुकानें हैं, जहां अंडा पकाकर बेचने का काम होता है। इसके अलावा कई होटलों और ढाबों में भी अंडा आधारित व्यंजन परोसे जाते हैं। आदेश के बाद सभी को इन दोनों दिनों में अपने-अपने कारोबार बंद रखने होंगे। स्थानीय प्रशासन का कहना है कि आदेश का सख्ती से पालन कराया जाएगा और अगर कोई दुकान या ठेला खुला पाया गया तो उस पर जुर्माना और कार्रवाई की जाएगी।

कारोबारियों में असमंजस, लेकिन आदेश मानने की तैयारी

सरकार के इस आदेश के बाद नॉनवेज कारोबारियों और अंडा बेचने वालों में हलचल है। कई ठेले वालों का कहना है कि वे रोजाना की कमाई पर निर्भर रहते हैं, ऐसे में दो दिन की रोक से नुकसान होगा। वहीं होटल और रेस्टोरेंट संचालकों का कहना है कि आदेश का पालन करना उनकी मजबूरी है। हालांकि कई कारोबारी मानते हैं कि यह रोक सालभर में सिर्फ दो दिन के लिए है, इसलिए धार्मिक आस्थाओं का सम्मान करते हुए इसे मान लेना ही सही है।

आदेश का असर पूरे प्रदेश में

यह आदेश केवल जयपुर तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरे राजस्थान में लागू होगा। चाहे वह बूचड़खाने हों, मटन-चिकन की दुकानें, या फिर अंडे बेचने वाले ठेले—सभी को इन दोनों दिनों में पूरी तरह से बंद रखना होगा।

चेतावनी को अनसुना कर तेज बहाव में उतारी कार

कालीसिंध नदी में बहे चार युवक, दो के शव मिले

झालावाड़, 25 अगस्त (एजेंसियां)। जिले के गागरोन स्थित चगेरी पुलिया पर बड़ा हादसा हो गया। कालीसिंध नदी पर पुलिया पर पानी भरा होने के बावजूद कार सवार चार युवक कार निकालने लगे। स्थानीय लोगों ने उन्हें रोकने की कोशिश की और समझाया कि पुलिया पर पानी का बहाव तेज है, लेकिन युवकों ने उनकी बात अनसुनी कर दी।

जानकारी के मुताबिक कार सवार युवक पुलिया पर रुककर फोटो भी खींच रहे थे। इसी दौरान बीच पुलिया पर पानी का बहाव और तेज हो गया और कार सहित चारों युवक नदी में बह गए। घटना की सूचना मिलते ही मडावर पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। अब तक दो युवकों के शव बरामद हो चुके हैं, जिनकी पहचान गंगानगर निवासी नीरज सिंह और सुकेत के कुदायला निवासी हरिबल्लभ के रूप में हुई है। दोनों शवों को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है।

वहीं दो अन्य युवकों सांभर लेक निवासी शिक्षक वेणुगोपाल और चालक लेखराज की तलाश एसडीआरएफ की टीम द्वारा नदी में रेस्क्यू ऑपरेशन के जरिए लगातार की जा रही है।

बताया जा रहा है कि मृतक और लापता युवक गंगानगर से गागरोन की ओर आए थे और कोलाना एयरपोर्ट की तरफ कार से नदी पार कर रहे थे। बारिश के कारण नदी ऊफान पर थी और पुलिया पर करीब डेढ़ फीट से ज्यादा पानी बह रहा था। स्थानीय लोगों ने बार-बार उन्हें रोकने का प्रयास किया लेकिन युवकों ने अनसुना कर दिया और यह हादसा हो गया।

दक्षिण मध्य रेलवे के ग्यारह कर्मचारियों को 'माह का सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी' सुरक्षा पुरस्कार

महाप्रबंधक ने रेल संचालन की सुरक्षा पर एक विस्तृत समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने सोमवार को रेल निलयम, सिकंदराबाद में आयोजित सुरक्षा समीक्षा बैठक के दौरान ग्यारह कर्मचारियों को जुलाई, 2025 माह के लिए "माह का सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी" सुरक्षा पुरस्कार प्रदान किए। माह का सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी पुरस्कार उन कर्मचारियों को दिया जाता है जिन्होंने अपने कर्तव्य के प्रति समर्पण दिखाया है और असुरक्षित परिस्थितियों को रोकने में सतर्कता बनाए रखी है।

सत्य प्रकाश, अपर महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे ने सभी प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ बैठक में भाग लिया। सभी छह मंडलों अर्थात् सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंतकल, गुंटूर और नांदेड़ के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से समीक्षा बैठक में शामिल हुए। महाप्रबंधक ने हैदराबाद मंडल-2, गुंटूर मंडल-4, विजयवाड़ा मंडल-4 और गुंटकल मंडल-1 के कर्मचारियों को "माह का सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी" सुरक्षा पुरस्कार प्रदान किए। ये कर्मचारी विभिन्न सुरक्षा श्रेणियों जैसे लोको पायलट, पॉइंट्स वुमन, गेटमैन और ट्रेन मैनेजर आदि से संबंधित हैं। महाप्रबंधक ने पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और अपने कर्तव्यों का पूरी निष्ठा से निर्वहन करने के लिए उनकी सराहना की। उन्होंने कहा कि ये पुरस्कार अन्य कर्मचारियों को और अधिक सतर्क रहने और ट्रेन संचालन में सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ईमानदारी से काम करने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित करेंगे।

संजय कुमार श्रीवास्तव ने अमृत भारत स्टेशन योजना (एबीएसएस) के तहत क्षेत्र में किए जा रहे स्टेशन पुनर्विकास कार्यों के क्रियान्वयन में सख्ती से पालन किए जाने वाले सुरक्षा प्रोटोकॉल की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने डीआरएम को पुनर्विकास कार्यों से जुड़े सुरक्षा नियमों को दोहराने का निर्देश दिया ताकि ट्रेनों में चढ़ते और स्टेशन परिसर से रवाना होते समय यात्रियों की अधिक सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने अधिकारियों को मानसून के दौरान और अधिक सतर्क रहने का निर्देश दिया और स्टेशन परिसर में भारी सामग्री ले जाने वाले वाहनों और क्रेनों की आवाजाही सहित निर्माण गतिविधियों में सभी सुरक्षा उपाय करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान, संजय कुमार ने पूरे जोन में लेवल क्रॉसिंग (एलसी) फाटकों पर बरती जा रही सुरक्षा सावधानियों की समीक्षा की। उन्होंने चिन्हित संवेदनशील लेवल क्रॉसिंग फाटकों पर विशेष जोर दिया और अधिकारियों को नियमित निरीक्षण करने, कर्मचारियों को परामर्श देने और सभी सुरक्षा प्रक्रियाओं का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

संगारेड्डी श्री आईमाताजी मंदिर (बडेर) में धूम-धाम से मनाया बीज महोत्सव

डॉ. ओम मुंडेल द्वारा भजनों की धुन पर देर रात तक नाचगाना करते हुए भक्तगण

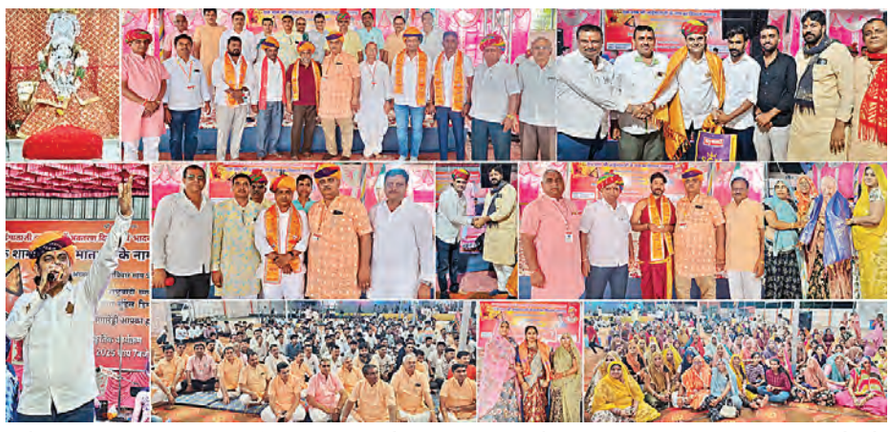

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी श्री आई माताजी मंदिर (बडेर) में ग्यारहवां वार्षिकोत्सव व श्री आई माताजी का 610वें अवतरण दिवस सीरवी समाज बन्धुओं के सानिध्य में मनाया गया। जारी प्रेस विज्ञप्ति में अध्यक्ष रूगाराम परिहारिया व सचिव घिसाराम काग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार हर वर्ष की भांति समाज बन्धुओं के सानिध्य में दो दिवसीय भादवा सुदी बीज महोत्सव धूम-धाम से मनाया गया। भादवा सुदी एकम रविवार 24 अगस्त सायं 6.15 बजे से 7.30 बजे तक महिला मंडल एवं बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम रहा। शाम 7:31 बजे से भोजन प्रसाद एंव रात्री 9.15 बजे से विशाल जागरण में गणेश वंदना व आई माँ की पूजा-अर्चना कर भजन सम्राट ओम मुंडेल डिगरना एण्ड पार्टी द्वारा माई के चरणों मे भजनों के पुष्प अर्पित किए।

सोमवार 25 अगस्त को प्रात: शुभ वेला में बडेर के पदाधिकारी व कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा पटट्वार खोलकर माँ आई जी पूजा अर्चना की। अवसर पर कोषाध्यक्ष मोहनलाल चोयल, लिखमाराम शानपुरा एंव पदाधिकारियों द्वारा अपने विचार व्यक्त किया। अवसर पर अध्यक्ष रूगाराम परिहारिया की अध्यक्षता में पधारे अतिथियों का कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा स्वागत किया। पधारे पूर्व विधायक जगारेड्डी ने सभी समाज बन्धुओं को बीज महोत्सव की बधाई शुभकामनाएं दी। पधारे हुए सभी भक्तों के लिए भोजन महाप्रसाद की मंदिर प्रांगण में आयोजन किया। अवसर पर अध्यक्ष रूगाराम परिहारिया, सचिव घिसाराम काग, सूचना मंत्री मल्लाराम बर्फा, महिला मंडली अध्यक्षा हंजा देवी परिहारिया, सचिव पोकरी देवी सोलंकी पदाधिकारी व कार्यकारिणी समिति के सभी सदस्यगण उपस्थित रहकर भक्तों की सेवा में हाथ बढ़ाया।

बाबा रामदेव की पैदल यात्रा निकाली गई

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। रामदेव सेवा समिति कोत्तुर के तत्वावधान में भादवा सुदी दूज को बाबा रामदेव शिवरापल्ली 18वीं पैदल यात्रा का आयोजन किया गया। कोत्तुर से शिवरापल्ली रामदेवरा तक पैदल यात्रा निकाली गई। इस यात्रा मे बडी संख्या में बाबा के भक्तों ने भाग लिया। कोत्तुर से सुबह बाबा की आरती करके चाय नाश्ते के साथ यात्रा प्रारंभ की। रास्ते में जगह जगह भक्तों का स्वागत हुआ। इस यात्रा मे कोत्तुर से सज्जन सांखला, अरविन्द सांखला, शंकर दाधीच, निर्मल दाधीच, मनोज वैष्णव मुरलीधर शर्मा, हीरालाल शर्मा, कालूराम गोदारा, पवन शर्मा, अशोक पटेल, पवन शर्मा, भँवरलाल गोड, ओमप्रकाश देवासी, सरवन शर्मा, हनुमान गोड, ताराचंद शर्मा, सुनील खण्डेलवाल, पंकज कुमार, हुक्मीचन्द गहलोत, सुनिल गहलोत, चेतन शर्मा, मूलाराम गोदारा, दिनेश शर्मा, नरेंद्र शर्मा आदि ने भाग लिया।

सीरवी विकास मण्डल मल्लापुर में बीज महोत्सव सम्पन्न

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मल्लापुर स्थित श्री आईमाताजी मंदिर में श्री आईमाँ के 610वें अवतरण दिवस व 9वां वार्षिकोत्सव दो दिवसीय कार्यक्रम के तहत भादवा सुदी बीज महोत्सव भव्य रूप से आयोजित किया गया।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में समाज के अध्यक्ष तुलसाराम सिन्दडा, सचिव ओकाराम ने बताया कि रविवार 24 अगस्त भादवा सुदी एकम आईमाताजी के मंदिर को पुष्प माला व लाइटिंग से सजाकर श्री आईजी का विशेष श्रृंगार किया गया। सायं 4 बजे से महिला- मंडल द्वारा विशेष रंगारंग- सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें समाज के बच्चों ने नाचते-गाते हुए समाज बन्धुओं का भरपूर मनोरंजन किया। सायं 7 बजे से पूजा-अर्चना, साँची ज्योत प्रज्वलितकर, महाआरती के पश्चात् जागरण का आयोजन किया गया।

जिसमे श्री आईमाता भजन मंडली ने आई माँ के चरणों में भजनों के पुष्प अर्पित किये। सोमवार 25 अगस्त भादवा सुदी बीज प्रातः वेला में समाज बन्धुओं ने श्री आईमाताजी के चरणों मे श्रद्धा के पुष्प व श्रीफल भेंट करते हुए दर्शन व प्रसाद का लाभ लिया। कार्यक्रम में पधारे सम्मानित अतिथियों व समाज बन्धुओं का विशेष सम्मान किया गया। कोषाध्यक्ष नेमीचन्द्र हाम्बड़ ने आय व्याय का लेखा जोखा प्रस्तुत किया।

पधारे समाज बन्धुओं के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की गयी। जिसमें समाज बन्धुओं ने सपरिवार पधारकर लाभ लिया।

महिला मंडल अध्यक्ष पार्वती देवी पंवार महिला मंडल सचिव कविता चोयल ने भादवी बीज की शुभकामनाएं दी। अध्यक्ष तुलसाराम सिन्दडा ने समाज बन्धुओं को बीज महोत्सव की शुभकामनाएं दी। सचिव ओकाराम पंवार, सह सचिव सुरेश सैणचा के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन हुआ।

मनीकोण्डा नारसिंगी सीरवी समाज का बीज महोत्सव सम्पन

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मनिकोण्डा स्थित सीरवी समाज की आस्था के केंद्र मल्लाना में श्री आई मां का 610वां अवतरण दिवस व दूसरा वार्षिकोत्सव आयोजित किया गया।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में समाज अध्यक्ष बाबूलाल भायल व सचिव मोतीलाल मादावत ने बताया कि रविवार को माता का विशेष श्रृंगार किया गया। समाज के बाल कलाकारों द्वारा विशेष रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। रात्रि में पूजा-अर्चना, सांची ज्योत प्रज्वलित कर महाआरती के पश्चात जागरण का आयोजन किया गया, जिसमें भेराराम सैणचा एण्ड पार्टी ने भजनों के पुष्प अर्पित किये। रविवार 24 को समाज बन्धुओं ने आईमाताजी के चरणों में श्रद्धा के पुष्प व श्रीफल भेंटकर महाप्रसादी का सपरिवार लाभ लिया। अवसर पर अध्यक्ष बाबूलाल भायल ने समाज बंधुओ को बीज महोत्सव की बधाई देते हुए आभार प्रकट किया। साथ ही बडेर प्रांगण में भव्य मंदिर भूमि का कार्य समाज बंधुओं के सहयोग से अतिशीघ्र कराने का भरोसा दिलाया।

समस्त कार्यकारिणी सदस्य व समाज बन्धु उपस्थित रहे। समाज बन्धु मंच का संचालन सचिव मोतीलाल मादावत ने किया। अध्यक्ष बाबूलाल भायल के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन हुआ।

पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर मानकों पर कैप्सूल कोर्स प्रशिक्षण का आयोजन

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), हैदराबाद शाखा कार्यालय द्वारा पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर (आईएस 14543) के निर्माताओं एवं लाइसेंसधारकों के गुणवत्ता परीक्षण कर्मियों हेतु दो दिवसीय कैप्सूल कोर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती टी. सुजाता, निदेशक, बीआईएस हैदराबाद ने की। इस प्रशिक्षण में विभिन्न पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर निर्माण इकाइयों से 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

पहले दिन का कार्यक्रम जीआईए कॉन्फ्रेंस हॉल, जीडीमेटला में आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिभागियों को पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर के भारतीय मानक की धाराओं की विस्तार से जानकारी दी गई तथा संबंधित परीक्षण विधियों को समझाया गया।

दूसरे दिन प्रतिभागियों को सिप्रा प्रयोगशाला ले जाया गया, जहां अधिकारियों ने परीक्षण की प्रक्रियाओं, प्रयोग किए जाने वाले मानकों, सटीक परिणाम प्राप्त करने की विधियों तथा गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उपायों के बारे में विस्तार से बताया। यह कैप्सूल कोर्स प्रशिक्षण, बीआईएस द्वारा निरंतर चलाए जाने वाले कार्यक्रमों का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य उद्योग कर्मियों को भारतीय मानकों की गहन जानकारी प्रदान करना तथा उनके व्यावहारिक क्रियान्वयन पर प्रशिक्षित करना है, ताकि पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर निर्माण में गुणवत्ता एवं सुरक्षा को सुदृढ़ किया जा सके।

सीरवी समाज ट्रस्ट जवाहरनगर का भादवा सुदी बीज महोत्सव सम्पन्न

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जवाहरनगर बालाजी नगर स्थित श्री आईमाताजी मंदिर में श्री आईमाँ के 610वें अवतरण दिवस व 9वां वार्षिकोत्सव दो दिवसीय कार्यक्रम के तहत भादवा सुदी बीज महोत्सव आयोजित किया गया।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में समाज के अध्यक्ष जयराम पँवार व सचिव-हिरालाल चोयल ने बताया भादवा सुदी एकम् आईमाताजी के मंदिर को पुष्प माला व लाइटिंग से सजाकर श्री आईजी का विशेष श्रृंगार किया गया। रविवार रात्रि 9.15 बजे से पूजा-अर्चना, साँची ज्योत प्रज्वलित कर, महाआरती के पश्चात् जागरण का आयोजन किया गया। जिसमे में हजारी नाथ धनला पाली राजस्थान ने आई माँ के चरणों में भजनों के पुष्प अर्पित किये। जागरण के मध्य बोलियों का विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। सोमवार 25 अगस्त भादवा सुदी बीज प्रातः वेला में समाज बन्धुओं ने श्री आईमाताजी के चरणों मे श्रद्धा के पुष्प व श्रीफल भेंट करते हुए दर्शन व प्रसाद का लाभ लिया। सोमवार प्रातः 10 बजे से महिला मंडल द्वारा विशेष रंगारंग- सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें समाज के नन्हे-मुन्हें बच्चों ने नाचते-गाते हुए समाज बन्धुओं का भरपूर मनोरंजन किया। कार्यक्रम में पधारे सम्मानित अतिथियों व बोलियां लेने वाले समाज बन्धुओं का विशेष सम्मान किया गया। कोषाध्यक्ष नरेश कुमार सोलंकी ने आय व्याय का लेखा जोखा प्रस्तुत किया। पधारे समाज बन्धुओं के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की गयी। जिसमें समाज बन्धुओं ने सपरिवार पधारकर लाभ लिया। अध्यक्ष जयराम पंवार ने समाज बन्धुओं को बीज महोत्सव की शुभकामनाएं दी। सचिव हीरालाल चोयल बीज महोत्सव पर बधाई एवं शुभकामनाएं व धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन हुआ।

आईलापुर-बिरमगुड़ा श्री आईमाताजी मंदिर (बडेर) में बीज महोत्सव संपन्न

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बिरमगुड़ा-आईलापुर श्री आई माताजी मंदिर (बडेर) में श्री आई माताजी का 610वें अवतरण समारोह एंव पांचवा वार्षिक महोत्सव बड़े धूमधाम से मनाया गया। जारी प्रेस विज्ञप्ति में अध्यक्ष कन्हैयालाल बर्फा व उपाध्यक्ष राकेश चोयल द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार हर वर्ष की भांति समाज बन्धुओ के सानिध्य में दो दिवसीय भादवा सुदी बीज महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। रविवार 24 अगस्त को सायं 6.15 बजे से 7.30 बजे तक महिला मंडल एवं बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम रखा गया। शाम 7:31 बजे से भोजन प्रसाद एंव रात्री 9.15 बजे से भव्य विशाल जागरण में भजन सम्राट मिश्रीलाल गहलौत एण्ड पार्टी द्वारा गणेश वंदना व आई माँ की पूजा-अर्चना कर माई के चरणों मे भजनों के पुष्प अर्पित किए। भजनों के दौरान बोलियां का कार्यक्रम रहा। अवसर पर अध्यक्ष कन्हैयालाल बर्फा व उपाध्यक्ष राकेश चोयल की अध्यक्षता मे पधारे हुए सम्मानित अतिथियों का स्वागत समाज बन्धुओं कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा किया। सोमवार 25 अगस्त को प्रात: शुभ वेला में पटट्वार बोली के लाभार्थी अध्यक्ष कन्हैयालाल बर्फा, श्रंगार के लाभार्थी मोहनलाल भायल, अखंड ज्योति के लाभार्थी रामलाल हाम्बड, माताजी को भोग लगाने के लाभार्थी राकेश चोयल माताजी को आरती के लाभार्थी राजुराम बर्फा ने परिवार सहित माँ आई जी पूजा अर्चना की। कोषाध्यक्ष मल्लाराम सोलंकी, सचिव मोहनलाल भायल द्वारा सभा को सम्बोधन कर समाज मे किये गये विकासशील कार्यो का विवरण एवं धन्यवाद प्रस्ताव किया। अध्यक्ष द्वारा सम्बोधन में सभी समाज बन्धुओं को बीज महोत्सव की बधाई शुभकामनाएं दी और दोपहर 12:31 बजे से भोजन महाप्रसाद का आयोजन मंदिर प्रांगण में किया गया। अवसर पर पदाधिकारी व कार्यकारिणी समिति के सभी सदस्य उपस्थित रहकर भक्तों की सेवा में हाथ बढ़ाया। अवसर पर मोहनलाल भायल, बाबूलाल मूलेवा, कुनाराम सोलंकी, माणकचंद गहलौत, मल्लाराम सोलंकी, दिनेश काग, बुदाराम काग, मोहनलाल परिहार, रामलाल हाम्बड, चुत्राराम बर्फा, पूनमचंद सेपटा एंव अन्य समाज बधुगण ने अपनी सेवाएं दी।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

मुख्यमंत्री को गणेश नवरात्रि समारोह के लिए आमंत्रित किया गया

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। विधायक दानम नागेंद्र की अध्यक्षता वाली खैरताबाद गणेश अद्-हक समिति ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को श्री विश्वशांति महाशक्ति गणपति-2025 नवरात्रि समारोह में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है। सोमवार को, खैरताबाद गणेश अद्-हक समिति के सदस्यों ने मुख्यमंत्री से जुबली हिल्स स्थित उनके आवास पर मुलाकात की और उन्हें निमंत्रण दिया। इसी तरह, बालापुर गणेश उत्सव समिति ने भी गणेश नवरात्रि समारोह के लिए अपना निमंत्रण देने के लिए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से उनके जुबली हिल्स स्थित आवास पर मुलाकात की। बैठक में बडंगपेट निगम के पूर्व महापौर पारिजात नरसिम्हा रेड्डी, बालापुर गणेश उत्सव समिति के अध्यक्ष निरंजन रेड्डी और कई अन्य लोग शामिल हुए।

ऑपरेशन चक्र-IV ...

और उनका पैसा खतरे में है। उन्होंने डरा और गुमराह करके पीड़ितों से करीब 40 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 330 करोड़ रुपये) की रकम अपने नियंत्रित वाले क्रिप्टोकरेंसी वॉलेट्स में ट्रांसफर करवा ली।

सीबीआई के इंटरनेशनल ऑपरेशन डिवीजन ने 18 अगस्त को मामला दर्ज किया और जांच शुरू की। सीबीआई ने आरोपियों से जुड़े कई स्थानों पर व्यापक तलाशी अभियान चलाया, जिसके परिणामस्वरूप महत्वपूर्ण अपराधी साक्ष्य प्राप्त हुए।

पीएम नरेंद्र मोदी ...

पीएम मोदी वीरमगाम-खुदाद-रामपुरा सड़क के चौड़ीकरण का उद्घाटन करेंगे। वह अहमदाबाद-मेहसाणा-पालनपुर मार्ग पर छह लेन वाले वाहन अंडरपास और अहमदाबाद-वीरमगाम मार्ग पर रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण की आधारशिला भी रखेंगे। सरकार के इन पहलों से इस क्षेत्र में औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलेगा, परिवहन दक्षता में सुधार होगा और आर्थिक अवसर बढ़ेंगे। राज्य में विद्युत क्षेत्र को एक बड़ा बढ़ावा देते हुए पीए मोदी उत्तर गुजरात विज कंपनी लिमिटेड (यूजीवीसीएल) के अंतर्गत अहमदाबाद, मेहसाणा और गांधीनगर में विद्युत वितरण परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे।

पीएम मोदी प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के स्व-स्थाने स्लम पुनर्वास घटक के अंतर्गत रामापीर नें टेकरो के सेक्टर-3 में स्लम विकास परियोजना का उद्घाटन करेंगे। वह अहमदाबाद के आसपास सरदार पटेल रिंग रोड पर यातायात सुगम बनाने और कनेक्टिविटी में सुधार के लिए की जा रही प्रमुख सड़क चौड़ीकरण परियोजनाओं का भी शिलान्यास करेंगे। साथ ही वह जल एवं सीवरेज प्रबंधन प्रणालियों को सुदृढ़ करने के लिए प्रमुख शहरी अवसंरचना परियोजनाओं की आधारशिला भी रखेंगे।

अपने ही कानून ...

इस जंगल का उपयोग लंबे समय से मवेशियों की चारागाह, श्मशान स्थल, खलिहान और स्कूलों, स्वास्थ्य केंद्रों व अन्य ग्रामीण बुनियादी ढांचों के लिए किया जाता रहा है। हालांकि जुडपी के जंगलों का पारिस्थितिक महत्व है।

उच्चतम न्यायालय ने अपने ऐतिहासिक दिसंबर 1996 के टी.एन. गोदावर्मन फैसले में कहा था कि सरकारी अभिलेखों में वन के रूप में दर्ज कोई भी भूमि, चाहे उसकी गुणवत्ता या स्वामित्व कुछ भी हो, वन (संरक्षण) अधिनियम के अंतर्गत आएगी।

इससे जुडपी के जंगल सख्त वन संरक्षण कानूनों के दायरे में आ गए। इस महीने की शुरूआत में दायर महाराष्ट्र सरकार के हलफनामे में कहा, राज्य ने अदालत से यह घोषित करने का आग्रह किया है कि वन प्रबंधन के लिए अनुपयुक्त जुडपी की 86409 हेक्टेयर भूमि वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 के दायरे में नहीं आती है और 12 दिसंबर, 1996 के आदेशों के प्रावधानों को भी लागू नहीं करती है।

जामबाग के पार्षद राकेश जयसवाल ने आज हिंदी नगर दुर्गा मंदिर जामबाग प्रभाग में मिट्टी से बनी पर्यावरण अनुकूल गणेश मूर्तियों का नि:शुल्क वितरण किया। अवसर पर श्रीनिवास यादव, अमरसिंह, रघु कामले, संदीप, जगपति, राजू कार्यक्रम में शामिल हुए।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

बीसीसीआई ने की ड्रीम 11 से करार खत्म होने की पुष्टि

एशिया कप 2025 से पहले नए 'स्पॉनसर' की खोज जारी

मुंबई, 25 अगस्त (एजेंसियां)। फैंटेसी स्पोर्ट्स कंपनी ड्रीम11 के साथ भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) का नाता खत्म हो गया है। इसकी पुष्टि सोमवार को बोर्ड के सचिव देवजीत सैकिया ने की है। अब बीसीसीआई नए लीड स्पॉन्सर की तलाश पर विचार-विमर्श कर रहा है। हालांकि एशिया कप से पहले इसका मिलना मुश्किल है।

फैंटेसी स्पोर्ट्स कंपनी ड्रीम11 अब भारतीय क्रिकेट टीम की टाइटल प्रायोजक नहीं है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा है कि अब बोर्ड नए प्रायोजक की तलाश में है। हालांकि, अगले महीने शुरू होने जा रहे एशिया कप 2025 से पहले नया प्रायोजक मिलना मुश्किल माना जा रहा है।

दरअसल हाल ही में पारित 'ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन एवं विनियमन विधेयक, 2025' के तहत सरकार ने रियल मनी

आधारित गेमिंग पर प्रतिबंध लगाया है। ड्रीम11 का मुख्य कारोबार इसी श्रेणी में आता है। ऐसे में बीसीसीआई और ड्रीम11 के बीच का प्रायोजन करार अपने आप खत्म हो गया।

बीसीसीआई ने की पुष्टि

बीसीसीआई सचिव देवाजीत सैकिया ने पीटीआई से कहा है कि 'नए नियम के तहत अब ड्रीम11 या किसी अन्य रियल मनी गेमिंग कंपनी के साथ प्रायोजन संभव नहीं है। हमारा रुख स्पष्ट है और हम दूसरे विकल्प तलाश रहे हैं।"

ड्रीम11 के साथ था 358 करोड़ रुपये का करार

ड्रीम11 ने भारतीय क्रिकेट टीम के टाइटल अधिकार 44 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 358 करोड़ रुपये) में खरीदे थे। यह करार 2026 तक चलना था, लेकिन अब एक साल पहले ही समाप्त हो गया।दिलचस्प बात यह है कि ड्रीम11 पर कोई जुर्माना या पेनल्टी नहीं लगेगी, क्योंकि अनुबंध में पहले से यह प्रावधान था कि यदि किसी सरकारी नियम की वजह से व्यवसाय प्रभावित होता है, तो कंपनी जिम्मेदार नहीं होगी।

बोर्ड के राजस्व पर पड़ेगा असर

बीसीसीआई के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि यह स्थिति कंपनी की गलती नहीं है।उन्होंने कहा कि "यह एक सरकारी नियम है और उसका पालन करना ज़रूरी है। ड्रीम11 पर कोई जुर्माना नहीं लगाया जाएगा। हालांकि, इस स्थिति से कुछ समय के लिए बोर्ड के लाभ पर असर जरूर पड़ेगा, लेकिन हमें नई योजना बनानी होगी।"

एशिया कप से पहले प्रायोजक ढूंढना कठिन

भारत का पहला मैच एशिया कप 2025 में शुरू होने में अब केवल 15 दिन बचे हैं। अधिकारी ने बताया कि इतनी जल्दी नए प्रायोजक का चयन करना चुनौतीपूर्ण होगा। उन्होंने कहा कि - 'प्रक्रिया जारी है। हमें राष्ट्रीय टीम के टाइटल प्रायोजन के लिए विज्ञापन देना है। इसके बाद प्रस्ताव आएंगे और उनकी समीक्षा की जाएगी। इसमें समय लगेगा।'

कॉमनवेल्थ वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप

प्रीतिस्मिता भोई ने उठाया 150 किलो वजन

भारत को जिताया गोल्ड

अहमदाबाद, 25 अगस्त (एजेंसियां)। कॉमनवेल्थ वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में भारत की 15 साल की वेटलिफ्टर प्रीतिस्मिता भोई ने कमाल का प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की. प्रीतिस्मिता भोई ने 44 किलो की कैटेगिरी में सबसे ज्यादा वजन उठाकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया. प्रीतिस्मिता ने अपनी कैटेगिरी में सबसे ज्यादा 150 किलो वजन उठाया. स्नैच में वो दूसरे नंबर पर रही थीं और क्लीन एंड जर्क में उन्होंने पहला स्थान हासिल किया. उनका दोनों इवेंट का टोटल 150 किलो रहा और वो 10 किलो के अंतर से पहले स्थान पर रहीं. प्रीतिस्मिता भोई ने स्नैच में 63 किलो उठाया और क्लीन एंड जर्क में उनकी तीसरी कोशिश सबसे ज्यादा 87 किलो रही.

प्रीतिस्मिता भोई का संघर्ष

प्रीतिस्मिता भोई का जन्म 14 नवंबर, 2008 को ओडिशा के ढेंकानल में हुआ था. जब वो सिर्फ दो साल की थीं तो उनके पिता का निधन हो गया. इसके बाद उनकी मां जमुना देवी ने उन्हें और उनकी बहन विदुस्मिता को पाला. बेहद छोटी सी उम्र में इन दोनों को वेटलिफ्टिंग कोच गोपाल कृष्णा दास का साथ मिला, जिन्होंने उनका करियर बनाने में काफी मदद की. ओडिशा सरकार ने भी उनकी काफी मदद की.

दरअसल ओडिशा सरकार ने गोपाल कृष्णा दास के वेटलिफ्टिंग सेंटर को एक सब-सेंटर बनाया और सरकार की ओर से हर एथलीट को हर टाइम के खाने के लिए 275 रुपये मिले. इसका फायदा प्रीतिस्मिता भोई को भी मिला और आज देखिए महज 15 साल की उम्र में उन्होंने कॉमनवेल्थ वेटलिफ्टिंग में गोल्ड मेडल जीत लिया है.

प्रीतिस्मिता भोई 2023 से ही दिखा रही हैं जलवा

प्रीतिस्मिता भोई को साल 2023 से ही मेडल जीतने की आदत सी हुई. इस खिलाड़ी ने आईडब्ल्यूएलएफ नेशनल यूथ चैंपियनशिप में तीसरा स्थान हासिल किया. इसके बाद पटना में हुए खेलो इंडिया नेशनल वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में उन्होंने सिल्वर मेडल हासिल किया. 2024 में पेरू में हुए यूथ वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में वो नंबर 1 रहीं, वहां उन्होंने गोल्ड हासिल किया. अब कॉमनवेल्थ में भी उन्होंने तिरंगा लहरा दिया है.

'भारत का लक्ष्य 2047 तक दुनिया के शीर्ष पांच देशों में शामिल होना', बोले खेल मंत्री मांडविया

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि भारत का लक्ष्य 2047 तक खेलों में दुनिया के शीर्ष पांच देशों में शामिल होना है। मांडविया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने खेल क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है और इस क्षेत्र में कई सुधार किए गए हैं।

मांडविया ने यहां राष्ट्रमंडल भारोत्तोलन चैंपियनशिप के उद्घाटन समारोह के दौरान कहा, 'प्रधानमंत्री ने अगले 10 वर्षों में देश को दुनिया के शीर्ष 10 खेलों में शामिल करने का लक्ष्य रखा है। हमने 2036 में ओलंपिक के लिए दावेदारी पेश की है। 2047 में हम अपनी स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाएंगे और प्रधानमंत्री मोदी ने तब तक खेलों की दुनिया के शीर्ष पांच देशों में शामिल होने का लक्ष्य रखा है।'

उन्होंने कहा, 'खेलों में एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए, देश को खेलों में प्रगति दिलाने के लिए हमने एक योजना 'टारगेट पोडियम ओलंपिक' बनाई और इस योजना के माध्यम से देश के शीर्ष खिलाड़ियों को सर्वश्रेष्ठ समर्थन मिल रहा है ताकि वे पूरे समर्पण के साथ अपना खेल खेलें।' मंत्री ने कहा कि समय की मांग है कि देश में एक खेल पारिस्थितिकी तंत्र बनाया जाए और सरकार इसे बनाने के लिए समर्पित है।

भाला फेंक एथलीट रोहित ने जीता स्वर्ण

चेन्नई, 25 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के भाला फेंक एथलीट रोहित यादव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय अंतरराज्यीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। रोहित ने पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में 83.65 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ थ्रो से शीर्ष स्थान हासिल किया। रोहित का यह थ्रो उनके तीसरे प्रयास में आया जिसने यह सुनिश्चित किया कि वह खिताब अपने नाम करेंगे।

रोहित ने सिर्फ स्वर्ण ही नहीं जीता, बल्कि उन्होंने अगले महीने टोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालिफाई करने की उम्मीद को भी बरकरार रखा। रोहित विश्व रैंकिंग कोटा के माध्यम से इस चैंपियनशिप में हिस्सा ले सकते हैं। उत्तर प्रदेश के

ही सचिन यादव 83.20 मीटर की दूरी के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि महाराष्ट्र के प्रतिभाशाली शिवम लोहाकरे 80.20 मीटर के साथ तीसरे स्थान पर रहे। राजस्थान के यशवीर सिंह भी विश्व रैंकिंग कोटा के माध्यम से विश्व चैंपियनशिप के लिए जगह बनाने की दौड़ में हैं। वह 76.22 मीटर के प्रयास के साथ चौथे स्थान पर रहे।

सचिन और यशवीर उन 36 एथलीटों की श्रेणी में हैं जो पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में प्रतिस्पर्धा करेंगे। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा पहले ही वाइल्ड कार्ड के माध्यम से विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालिफाई कर चुके हैं क्योंकि वह गत चैंपियन हैं। अगर रोहित इसमें जगह बनाते हैं, तो चार भारतीय इस भाला फेंक स्पर्धा में प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं। नीरज 2023 में बुडापेस्ट में चैंपियन बने थे। उस विश्व चैंपियनशिप में देश का प्रतिनिधित्व करने वाले किशोर जेना और डीपी मनु राष्ट्रीय चैंपियनशिप में पांचवें और छठे स्थान पर रहे। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) की चयन समिति 28 अगस्त को भारतीय टीम का चयन कर सकती है।

वापसी पर मीराबाई चानू ने बिखेरी चमक

राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में जीता स्वर्ण पदक

अहमदाबाद, 25 अगस्त (एजेंसियां)। टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता भारत की स्टार महिला भारोत्तोलक मीराबाई चानू ने वापसी पर चमक बिखेरी। चानू ने सोमवार को राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। चानू ने महिला 48 किलो भार वर्ग में इस दौरान क्लीन और जर्क मिलाकर कुल 193 किलो (84+109 किलो) का भार उठाया और शीर्ष स्थान हासिल किया।

31 वर्षीय चानू ने पिछले साल पेरिस ओलंपिक में हिस्सा लिया था और इसके बाद से वह चोटों से जूझती रहीं। मीराबाई से राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करने की उम्मीद थी और उन्होंने आशा के अनुरूप ही प्रदर्शन किया।

मीराबाई ने 2028 लॉस एंजिलिस खेलों के लिए नए ओलंपिक भार वर्ग लागू होने के बाद 49 किग्रा से 48 किग्रा में जाने का फैसला किया था।

मीराबाई ने इस 48 किग्रा भार वर्ग में अपना विश्व चैंपियनशिप खिताब और दो राष्ट्रमंडल खेलों के पदक जीते हैं, लेकिन उन्होंने सोमवार से पहले 2018 के बाद से इसमें प्रतिस्पर्धा नहीं की थी।

शाकिब टी-20 में 500 विकेट लेने वाले 5वें गेंदबाज बने

कैरेबियन प्रीमियर लीग मैच में 3 विकेट लिए; फाल्कन्स ने पैट्रियट्स को 7 विकेट से हराया

गुयाना, 25 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेशी ऑलराउंडर शाकिब अल हसन ने अपने शानदार करियर में एक और बड़ा मुकाम हासिल कर लिया है. वह टी20 क्रिकेट में 500 विकेट लेने वाले दुनिया के केवल पांचवें क्रिकेटर बन गए हैं. 38 वर्षीय शाकिब ने यह उपलब्धि कैरेबियन प्रीमियर लीग में एंटीगुआ एंड बारबुडा फाल्कन्स की ओर से खेलते हुए हासिल की. शाकिब ने सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स के खिलाफ खेले गए मुकाबले में बनाया. नॉर्थ साउंड में हुए इस मैच में उन्होंने सिर्फ दो ओवर में 11 रन देकर 3 विकेट चटकाए. इसके साथ ही उनके टी20 करियर में कुल विकेटों की संख्या बढ़कर 502 हो गई.

शाकिब ने 2006 में टी20 क्रिकेट में डेब्यू किया था और तब से दुनिया भर की फ्रेंचाइजी लीगों में लगातार खेलते रहे हैं. इंडियन प्रीमियर लीग में उन्हें 2011 में कोलकाता नाइट राइडर्स ने खरीदा था. इसके बाद शाकिब ने केकेआर को 2012 और 2014 में खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई थी. 2012 में उन्होंने 12 और 2014 में 11 विकेट हासिल किए थे. साकिब ने विश्व क्रिकेट में अब तक 457 टी20 मैच खेले हैं, जिनकी 448 पारियों में 502 विकेट लिए हैं. उनकी इकॉनमी 6.79 की रही है. साकिब ने अब तक 12 बार 4 विकेट हॉल

और 5 बार पांच विकेट हॉल लिए हैं. उनका बेस्ट 6 रन देकर 6 विकेट रहा है.

विश्व में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में राशिद खान हैं, उन्होंने 487 मैचो में 660 विकेट हासिल किए हैं. दूसरे नंबर पर 582 मैचों में 631 विकेट लेकर ड्वेन ब्रावो काबिज हैं. सुनील नरेन 557 मैचों में 590 विकेट के साथ तीसरे और अभी हाल ही में सबसे उम्रदराज कैप्टन के रूप में 5 विकेट लेने वाले इमरान ताहिर 436 मैचों में 554 विकेट के साथ चौथे स्थान पर हैं.

शानदार रहा साकिब का करियर

सीपीएल में भी शाकिब का प्रदर्शन शानदार रहा है. 2013 में अपने डेब्यू सीज़न में उन्होंने 11 विकेट लिए थे, जो उस साल टूर्नामेंट में दूसरा सबसे ज्यादा आंकड़ा था. 2016 में उन्होंने 12 विकेट झटके. वहीं अपने देश में बांग्लादेश प्रीमियर लीग में शाकिब का दबदबा सबसे ज्यादा देखने को मिला. उन्होंने 2013 में बतौर खिलाड़ी और 2016 में बतौर कप्तान ढाका फ्रेंचाइजी को खिताब जिताया. शाकिब अब तक बीपीएल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं. उन्होंने 9 सीजन में 149 विकेट झटके हैं.

फ्रेंचाइजी क्रिकेट के अलावा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी शाकिब के आंकड़े उन्हें बांग्लादेश का अब तक का सबसे महान क्रिकेटर साबित करते हैं. तीनों फॉर्मेट में मिलाकर उन्होंने 14,000 से ज्यादा रन बनाए हैं और 712 विकेट लिए हैं. इसी वजह से उन्हें आधुनिक क्रिकेट के सबसे सफल ऑलराउंडर्स में गिना जाता है.

एशियाई शूटिंग चैंपियनशिप में मनु भाकर 25 मी. पिस्टल में चौथे स्थान पर

शिमकेंट (कजाखस्तान), 25 अगस्त (एजेंसियां)। महिला जूनियर 25 मीटर पिस्टल फाइनल में भारत की पायल खत्री को 36 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक मिला जबकि नाम्या कपूर (30) ने रजत और तेजस्विनी (27) ने कांस्य पदक जीता।

दो ओलंपिक पदक जीत चुकी भारतीय निशानेबाज मनु भाकर एशियाई निशानेबाजी चैम्पियनशिप में सोमवार को महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में चौथे स्थान पर रही जबकि जूनियर वर्ग में भारतीयों का दबदबा रहा। भारत की ही ईशा सिंह आठ महिलाओ के फाइनल में छठे स्थान पर रही। मनु ने 25 स्कोर किया और तीसरे स्थान पर रही वियतनाम की तू

विन्ह त्रिन्ह से चार अंक पीछे रही।

महिला जूनियर 25 मीटर पिस्टल फाइनल में भारत की पायल खत्री को 36 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक मिला जबकि नाम्या कपूर (30) ने रजत और तेजस्विनी (27) ने कांस्य पदक जीता। इन तीनों ने 1700 अंक के साथ टीम वर्ग में भी रजत पदक अपने नाम किया। कोरिया को स्वर्ण और कजाखस्तान को कांस्य पदक मिला।

नाम्या और तेजस्विनी क्वालीफिकेशन में पहले दो स्थान पर रही जबकि पायल छठे स्थान पर रही थी। इससे पहले सीनियर वर्ग में चीन की यूयू झांग ने स्वर्ण और जियारूइशुआन शियाओ ने रजत पदक जीता। मनु, ईशा और सिमरनप्रीत कौर बरार की भारतीय तिकड़ी ने 1749 के कुल स्कोर के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया । वे चीन और दक्षिण कोरिया से पीछे रहे। ईशा क्वालिफिकेशन में शीर्ष रही थी जबकि मनु चौथे स्थान पर रही थी।

महिला विश्व कप के लिए पाकिस्तान टीम का ऐलान

सिर्फ 585 रन बनाने वाली को बना डाला कप्तान

इस्लामाबाद, 25 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने महिला वनडे विश्व कप के लिए टीम का ऐलान कर दिया है। फातिमा सना टीम की कप्तानी करेंगी। टीम में कुल 15 खिलाड़ियों को मौका मिला है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने 25 अगस्त को टीम की घोषणा की।

महिला विश्व कप का आयोजन इस बार भारत और श्रीलंका में किया जा रहा है। जिसकी मेजबानी पूरी तरह से भारत के पास है। टीम इंडिया ने कुछ ही दिन पहले अपने इस महिला वनडे विश्व कप के लिए अपने स्क्वाड का ऐलान किया था। इसी बीच भारत के सबसे बड़े दुश्मन में से एक पाकिस्तान ने भी अपने महिला टीम का ऐलान कर दिया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने 25 अगस्त को अपने स्क्वाड का ऐलान किया है। टीम में कुल 15 खिलाड़ियों को मौका मिला है।

सिर्फ 585 रन बनाने वाली को बनाया कप्तान

पाकिस्तान की महिला टीम ने वनडे वर्ल्ड कप के लिए जो टीम का ऐलान किया है, उसकी कप्तानी फातिमा सना के हाथों में है। फातिमा सना की कप्तानी में पिछले कुछ सालों से पाकिस्तान की टीम ने कुछ खास कमाल नहीं किया है, फिर भी वह लगातार टीम की कप्तानी कर रही हैं। बतौर कप्तान तो उनका प्रदर्शन बेहद खराब रहा ही है, इसके अलावा वह बतौर खिलाड़ी भी कुछ खास कमाल नहीं कर सकी हैं। फातिमा सना, जो एक बॉलिंग ऑलराउंडर हैं। उनके नाम वनडे क्रिकेट में 63 विकेट और 585 रन दर्ज हैं।

इस दिन होगा टीम इंडिया से मुकाबला

पाकिस्तान की महिला टीम वनडे विश्व कप के लीग स्टेज के दौरान कुल 7 मुकाबाले खेलेगी। उनकी पहला मैच बांग्लादेश के खिलाफ 2 अक्टूबर को खेला जाएगा। पाकिस्तान को इस दौरान भारतीय महिला टीम के खिलाफ भी मुकाबला खेलना है। भारत से उनका यह मैच 05 अक्टूबर को होगा। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, इंग्लैंड, साउथ अफ्रीका और श्रीलंका के खिलाफ भी उन्हें मैच खेलना है।

महिला विश्व कप के लिए पाकिस्तान का स्क्वाड

फातिमा सना (कप्तान), मुनीबा अली (उप-कप्तान), आलिया रियाज, डायना बेग, एमान फातिमा, नशरा संधू, नतालिया परवेज, ओमाइमा सोहेल, रमीन शमीम, सदफ शमास, सादिया इकबाल, शावाल जुल्फिकार, सिदरा अमीन, सिदरा नवाज (विकेटकीपर), सैयदा अरूब शाह।

नॉन ट्रैवलिंग रिजर्वः गुल फिरोजा, नजीहा अल्वी, तुबा हसन, उम्म-ए-हानी, वहीदा अख्तर।

गत चैंपियन सबालेंका यूएस ओपन के दूसरे दौर में

रादुकानू ने 2021 के बाद टूर्नामेंट में पहला मैच जीता

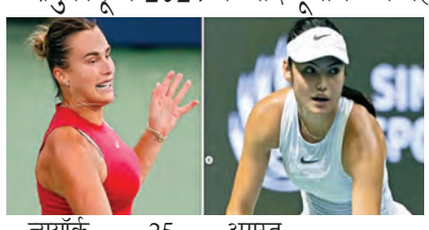

न्यूयॉर्क, 25 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिकी ओपन 2021 जीतने वाली एम्मा रादुकानू ने 18 वर्ष की उम्र में एक क्वालिफायर के तौर पर खिताब जीतने के बाद यहां पहली जीत दर्ज करते हुए जापान की क्वालिफायर एना स्निबाहारा को 6-1, 6-2 से मात दी।

गत चैंपियन एरिना सबालेंका ने स्विटरलैंड की रेबेका मासारोवा से मिली कड़ी चुनौती का सामना करके 7-5, 6-1 से जीत के साथ अमेरिकी ओपन के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया। तीन बार की ग्रैंडस्लैम चैम्पियन और दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी सबालेंका इस साल पहले तीन ग्रैंडस्लैम में खिताब नहीं जीत सकी हैं।

उन्होंने कहा, 'मैं सत्र का समापन ग्रैंडस्लैम खिताब और नंबर वन रैंकिंग के साथ करना चाहती हूं।' अब उनका सामना पोलिना मुदेरमेतोवा से होगा जिन्हें फरवरी में दुबई में वह हरा चुकी हैं।

अमेरिकी ओपन 2021 जीतने वाली एम्मा रादुकानू ने 18 वर्ष की उम्र में एक क्वालिफायर के तौर पर खिताब जीतने के बाद यहां पहली जीत दर्ज करते हुए जापान की क्वालिफायर एना स्निबाहारा को 6-1, 6-2 से मात दी। चार साल पहले खिताब जीतकर सभी को चौंका देने वाली राडुकानू 2022 में पहले दौर में हार गई, जबकि 2023 में कलाई और टखने के आपरेशन के कारण खेल नहीं सकी।

पिछले साल भी वह पहले दौर में हार गई थीं। अब 22 साल की हो चुकी ब्रिटेन की राडुकानू ने इस सत्र में अच्छा प्रदर्शन करते हुए रैंकिंग में 70वें से 36वां स्थान हासिल कर लिया।

5 सालों के बाद आरसीबी में क्या होगी एबी डिविलियर्स की वापसी?

दिग्गज बल्लेबाज ने बताया अपना प्लान

बेंगलुरु, 25 अगस्त (एजेंसियां)। आईपीएल चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के सबसे बड़े मैच विनर खिलाड़ियों में अभी भी एबी डिविलियर्स का नाम आता है। इस खिलाड़ी ने अपने दम पर कई मुकाबले आरसीबी को जिताए हैं। डिविलियर्स के संन्यास के 5 सालों के बाद भी फ्रेंचाइजी को उनके जैसा स्टार खिलाड़ी अभी तक नहीं मिला है। इस बीच सोशल मीडिया पर आरसीबी में एबी डिविलियर्स के कमबैक की खबरें चल रही है। जिस पर दिग्गज बल्लेबाज ने अब खुद जवाब दिया है।

आरसीबी में वापसी पर बोले एबी डिविलियर्स

आईपीएल 2021 के बाद एबी डिविलियर्स ने संन्यास का फैसला कर लिया था। उसके बाद से ही टीम को इस सुपरस्टार खिलाड़ी की कमी खल रही है। आरसीबी में वापसी के सवाल पर एबी डिविलियर्स ने अपने एक इंटरव्यू में कहा, 'हो सकता है कि मैं भविष्य में किसी और भूमिका में आईपीएल से जुड़ जाऊं, लेकिन पेशेवर तौर पर पूरे सीजन के लिए प्रतिबद्ध होना वाकई मुश्किल होता है और उन्हें लगता है कि वो दिन अब बीत चुके है, लेकिन आप कभी ना नहीं कह सकते। मेरा दिल आरसीबी के साथ है और हमेशा रहेगा। इसलिए अगर फ्रेंचाइजी को लगता है कि मेरे लिए कोई भूमिका है (कोच या मेंटर के रूप में), जब मेरा समय सही और तैयार होगा, तो वह निश्चित रूप से आरसीबी होगी।'

शानदार रहा है एबी डिविलियर्स का आईपीएल करियर

दिल्ली डेयरडेविल्स (दिल्ली कैपिटल्स) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए आईपीएल में एबी डिविलियर्स ने खेला है। जहां पर उन्होंने 184 मैचों में 5162 रन बनाए हैं। एबी ने इस दौरान 39.70 की औसत से रन बनाए हैं। वहीं उनका स्ट्राइक रेट 151.68 का रहा है। आरसीबी के लिए डिविलियर्स ने 157 मैच खेले हैं। जिसमें 41.10 की औसत से 4522 रन जोड़े हैं। वहीं उनका स्ट्राइक रेट 158.33 का रहा है। एबी ने आरसीबी के लिए 2 शतक और 37 अर्धशतक भी जड़े हैं।

ओबीसी 42% आरक्षण कानूनी रूप से लागू नहीं हुआ तो पूरे राज्य में आंदोलन : आर. कृष्णैया

राष्ट्रीय बीसी कल्याण संघ ने सत्याग्रह दीक्षा की

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यसभा सांसद और राष्ट्रीय बीसी कल्याण संघ के अध्यक्ष आर. कृष्णैया ने सोमवार को इंदिरा पार्क धरना चौक पर एक दिवसीय सत्याग्रह दीक्षा आयोजित की। इस दौरान हज़ारों बीसी संगठनों, कर्मचारी संघों, महिलाओं, युवाओं, छात्रों और वकीलों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

बीसी समाज के पारंपरिक व्यवसायों को दर्शाने वाले गीतों और अधिकारों पर आधारित रचनाओं ने सभा को ऊर्जावान बना दिया। दीक्षा की अध्यक्षता पूर्व अध्यक्ष, तेलंगाना राज्य बीसी आयोगडॉ. वकुलाभरणम कृष्णमोहन राव ने की जबकि राष्ट्रीय बीसी कल्याण संघ उपाध्यक्ष गुज्जा सत्यं ने संयोजक की भूमिका निभाई। इस अवसर पर आर. कृष्णैया ने कहा कि यह एक दिवसीय बीसी सत्याग्रह दीक्षा केवल एक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि एक बड़े राज्यव्यापी आंदोलन की शुरुआत है। उन्होंने कहा कि पिछले 19 महीनों से सरकार बीसी आरक्षण के नाम पर ग़लत तरीक़े अपनाकर धोखा दे रही है।

केवल संवैधानिक और कानूनी तौर पर 42% आरक्षण लागू करने से ही न्याय संभव है। अस्थायी समितियों की सिफ़ारिशें अदालत में नहीं टिकेंगी। दिल्ली में धरना और पावर प्वाइंट प्रस्तुतियाँ केवल समय बर्बाद करने वाले दिखावे हैं। अब बी-फॉर्म्स के नाम पर नया नाटक रचा जा रहा है। प्रधानमंत्री द्वारा ओबीसी को कन्वर्टेड बीसी कहकर गुमराह करना भी अस्वीकार्य है। सरकार को चाहिए कि तुरंत 42% आरक्षण को कानूनी रूप से लागू करे, अन्यथा राज्यव्यापी आंदोलन और तेज़ किया जाएगा।

विधान परिषद विपक्ष नेता सेरिकोंडा मधुसूदनाचारी ने कहा कि बीसी आरक्षण का कानूनी अमल ही सामाजिक न्याय है। भाजपा सांसद ईटेला राजेंद्र ने कहा कि भाजपा हमेशा बीसी समाज के साथ रही है। 42% आरक्षण का कानूनी अमल हमारी ऐतिहासिक ज़िम्मेदारी है और इसके बिना हम पीछे नहीं हटेंगे। पूर्व मंत्रि वी.वी. श्रीनिवास गौड़ ने कहा कि रेवंत सरकार बीसी समाज को धोखा दे रही है। 42% आरक्षण कानूनी रूप से लागू होने तक संघर्ष जारी रहेगा।

डॉ. वकुलाभरणम कृष्णमोहन राव के विचार सभा को संबोधित करते हुए डॉ. वकुलाभरणम कृष्णमोहन राव ने कहा कि 42% आरक्षण से जुड़े बिल अभी तक राज्यपाल की स्वीकृति के लिए लंबित हैं। अध्यादेश पर भी स्पष्टता नहीं है। इस अवसर पर आनंद गौड़ (ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष), डॉ. अरुण यादव, डॉ. डुडिमेटला बालराज यादव, राजा राम यादव, चि. उपेंद्र बार्का कृष्ण, अंजी, पिच्चेट्टी मुरली कृष्ण, राजकुमार, श्रीनिवास यादव, प्रभु गौड़, नीला वेंकटेश, गोरेगे मल्लेश, जिल्लीपल्ली अंजी, वेंमुला रामकृष्ण, राजेंद्र, मणिकंठ राजू, नेता अनंतय्या, मोदी रामदेव, पृथ्वी गौड़, रामदेव यादव, रमादेवी, सुगुणा, अनुराधा गौड़, आदी मल्लेशम, पटेल भारत, कोटेश्वरी, लता, लता सिंह, बालस्वामी, लक्ष्मी, निखिल पटेल, भास्कर प्रजापति, अरविंद, प्रीतम समेत कई अन्य ने आंदोलन को मज़बूत समर्थन दिया।

टीजीएचआरसी ने छात्रों के प्रमाण पत्र जारी करने का आदेश दिया

कॉलेज अधिकारियों को तलब किया

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। न्यायमूर्ति शमीम अख्तर की अध्यक्षता में तेलंगाना राज्य मानवाधिकार आयोग (टीजीएचआरसी) ने निजी कॉलेजों द्वारा छात्रों के मूल प्रमाण पत्र रोके रखने से संबंधित दो मामलों में सख्त निर्देश जारी किए हैं। इस मामले में, आयोग ने गौतमी डिग्री कॉलेज, बालानगर के अधिकारियों को एक बीबीए स्नातक के प्रमाण पत्र तुरंत वापस करने और स्थानांतरण प्रमाण पत्र जारी करने का निर्देश दिया, और लंबित छात्रवृत्ति प्रतिपूर्ति के लिए दस्तावेज़ रोके रखने के कृत्य को मानवाधिकारों और संविधान के अनुच्छेद 21 का उल्लंघन बताया। कॉलेज के अध्यक्ष और प्राचार्य को स्पष्टीकरण के लिए 28 अगस्त, 2025 को तलब किया गया है। एक अन्य मामले में, आयोग ने अपने पूर्व आदेश का पालन न करने पर संज्ञान लेते हुए, सुल्तान-उल-उलूम कॉलेज ऑफ फार्मेसी, बंजारा हिल्स के अध्यक्ष और प्राचार्य को 17 छात्रों के प्रमाण पत्र वापस न करने पर तलब किया। उन्हें 28 अगस्त, 2025 को सुबह 11 बजे आयोग के समक्ष उपस्थित होना होगा। आयोग ने दोहराया कि शैक्षणिक रिकॉर्ड छिपाने से छात्रों को शैक्षिक और करियर के अवसरों से वंचित किया जा रहा है, और चेतावनी दी है कि ऐसा न करने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मतदान केंद्रों के युक्तिकरण पर आपत्तियाँ आज प्रस्तुत करें : जिला निर्वाचन अधिकारी

जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र में 79 नए मतदान केंद्र प्रस्तावित

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद जिला निर्वाचन अधिकारी और जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से जुबली हिल्स उपचुनाव के मद्देनजर चुनाव आयोग के निर्देशों के अनुसार इस महीने की 26 तारीख तक मतदान केंद्रों के युक्तिकरण पर आपत्तियाँ प्रस्तुत करने को कहा है।

सोमवार को जिला निर्वाचन अधिकारी ने जीएचएमसी मुख्यालय में राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ मतदान केंद्रों के युक्तिकरण पर एक विशेष बैठक की और विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर, जिला निर्वाचन अधिकारी आर.वी. कर्णन ने कहा कि मौजूदा 320 मतदान केंद्रों के स्थान पर 408 मतदान केंद्र प्रस्तावित किए गए हैं। पहले 132 स्थानों पर मतदान केंद्र स्थापित किए गए थे, लेकिन अब 139 स्थानों पर प्रस्तावित किए गए हैं। इसके अलावा, 79 नए मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं। चूँकि यह युक्तिकरण रिपोर्ट इस महीने की 28 तारीख तक चुनाव आयोग को भेजी जानी है, इसलिए आयुक्त ने सुझाव दिया कि 26 तारीख तक आपत्तियाँ प्रस्तुत की जाएँ।

आयुक्त ने बताया कि जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र में कुल 329 मतदान केंद्रों के लिए बूथ स्तरीय अधिकारी बीएलओ उपलब्ध हैं। हालाँकि, अभी तक केवल कुछ ही राजनीतिक दलों ने बूथ स्तरीय एजेंटों की सूची प्रस्तुत की है, और उन्होंने उन दलों से सूची तुरंत प्रस्तुत करने का अनुरोध किया है जिन्होंने अभी तक सूची प्रस्तुत नहीं की है। उन्होंने कहा कि 79 नए स्थापित मतदान केंद्रों के लिए जल्द ही बूथ स्तरीय अधिकारियों की नियुक्ति की जाएगी।

आयुक्त ने बताया कि 6 जनवरी से 15 अगस्त तक कुल 19,237 मतदाता पंजीकरण आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 3,767 अस्वीकृत कर दिए गए और 16 लंबित हैं। फॉर्म 6 के माध्यम से प्राप्त 5,426 आवेदनों में से 1,478 अस्वीकृत कर दिए गए, फॉर्म 7 के माध्यम से प्राप्त 3,453 आवेदनों में से 1,010 अस्वीकृत कर दिए गए और 12 लंबित हैं। फॉर्म 8 के माध्यम से प्राप्त 10,358 आवेदनों में से 1,279 अस्वीकृत कर दिए गए। बैठक में एलबी नगर के क्षेत्रीय आयुक्त हेमंत केशव पाटिल, अतिरिक्त चुनाव आयुक्त मंगतयारू और जुबली हिल्स के उपायुक्त ईओआर उपस्थित थे। राजनीतिक दलों की ओर से रजनीकांत रेड्डी, बहुजन समाज पार्टी से नंदेश कुमार, पी. वेंकटरमण, पवन कुमार, भारतीय जनता पार्टी से सुप्रिया गौड़, आम आदमी पार्टी से विजय मल्लंगी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) से एम. श्रीनिवास राव, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से राजेश कुमार, बी.वाई. श्रीकांत, तेलुगु देशम पार्टी से विजय रत्न, एआईएमआईएम पार्टी से सैयद मुश्ताक कलिउल्ला और अन्य ने भाग लिया।

पुष्पा सिनेमा के प्रदर्शन में घायल हुए लड़के के परिवार को वित्तीय सहायता प्रदान की गई

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मिशन वात्सल्य योजना के माध्यम से फिल्म पुष्पा के लाभ प्रदर्शन के दौरान घायल हुए लड़के के परिवार को वित्तीय सहायता प्रदान की गई है।

बाल अधिकार आयोग की अध्यक्ष कोत्तकोटा सीता दयाकर रेड्डी के समर्पित प्रयासों की बदौलत, इस बहुचर्चित तेलुगु फिल्म के लाभ प्रदर्शन के दौरान संध्या थिएटर में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद, घायल लड़के की बड़ी बहन को इस योजना के तहत वित्तीय सहायता मिल रही है। इस पहल के तहत, लड़की 18 वर्ष की आयु तक हर महीने 4,000 रुपये प्राप्त करने की पात्र है। अब तक, पिछले तीन महीनों के लिए कुल 12,000 रुपये लड़की की शिक्षा संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए सीधे परिवार के खाते में जमा किए जा चुके हैं। मिशन वात्सल्य योजना केंद्र सरकार द्वारा संचालित एक पहल है। इस अवसर पर, परिवार के सदस्यों ने इस पहल के माध्यम से पीड़ित परिवार को दी गई सहायता के लिए बाल अधिकार आयोग के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त की।

सोमवार को जारी एक बयान में, बाल अधिकार आयोग ने कहा कि यह पहल पीड़ितों की सहायता के लिए सरकार के दृष्टिकोण में निहित मानवीय सिद्धांतों का प्रतिनिधित्व करती है। उन्होंने मिशन वात्सल्य कार्यक्रम के माध्यम से कई अन्य बाल पीड़ितों के परिवारों की सहायता जारी रखने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

एफटीसीसीआई ने वैश्विक कॉर्पोरेट शिखर सम्मेलन का आयोजन किया

"अमेरिकी पारस्परिक टैरिफ व्यवस्था" पर हुई चर्चा

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। विदेश मंत्रालय के पूर्व सचिव डॉ. औसाफ सईद ने उद्योग क्षेत्र को आगाह करते हुए कहा कि "अमेरिकी पारस्परिक टैरिफ व्यवस्था" का इस्तेमाल देशों पर अनुकूल सौदों के लिए बातचीत करने का दबाव बनाने के लिए एक राजनीतिक हथियार के रूप में किया जा रहा है।

लेकिन भारत झुकेगा नहीं। जहाँ कई देश रूस के साथ व्यापार जारी रखे हुए हैं, वहीं भारत को निशाना बनाया जा रहा है। हमारी प्रतिक्रिया विविधता और नए बाजारों की तलाश पर केंद्रित होनी चाहिए। हम अपने सारे अंडे एक ही टोकरी में नहीं रख सकते।" यहाँ रेड हिल्स में फेडरेशन ऑफ तेलंगाना चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफटीसीसीआई) द्वारा आयोजित एक दिवसीय "वैश्विक कॉर्पोरेट शिखर सम्मेलन" में मुख्य भाषण देते हुए, डॉ. औसाफ सईद ने इस क्षेत्र पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि "तेलंगाना अपेक्षाकृत सुरक्षित है क्योंकि फार्मा क्षेत्र को इन टैरिफ से छूट दी गई है।" हालाँकि, कपड़ा, रत्न एवं आभूषण जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। राज्य सरकार को रणनीति बनाने के लिए व्यापार निकायों के साथ मिलकर तुरंत एक कार्य समूह बनाना चाहिए।

मैं समझता हूँ कि तेलंगाना का निर्यात लगभग 90 अरब डॉलर का है, जिसमें इंजीनियरिंग सामान और फार्मा का योगदान क्रमशः 39 और 31 प्रतिशत है।" प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए, एफटीसीसीआई के अध्यक्ष आर. रवि कुमार ने कहा कि आज की परस्पर जुड़ी दुनिया में सफलता व्यापार, डिजिटल परिवर्तन और आपूर्ति श्रृंखला के लचीलेपन में "चपलता, दूरदर्शिता और नवाचार" पर निर्भर करती है। उन्होंने उद्योग, नीति निर्माताओं और वैश्विक हितधारकों के बीच एक सेतु के रूप में एफटीसीसीआई की भूमिका की पुष्टि की। एक दिवसीय शिखर सम्मेलन में भारत-यूके एफटीए, उभरते बाजारों में नवाचार और निवेश, एआई-संचालित डिजिटल व्यापार और लचीली, टिकाऊ आपूर्ति श्रृंखलाओं के निर्माण की रणनीतियों पर उच्च-स्तरीय सत्र आयोजित किए गए। प्रख्यात वक्ताओं में सिद्धार्थ विश्वनाथन, मुबारकका लोखंडवाला, अयूब शेख, कमल जैन और अन्य शामिल थे। दुनिया भर के लगभग 200 उद्योग जगत के नेताओं ने शिखर सम्मेलन में भाग लिया।

गणेश उत्सव को लेकर शांति समिति की हुई समन्वय बैठक

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। उत्तरी क्षेत्र के पुलिस उपायुक्त कार्यालय में आगामी गणेश उत्सव 2025 की तैयारी के लिए एक समन्वय बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ ही गोपालपुरम, महांकाली, बेगमपेट, तिरूमलगिरी संभागों के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, सहायक पुलिस अधीक्षक, उत्तरी क्षेत्र के थाना प्रभारी, उत्तरी क्षेत्र नियंत्रण निरीक्षक और 70 से अधिक शांति समिति के सदस्य शामिल थे। इस उत्सव के पैमाने और महत्व को समझते हुए, बैठक का उद्देश्य पिछली चुनौतियों की समीक्षा करना और सार्वजनिक सुरक्षा, सुचारू उत्सव और शांतिपूर्ण विसर्जन जुलूस सुनिश्चित करने के लिए व्यापक व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देना था। बैठक मेंनपुलिस उपायुक्त, उत्तरी क्षेत्र, हैदराबाद, सुश्री एस. रश्मि पेरुमल ने कहा कि पर्यावरण के अनुकूल मिट्टी की मूर्तियों की स्थापना को बढ़ावा देना है। इसके साथ ही सभी गणेश पंडालों का ऑनलाइन पंजीकरण सुनिश्चित कराना, अग्नि और विद्युत सुरक्षा उपायों का समन्वय करना, पंडालों के पास ज्वलनशील या विस्फोटक पदार्थों के उपयोग को रोकना है। उन्होंने कहा कि अतिक्रमण रोकना और यह सुनिश्चित करना कि मूर्ति स्थापना सड़कों या सार्वजनिक स्थानों को बाधित न करे और बेहतर समन्वय के लिए सभी हितधारकों के साथ पुलिस स्टेशन/डिवीजन स्तर पर संयुक्त बैठकें आयोजित करना है। बैठक का समापन अधिकारियों और शांति समिति के सदस्यों द्वारा गणेश उत्सव 2025 के सुरक्षित, संरक्षित और सौहार्दपूर्ण उत्सव को सुनिश्चित करने की शपथ के साथ हुआ।

सीएम रेवंत ने पीएम मोदी के साथ किया है गुप्त समझौता : केटीआर

केटीआर ने की तेलंगाना के साथ अन्याय के लिए मोदी-रेवंत रेड्डी गठजोड़ की आलोचना

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने सोमवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस और भाजपा ने तेलंगाना के साथ व्यवस्थित अन्याय करने के लिए एक गुप्त समझौता किया है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य में सत्ता में होने के बावजूद, दोनों दल विपक्षी बीआरएस की आलोचना करने में अपनी ऊर्जा खर्च करते रहे, लेकिन कभी एक-दूसरे पर हमला नहीं किया और आपस में लाभ उठाते रहे।

तेलंगाना भवन में बीआरएस में शामिल हुए अलुरी विजयभारती के नेतृत्व में भाजपा नेताओं को संबोधित करते हुए, रामाराव ने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ एक गुप्त समझौता किया है, जिससे तेलंगाना का भविष्य दांव पर लग गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार भाजपा और टीडीपी को फायदा पहुंचाने के लिए कालेश्वरम परियोजना के मेडिगड्डा बैराज की मरम्मत की जानबूझकर उपेक्षा कर रही है।

केटीआर ने आरोप लगाया, मोदी और चंद्रबाबू नायुडू के आदेश पर रेवंत रेड्डी गोदावरी के पानी को बानकाचेरला परियोजना और अंततः तमिलनाडु की ओर मोड़ने में उनकी मदद कर रहे हैं।

बीआरएस नेताओं ने कडियम श्रीहरि को इस्तीफा देने की दी चुनौती

दलबदलू विधायकों पर की स्पीकर से कार्रवाई की मांग

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व उपमुख्यमंत्री टी राजैया, पूर्व विधायक दस्यम विनय भास्कर और एमएलसी तक्केल्लापल्ली रविंदर राव ने स्टेशन घनपुर के विधायक कडियम श्रीहरि द्वारा कांग्रेस में शामिल होने की बात खुलेआम स्वीकार करने के बाद उन्हें तुरंत अपने पद से इस्तीफा देने की चुनौती दी। उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष गड्डम प्रसाद कुमार से श्रीहरि को तुरंत अयोग्य घोषित करने का आग्रह किया। सोमवार को तेलंगाना भवन में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए राजैया ने श्रीहरि पर आरोप लगाया कि वह कई वर्षों तक महत्वपूर्ण पदों पर रहने के बाद भी विकास के झूठे दावे कर रहे हैं। उन्होंने कहा, क्या उन्हें विकास की याद अब आई? 15 साल तक मंत्री, सांसद और एमएलसी रहते हुए उन्होंने स्टेशन घनपुर के लिए कुछ नहीं किया। उन्होंने अपनी बेटी को सांसद बनाने के लिए ही पार्टी बदली। उन्होंने कहा कि श्रीहरि हमेशा अपने राजनीतिक फायदे के लिए पार्टियां बदलते हैं, अपने क्षेत्र के विकास के लिए नहीं।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा स्पीकर को तीन महीने के भीतर कार्रवाई करने के निर्देश का हवाला देते हुए, विनय भास्कर ने कहा कि राहुल गांधी एक हाथ में संविधान रखते हैं, जबकि उनकी पार्टी दूसरे हाथ से विधायकों को खरीदती है। अगर श्रीहरि में नैतिकता है, तो उन्हें इस्तीफा देकर नया जनादेश मांगना चाहिए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि वरिष्ठ नेता केवल अपनी बेटी के राजनीतिक भविष्य को सुरक्षित करने के लिए काम कर रहे हैं। एमएलसी रविंदर राव ने श्रीहरि पर निजी फायदे के लिए दल बदलकर पूर्ववर्ती वारंगल जिले को बदनाम करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, अध्यक्ष को और क्या सबूत चाहिए? अगर श्रीहरि में हिम्मत है, तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्होंने सभी दलबदलू विधायकों के इस्तीफा देने तक लड़ाई जारी रखने का संकल्प लिया।

बीआरएस नेताओं ने तेलपुर जिला परिषद हाई स्कूल को दिया समर्थन

संगारेड्डी, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पाटनचेरु निर्वाचन क्षेत्र के समन्वयक वी आदर्श रेड्डी ने पूर्व एमएलसी वी भूपाल रेड्डी के सहयोग से सोमवार को तेलपुर नगरपालिका के 2-बीएचके कॉलोनी में जिला परिषद हाई स्कूल के छात्रों को 2,500 नोटबुक और अन्य अध्ययन सामग्री वितरित की। सुविधाओं की कमी से जूझ रहे स्कूल की मदद के लिए कई बीआरएस नेता आगे आए हैं। बीआरएसवी नेता चेन्ना रेड्डी ने फर्नीचर खरीदने के लिए 50,000 रुपये दान करने की घोषणा की, जबकि युवा बीआरएस नेता साई चरण गौड़ ने शिक्षकों की कमी को दूर करने के लिए तीन निजी स्कूल शिक्षकों की नियुक्ति में मदद का आश्वासन दिया। आदर्श रेड्डी ने कहा कि पार्टी नेता स्कूल को हर संभव सहयोग देने के लिए हमेशा तैयार रहेंगे।

प्रजावाणी में प्राप्त शिकायतों का शीघ्र समाधान किया जाए: आयुक्त आर.वी. कर्णन

प्रजावाणी में जीएचएमसी में 194 शिकायतें प्राप्त हुईं

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन ने अधिकारियों को प्रजावाणी में प्राप्त शिकायतों का शीघ्र समाधान करने के निर्देश दिए हैं। सोमवार को जीएचएमसी मुख्यालय में आयोजित प्रजावाणी में विभिन्न स्थानों से आए लोगों ने आयुक्त को अपनी शिकायतें सौंपीं। इस अवसर पर आयुक्त ने लोगों से प्राप्त शिकायतों की गहन जाँच की और संबंधित अधिकारियों को उनके शीघ्र समाधान के निर्देश दिए। इस अवसर पर बोलते हुए, आयुक्त आर.वी. कर्णन ने कहा कि अधिकारियों को लोगों की शिकायतों के समाधान में लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए और अधिकारियों को निर्देश दिए। विभागाध्यक्षों को एक ही समस्या को दोहराए बिना प्रत्येक आवेदक की समस्या का समाधान करने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए।

जीएचएमसी मुख्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान कुल 81 शिकायतें प्राप्त हुई।

जीएचएमसी के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले छह क्षेत्रों में कुल 113 शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें से 51 कुकटपल्ली क्षेत्र, 29 सिकंदराबाद क्षेत्र, 17 श्रीलिंगमपल्ली क्षेत्र, 8 चारमीनार क्षेत्र और 4-4 एलबी नगर और खैरताबाद क्षेत्र शामिल हैं।

तेलुगु फिल्म उद्योग को सीएम ने पूर्ण समर्थन का दिया आश्वासन

निर्माताओं और श्रमिकों की सुरक्षा के लिए सुधारों की आवश्यकता पर दिया बल

हैदराबाद, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने अपने जुबली हिल्स स्थित आवास पर तेलुगु फिल्म उद्योग के प्रमुख निर्माताओं और निर्देशकों से मुलाकात की और उन्हें पूर्ण सरकारी समर्थन का आश्वासन दिया। उन्होंने उत्पादकों और श्रमिकों, दोनों की सुरक्षा के लिए सुधारों की आवश्यकता पर बल दिया और मानवीय व्यवहार और बेहतर कार्य स्थितियों का आह्वान किया। उन्होंने कौशल विकास के लिए एक कोष का प्रस्ताव रखा और आगामी कौशल विश्वविद्यालय के माध्यम से व्यवस्था करने का वादा किया।

उन्होंने कहा, फिल्म उद्योग तेलंगाना के लिए महत्वपूर्ण है। हमारी सरकार श्रमिकों और निर्माताओं की रक्षा करेगी और बिना किसी पक्षपात के निष्पक्ष वातावरण सुनिश्चित करेगी। उन्होंने आगे कहा कि सरकार अनियमितताओं को बर्दाश्त नहीं करेगी। अल्लू अरविंद, डी सुरेश बाबू, जेमिनी किरण, अनिल सुनकारा, डीवीवी दानय्या, टीजी विश्वप्रसाद सहित शीर्ष निर्माता और त्रिविक्रम श्रीनिवास, बोयापति श्रीनिवास, वामसी पेडिपल्ली, अनिल रविपुडी और संदीप रेड्डी वांगा जैसे निर्देशक उपस्थित थे।

तेलंगाना राज्य फिल्म विकास निगम के अध्यक्ष और निर्माता दिल राजू, अल्लू अरविंद और मुख्यमंत्री के सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी भी शामिल हुए।

अग्निशमन कर्मचारियों ने कुएं से बुजुर्ग महिला को बचाया

करीमनगर, 25 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। अग्निशमन सेवा कर्मियों ने सोमवार को चोप्पाडांडी मंडल में एक कुएं में गिरी एक बुजुर्ग महिला को बचाया। तेरहवें वार्ड की निवासी पंचला भाग्यलक्ष्मी गलती से फिसलकर कुएं में गिर गईं।

पड़ोसियों ने तुरंत पुलिस और अग्निशमन विभाग को सूचना दी। त्वरित कार्रवाई करते हुए चोप्पाडांडी फायर स्टेशन अधिकारी पी. पवन के नेतृत्व में एक टीम मौके पर पहुंची और रस्सियों की सहायता से महिला को बाहर निकाला। अग्निशमन कर्मचारी सदस्य सीएच नरेंद्र, ई शशि कुमार, जी गणेश, के सतैया, बी अरुण कुमार और अन्य ने बचाव अभियान में भाग लिया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.